

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 81

नई विल्ली, शनिबार, फरवरी 19, 1983 (माघ 30, 1904).

No. 8]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 19, 1983 (MAGHA 30, 1904)

इस भाग में भिग्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अजग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III-- खब्द 1 [PART III—SECTION ]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

सं० ए० 11014/1/82-प्रशा०-III--संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रागामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, श्रनभाग श्राधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्त रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियक्त किया जाता है:---

ं० सं	० नाम	पदोन्नित	<del>.</del>	की भ्रवधि	ı
1.	—————————————————————————————————————	6-12-82	से	3-3-83	तक
2.	श्रीवी० पी० कपल	25-11-82	सं	11-2-83	तक
3.	श्री प्रार० के० गौड	1-11-82	से	6-3-83	नक
4.	श्री के० जी० नायर	1-10-82	से	3-1-83	तक
5.	श्री बी० सी० गुप्ता	1-11-82	से	6-3-83	तक
6.	श्री एम० के० राय	1-10-82	स	3-1-83	तक
7.	श्री के० सी० सहगल	1-11-82	सं	5-12-82	तक
			ন্থ	П	
		7-12-82	से	6-3-83	तक
8.	श्री राज कुमार	1-10-82	स	6 <b>-</b> 3- 8 3	नक
_4	66 GI/82				

क०सं० नाम	पदौन्नति की श्रवधि
9. श्री गुरदास .	3-11-82 में 31-1-83 तंक
10. श्री डी० पी० भ्ररोड़ा .	3-11-82 से 3-1-83 तक
11. श्री प्रमोद बिहारी .	1-11-82 से 5-12-82 तक
	तथा
	7-12-82 से 31-12-82 तक
12. श्री जी० टी० रामनानी	31-10-82 से 30-11-82 तक
	तथा
	7-12-82 से 31-12-82 तक
13. भी ए० के० शर्मा .	24-10-82 से 30-10-82 नक
	तथा
	3-11-82 से 10-12-82 तक

### दिनांक 5 जनवरी 1983

32014/2/82-प्रशा -1--संघ लांक संवा सं. ए. आयोग के संवर्ग में के. स. स्टे. से. के ग्रेड ग स्टोनोग्राफर श्री एम . एस . एल . चांदना को राष्ट्रपति व्वारा 15 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाहन में आगामी आदेशों तक सीमित विभागीय

प्रतियोगिता परीक्षा 1981 (र्ज 13) के आधार पर संघ सेवा आयोग के संवर्ग में को. स. स्टो. से. के अस्थायी स्टोनोग्राफर ग्रेड स के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है। तथापि उनकी नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में निलंबित 1975 की सिविल रिट याचिका सं. 284 के निर्णय के अध्याधीन होगी।

### दिनांक 10 जनवरी 1983

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में स्थानापश्च वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री प्राई० एन० शर्मा को राष्ट्र-पित द्वारा 27-12-82 से 26-3-83 तक प्रथवा प्रागामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः प्रस्थायी श्रीर तदर्थ प्राधार पर उसी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापश्च रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

### दिनांक 15 जनवरी 1983

सं० ए० 11016/1/81-प्रणा०-III—संघ लोक सेवा म्रायोग के निम्नलिखित म्रनुभाग म्रिधिकारियों को राष्ट्रपित द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट म्रविध के लिए म्रथवा म्रागामी मादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा म्रायोग के कार्यालय में डेस्क म्रिधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ऋ०सं० नाम	भवधि
1. श्री एन० के० ढींगरा .	5-1-83 से 4-4-83 तक
2. श्रीजीतराम	1 1-1 2-82 से 1-2-83 तक
3. श्री एन० एम० एल० भटनागर	6-12-82 से 1-1-83 तक

उपर्युक्त प्रधिकारी कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का॰ ज्ञा॰ सं॰ 12/1/74-सी॰ एस॰ (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शतों के ग्रनुसार रु० 75/- प्र॰ मा॰ की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

### दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० पी० 1569-प्रशा०-II—7 जनवरी, 1983 के अपराह्म से भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई विल्ली के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद से प्रत्यावर्तन पर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री बी० आर० मणी ने 7-1-83 (अपराह्म) को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भा०) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

### दिनांक 20 जनवरी 1983

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा भ्रायोग के संवर्ग में के० स० स्टे॰ से० के स्थायी वैयक्तिक सहायक श्री सुन्दर लाल (ग्र० जा०) को राष्ट्रपति द्वारा 10-1-83 से 26-3-83 तक श्रयवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णत: श्रस्थायी श्रीर तवर्ष श्राधार पर वन्ष्ठि वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे॰ से०

का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर है श्रीर इसका उन्हें केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड ख में विलयन का तथा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> य० रा० गांधी भ्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

### प्रवर्तन निदेशालय

### विवेशी मुद्रा विनियमन श्रधिनियम

नई दिल्ली, 110003, दिनांक 28 जनवरी 1983

सं० ए०-11/19/80---श्री ए० के० राय, मुख्य प्रवर्तन भिष्ठकारी (तदर्ष) को इस निदेशालय के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापन्न मृख्य प्रवर्तन ग्रिधकारी के रूप में दिनांक 20-12-82 (पूर्वाह्म) से श्रागामी ग्रादेश पर्यन्त नियुक्त किया जाता है।

ग्रार० एन० चौपड़ा उप-निदेशक (प्रशासन)

### केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

### नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1983

सं० 02 पी० भ्रार० एस० 308—श्री हरी सिंह राठौर जो केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में स्थाई अनुभाग श्रधिकारी के पद पर श्रासीन थे, उनको, नेणनल टैक्टाइल कारपोरेणन (डी० पी० भ्रार०) सीमित में मैनेजर (सतर्कता) के पद पर चयन होने पर, दिनांक 24 जनवरी 1983 भ्रपराह्न से, प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर पद विमुक्त किया जाता है।

> क्रुष्ण लाल मस्होन्ना ग्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

### गृह मंत्रालय

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस म्नकादमी हैदराबाद-500252, दिनांक 1 फरवरी 1983

सं० 15016/83 स्थापना-पांचवी वाहिनी राजस्थान ग्राम्डं कांस्टेबुलरी, कोटा (राजस्थान) के कंपनी कमांडर श्री नरपत सिंह ने ग्रकादमी में दिनांक 27 जनवरी, 1983 के पूर्वीह्न में मुख्य कवायद श्रनुदेशक के रूप में कार्यभार संभाला।

2. श्री नरपत सिंह इस प्रकादमी में पहली बार दिनांक 27-1-83 से 3 वर्ष की प्रविध के लिए मुख्य कवायद प्रानु- वेशक (पुलिस उपाधीक्षक) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे तथा रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-

1000-द॰ रो॰-40-1200 के वेतनमान में 100 रुपये प्रति-मास विशेष धेतन के साथ वे श्रपना वेतन पाएंगे।

> प्रेमधर माल<mark>वीय</mark> प्रभारी नि<mark>देशक</mark> स०व०प० राष्ट्रीय पुलिस <mark>प्रकादमी,</mark>

### कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई फिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1983

सं० जे०-14/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री जे० सी० श्रोझा, वरिष्ठ लोक श्रीभयोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 13-1-1983 के श्रपराह्न से दिनांक 28-2-1983 तक या नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ श्राधार पर, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० के०-37/65-प्रणा०-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री कृष्ण कुमार, वरिष्ठ लोक ग्रिभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 14-1-1983 के पूर्वीह्न से दिनांक 28-2-1983 तक या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ श्राधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न उप-विधि सलाह्कार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एम०-57/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० पी० जौहरी, वरिष्ठ लोक-श्रिभयोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 13-1-1983 के पूर्वाह्म से विनांक 28-2-1983 तक या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले षटित हो, के लिए तद्दर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० के०-12/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति प्रपने प्रसाद से श्री के० के० चतुर्वेदी, वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को विनांक 13-1-1983 के श्रपराह्म से दिनांक 28-2-1983 तक या नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० एफ०-बी०-8/72-प्रणा-5—राष्ट्रपति प्रपने प्रसाद से श्री वी० एन० श्रीवास्तव, लोक ग्रिभयोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 14-1-1983 के पूर्वाह्म से दिनांक 28-2-1983 तक या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न वरिष्ठ मिभयोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एस०-27/72-प्रणा-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री एस० भट्टाचार्य, लोक श्रीभयोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को दिनाक 13-1-1983 से दिनांक 28-2-1983 तक मा

नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्यं भ्राधार पर, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न वरिष्ठ लोक भ्राभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी० एफ०/एच०-10/74-प्रशा०-5 (खण्ड-II)— प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एच० एन० सम्भार्या, भारतीय पुलिस सेवा (महाराष्ट्र-1968) पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सी० श्राई० यू० (पी) शाखा की सेवाएं विनांक 20 जनवरी, 1983 के श्रपराह्र से महाराष्ट्र सरकार को सींप वी गई।

> भ्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1983

सं० भो० दो-1461/80-स्थापना— मेजर बी० एस० शौरे ने भपनी पुनः नियुक्ति की अवधि समाप्त होने के फल-स्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमांडेंट ए० डब्स्यू० एस०- हैदराबाद का कार्यभार 31-12-82 भपराह्म को स्थाग दिया।

सं० श्रो० दो०-1771/82-स्थापना—राष्ट्रपति मेजर भीर सिंह (धवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमांडेंट के पद पर धागामी श्रादेश जारी होने तक पुनः नियुक्ति करते हैं।

2. मेजर भीर सिंह ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की ए० डब्स्यू० एस० न०-II रामपुर में दिनांक 31-12-82 भगराह्म से सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाला।

### दिनांक 22 जनवरी 1983

सं० ग्रो० दो० 17774/83-स्थापना— महानिवेशक केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल ने डाक्टर सुरेन्द्र कुमार परिमाल को 28 विसम्बर 1982 के श्रपराह्न से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

### विनांक 24 जनवरी 1983

सं० थो० दो० 1609/81-स्थापना----राष्ट्रपति डाक्टर (मिसेज) जी० चैलाकसू को धस्थायी रूप से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने सक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड- II (डि० एस० पी० /कम्पनी कमान्डर) के पद पर 9 जनवरी 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 27 जनवरी 1983

सं भो वो -580/69-स्थापना—राष्ट्रपति श्री जी व एस रणधावा सहायक कमाउँट 45 बटालियन उनकी पदो-सति करके कमाउँट के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री जी० एस० रणधावा ने कमांडेन्ट 42 बटालियन का कार्यभार 31-12-82 पूर्वीह्न से संभाला।

### दिनांक 29 जनवरी 1983

सं० श्रो० दो० 1305/76-स्थापना—-श्री रघुबीर सिंह ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप उप-पुलिस श्रधीक्षक, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-12-1982 (ग्रपराह्न) को त्याग दिया।

### विनांक 31 जनवरी 1983

सं० श्रो० दो० 1778/83-स्थापना—-राष्ट्रपति डाक्टर हरिबन्धु महन्ती को अस्थायी रूप से आगामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जी० डी० श्रो० ग्रेड-II (डं:० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 13 जनवरी 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जनवरी, 1983

सं० 11/57/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, गुजरात सरकार के अधिकारी और गुजरात, ग्रहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत, श्री एन० जी० शाह को तारीख 10 जनवरी 1983 के श्रपराह्म से प्रत्यावर्तित करते हैं।

सं० 10/16/82-प्रशा०-I—-राष्ट्रपति, पंजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय के अन्वेषक श्री चरण सिंह को नई दिल्ली में भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 10 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्म से एक वर्ष से अनिधक अविध के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक श्रध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

### दिनांक 27 जनवरी, 1983

सं० 11/11/82-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नाम के सामने दिशत जनगणना कार्य निदेशालय और तारीख से, एक वर्ष से अनिधिक अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर हर्ष नियुक्त करते हैं :—

<b>ऋ०सं०</b>	अधिकारी का नाम			कार्यालय जिसमें कार्यरत है	नियुक्ति की तारीख	मुख्यालय
1	2	-		3	4	5
1. 동	ो बाबू लाल .		•	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली ।	24 नवम्बर, 1982 (अपराह्म)	नई दिल्ली
2. র্থা	ो आर० एस० मीना .	•	,	जनगणना कार्य निदेशालय राजस्थान , जयपुर ।	3 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्म)	जयपुर
3. ×	ो आर० पी० नौला	•		जनगणना कार्य निदेशालय उडीसा, भुवनेश्वर ।	30 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न)	भुवनेष्रवर
4. 왕	ो ए० जी० भ <del>ास्क</del> रन्		٠	जनगनना कार्य निदेशालय तमिलनाडु, मद्रास ।	30 विसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न)	मद्रास
5. স্থ	ा० एच० के० बी० सिंह			जनगणना कार्य निदेशालय मणिपुर, इम्फाल ।	26 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्स)	<b>इ.म्फाल</b> ु
6. ×	गिए०के०पाल .	•		जनगणना कार्य निदेशालय अरूणाचल प्रदेश, शिलांग ।	27 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्न)	शिलांग
7. 8	गी वी० गंगाराजन .			जनगणना कार्य निदेशालय तमिलनाडु, मद्रास ।	27 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न)	मद्रास
8. %	गी आर० पी० भटनागर -	•		जनगणना कार्य निदेशालय ह∫रयाणा, चण्डीगढ़	30 नवबर, 1982 (पूर्वाह्न)	चण्डीगढ़
9. %	प्री करन सिह <b>्र</b> .	•	•	जनगणना कार्य निदेशालय पंजाब, चण्डीगढ़।	30 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्न)	चण्डीगड्
10. 8	भी वी० वी० एस० शास्त्री			भारत के महार्राजस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली ।	31 दिसम्बर,1982 (पूर्वाह्न)	नई दिल्ली
11. 3	श्रीसी० एस० बोस .	•	•	जनगणना कार्य निदेशालय आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद ।	27 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्म)	हैदराबाद

1 2	3	4	5
12. श्रीमती वी० वाई० जोशी	जनगणना कार्य निदेशालय महाराष्ट्र, बम्बई ।	8 विसम्बर, 1982 (पूर्वाह्म)	बम्बई
3. श्री आर० एस० मौर्य .	. जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ	1 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न)	लखनऊ
14. श्री के० गोपीनाथन-] .	. जनगणना कार्य निदेशालय केरल, व्रियेन्द्रम ।	27 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्न)	त्रिवेन्द्रम

### दिनांक 28 जनवरी, 1983

सं० 11/98/79-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन के मुख्य सचिव श्री जगदीश सागर को अण्डमान श्रीर निकोबार द्वीपसमूह, पोर्ट ब्लेयर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 20 दिसम्बर, 1982 के श्रपराह्न से पदेन क्षमता में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

### महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली 110003, दिनांक 17 जनवरी 1983

सं० ई०-29020/5/82-सा० प्रशा०-1—राष्ट्रपित, श्री ए० चट्टोपाध्याय को, बाद में निर्णय की जाने वाली तारीख से, के० श्री० सु० ब० में सहायक कमांडेंट (श्रग्निशमन) के पद पर मूल रूप से नियुक्त करते हैं।

सुरेन्द्र नाथ, महानिदेशक

### वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

नाशिक रोड़, दिनांक 15 जनवरी 1983

सं० 285/क—निम्न हस्ताक्षरी श्री एस० जी० मालेकर, निरीक्षक, केन्द्रीय मुद्रांक डिपों वर्ग:—3 श्रराजपत्रित को दिनांक 1-11-1982 से एक माह के लिए स्थानापक्ष रूप में और दिनांक 26-11-1982 से नियमित श्राधार पर मुद्रांक पूर्ति श्रिधकारी, केन्द्रीय मुद्रांक डिपों के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 286/क०---निम्न हस्ताक्षरी श्री के० के० पाठक, निरीक्षक, नियंत्रण अनुभाग, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक रोड, को प्रथम दौर में दिनांक 10-1-1983 से तान माह के लिए, उप नियंत्रण श्रधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक रोड़ के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। पी० एस० शिवराम, महाप्रबंधक

### होशंगाबाद, दिनांक 13 जनवरी 1983

सं० सी०/8/11159—इस कार्यालय की ग्रिधिसूचना सं० सी०/8/7237, दिनांक 1-10-1982 के तारतम्य में श्री क्हीं० एम० परदेशी को र० 650-30-740-35-510-द० ग्र०-35-880-40-1000-द० ग्र० 40-1200 के बेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण ग्रिधिकारी के रूप में की गई तदर्थ नियुक्ति को 13-5-1983 तक की ग्रवधि तक ग्रभवा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहिले हों ग्रीर बढ़ाया जाता है।

श॰ रा॰ पाठक, महाप्रबंधक

### भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक नई बिल्ली-110002, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० 2/वा० ले० प०-1/109-79—ग्रापर उप वित्यंत्रक-महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री वी० नटराजन लेखा परीक्षा ग्राधिकारी (वा०) (जो कार्यालय महालेखाकार-II उत्तर प्रवेश लखनऊ में कार्यरत थे) को भारत सरकार पेंशन नियमावली 48 क के श्राधीन दिनांक 6-11-82 से सरकारी सेवा के स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति दे दी है।

> एम० ए० सोमेश्वर राध, संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-2, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० प्रशासन-1/कार्यालय श्रादेश संख्या 531—इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रधिकारी श्री जी० सी० जैन को भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेंड नई विल्ली में दिनांक 2-7-82 से संलग्न विवरण में समाविष्ट शतौ पर स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक-महालेखा-परीक्षक के पत्न संख्या 137-जी $\circ$  ई $\circ$ - I/1-82 दिनांक 15-1-1983 के द्वारा सम्प्रेषित भारत सरकार का धनुमोदन प्राप्त है।

### दिनांक 29 जनवरी 1983

सं० प्रशा० 1/का० मा० सं० 533 निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने मूल नियमावली 30(1) के ग्रितीय परन्तुक के अन्तर्गत इस कार्याक्षय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की 840-40-1000-देकतारोध-40-1200 रुपये के वेतन के समयमान में लेखापरीक्षा अधिकारियों के ग्रेड में उनके नामों के सामने दर्शायी गई तारीखों से और आगे आवेश मिलने तक प्रोफार्मा प्रवोक्षति की है।

(i) श्री एस० पी० गर्मा			22-11-82
------------------------	--	--	----------

(ii) श्री के॰ पी॰ कालरा . . 22-11-82

ह० अपठनीय संयुक्त निदेशक ले० प० (प्रशा०) रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० प्रशा०/1/1900/5/जिल्द-I—श्री जे० एन० ग्रग्नवाल, भाई० डी० ए० एस० को, दिनांक 14-5-1983 को 58 वर्ष की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 15-5-1925 होने के कारण), दिनांक 31-5-1983 (ग्रपराह्म) से पेंग्नन स्थापना को भन्तरित कर दिया जायेगा ग्रौर तदनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56(ए०) की शतों के भनुसार दिनांक 31-5-1983 (ग्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहेंगे।

सं० प्रशा०/1/1902/5/जिल्द-I—श्री पी० एस० स्वामीनाथन, आई खी० ए० एस० को, दिनांक 22-4-1983 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 23-4-1925 होने के कारण), दिनांक 30-4-1983 (ग्रपराह्म) से पेंशन स्थापना को ग्रन्तरित कर दिया जायेगा और सदनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56(ए०) की शर्तों के अनुसार दिनांक 30-4-1983 (ग्रपराह्म) से एक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

म्रार० के० माथुर, रक्षा लेखा म्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

### नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

सं० प्रशा०/II/2606/83-I—-निम्न लेखित लेखा अधिकारी, बार्धक्य निवर्तन की आयुक्त प्राप्त कर लेने पर, प्रस्येक के नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीखों के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए:--

हम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित		ग्रड	तारीख जि पेंशन स्थापन अन्तरित कि गया	ग को	सं गठन
1	2		3		4	5
1. श्री	। एस० के० सोनी, (पी०/92)		स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-82		
2. श्री	। मोहन लाल बहल, (पी०/327)		—त <b>दै</b> व—_	31-10-82	ļ	तदैव
3. श्री	ाराजकुमार जयरथ (पी०/34) .	•	—-सर्वेष-—	31- 8-82		रक्षा लेखा नियं <b>त्रक मध्य</b> कमान, मेरठ ।
4. श्री	ा जे० पी० गर्मा, (ओ०/240)		स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-82		<del>तय</del> ैव
5. श्री	। एस० एन० चड्ढा (ओ०/86)		—तदैव—	31-10-82	:	—त <b>दैव</b>
6. श्री	। कृष्ण लाल भण्डारी, (पी०/258)		स्यायी लेखा अधिकारी	30-11-82	;	—त <b>दै</b> व–
7. श्री	। रामजी दास कपूर, (पी०/96)		<del></del> तदैव	30-11-82		<del></del> तव <b>ै</b> ष
8. श्री	। अजीत सिं <b>ह बावा (ओ०/42</b> 6)	•	स्थानाप <b>भ</b> लेखा अधिकारी	31-10-82		रक्षा लखा नियंत्रक (अन्य रैक) मध्य, नागपुर।

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
9. श्री आर० रघुनाथ (पी०/18)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
10. श्री टी० के० रामानाथन, (पी०/144	4) . <del>तर्वैव</del>	31-10-82	—त <b>देव</b> —
1.1. श्रीजी० डब्ल्यू० भावे, (ओ०/708)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे।
12. श्री बी० सुब्रह्मनियन, (पी०/29)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-82	रक्षा लेखा नियं <mark>त्रक</mark> दक्षिणी कमान, पूना।
13. श्री बी० एस० गुप्ता, (ओ०/11)	. स्थानापभ लेखा अधिकारी	31-10-82	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
14. श्री एन० सी० गुप्ता (पी०/2)	. स्यायी लेखा अधिकारी	31-10-82	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
15. श्री जी० नटेसन, (पी०/71) .	<del>तदैव</del>	31-10-82	—-स <b>दैव</b> —
16. श्री के० पंचपागेशन, (पी०/21)	. —तदैव- <del>—</del>	30-11-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (भ्रफ्सर) पुणे।
17. श्री करतार सिंह, (पी०/193) .	. —तदैव—-	30-11-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ
18. श्री एस० कल्याण कृष्णन, (पी०/24)	) . <del>तदैव</del>	30-11-82	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
19. श्रीबी० के० प्रसाद , (ओ०/239)	. स्थानापन्न लेखा मधिकारी	31-12-8,2	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।
20. श्री ए० जयरामन, (पी०/31) .	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-82	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
21. श्री रमेश चन्द्र मजूमदार, (पी०/13)	) . <del>तद</del> ैव	31-12-82	<del></del> तदैव
22. श्रीबी॰ पी॰ भट्टाचार्य, (पी॰/248	s) . <del></del> तदैव	31-12-82	—∹तवैव
23. श्री रमेश चन्द्र घटर्जी, (ओ०/526)	. स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-12 <b>-82</b>	<del>तदैव</del>
24. श्री हरि प्रसाद सिंह, (ओ०/47.6)	. —तदैव—	31-12-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ।
25. श्री एस० बी० घोष, (पी०/231)	. स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-82	रक्षालेखानियंत्रक पटना।
26. श्री के० एल० भारद्वाज, (पी०/319	) . —तवैव—	31-12-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) मध्य, नागपुर।
27. श्रीवी० वी० जार्ज, (पी०/23)	. —तदैव—	31-10-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना)देहरादून।
28. श्री हंस राज कटचारिया, (ओ०/58	<ul><li>) स्थानापम्न लेखा अधिकारी</li></ul>	31-10-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून:
29 श्री बी० एन० तिलक, पी/191	स्यायी लेखा अधिकारी	30-11-82	रक्षा लखा नियंसक वायुसेना देहरादून
, 30. श्री अलफेंड जंग, (ओ०/192) .	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-82	<del>-</del> -सदव
31. श्री ओम प्रकाश मलिक, (पी०/20)		31-12-82	<del>√-त</del> दैय
32. श्री जे० पी० कौशिक, (पी०/246)		31-12-82	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य, कमान, मेरठ।

रक्षा लेखा महा	नियंत्रक,	निम्नलिखित	लेखा	अधिकारी	की	मत्य	को	खंद	के	साध	अधिसचित	करते	<b>∌</b> ':
	,												V

क्रम सं० नाम, रोस्टर संख्या सहित		ग्रेड	मृत्यू की तारीख	सख्याबल मे निकलने की ता <b>रीख</b>	संगठन		
· 1	2	3	4	5	6		
ाः श्री एन	ि सुब्बाराव, (ओ/504)	. स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	6-12-82	6-12-82 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), मध्य नागपुर।		

ां ∘ -प्रशासन/II/2606/83-<sup>I</sup>—-निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्ति लेलेने पर उनके नामों के समक्ष दर्शयी गई तारीखों से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया :---

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या महित	ग्रेड	स्वैच्छिक सेवा- निवृत्त की तारीख	जिस तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किये गये	ंसंगठन
1	2	3	4	5	6
1. श्री य	० एस० मूरें, (ओ/534)       .	स्थापना लेखा अधिकारी	30-6-82	1- 7-82 (पूर्वस्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) मध्य, नागपुर।
•	न० एम० ए <b>ल० ख</b> न्ना, /346)	— <b>तर्वेश—</b>	30-11-82	1-12-82 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक) मध्य, {नागपुर।
3. श्रीकर	तूरी लाल, (ओ०/516) .	त देव	30-11-82	1-12-82 (पूर्वाह्म)	रक्षा रेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून।
4. श्री वार	ई० पी० चुघ, (ओ०/542)	तदेव	30-11-82	1-12-82 (पूर्वीह्न) .	रक्षा लेखा नियंस्नक (पेंशन) इलाहाबाद।

### रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनेंस फैक्टरियां सेवा श्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी 1983

सं०  $3/\sqrt{31/83}$ —राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित ग्रिधि-कारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक/डीडीजी (एस० ए० जी०— स्तर-II में) पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं :—-

### सर्वश्री

पी० एस० मणी, महाप्रबन्धक
 [जे० ए० (एस० जी०) में] . 29 नवम्बर, 1982
 वी० एल० खुराना, महाप्रबन्धक
 [जे० ए० (एस० जी०)में] . 22 नवम्बर, 1982

3. एन० पनिष्ठयन, महाप्रबन्धक
[जे० ए० (एस० जी०) में]
22 नवम्बर, 1982
4. ए० जे० चन्द्र, महाप्रबन्धक
[जे०ए० (एस० जी०) में]
22 नवम्बर, 1982
5. रिव कुमार, निदेशक
29 नवम्बर 1982
6. एम० ग्रार० घोष, महाप्रबन्धक
[जे० ए० (एस० जी०) में]
22 नवम्बर 1982
सं० 4/जी/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को स्थानापन्न निदेशक/संयुक्त महाप्रबन्धक के पद पर
उनके सामने दर्शायों गई तारीख से नियुक्त करते हैं
सर्वश्री

रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशासन)

ए० प्रभु, संयुक्त निदेशक
 वी० एस० बालाकृष्णम, संयुक्त
 निदेशक
 17 नवस्बर, 1982

भाग III — खण्ड 1]	भारत का राजपझ, फरवरी 1
<ol> <li>के० एम० बालाचन्द्रन, उप महा-</li> </ol>	
प्रबन्धक	17 नवम्बर, 1982
<ol> <li>एस० दास गुप्ता, संयुक्त निदेशक</li> </ol>	
<ol> <li>एस० रामास्यामी, उप महाप्रवन्धः</li> </ol>	
<ol> <li>वी० एन० मजुमदार, उप महाप्रबन्</li> </ol>	
<ol> <li>समीरन मिल्ला, उप महाप्रबन्धक</li> </ol>	17 नवम्बर, 1982
<ol> <li>समरेण राय, उप-महाप्रबन्धक .</li> </ol>	17 नवम्बर, 1982
<ol> <li>एस० के० दास उप महाप्रबन्धक .</li> </ol>	17 नवम्बर 1982
10 एन० प्रार० बनर्जी, संयुक्त निदेशा	
11. एम० पी० सिंह,संयुक्त निदेशक	17 नवम्बर 1982
12. कुं०एस० गनेशबाबु, ग्रस्थायी प्रभा	री .
ग्रधिकारी (जे० ए० जी० ग्रेड में)	17 नवम्बर 1982
13. के० सम्पत, उप महाप्रबन्धक .	8 दिसम्बर, 1982
14. एन० के० बन्दोपाध्याय, संयुक्त	
निदेशक	17 नवम्बर, 1982
15. वी० देशींगमणी, उप महा प्रबन्धक	17 नवम्बर, 1982
1 6. श्रार० एन० मेहतानी, उप महा-	
प्रबन्धक	17 नवम्बर, 1982
17. एम० वेंकटरामन, संयुक्त निदेशक	17 नवम्बर, 1982
18. के० एल० टण्डन, संयुक्त निदेशक	17 वनम्बर, 1982
19. ए० के ० सेनगुप्ता, उप-महाप्रबन्धक	
20. एस० के० मोहन्ती उप महाप्रबन्धक	17 नवम्बर, 1982
21. ए० सी० गुप्ता, उप-महाप्रबन्धक	17 नवम्बर, 1982
22 कालिदास पाल,उप-महाप्रबन्धक	17 नवम्बर, 1982
23. एम०एम० भ्रगरवाल, उप महाप्रबन्	धक 17 नवम्बर, 1982
24. बी० एस० टण्डन, संयुक्त निदेशक	17 नवम्बर, 1982
25. ए० एस० भट्टाचार्जी, संयुक्त निदे-	
शक	17 नवम्बर, 1982
26. वी० सुन्दरमूर्त्ती,उप-महाप्रबन्धक	17 नवम्बर, 1982
27. एस॰ कृष्णामूर्ति,उप-महाप्रवन्धक	17 नवम्बर, 1982
28. एस० भ्रार० श्रीधरन, उप-महाप्रव	
29. पी० यू० भावीकट्टी, उप-महाप्रबन्ध	
सं० 5/जी/83—राप्ट्रपति महे	
कारियों को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्ध	
पर उनके सामने दर्शीयी गई तारीख	से नियुक्त करते हैं:
सर्वेश्री	
<ol> <li>पी० सी० खुराना, वर्क्स मैनेजर.</li> </ol>	31 भ्रगस्त, 1982
2. ए० विनायक, वर्क्स मैनेजर	
<ol> <li>वी० के० कार, वर्क्स मैंनेजर</li> </ol>	
<ol> <li>पी० के० चिन्नादोराय, वर्क्स मैनेज</li> </ol>	
सं० 6/जी/83राष्ट्रपति महो	
कारियों को स्थानापन्न एस० ग्रो०	
दर्शायी गई तारीखा से निथुक्त करते	ह ।
सर्वश्री	
<ol> <li>सुशील कुमार दास, स्थानापन्न ए०</li> </ol>	
एस० ग्रो०	17 नवम्बर, 1982
24 66GI/82	

2. नारायण गंगोपाघ्याय, स्थानापन्न ए० एस० भ्रो०

16 नवम्बर 1982

यी० के० मेहता, निदेशक

### उद्योग मंद्रालय

### श्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

सं० 12(200)/68-प्रशा० (राज०)—विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली के आई० टी० ई० सी० कार्यक्रम के श्रन्तर्गत श्रीलंका में 3 महीने की श्रवधि की प्रतिनियुक्ति के बाद श्री ए० के० मित्रा ने विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में 6-1-83 श्रपराह्न से उप-निदेशक (यांत्रिकी) के पद पका कार्य भार छोड़ दिया ।

सी० सी० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग--1)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० प्र०-1/1(1130)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के श्री के० बी० शिवरामकृष्णन के सेवा निवर्तमान आयुहोने पर 1-7-1982 से 31-12-82 तक की 6 मास की सेवा वृद्धि श्रवधि के समाप्त होने पर 31-12-82 के अगराह्म मे सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एस० बालासुब्रामणियन उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पृति तथा निपटान

नई दिल्ली दिनांक 27 जनवरी, 1983

सं० प्र०-(1/1) 1203— महानि देशक, पूर्ति तथा निपटान किनष्ट क्षेत्र प्रधिकारी श्री एस० सी० ग्रोहरी को दिनांक 20-1-1983 के पूर्वीह्न से तथा ग्रगले श्रादेश दिए जाने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में पूर्णतया स्थानीय तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त होने से श्री एस० सी० श्रोहरी को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उसके द्वारा की गई तदर्थ सेया उस ग्रेड में वरीयता तथा श्रगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति तथा स्थायीकरण की पान्नता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

एस० बालासुद्रमणियन, जप निदेशक (प्रशासन)

### इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग)

### भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

### कसकत्ता-700016, दिनांक 19 जनवरी 1983

सं. 524 डी./ए-19012 (3 के सी)/82-19 बी.--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्रोमति कल्पना चऋवर्ती रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन 650-30-740-35-810-ব০ 880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी आदेश होने तक 26-11-82 के पूर्वोह्न से, पदोक्षति पर नियुक्त किया जा रहा है ।

### दिनांक 20 जनवरी 1983

सं. 462 यी/ए-19012 (3 एस बी)/82-19बी.--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्रीमति सिप्रा बनर्जी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनभान में, ग्रस्थायी क्षमता में, भ्रागामी भ्रादेश होने तक 26-11-1982 के पूर्वाह्न से, पदोन्नति पर, नियुक्त किया जा रहा है।

### दिनांक 22 जनवरी 1983

सं० 533बी/ए०-12025(4-म्रार० श्रार०)/81<del>−</del>19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कनिष्ठ तकनीकी सहायक (ब्रिलिंग) श्री राभायण राम को ब्रिलर के रूप में, उसी विभाग में बेतत नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान मे, स्थानापन्न क्षमता मे आगामी म्रादेश होने तक 14 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 546बी/ए०-12025 (4-डी० सी० पी०)/82-19 बी०—भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री देवराव चेप्टुजी पिल्लेवन को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता श्रागामी श्रादेश होने तक 10 दिसम्बर, 1982 के पुर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 559बी/ए०-12025-(4-ड्रिलर)/81-19 बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ब्रिलिंग) श्री वालेश्वर राय को ड्रिलर के रुप में उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतन-मान में, स्था नापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 29 नवम्बर 1982 के पूर्वाह, से नियुक्त किया जा रहा है।

### विनांक 28 जनवरी 1983

सं॰ 721 बी/ए-32013(4-ड्रिलर)/78-19 बी॰--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री आर० एस० कुका को ड्रिलर के पद पर भार-तीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी श्रादेश होने तक 25 नवम्बर, 1982 के पूर्वीह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कियाजारहा है।

सं० 752 वी/ए-19012 (3-बी० एम०) / 82-19वी०--श्री बुद्धदेव मित्रा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो 0-40-1200 रू० के वैतनमान मे, ग्रस्थायी क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 3-1-1983 के पूर्वाह्न से पदोक्षति पर नियुक्त किया जा रहा है।

764बी/ए-19012(3-ए० के० एन०)/82-19 बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तकनीकी 'सहा-यक (रसायन) श्री श्रजय कुमार नन्दी को सहायक रसायनज्ञ के रूप मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान मे, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 26-11-1982 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

> एस० के० मुखर्जी, महानिदेशक

### आकाशवाणी महानिदेशालय

### नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1983

4(16)/82-एस-[---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्क्षारा श्री हरेश्वर लस्कर फिल्ड रिपोर्टर म्राकाशवाणी, गोहाटी को 19 नथम्बर, 1982 से भ्रगले भादेण तक, 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में आकाशवाणी, डिब्रुगढ़ मे, अस्थयी रुप मे, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक क्ते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

1/2/83एस-II — महानिदेशक, **श्राकाशवाणी** एतदद्वारा श्री ग्रार० सी० नायक, लेखाकार, दूरदर्शन केंद्र, कटक को ग्राकाशवाणी, कटक में दिनांक 2.4-1.2-82 (पूर्वाह्न)

से प्रशासनिक प्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० वी० सेषादि उप निदेशक, प्रशासन **कृते** महानिदेशक

## मूचना ग्रीर प्रसारण मंद्रालय . (फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400026, दिनांग 25 जनजरी 1983

सं० ए०-20012/13/75-ई०- श्रि एच. नागभूषण राव, स्थानायन अनुरक्षण अभियंता के स्थानांतर एंव पुनः, फिल्म प्रभाग कार्यालय बम्बई में दिनाँक 20 दिनम्बर 1982 के पूर्वाह्, से कार्यभार सम्मेलन की स्थिति में थो ए. सोमसुन्दरम स्थानायन अनुरक्षण अभियंता को उनके सहायक अनुरक्षण अभियंता के मूलमूत पद पर दिनांक 20 पिनम्बर 1982 के पूर्वाह्न से परावर्तित किया जाता है।

### दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० 6/15/34-ई-I—मुख्त निर्माता, फिल्म प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा श्री ग्रार० पी० परमार स्थानापन्न ग्रधीक्षम, फिल्म प्रभाग, बम्बई को तदर्थ ग्राधार पर श्री एस० के राय, सहायक प्रशासकीय श्रीधकारी के सरकारी सेवा से निवृत्त होने की स्थित में, दिनांक 20 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेश होने तक रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर सहायक प्रशासकीय श्रीधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

वी० श्रार० पेसवानी सहायक प्रशासकीय श्रविकारी कृते मुख्य निर्माता

### स्त्रास्थ्य सेवा महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1983

सं० ए० 12026/35/79-प्रशासन-।—-राष्ट्रपति ने श्री के० सी० गर्ग को 11 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्म से श्रागामी आदेणों तक राष्ट्रीय श्रायुविज्ञान पुस्तकालय, स्वास्थ्य संवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रलेखन श्रधिकारी (डाक्युमेंन्टेशन श्राफिसर) के पद पर पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

श्री के० सी० गर्ग के प्रलेखन ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 11 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से राष्ट्रीय ग्रायुविज्ञान पुस्तकालय से पुस्तकाष्ट्रयक्ष ग्रेड-1 के पद का कायभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12026/35/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री वी० पी० वीवरी को 11 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्म सं श्रागामी श्रादेशों तक राष्ट्रीय श्रायुविज्ञान पुस्तकालय, स्वास्थ्य संवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ प्रलेखन श्रीधकारी (सीनियर डाक्युमेंटेशन ध्राफिसर) के पद पर पूर्णतया तदयं भ्राधार पर नियुक्त किया है।

श्री बी० पी० चौधरी के वरिष्ठ प्रलेखन म्रधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 11 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय म्रायुविज्ञान पुस्तकाख्य से पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए.० 12026/35/79-प्रशासन-1---राष्ट्रपति ने श्री एम० के० भट्ट को 11 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्म से श्रागामी ग्रादेशों तक राष्ट्रीय श्रायुविज्ञान पुस्तकालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रलेखन श्रधिकारी (डाक्युमेंटेशन श्राफिसर) के पद पर पूर्णत्या तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

श्री एम० के० भट्ट के प्रलेखन ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 11 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय श्रायुविज्ञान पुस्तकालय से पुस्तकाल्यक्ष ग्रेड-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> विलोक चन्द जैन, उप निदेशक प्रशासन (श्रो० एंड एम०)

विज्ञान तया प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन कलिकासा-700019, दिनांक 29 जनवरी 1983

सं० 29-16/77-स्था०—श्री टीं० के० बशु, स्थायी विरिष्ठ अनुसंधान सहायक को, राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में 31 दिसम्बर, 1982 (अपराह्म) से अन्य आदेश होने तक, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में कनिष्ठ तकनीकी अधिकीरी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

न्ना० कु० दत्त संयुक्त निदेशक

### परमाणु अर्जा विभाग ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 28 जनवरी 1983

सं० कभिन/2/1(5)/82-प्र०/2751—इस निदेशालय की तारीख 20 सितम्बर, 1982 की समसंख्यक श्रिधसूचना के कम में परमाणु ऊर्जा विभाग के कय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेश ने स्थायी भंडारी श्री सदानन्द को ग्रामे 31 मार्च, 1983 (ग्रनराह्न) ग्रीर श्रमले ग्रादेशों से जो भी पहले हो, तक के लिए तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार ग्रिधकारी नियुक्त किया है।

सं० ऋभिनि/41/4/83-प्र०/3813---परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने ..... की छुट्टी मंजूर श्रस्थायी हिन्दी श्रनुवादक श्री जयन्त शर्मा की रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88040-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1-6-1982 से 31-3-1983 (श्रपराह्म) तक के लिए तदर्थ श्राधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रुप से हिन्दी श्रिधकारी नियुक्त किया है ।

### विनांक 29 जनवरी 1983

सं० कभिन/41/11/83-प्र० 3868—परमाणु ऊर्जा विभाग के काय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार अधिकारी श्री बी० एन० राव की छुट्टी मंजूर हो किये जाने पर स्थायी भंडारी श्री तिलक राम यादव को रुपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में 12-7-1982 (पूर्वाह्म) से 13-8-1982 (श्राप्राह्म) तक के लिए तदर्थ श्राधार पर इसो निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ प्रशासन प्रधिकारी

### तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 28 जनवरी 1983

संव तापिबच/1/18(2)/77-म्रार—मुख्य ग्रधिक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री डीव पीव कुलकर्णी, प्रशासनिक भ्राधकारी-11 का तदथ श्राधार पर प्रणासनिक भ्रधकारो-11 के रूप में पदोन्नति होने के फलस्वरूप स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रधिकारी श्री एसव वयं बदःनाथ को तारापुर परमाणु बिजलीघर में 1 जनवरी, 1983 की पूर्वाह्म से 28 फरवरी, 1983 तक के लिएं तदर्थ श्राधार पर प्रणासनिक ग्रधिकारी-11 के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० तापिबंघ/1/18(3)/77-प्रार—मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एस० वर्णवकताथ, सहायक कार्मिक प्रधिकारी की तदर्थ ग्राधार पर प्रशासनिक ग्रिधकारी। के रूप में पदोन्नति होने के फलस्वरूप स्थायी प्रवरण कौटि लिपिक श्री के० वी० राघवन को तारापुर परमाणु बिजलीघर में 1 जनवरी, 1983 को पूर्वाह्म से 28 फरवरी, 1983 तक के लिए तदर्थ श्राधार पर सहायक प्रशासनिक श्रिधकारी के ग्रेड (२०-650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) में एक ग्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

्डी० पी० कुलकर्णी प्रणासनिक ग्रधिकारी-III

### टीं० ए० पीं० पीं०, दिनांक 1 जनवरी 1983

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-अगर---मुख्य प्रधिक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीधर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जे० एल० जैन, सहायक कार्मिक श्रधिकारी के छुट्टी पर चले जाने के फलस्वरूप स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री के० वी० राचवन को दिनांक 6 तवम्बर, 1982 की पूर्वाह्म से 17

दिसम्बर, 1982 की अपराह्म तक के लिए तदथ आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) में नियुक्त करते हैं।

सी० शंकर मृख्य प्रशासनिक श्रधिकारी

### श्रंतरिक्ष विभाग इसरो:गार केन्द्र

कार्मिक श्रीर सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्रीहरिकोटा--524 124,दिनांक 19 जनवरी 1983

सं० एस० सी० एफ०/का०श्रौर सा० प्र/स्थाप०/3:1.72-णार केन्द्र के निवेशक ने निम्नांकित कर्मचारियों को णार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर पदोन्नति द्वारा नियुक्ति करने के लिए श्रपनी प्रसन्नता प्रकट की हैं। य सभी कर्मचारी निर्देशित तारीखों से श्रौर श्रगले श्रादेश जारी होने तक, स्थानापन्न क्षमता में काम करेंगे।

त्रम सं०		पदनाम	नियुक्ति की तारीख
u-	सर्वश्री		
1.	ग्रम्तलाल खट - पाल	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-82
2.	बी० शाममुन्दर रेड्डी	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-82
3.	बी०सी० मुद- लियार	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-82
4.	एल० कल्याणम्	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-82
5.	के० नरसिंहमा चारी	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-82
6.	के० संपत कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी	1-10-82

सं० एस० सी० एफ०/का० श्रीर सा० प्र०/स्थाप०/3:1.72— शार केन्द्र के निदेशक ने निम्नांकित कर्मचारियों को शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति करने के लिए श्रपनी प्रसन्नता प्रकट की हैं। ये सभी कर्मचारी निर्देशित तारीखों से श्रीर श्रगले श्रादेश जारी होने तक, स्थानापन्न क्षमता के रूप में काम करेंगे।

ऋम	नाम	पदनाम	नियुक्ति	की
सं०			तारीख	
· <del>(</del>	ार्वश्री इंशी			

- 1. के ुएस० वेंकटेश वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० 13-9-82
- 2 डी० साई कृष्णा वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० 20-9-82
- 3. पी० श्रीनिवास वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० 20-9-82 राव

डब्ल्यू० विश्वनाथम प्रधान, कार्मिक श्रीर सामान्य प्रशासन प्रभाग **फूते** निदेशक

### इसरो मुख्यालय

बंगलीर-560009, दिनांक 18 जनवरी 1983

सं० मुख्या० प्रशा० 12.25—सदस्य (वित्त एवं प्रशासन) इसरो परिषद, अंतरिक्ष विभाग के इनरो मुख्यालय वंगलौर में श्री एस० श्रीनिवासन, लेखा सहायक "ख", को इस मुख्यालय के श्राई० एम० ए० पी० कार्यालय में ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर जनवरी 1, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

्पन । पी । श्रार । पाणिकर वरिष्ठ प्रशासन श्रविकारी

### इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलीर-560058, दिनांक 10 जनवरी 1983

सं० 020/3(061)/83—निदेशक, इसरो उपग्रह केन्द्र, ग्रंतिरक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र के श्री मन्जुनाथ टी० एस०, वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" तथा श्री टी० परमेश्वरत, वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" का सेवा से न्यागपत्र ऋमणः दिसम्बर 27, 1982 तथा जनवरी 6, 1983 के ग्रपराह्न में स्वीकार करते हैं।

पी० एन० राजप्पा सहायक प्रणासन श्राधकारी

### विकम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र

- तिम्बनंतपुरम-695022, दिनांक 12 जनवरी 1983

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/ए०/83---निदेशक, बी० एस० एस० सी० ग्रंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई ग्रंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों की वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०--35-880-40-1000-द० रो०--40-1200 के ग्रेड में उनके नाम के ग्रागे दिए गए तारीख में केवल ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं :---

ऋम सं०	नाम	प्रभाग	नियुक्ति की तारीख		
	मर्वश्री				
1. 17	स० उमार्णकर	श्राई० पी०ष्टी०/पी०सी०एम०	11-10-82		
2. 🔻	ारद चन्द्र शर्मा	एम ० ए ० सी ०	21-10-82		
3. वे	50 जे० पाल	ंपी०ई०डी०/पी०सी०एम०	8-11-82		
4. ¥	तनु पंत	ग्म ० ग् ० सी ०	17-11-82		

के० पी० म्रार० मेनोन प्रशासन श्रधिकारी-II (स्थापना) कृते निदेशक, बी०एस०एस०सी० महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1983

सं० ए० 38013/1/82-ई० ए०—नियन्त्रक विमानक्षेत्र, हैदराबाद, मद्राप क्षेत्र के कार्यात्रय के श्री के० वी० जार्ज, सहायक विमानक्षेत्र श्रधिकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-11-82 में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> श्रोम प्रकाश जैन सहायक निदेशक प्रणासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1983

सं० ए० 38013/1/82-ई० ए०—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यान्य के श्री ए० टी० रिचर्ड, विमानक्षेत्र अधिकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-12-1982 से सरकारी मेवा से निवृत्त हो गए हैं।

### दिनांक 19 जनवरी 1983

सं० ए० 32013/8/81-ई०1--राष्ट्रपति ने सर्वश्री एम० एम० कृष्णत् ग्रीर के० टेकचन्दानी उपनिदेशक को जो इस समय निदेशक संचार के पद पर नदर्थ ग्राधार पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 23-11-1982 से निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता उप-निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०--सर्वश्री के० पी० चक्रवर्ती, जे० एस० सांगवान श्रीर एम० एस० श्रास्था, प्रणा-सिनक श्रिधकारियों (समूह "ख" पद) ने उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से निम्नलिखित कार्यालयों में श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

	म् श्रिधकारियों का नाम/पदनाम	कार्यालय का नाम	दिनांक
	 सर्वश्री		
1.		, क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता	31-10-82 (श्रपराह्न)
2.	जे० एस० सांग-	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, दिल्ली क्षेत्र, दिल्ली	31-10-82 (ग्रपराह्न)
3.	एस०एस०ग्रास्था	क्षेत्रीय निदेणक का कार्यालय, दिल्ली क्षेत्र, दिल्ली	30-11-82 (ग्रपराह्न)

### दिनांक 24 जनवरी 1983

सं० ए० 12025/3/81-ई० एस०---राष्ट्रपति ने निम्त-लिखित अधिकारियों को दिनांक 1-1-1983 से भारतीय वायु सेना से स्थानांतरण के आधार पर नागर विमानन विभाग में विमान निरीक्षक के पद पर समाहृत किया है:--

सर्वश्री

- ा. एस० एस० राथ
- 2. एस० तेजपाल
- 3. एम० एन० कुट्टी
- 4. पी० बालाचन्द्रन
- 5. एम० एस० राणा
- 6. जे० एस० कटारिया ।

### दिनांक 28 जनवरी 1983

### श्द्धि-पत्न

सं० ए० 12025/1/81-ई० एस०—ि दिनांक 1 जनवरी, 13 83 को जारी श्रिधिसूचना सं० ए० 12025/1/81-ई० एस० में श्री टाटा लक्ष्मी नारायण राव, भण्डार श्रिधिकारी के नाम के स्थान पर ''श्री टाटा लक्ष्मी नारायण'' पढ़ा जाए।

जें० सी० गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

सं० ए० 32014/3/82-ई०सी० (पार्ट)—इस कार्यालय की दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 की ग्रिधिसूचना सं०ए० 32014/3/82 ई० सी० का ग्रांशिक संगोधन करने हुए क्रम संख्या 26 पर श्री टी० के० घोषाल की महायक तकनीकी ग्रिधिकारी के ग्रेड में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख 25-7-82 (पूर्वाह्न) पटी जाए।

प्रेम चन्द,

सहायक निदेशक प्रशासन

सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क एयम् स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण

### अधिसूचना

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1983

संख्या 1/सिमाट/83--केन्द्रीय उत्पावन शूल्क और नवण अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 35 घ की उप-धारा (1) और स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनयम, 1968 (1968 का 45) की धारा 81ख की उप-धारा (1) के साथ पठित सीमा शूल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 129 ग की उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क एवम् स्वर्ण (नियंत्रण) अपीनीय अधिकरण, एतद्द्तारा दिनांक 20 नवम्बर 1982 को राजपत्र के खंड-1, भाग अमें यथा प्रकाशित सीमाशूल्क, उत्पादन शुल्क एवम् स्वर्ण (प्रक्रिया) विगमवली 1982 में तुरन्त प्रभाव से, निम्नलिखित संशोधन करता है:--

(1) नियम 2 में, ''प्राधिकृत प्रतिनिधि'' की परिभाषा के भाग (2) में केन्द्रीय सरकार द्दारा ''राजपत्र में अधिसूचना द्वारा'' शब्दों के लिए ''केन्द्रीय सरकार द्वारा अथवा इसके निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत अधिकारी, द्वारा'' शब्द प्रति-स्थापित किए जायों गे;

- (2) नियम 43 के विद्यमान उपनियम (2) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :--
- ''2. अधिकारण का आसीन समय साधारणतया 10.30 पूर्वाह्न से 1.15 अपराह्न और 2.00 अपराह्न से 4.15 अपराह्न होगा'' और
- "3. नियम 48, के बाद और रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर से पहले निम्निलिखित शब्द अंतस्थापित किए जायेगे :--

''अपीलीय अधिकारण के आविश दुवारा''

एफ. एस. गिल अध्यक्ष

समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क एवं सीमा णुल्क बंगलीर-560 001, दिनांक, 19 जनवरी 1983 केन्द्रीय उत्पाद गुल्क

सं० 1/83—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 56 एए के अतर्गत समाहर्ता को भिक्तियों को, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मण्डल कार्यालयों के प्रभारी सहायक समाहर्ताग्रों को उनके सम्बन्धित क्षेत्राधिकारों में प्रयोग करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 5 में मुझे प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा प्रदान करता हूं।

सी० के० गोपालकृष्णन, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

### निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्साण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० 1/359/69-ई० सी०-9—इस विभाग के सहायक वास्तुक श्री श्रार० एस० शर्मा, वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर 31-1-83 (श्रपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत हो गये।

> ए० के० नारंग, प्रणासन उप निदेशक

वन श्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० 16/399/82-स्थापना—І—-ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री सितन्द्र देव शर्मा, ग्रनुसंधान सहायक-І को दिनांक 18 दिसम्बर, 1982 की पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेशों तक, वन संस्थान की योजना "पर्यावरण श्रनुसन्धान केन्द्रों" के ग्रधीन सहर्ष ग्रनुसंधान ग्रिध-कारी नियुक्त करते हैं।

रजत कुमार कुल सचिव वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

### केन्द्रीय जल श्रायोग

### नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1983

सं० ए० 19012/1022/82-स्था० पांच---- श्रध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री गुरदास मुखोपाध्याय पर्यवेक्षण को स्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानागन्न रूप में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर रू० 650-30-740-35-810-य० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 8-11-1982 की पूर्वात्नु से एक वर्ष की श्रवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य श्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

### विधि, म्याय तथा कम्पनी कार्य मंतालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोई

### कम्पनियों के रजिस्ट्रार का काय लिय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और दी डाक्सन फिल्मस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं० 712/टी० ए० I(560)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माह के श्रवसान पर दी उक्कन फिल्मस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और वो लटाइल ग्रायल्स प्राईवेट] लिमिटेड के विषय में 1

### हैदराबाद, दिनांक 31 जनवरी 1983

सं ० 1435/टी ०ए०-१ (560) — कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर बोलटाइल आयल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

बी० एस० राजू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर के० श्रनंताराया पें एंड कम्पनी लिमिटेड के विषय में ।

### कोचीन, दिनाक 12 जनवरी 1983

सं० 571/560(4) लिक०-के० धनंतराया पें एन्ड कम्पनी लिमिटेड (लिविबडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्या-लय में के० ध्रनंताराया पें एंड कम्पनी लिमिटेड में समापन किया जा रहा है और घ्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है धौर यह कि स्टेटमेंट्स ध्राफ एकाऊंटस समापक हारा दिये जाने के लिये ध्रपेक्षित है, छ : क्रमवर्ती गास के लिये नहीं दी जाती है।

श्रवः श्रव कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा (4) की उपधारा के श्रनुसरण में एतद्द्वारा मूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर के०श्रनन्ताराया पै एन्ड कम्पनी लिमिटेड (लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दिशत नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल, कोचीन

कम्पर्ना श्रिधिनियम 1956 श्रौर मगध क्वैरीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

### पटना दिनांक, 27 जनवरी 1983

सं० 967/560/82-83/6102--कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रय-सान पर मगध क्वैरीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर इंडस्ट्रियल माडर्न इन्स्ट्रुमेंटस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना, 800001, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० 1330/560/82-8361/29--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इंडस्ट्रियल मार्डने इन्स्ट्रूमेंटस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटिश कर दी जाएगी।

ए० वहाब श्रन्सारी कम्पनियों का रिजद्रार, बिहार, पटना

### प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के जुधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर् श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , बम्बई बम्बई, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देण सं० ए० श्रार० 2/3358-14/82-83----श्रतः मुझे एस० एच० श्रब्बास श्रविदि,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 45, एच० नं० 5, पलाट नं० 4 है तथा जो कानेरी जिहलेज, बोरिवली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड प्रनुसूवी में ग्रीर पूर्ण रूप विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 3-5-82 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ब्धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-~

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री किशिन लालचन्द भाटिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) कैंसर कास्मोपोलिटिन कोन्नापरेटिव हाऊसिंग सोस -यटी लिमिटेड, कोन्नापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी के सदस्य ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस. अध्याय में दिया गया है।

### **अम्**स्ची

ग्रनुसूचि जैसा कि विलेख सं० पुरान 650/69 ग्रीर नया 896/62 ग्रीर जी उपर्राजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-82 को राजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रब्वास श्रविदि सक्षम प्राधिकारी सह।यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रजने रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 17-1-1983

प्रारूप बाइ .टी. एन. एस . -----

काय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

### कार्वासम्, सङ्घयक आयुक्त वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1983

निर्देश सं० सी० भ्रार० 62/3715/82—83/एक्की०—— श्रतः, मुझे, मंजुमाधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह भिष्ठास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जात बाजार मूल्य 25000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 671 है तथा जो वेस्ट ग्रांफ कार्ड रोड II स्टेज बेंगल्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (198 का 16) के श्रिधीन ता० 30-8-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिश्वी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्नलिचित उद्वरिय से उच्त अन्तरण सिचित में बास्तविक कम से कि नहीं कि वा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत ऑधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

सतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नन्तिकित स्थानिसयों अर्थातः :--- (1) श्रीमती भार॰ पी॰ शांतिनि नं० 66, हुचिन्स रोड ईस्ट, बेंगलूर-5।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डा॰ सुनिल कुमार, ड॰ ग्रनिल कुमार मैनर्स रेप्रेजेंटेड बाई गाजियन बाप श्री एस॰ गंकर शेट्टी, नं॰ 14, II कास, माधवनगर, बेंगलूर-1।
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र:--

- (क) इत् स्वना के राजपन में जकाशन की तारौष से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्रिपण: -- इतने प्रमुक्त सन्तों नीर पदों का, को उच्छ अधिनियम, के नभ्याद 20 क में दौरभाषिक हैं, सही नर्भ होगा को उस सभ्याम में दिया बना हैं।

### नम्ब्रुची

(वस्तावेज सं० 2176/82-83 ता० 30-8-82)

सम्पत्ती है जिसका पं० 671, वेस्ट ग्रॉफ यार्ड रोड II स्टैंज बेंपसूर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगस्र

तारीख: 4-1-1983

मोहर :

3-466GI/82

प्रसम्प आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1983

निर्देण सं० सी० प्रार० नं० 62/34369/82-83/ एसीक्यू वी—प्रतः, मुक्षे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० 17/9 है, तथा जो इंडस्ट्रियल सर्वेव राजाजी-नगर बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे से उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3-5-1982

को पूर्विकत समात्ति के उणित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अस्तिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्तिंग्य में कभी करने या उससे बचने में मुजिशा के लिए; और/या
- एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हां भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रशांचनार्थं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अनिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) केनरा ढेंटस्टील कंपनी रेप्रेजेंटेड बाई श्री वेंकटराया भिलगा, ध्रजीजुद्दीन रोड, पी० बी० नं० 55 मंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० वेंकटाचलपति ग्रौर सात लोग, 61/62, ईस्ट पार्क रोड मल्लेश्वरन, बेंगलूर 3 । (ग्रन्सरिती)

को यहस्चना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस ल्बना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारी इसे 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाग्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तिया मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीय दं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अमुस्वी

(दस्यावेज सं० 506/82-83 ता० 3-5-1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 17/जी० जो इंडस्ट्रियल सर्बेब, राजाजीनगर बेंगलूर में स्थित है।

> मंज् माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायक र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 4-1-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर बेंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1983 निर्देश सं० 62/35093/82-83/एसीक्यू०बी---म्रतः मुझे, मजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थायर संपीला, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 11/26 ए, 11/26 बी, 11/26 सी है तथा जो हेरवनाड विलेज, मिडकेरी ताल्लुक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकिकारी के कार्यालय मरकेरा में रिजस्ट्रीन करण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 3-5-1982

को पृष्टित समादित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिष्ठ ला के लिए को लिए के लिए को लिए के लिए को लिए के लिए को लिए को लिए को लिए का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिकार) के लीच एसे अन्तरण के लिए तम पास गया प्रतिकार, लिक्दी लिए एसे अन्तरण से लिए तम पास गया प्रतिकार, लिक्दी लिए एसे अन्तरण से उन्तर अन्तरण सिक्द को शास्त्रीक कप से किया गया हो ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उयत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीम, निस्निलिखित स्यितिसमीं, अर्थात् :--- (1) मार० ररेश, (2) श्रीमती मार वसतां (3) (3) श्रीमित तायम्माल (4) श्रीमती निरमला नं० 1 से 3 यहां रहते हैं जो 6/1ए जी० डी॰ नाइडू रोड नं० 4 6/34 रेस कोर्स रोड, कोयम्ब-ट्रा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें डी मुद्य्या श्री के एम तिम्बय्या (3) के एम करियप्पा (4) श्री के एम श्रिप्या गेरुभने एस्टेंट नाम से परिचित है जो सुंटिकोप्पा पोस्ट में है।

(भ्रन्तरिती)

कौ यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

(वस्दातवेज सं० 156/82-83 ता० 15-1-83) सम्पित्त है जिसका सं० सर्वे नं० 11/26ए में 20.85 काफी, सर्वे नं० 11/26 बी में काडिमाम सर्वे नं० 11/26 सी में 17.40 कार्डमाम जो हेरनवनाड विलेज, माडिकेरी तालूक में स्थित है ।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनोक: 15-1-1983

नोहर:

आयकर निर्मित्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीत सुचना

### भारत सुरकार

### कायलियं, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, बंगलूर बेंगलुर, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० सी० भार० सं० 62/35047/82-83---भ्रतः, मुझे, मंजुमाधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं टी एस नं 247-948 242-बी 1, 1, भार एस नं 298ए 48 है, तथा जो कार्डी विलेज, वन्दूर वार्ड, एस नं 298ए 48 है, तथा जो कार्डी विलेज, वन्दूर वार्ड, एस ने के डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्नी में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 10-5-1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योग से उक्त संतरण सिबत में बास्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय्या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

बतः अब, उक्त वृधिनियम की धारा 269-च के, बन्तर्य में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के उपनिन, निम्नलिबित व्यक्तिमाँ, वर्षात :--- (1) श्री ए० जे० डिसीजा, सन आफ मतियास डिसीजा स्रोता ऋज, बंबई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री यू० टी० माईडियाना श्रन्या (2) श्री यू०टी० मूसा कुन्ही, सन्सन्नाफ श्री महमूद हाजी परियाल साडका पूनाचा बंटवाल ताल्क डी० के० डिस्ट्रिक्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### मन्त्रपी

(बताबेज सं॰ 160/82-83 ता॰ 10-5-1982)

सम्पत्ति है जिसका सं० टी० एस० नं० 247-948 242-बी1 I, ब्रार० एस० नं० 298, ए 48, कार्री विलेज बन्दूर वार्ड एस० के० डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक वायक र आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 13-1-1982

मोद्वर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर
बंगलोर, दिनांक 15 जनवरी 1983

निर्देश स० 35105/82-83--- ग्रतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/24ए और 1/24 बी है तथा जो बेलतूर गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मडीकरों में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का का 18) के ग्रधीन दिनांक 31-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) ए० कावेरियप्पा (2) ए० मादप्पा (3) ए० मुत्तन्ना (4) भीमयया (5) ए० पूनाछा (6) ए० सोमन्ता (7) ए० पोन्तप्पा (8) ए० सुब्बा-य्या बेलतुर गांव, मिडकेरि ।

(न्य्रतरक)

(2) श्री के० के० जोसफ, श्री के० जे० कुग्रमन प्लान्टर भुवनहबी एस्टेट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगसची

(दस्तावेज सं० 319 दिनांक 31-5-1982) सर्वे नं० 1/24ए ग्रौर सर्वे नं० 1/24 बी, बेलतूर गांव।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 15-1-1983

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकण)
श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1983

निर्देण सं० 34913— ग्रतः, मुझे, मंजु माधवन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 172 है तथा जो एच०ए०एल० II स्टेज इन्दिरा नगर बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22-5-1982

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कर्नल टी० जेयराम 37/3, मिनि ग्रवेन्यू रोड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० श्रीदेवम्मा तथा एम० सुलोचनम्मा 37, ए० बी० एम० एवेन्य, मद्रास-28। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **अनुस्**ची

(दस्तावेज सं० 538 दिनांक 22-5-1982)। 172, एच०ए०एल० II स्टेज इन्दिरा नगर बेंगसूर-38।

> मंजु माघवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 15--1-1983

### प्रसम काई. टी. एत्. एस. ------

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांकं 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज्ञ०/सहा० आ०० श्रर्जन/1569—अतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षा प्रधिकारी की यह विक्वास वारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० हुकान नं० 30 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्मूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रद्धिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रद्धितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28 मई 1982

को प्लेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से। पसे दृश्यमान प्रतिफल से। पसे दृश्यमान प्रतिफल से। पन्तरको और अन्तरितो (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिश्वत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुजिधा के लिए;

(1) श्री शिवचरण पुत्र श्री मूल राज जी गोयल निवासी पिटलक पार्क श्रीगंगानगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति णशिवाला पत्नि श्री राज कुमार ग्ररोड़ा निवासी 20 एफ, श्रीगंगानगर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर क्यों करायों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना को राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सक्षण।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों. का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाणित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

दुकान नं० 30 गोल बाजार, श्रीगंगानगर, जो उप पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 884 दिनांक 28-5-82 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्न में श्रीर बिस्तुन रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम **प्रा**धिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपूर

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 17-1-1983

बरूप बार्ड. टी. एम. एस. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्रधीन स्थान

### भारत बरकार

कार्योलय, सहामक आयकर आवृक्त (मिरीकण)
श्रर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1565—ग्रत: मुझे मोहन सिंह

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो दूदू तहसील में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दूदू (म० मौजमाबाद) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 7 मई 1982

को पृत्रा क्या संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्या मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्व, उसके द्यमान प्रतिफल के। पत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विश्नतिक उद्देश्यों से उच्ता अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जान की बावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निष्मीसीखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) कुमारी पुगिमा सुराणा पुत्री श्री मानकचन्द सुराणा, डी-146, सावित्रीपथ बापू नगर, जयपुर (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स म्रालीक अग्रवाल फैमिली ट्रस्ट, जयपुर (भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के वर्जन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गवा है।

#### वनसूची

कृषि भूमि 40 बीधा 8 बिस्ता स्थित ग्राम बोराज तहसील दूदू जिला जयपुर जो उप पंजियक, दूदू (मुख्यालय मौजमा- बाव) क्वारा कम संख्या 221 दिनांक 7 मई, 1982 पर पंजिबड़ विक्य पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णत है ।

मोहन सिंह, सक्षम श्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जैन रेंज, जयपुर

दिनांकः : 12-1-1983 । मोहरः 

### प्रकप वार्षः टी., एव., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देण संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/1564--अतः मुझे मोहन सिंह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो दूदू (भौजमाबाद) में स्थित है, (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूदू (भौजमा-बाद) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक 7 मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया क्या हैं।--

- (का) जन्तरण से हुइ किसी आयु की बायत अस्त विध-ियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियल में लामी करने या सलसे बुधने में सुविधा के सिने;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 4—466GIj82 (1) श्रीमिति विमला देवें।पित्न श्री मानकचन्द सुराणा, डी-146, सावित्रीपथ बापूनगर, जयपुर । (अन्तरक)

(2) राजेश शर्मा फैमिली ट्रस्ट, जयपुर । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

चक्छ सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप उ---

- (क) इस स्वाप के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थाया, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### यनुस्धी

कृषि भूमि 30 बीघा 8 बिस्वा स्थित बोराज, तहुँ दुदू जिला जयपुर जो उप पंजियक दुदू (मु॰ मौजमाबाद) द्वारा पंजिबद्ध विकय पत्न सं॰ 220 दिनांक 8 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 12 जनवरी 1983।

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1573— अत: मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि. है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-5-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखत मे वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) गुल्लूपुत्र मुकना नाई, महामन्दिर, जौधपुर (अन्तरक)
- (2) मैसर्स राजीव गांधी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा लक्ष्मी पुस्तक भण्डार, जालोरी गेट, जौधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करसा हंू

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी-व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा स्थित भाउवासिया, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 1315 दिनांकः 29-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 17-1-1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/1574—अतः मुझे मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (आर इसके उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्णस्प में विर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 22-5-1982

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मोती लाल पुत्र श्री पापालाल सौलंकी, फलौदी, जौधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन लाल पुत्र श्री अन राज मेडतिया द्वारा स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर, सिटी ब्रांच, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पछीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

निर्मित मकान, प्रताप नगर. जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा ऋम संख्या 1256 दिनाक 22-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, अयप्रु

तारीख: 17-1-1983 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**चना** 

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 17 जनवरी 1983

निर्देश सख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/1575---अतः मुझे मोहनमिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्षालय जोधपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-5-1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् क्

(1) श्रीमित पतासी देवी पत्नि श्री बना राम नाई, मानक लेव जौधपुर ।

(अन्तरक)

(2) अमीन खान पुत्न श्री गनीन खान मानक लव, जौधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्मत्ति में हितबह किसी प्रनय व्यक्ति द्वारा, ग्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रभूतत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि 52.5 बीघा स्थितमाणकलाव के निकट, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1212 विनांक 18-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

विनांक , 17-1-1983 । मोहर : जन्म अपि १। एवं छंग ----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 17 जनवरी 1983

निर्देश मध्या राज०/सहा० आ० अर्जन/1576—अत मुझे मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षय अधिकारी को यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थारण सम्मरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु सं अधिक है

और जिसकी में कृषि भूमि है तथा जो जीधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य जीधपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1982

को पूर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मल्य स कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिया है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त विधानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आध्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कल्याण सिंह पृत्न श्री जानकीलाल दरजी, साजितया वाचियो का बास जौधपुर । (अन्तरक)
- (2) श्री पामाराम पुत्र श्री चोलाराम बसानी, जौधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वति मर्काए के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अनिध बाद में सप्राप्त होती गी, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में ग किसी व्यक्ति प्राप्त,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को नीतर उत्तार त्यांत में हित- बद्ध फिली अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम भवरासनो तहरु जौधपुर जो उप पजियक जौधपुर द्वारा ऋग सख्या 1291 दिनाक 24-5-1982 पर पजिबद्ध विऋय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन निह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

दिनाक : 17-1-83

माहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनां क 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1574—अतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहंप्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- (1) श्री कल्याण सिंह पुत्र श्री जानकीलाल दरजी, सोजितयां, घांचियां का बास, जौधपुर । (अन्तरक)
- (2) श्री घोलाराम पुत्र श्री छोलाराम, बसानी, जौधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

कृषि भूमि स्थित ग्राम भाकरासनी तहसील जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1292 दिनांक 24-5-82 पर पंजियद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र<sup>र्ज</sup>ण, **जयप्**र

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकात व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक: 17 1-1983

प्ररूप आई<sup>2</sup>,टी.एन.एस.-------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थ, ेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1578—अतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री चान्द करन पुत्र श्री हर चरण नाल गर्ग, जोधपुर (अन्तरक)
- (2) श्री अमित जैन पुत्र श्री सुमेरमल पटवानिवासी, 18 जालम विलास स्कीम, जौधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्मध्यकिर्ण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया ही।

### अनुसुखी

भवन ग्राउन्ड फ्लोर क्षेत्रफल 1021 वर्गफुट स्थित पावटा बी० रोड, जौधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा अस संख्या 988 दिनांक 3 मई, 82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक: 17-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देण संख्या राज०/महा० आ० अर्जन/1579--अतः भृक्षे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर मे स्थित है, (और इसमे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 मई 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--

- (1) श्री चान्दकरण पुत्र श्री हुर चरण लाल गर्ग, जौधपुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमित दया पटवा पत्नि श्री नुमेरमलजी पटवा निवासी 18, जालम विलास स्कीम, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनस्ची

निर्मित मकान जालम बिलास नं० 18, ब्लाक डी पावटा बी रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 987 दिनांक 3-5-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्ता रूप से विवरणित है

> मोहन सिंह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 17-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1580—अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दजान सम्पित तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 4 मई 1982

कां पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृन्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त आधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (1) के अधीग, निम्नुलिकत व्यक्तियों, अधीतः:—

5—466GI/82

(1) श्री बृज सरण टण्डन पुत्र श्री केशव सरन टण्डन, स्टेशन रोड, कोटा

(अन्तरक)

(2) श्री लाढूराम पुत्र श्री रामहेतलाल, स्टेशन रोड, कोटा।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म हित- बक्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्ण होंगा को उस सभ्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्टेशन रोड, कोटा पर स्थित मकान सम्पत्ति का फर्स्ट जो उप पंजियक कोटा द्वारा कम संख्या 456 दिनांक 4 मई 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 17-1-1983।

### प्ररूप गाई• टी• एन• एस•~--

### प्रायकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जनवरी 1983

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/1587—अतः मुभ्रे, मोहन सिंह,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है, और जिसकी संख्या ई-21 है तथा जो जयपुर में स्थित है, ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 22 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तर्क (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निस्तित में वास्तविक कप मे किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत उक्त ग्रीव्यनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय मा किमी भाग या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम; या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपानें. में मुक्किश के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण् में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) सायर कंवर पत्नि श्री मूल सिंह, 315, आदर्ण नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गणपत लाल पुत्र श्री बन्सीधर, ई-21 अम्बाबाड़ी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (स) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,
  जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
  पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिसबदा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण। इसमें प्रमुक्त कड़ों और पर्वो का, जो सम्ब अहिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ई-21, अम्झा बाड़ी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1095 दिनांक 22-5-1982 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 19-1-1983

### प्र**रु**ष **बार्ड**् दी. एत्. एस<sub>...--</sub>-----

# अस्यकर ज्यित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालम्, सहाजक भायकर भायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जनवरी 1983

निर्देश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1588 श्रतः मुझे. मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 55 है तथा जो टौंक में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टौंक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मई 1982

को पूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी बाय की बाबत्, उक्त बरिश्तियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी पुन वा बच्य कास्तियों, का , जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उकत अधिनियम, बा भून-कर अधिनियम, बा भून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए;

अतः ज्व, उनत् विभिनियन की भारा 269-म के अमूसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री तारा चन्द जैन पुत्न श्री भंवर लाल, चीफ कैशियर, स्टेट बैंक ग्राफ बीकानेर एण्ड जयपुर, तिलक नगर, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामबाबू गुप्ता पुत्र श्री जगदीश नारायण गुप्ता, तख्ता खास, टोंक

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

### जनत सम्परित के नुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वतसर्वा

मकान नं० 322(जी), प्लाट नं० 55, टौंक, जो उप पंजियक, टौंक द्वारा क्रम संख्या 314 दिनांक 19-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपूर

विनांक: 19-1-1983 ।

प्ररूप आहें. टी. एन. एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 19 जनवरी 1983

निर्देश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1590---मृत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 26 मई 1982 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान श्रितफल से, एसे दृश्यमान श्रितफल के पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में शस्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री धब्दुल रजाक पुत्र श्री खुदा बक्ष, मुसलमान स्टेडियम रोड जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित चाँबीया पत्नि श्री सफाडिया सिर्धाः, नागौरी गेट, जोधपूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य**शाह**यां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्सूची

10.25 बीघा भूमि स्थित भदवासिया, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1311 दिनांक 26-5-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक: 19-1-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) फ्रर्जन रेंज, जयपुर

अयपुर, दिनांक 19 जनवरी 1983

मादेश सं० राज०/सहा० श्रा० प्रर्जन/1591—श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (भीर इसे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 11-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की तायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री सफीखान पुत्र श्री प्रकबर खान सिधी, जोध -पुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गुलजार गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, शिप हाउस, रोड, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पक्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि स्थित भाडसिया जोधपुर 28 बीचा 12 बिसस्या जो उप पंजियक, जोधपुर, द्वारा ऋम संख्या 1080 दिनांक 11-5-1982 पर पंजिबद्ध विश्रय पत्र में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 19-1-1983

प्रस्प बार्द टी. एन्. एस. ----

स्रायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जनवरी 1983

निर्वेश संख्या राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1592—म्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11 मई 1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रीतफल, निम्मलिखित उख्वेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिक्षिण व्यक्तियों अर्थातः—— (1) श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री सालाराम माला आफ पन्जाला, तह० जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स गुलजार गृह निर्माण सहकारी समिति लिमि-टेड, शिप हाउस रोड, औधपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित को अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कर्ण।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

28 बीघा 12 बिस्था भूमि स्थित भड़ासिया के पास, जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1081 दिनांक 11-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 19-1-1983

प्रसप आई• ठी॰ एन० एस•⊸-

धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, विनांक 19 जनवरी 1983

निर्देश स० राज/सहा० ग्रा अर्जन/1593—ग्रत मुझे, मोहन सिंह, ग्रायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने मा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बाजार** गुल्य 25,000/- ह० से अधिक है भौर जिसकी स० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है,(भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय जौधपुर मे, रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 11 मई 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीन सम्पत्ति का खिन बाजार महय, क्सके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रक अतिशत से अधिक है भीर भग्तरक (भग्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित म बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्त कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, श्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उनन अधिनियम को धारा 269-घ की उपचारा (1) के अभीन, निम्निसियित <u>कानिसमों</u>, ब्रम्सि ॥--- (1) श्री बेजा राम पुत्र बेश्री भामारामजी माली, पूजला, जोधपुर

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स गुलजार गृह निर्माण सहकारी समिति निमिटेड, शिपहाउस, रोड जोधपुर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिमां सुरू करता हु।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इम नूचना ह राज्ञना में प्रकाशन की ताणिक न 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होनी हो. क भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्रतार राजगन्न म पकाशन को तारीख म 45 दिन कं भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्न किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहक्ताकरों के याम लिखिन में किए जा सर्कोंगे।

स्वष्टोकषण :--इसमें पर्वन शक्या श्रीर पदा का, आ सकत यश्चित्यम, के बक्याय 20-क में परिधाणिक कें, बतो अर्थ तीमा जो जग प्रध्याय में विकास की है।

#### जन्सूची

भूमि 28 बीघा 12 बिस्वा स्थित भाडसिया, 'जोधपर जो उप पजियक, जोधपुर द्वारा ऋम सख्या 1082 दिनोक 11-5-1982 पर पजिबद्ध विऋय पत्न में ख्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, जयपुर

दिनाक: 19-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर, जयपुर दिनांक 19 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० आ०/प्रर्जन 1594—श्रत: मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3 मई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) श्री शिव लाल पुत्र श्री कन्हैयालाल जागिङ, मिल्क मैन कालोनी, प्लाट नं० 313, मसूरिया जोधपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री चम्पालाल म्रोसवाल, भगता-वरमल का बाग जोधपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्वो का, जो उन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 807.7 वर्ग गज स्थित पाल रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 975 दिनांक 3-5-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपूर

तारीख: 19-1-1983

मोदर •

The proof is mag

पराकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-1 (1) के प्रधीन ग्वन

धारत मरभार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 19 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा०म्रा० म्रर्जन/1595---म्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1981 का 13) (त्रिसे इसमें इसके परत्रात् 'उवन अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पापिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचिम बाजार मूख्य 25 000'- क • से बाबक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 मई 1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत प्रश्चिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण कि लिखन में बास्तिवक इप से संचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविभा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो आप या किसी वन या प्रस्य धास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन प्रधिनियम, या ध्रम- कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रधाजनार्थ अन्तरिती अरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा रें भार.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निष्क्ति व्यक्तियों, अधीत् :-----

- (1) श्री णित्रसास पुत्र कन्द्रैयालाल आगिड़, भिरुक गैन कालोनी, मसूरिया प्लाट न० 313 जोधपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री महेंद्र कुमार पुत्र चम्पालाल, भगतावरमल का बाग, जोधपुर ।

(भ्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति हुनारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

भूमि 243.60 वर्ग गज स्थित पाल रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1076 विनांक 11-5-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं ।

> मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, **जय**पुर

दिमाक: 19-1-1983।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 19 जनवरों 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-5-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या.
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री णिवलाल पुत्र श्री कन्हैयालाल जागिड, मिल्क मैन कालोनी मसूरिया प्लाट नं० 313 जोधपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चम्पालाल पुत्र श्री धूरचन्द, भगतावरमलजी का बाग, जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि स्थित पाल रोड, जोधपुर के पास, जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1077 दिनांक 11 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विऋष पत्र में और विस्तृत रूप से वियरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 19 जनवरी 1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० ऋर्जन/1597—ऋतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 73 ए है तथा जो कोटा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 4 मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

जतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मक्षित्रित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित शीला के० जोशी पावर ग्राफ ग्रटानीं श्री तेज बहादुर सिंह निवासी कोटडी गोर्धनपुरा, कोटा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित विमला छाजेड परिन श्री एच० सी० छाजेद निवासी केवलनगर, कोटा ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्तेंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिंदत में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उक्ल विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्य होगा जो उस् अध्याय में दिया गया हैं.।

# वनुसूची

3000 वर्गफुट भूमि प्लाट नं० 73 ए, तालमंडी कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा ऋम संख्या 452 दिनांक 4-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 17-1-1983।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 20 जनवरी 1983

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1598—ग्रत. मुझे, मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट न० 88 है तथा जा जोघपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्री-करण मधिनयम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनाक 13-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री कैलाश नारायण पुत्र श्री मदन लाल, पुंगल पाडा, जोधपुर

(भ्रन्तरक)

(2) मोहनी, 193 सी, शास्त्री नगर, जोधपुर (म्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा गर्केंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रलाट नं० 88, शास्त्री नगर, सैक्टर ए जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1153 दिनाक 13-5-1982 पर पंजियद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 20 जनवरी 1983

भोहर

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सृष्ट्रा

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक बायकर बायक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 456/82-83-- ग्रतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-17-1ए है, तथा जो नाडेपल्लीगूडम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्णक्ष्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यातय ताडेपल्लीगूडम में भारनीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पन्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है गीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल का प्रमाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (प्रन्तरिक्षों) और अन्तरिक (प्रन्तरिक्षों) की कोच एम अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित इंद्र्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक कप से काचत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण न हुड किसी आय की बाबत धकर अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के बाबिस्थ में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, । जन्तें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उन्त अधिनियम गा बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुबिधा के सिए।

सतः धन, उक्त विविधम की धारा 266न के सनुसरण में में, एक्त अधिनियम की खारा 269-म की उपवारा(1) के प्रशां, निम्मिन्धा वालेलयों, प्रशांत् (1) श्री ए० सुब्बाराव पिता श्रीरामूलू, साजापूरम, तनूकू।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० लक्ष्मी पति नागेश्वरा राव, पीपारा, ताडेपल्लीगूडम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बार्ी क्रांचे पूर्वीक्ट स्पिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थाबर संपरित में हिनबद्ध किसी अन्य विक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

घर सपत्ति घर न० 4-17-1ए, ताडेपल्लीगूडम, विस्तीर्ण 336 चौ गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2254/82, रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी ताडेपल्लीगूडम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज, हैदराबाद

दिनांक: 7-1-1983

प्रकम् बाइ 🚉 टी., एन्., इस्.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 457-82-83---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5-92-62 है, जो गूटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गूटूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के नीच एसे जन्तरण के निए तम पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निस्ति में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जनारण से हुए किता भाग की नामत, उक्त अभिनियम के जमीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विक;

श्रतः स्था, उपत् अधिनियम की धारा 269-न के जन्तरण हों, हों, उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीसियित व्यक्तियों, अधीत्.---

- (1) श्री पी॰ सुदरशना पति श्रीधर कृष्णानगर, गुंटूर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रो० वेंकय्या पिता नागय्या, लेमालापाडू, गूंदूर जिला ।

(श्रन्तरिती)

को गई सुवना वारी करके पृत्रों क्ला सम्मल्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूबारा;
- (च) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्दस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधित्तम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

# बन्सूची

धर संपत्ति धर नं० 5-92-62, गूंटूर, मुनीसीपा, यरीया, विस्तीर्ण 166 घौ० गज रिजस्ट्रीकृत विशेख नं० 4987/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठिकारी गूंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-1-1983

प्ररूप आइ<sup>2</sup>. टी. एन. एस. - - - ----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 458/82-83-म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-92-62, है, जो गूट्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गूट्र में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया रिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- '(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, जुभीत् :---

- (1) श्री पी० मुदर्णन पित श्रीक्षर कृष्णानगर, गूंटूर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रो० वेंकय्या पिता नागय्या, लेमलेपाडू, गूटूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसची**

वर संपत्ति घर नं० 5-92-62, गूटूर, मुनीसीपाल, विस्तीर्ण 325 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5009/82, रजिस्ट्री-कर्सी अधिकारी गृहर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक: 7-1-1983

त्रक्य **अह**ै. टी. एन. एस. - - - ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सामृक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 459/82-83---श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 13-1-23 है, जो सूर्यारावपेट, काकीनाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमन प्रतिफल से एसे रेव्यमन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:----

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निकासित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री सी० एन० रामकुष्णाराव प्रौर प्रन्य त काकी-नाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) वाई० जयलक्ष्मी पति श्रीरामचंद्रा चौत्ररी और श्रन्य तीन का काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

का यह बूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए क्षर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस नुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूभना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत स्पित्तयों में में किसी व्यक्ति द्वार,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, ओ उक्त जिमिनियम, के सभ्याय 20-क में परिस्तिकत हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस जध्याय में दिसा गया है।

# अनुसूची

घर संपत्ति, यर नं० 13-1-23, मेन रोड सूर्यारावपेट, काकीनाष्टा, विस्तीर्ण 777 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3756/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी काकीनाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रगधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराधाद

दिनांक: 7-1-1983

प्रकप आई• टी॰ एम॰ एस●---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 460/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 322 है, जो वेनीगुंडला गृटूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गृटूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

खतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थीस् :——
7—466G J/82

- (1) श्री बी० रत्नम पिता मुक्कार्ती, वेनीगुंडला गूटूर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० श्रष्पाराव पिता द्याक्कय्या, विजयवाड़ा । (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कारके पूर्वा कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकती।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

खुली जमीन वेनीगुंडला गांव, गूटूर घर नं० 322 विस्तीर्ण 1.06 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5245/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी गूटूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7≁1-1983 मोहरः प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसक सं० 24 है जो बेनगुंडला, गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गूंटर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्हा की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिबों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एन० वनीयालू पिता श्रम्माय्या श्रौर श्रन्य तीन, वेनीगुंडला, गृंटूर ।

(ग्रन्तरक)

'2) श्री पी० ग्रपाराव पिता भाक्कस्या पटमाटा, विजय-वाडा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शबदों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>ड</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# मन्स्यी

खुली जमीन, वेनी गुंडला, गूंटूर, घर मं० 24, विस्तीणं 1.65 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5144/82 रजिस्ट्री- कर्ता ग्रिधिकारी गूंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रिष्ठकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 18 है, तथा जो वेनीगुंडला गूंटूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वींणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) बी॰ पीचम्मा पेदावेमय्या भ्रौरश्रन्य तीन वेनी-गुंडला गुंट्र।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० भ्रप्पाराव पिता भ्रक्कय्या विजयवाड़ा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्स्ची

खुली जमीन, वेनीगुंडला, गूंटूर घर नं० 18, विस्तीर्ण 0.66 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5137.82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गूंटूर ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराखाद

दिनांक: 7-1-1983 **।** 

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप आइ. ही. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश मं० ग्रार० ए० सी० नं० 462/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 33 है, तथा जो बेनीगंडला, गूट्र में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनूसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिब्द्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय गंट्र में भारतीय रजिब्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन में, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनारी, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रा बीठ सीठ एचठ नागरपा पिता क्रमान्य्य बेनीगंडला, गंटूर,

(श्रन्तरक)

(2) श्री पी० श्रपांराव पिता श्रावकस्या, पडमात्व, विजयवाडा ।

(प्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ुकार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

खुली जर्मान, वेनागंडला गांव, गंटूर घर नं० 33, विस्तीर्ण 1.31 सेटम, रजिस्ट्रीपुत विलेख नं० 5095/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी गंटूर ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायम्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तार्गख: 7-1-1983

प्ररूप आई टी. एन एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 7 जनवरी 1983

निर्देश स० ग्रार० ए० स10 न० 464/82-83—यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम पाधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिनका ग० 18 है, तथा जो पनाइना गटूर में स्थित है (श्रीर इसन उनाबद श्रनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप म विणित है), रिजस्ट्री जिल्ही प्रधिनारा के कार्यालय, गटूर, में भारतीय रिजस्ट्री लग्ण निधिनायम, 1908 (1908 वर 16) के श्रधीन मई 1982।

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत, उक्त अधिगियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करन या उससे बचने मा सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रा प्रा० प्रसादा राव पित्रा नागाय्या, वेनीगला, गूटूर,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा पा० त्राष्पाराव पिता ग्राक्कस्या, विजयवाडा। (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

खुली जमोन वेनोगङला गात्र, गृटूर्व, घर न० 18, विस्तीर्ण 1.50 मेटम, र्जिस्ट्राप्टन विलेख न० 5089/82 रजिस्ट्रा-कर्त्ता ग्रिधिकारो गटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तार्ख: 7-1-1983

प्ररूप आई., टी. एन., एस.,------

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देई सं० ग्रार० ए० सी० नं० 465/82-83---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

मायकर म्रिमियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 21 है, तथा जो बेनीगंडूला, गंदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची म श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गंदूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधान 19 मई 1982।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निलिखत उद्देष्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

बतः जन, उक्त\*जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रा बो० बीकारीनारयक पिता कार्यनायक भौर भ्रत्य दो, बेनीगंला, गंट्रा

(भन्तरक)

(2) श्री पी० मण्पाराव पिता वेंकस्या, विजयवाडा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### धन्त्वी

खुली जमीन, वेनीगंड्उला गांव, गूंटूर, घर नं० 21, विस्तीर्ण 0.62-1/2, सेंटस्, रजिस्ट्रीझृत विलेख नं० 4989/ 82, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज, हैंदराबाद

तारीच: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 7 जनवरी 1983

निर्देई सं० म्रार० ए० सी० न० 466/82-83—-यतः मृझे एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 21 है, तथा जो वेनी गंजला, गट्रम स्थित है (श्रीर इससे उपापद श्रनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रविकारी के कार्यालय गूटुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन मई 1982।

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्व/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

(1) श्रीः बो० बानारी नारयक पिता ग्रससानायक ग्रीर ग्रन्य, एन, वेनागडला गटूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा पी० मप्पाराव पिता कैक्य्या, विजयवाडा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

खुली जमीन, वेनीगंड ला गृट्र, घर नं० 21, विस्तीर्ण 0.62-1/2, सेंटसड, रजिस्ट्रीकृत विलेख नंसें 4988/82, रजिस्ट्रीकृत्ती ग्रधिकारी गृट्र ।

एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसङ्ग में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ता**रीख:** 7-1-1983

प्ररूप आई टी एन एन एन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 जनवर। 1983

निर्देश सं० ग्रार० ए० सं१० नं० 467/82-83—यतः  $\hat{q}$  हो, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 21 है, तथा जो वनोगंडला, गूटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूच। में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, गूटूर में भारतोय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधान मई 1982।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी. धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषय जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रा प्रा० रामुलू, नायक पिता बाकारा नारय, वेनागडला, गुटूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा पा० भ्रापाराव पिता वेक्य्या, विजयवाडा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बदुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासृ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

खुलो जमीन, वेनीगंड्ला गाव, गूटूर, बी० न० 21, विस्तोर्ण 1.05 सेटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4982/82 रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकार। गूटूर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारोख: 7-1-1983

# प्रकृष बाइ . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 जनवरी 1983

ग्रार० ए० स० नं० 468/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुव्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

भौर जिसका स० 25-बी है, जो वेनीगडूला गूटूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गटूर में रस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई में 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित भाषार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियत उद्देश्य हिन्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उनत बिधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उयत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सन्धिय के लिए,

अप्त अब, उक्त व्यक्षिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —— 8—466G182 (1) श्री बी० विकारी नामक पिता प्रालसा नायक, वेनीगंडुला गृदुर।

(ग्रतरक)

(2) श्रा पा० अपाराव पिना भानकय्या, पडमारा, विजयवाडा।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

खुर्ला जमोन, बेनोगंड्ला, गूटूर, घर न० 25-ए, विस्तोर्ण 0 67 सेट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4967/82, रजिस्ट्रीन कर्त्ता अधिकारी गूटुर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपूर

ताराख: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० आर० सी० नं० 469/82-83— यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अभिक हैं

25,000/ रंग से आपक है

भौर जिसकी सं 0 42 है, जो वेनीगूंडाला, गूंटूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है),
रिजस्ट्रीकर्सा आधिकारी के कार्यालय गूंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1982
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसकी दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बीव वीरय्या पिता कोटय्या भीर एक, वेनोगंबुला गूंटूर।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० पारवती पिता वेंकटा र्ऋर राव, नालापाडू, लक्ष्मीनरसीम्हापुरम, गूंटूर । (श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां कित्यों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसान में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, वेनोगूंडला गूंटूर, घर नं० 42, विस्तीण 0.89 सेंटस्, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5090/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. -----प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 470/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 31 है, जो वेनी गूडला, गूंट्र में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गूट्र में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान मई 1982

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझ यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृक्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह भ्रतिशत श्रीक है भीर भ्रम्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रम्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त सन्तरण निखित में वास्तविक क्य से किया नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किमा श्राय को बावत जक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविका के लिए;

भवः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, इक्त मधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) श्रो बोर साम्बय्या पिता चाना सुरुवंय्या, वेर्नागूंडला गूंदूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमतीपी० पारवर्ता पिता वेंकटा कृष्णा राव, नलापाबू, लक्ष्मीनरसिंह्मपूरम, गूटूर। (अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की प्रविध या तत्मक्वरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहक्ता करी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उन ग्राड्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, बेनीगूंड्ला गांव, गूंटूर, घर नं० 31, विस्तीर्ण 0.54 सेंटस्, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4093/82, रजीस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **है**दराबाड

तारी**ख**: 7-1-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ग्रार० ए० नं० 471/82-83—यत. मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 196 श (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 33 है, जो वेनोगंडला, गूंटूर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्णरूप के विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकार। के कार्यालय, 'गूटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नार्राख मई 1982

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उकत विधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क बायित्व में कामी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, ष्टिपाने में सुविधा के तिए;

कतः वस, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितितित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो के० कोटा नायंक पिता रेड्डम्मा नायक, वेनोमंडला, गृटुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा पो० पारवता पिसा वेकटा कृष्णा राव, नालापाडू, लक्ष्मीनरसिंह्मपूरम,गूट्र ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवारिह्या करती हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्लाक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पक्षों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन वेनीगंडला, गृटूर, घर नं० 33, विस्तीण 1.44 सेंट्स, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 5289/82, रजिट्राकर्ता प्रधिकारो गृटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

मोहरः

प्रकप बाई . टी . एन . एस . -----

# आयकर श्रीवित्यमः; 1961 (1961 का 43) की बारा 269न्व(1) के श्रीवीत सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० द्वार० ए० सी० नं० 472/82-83--यतः मुक्षे, एम० जेगन मोहन,

भ्रायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पश्चात् 'उकत प्रक्रितियम' कहा गया है), की घारा 269-क के अभेर गक्षप प्राविकारों को, यह विक्यास करने का न्यारण है कि स्थावर राभ्यांस जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 302 है, जो बेनीगंडला, गूंटूर में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप में बाँगत है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गंटूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

की पूर्लोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए सन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्मरण लिखित में वाहरिवक का में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रभ्तरण मे हुई किसी धाव की बावत. एक्त पश्चित्यम के धवीन कर देने के प्रम्वरक है दाविस्थ में कमी करन या उसमे बचने में मुख्या के लिए प्रोर/या,
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें पारतीय श्रायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिधनियम, या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा गाय किया जाना नोहिए वा छिताने में सुनिधा के लिए;

अतः व्यव, उपत प्रधिनियम की भारा 268-ग के धन्तरण में, में, उपत प्रधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के वधीन निम्नुबिद्धित व्युष्तित्यों व्युश्तित्य हैं

- (1) श्रो बार नागरया पिता पापरया, वेनीगूंडला गूंटूर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रामतीपी० पारवतः पिता वेंकटा कृष्णा राव नल्लापाडू, लक्ष्मानरसिम्ह्यपूरम, गूंटूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जमरी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के भ्रमंत क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में नोई भी धाक्केप :--

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति वारा, यधातस्ताशारी के पास निश्चित में किए जा सर्जेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त सब्दो भीर पठी का जो जनत मधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाधित है, अती अर्थ होगा जो उसग्रध्याय में दिशक गया है।

# मनुसूची

खुली जमोन, वेनोगूंडला गूंटूर, घर नं० 302 विस्तोर्ण 0.50 सटस्, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5287/82, रजिस्ट्राकर्त्ता ग्रिधकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, हैदराबाद

तारी**ख**: 7-1-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. \*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ७ जनवरी 1983

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 473/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 37 है,जो वेनीगृंडला, गृंदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित्त है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गृदूर में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अका: जबा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री एल० हानूमानायक पिता भी धाकयीन, वेनी गूडूला गूटूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० पारवर्षा पितावेंकटा ऋषणा राव नल्लापाडू, लक्ष्मीनरसीम्हापूरम, गृटूर

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, बेर्न।गुंड्ला, गूंट्र, घर नं० 37, विस्तीर्ण 1.35 सेंटस्, रजिस्ट्रींकृत विलेख नं० 5288/82, रजिसी-कर्त्ता प्रधिकारी गुंट्र।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

# प्रकृष काई. टी. एम. एस. - - - --

काबकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 414/82-83—यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 41 है जो बेनीगूंडला गृंट्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्णस्प से विजित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय गूंट्र में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1982

को पूर्वोंक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देषयों से उक्त अन्तरण निचित में वास्तींक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्हीनसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

् (1) श्री शेक मोहमद <mark>साहेब</mark> पिता मस्तान साहेब वेनी**गृड**ला गूंटूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० पारवती पिता वेंकटा कृष्णा राव नल्लापाडू, लक्ष्मीनरसीम्ह्मपूरम, गृटूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त तन्यति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ड्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी ब्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम के जध्याय 20-क में प्रिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

# **भनुसू**ची

खुली जमीन, बेनीगूंडला गांव गूंटूर घर नं० 41 विस्तीणं 1.10 एकर, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5293/82, रजीस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 7-1-1983

प्ररूप माई. टी. एन. एस.------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंधराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 475/82-83—यत-: मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 20-4-1/4 है, जो रामचंद्रापूरा गृटूर में स्थित है (भ्रौर जिससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंटूर, में राजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मर्ष, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुमारी सी० एच० स्रादीशेषागीरम्मा पति बालाकोटेस्वरा राव, रामचंत्रापुर श्राग्रहारम, गूटूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मानक चंद पिता रामनचंद, ग्रौर ग्रन्य एस० रामचंदापूर, श्राग्राहारम, गूटूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवास, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुस्ची

घर संपति. घर न० 20-4-1/4 रामचंद्रापुर, श्राग्राहारम ब्लाक नं० 22,टी० एस० नं० 834, गुंटूर, विस्तीर्ण 2937 9, चौ गज. रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5351/82, रजीस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी गंटूर।

> एम० त्रेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-चु (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्िक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 476/82-83—यसः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 25/ए हैं, जो वेनीगंडला, गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गूंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसत व्यिवतयों, अर्थात् :—
9—466GI/82

(1) श्री टी॰ कोटानारयक पिता सीतानारयक, वेनीगंडला गृंट्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० श्रप्पाराव पिता श्राक्कय्या, पडमाटा, विजयवाडा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन वेनीगंडूला, गूंट्र, घर नं० 25/ए, विस्तीर्ण 1.50 सेंट्स, रजी० विक्षेख नं० 5284/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गूंट्र ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप आर्धः .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवर्र। 1983

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 477/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 31/1, है जो वेनीगूंडला, गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गूटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीर मर्ड 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- .(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री के० सूदर्शनम पिता वेंकथ्या, वेनीगूंडला गूटूर, (ध्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० ग्रम्पाराव पिता ग्राक्कय्या, पडमाटा, विजयवाडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कां।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

# वनुसूची

खुली जमीन, बेनोगूंडला गांव, गूंटूर, भार० एस० नं० 31/1, विस्तीर्ण एकर, 33 सेंट्रम रजीस्ट्रीकृत नं० 5298/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गूंटूर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 478/82-83---यतः मुझं, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25/बी है, जो वेनीगंडला, गूंटूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्ंटूर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उगचत बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री के० लक्ष्मी रमानायक पिता के० रेडेम्मा नायक, ग्रीर श्रन्य, एक वेनीगंडला, गूंटूर। (श्रन्तरक).
- (2) श्री पी० भ्रप्पाराव पिता भ्राक्कथ्या, प**डमाटा**, विजयवाडा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

खुली जमीन, बनीगडला ग्टूर, ग्रार० एस० नं० 25/बी विस्तीर्ण 1 एकर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4965/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गुंटूर।

्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**व** : 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### धारुव सुरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्वेश सं० मार० ए० सी० नं० 479/82-83—यतः भृतो, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-677 है, जो पेराला चीराला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीराला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय सय पाया नृया प्रतिफल निम्नितियत उद्देश्य से छक्त अन्तरण निम्तित में बास्त्यक कप से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरण के बायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और्/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्तिथा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० रामयम्मा पिता लेंट वेंकटा नरसीम्हाराव पेराला, चीराला, पी० भ्रो० 523155।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० नरसीमाराव पार्टनर, मेर्सेस श्री वेंकटेस्वा द्रेडर्स, पेराल, चीराला।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त, सम्पतिसुके अर्जन, के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# सकत् सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्या किया में से किसी क्या कि खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर स्वत्र स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त प्रक्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

घर संपती, 3-677 पीराला, चीराला पी० श्रो० मुनी-सीपाल वार्ड नं० 4, वल्बेशन, वार्ड नं० 2-4, पार्टें, टी० एस० वार्ड नं० 2, ब्लाक नं० 2, टी० एस० नं० 27, विस्तीर्ण 1500 चौफ्ट, श्रौर 1200 चौ० मी० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1489/82, रजीस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी चीराला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

त्ररूप नाह<sup>र</sup>. टी. एन. एस्. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के स्थीन स्म्मा

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्वेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 480/82-83---यतः मझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर मिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त मिंभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारग है कि स्थावर संगित, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/हु. से मधिक है

ग्रोर जिसकी सं० टी० एस० नं० 542 है, जो पावरपेटा येलूरु में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, युलूरु रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1982।

को पृथेक्ति संपरित् के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संदुई किसी आय की बाबत खबत अधि-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :----

- (1) श्री जी० भास्कर राविपता ग्रपलास्वामी, येलुइ। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जे० सत्यनारायणाराव पित सीतारामाराव, येलुरु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूचाँकत सम्पृतित को अर्जन को सिह कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुजुर्जी

म्रार० सी० सी० एफ० बिल्डिंग, श्रौर टाइल्ड एफ, 14 वार्ड टी० बी० नं० 542, घर नं० 22 बि० 12.7 पावरपेटा, येलुरु, विस्तीर्ण 526.6.7-1/2, चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3568/82, रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी येलुरू।

> एम० जेगनमोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1983

भारत संस्कार

कार्याक्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 481/82-83—यतः मृझ, एम० जेगन मोहन,

प्रायक्षर अधिकितन, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिकियन' सद्दा गया है, की धारा 269-छ के प्रश्नीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छवित बाजार मूस्य 25,000/- दे से अधिक है

भौर जिसकी सं० 280-सी 280-डी घौर 282, गूंडीमेडा मंगलगीरी में स्थित हैं (घौर इससे उपाबद अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से स्थित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंगलगीरी में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पित् के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मां स्थित उद्दश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिवक रूप में किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर मिंबनियम; 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धक्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः, ज्व, उक्त मधिनियम्, की धारा 269-ग के जनुसरण् को, मी, उक्त किथिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को जभीन, निम्निट्लिक, व्यक्तिस्पों, अथित् ः— (1) श्री एम० श्रंजन चौघरी कोबली, यलूरू तालृक, जिला वेस्ट गोदाबरी।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री के० लक्षमच्या पिता नारायण मैनेजींग ट्रटी, कोनेर लक्षीमया फाउंडेशन, विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वेक्ति स्थ्यति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्माकाकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उत्कत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

खुली जमीन, गूंडीमेडा, एस० नं० 280 सी०, 280 डी० ग्रौर 282, विस्तीण 3 एकर, 65 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2009/82, रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी भगलगीरी, गूंदूर जिला।

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 7-1-1983 1

मोहरः

# प्रकप बाई । ही । एव । एस ---

प्रायकर भविषियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ध्रार० ए० सी० नं० 482/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहुन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन संसम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावंद सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- देपये में अधिक है

भौर जिसकी सं श्रार एस नं 282 है, जो गूंडोमेडा मंगलगीरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर, पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधकारी के कार्यालय मंगलगीरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 कर 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए वस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रहें प्रतिकात प्रविक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्रीं (मन्तरित्रियों) के बीच ऐसे जन्तरक के लिए लग्न पाम बया प्रतिकाल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक कम से क्षित नहीं किया गया है !---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाजत उत्तर श्रीव्यान के भ्रीचीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुनिधा के बिए धोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या फिसी घन या भ्रम्थ आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धानयम, या बन-कर ग्रिशियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः जब, उनतः अधिनियम की धारा 268-ग के अनुसन्म में, में, उन्त बर्धिनियम की धारा 268-म की उन्धारा (1) के ग्रमीन, निस्मिसिस व्यक्तियों, जन्मित्र

- (1) मेसर्स शक्ती इंजीनियंरिंग को०, मंनेजिनपार्टेनर श्री क० लक्ष्मय्या पिता नाराय्या, विजयवाडा । (ग्रन्तरक)
- (2) मेरार्स के०. लक्ष्मीमय्या फाउंडशन वाइ मैनेजिंग पार्टनर श्री क० लक्ष्मीमय्या पिता नारायय्या विजयवाडाः।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ था तस्सम्बन्धी स्थिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---४मवं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी तकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बड़ी सर्थ होगा को उस अध्याम में विद्या गया है।

# अमुसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 10 एकर, 53 सेंट्स, मार० एस० नं० 282, गूंडीमेडा, मंगलगीरी, गृंट्र, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2001/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गृंट्र।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-1983

प्ररूप नाहरें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, समृत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाच, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 483/82-83 यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० न० 7, है, जो रमनय्यापेटा, काकीनाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपावज ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय काकीनाड में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

क्तः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

(1) श्री जे० वेकेटाराव पिता भ्रप्पलाराजू, तीम्मापृरम, कावीनाडा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डॉक्टर बाबा साहेब श्राम्बेडकर, नेशनल सरवीस, सोसाइटी, रिजस्टर्ड न० 46, 1979, बाई प्रेसीडेंट, श्री बी० सूर्यनारायण मूर्ती पिता सूब्बया, यलवीन्पेटा, काकीनाडा।

(ब्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हुई।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2.00 एकर, रमनायापेटा, काकीनाडा, श्रार० एस० नं० 7, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3619/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर छायुक्त (निरीक्षण) छर्जन रेंज, **हैदराबाद** 

ता**रीख: 7-1-198**3

मोहरः

अस्य बाह्र हा. ।।य एस . ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी० नं० 484/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रारं० एस० नं० 7 है, जो रमनय्यापेटा, काकीनाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ह राधानगर के अधीन कर दाने के अन्तरक के बांग्यत्व से कभी करने या उनसे बचन का नविशा के निए: और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

(1) श्री जे॰ वेकंटराव पिरा श्रप्पलाराजू, तीम्मा पूरम, काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री डॉक्टर बाबा साहेब ग्रम्बेडकंर, नेशनल सरवीस सोसाइटी, रिल्स्टिड नं० 46, 1979, वाई प्रेसीडेंट, श्री बी० सूर्यनारायण मूर्ती पिता सूब्बया, यलवीवोटा, काकीनाडा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सिष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2 एकर, रामनायापेटा, काकीनाडा, ग्रार० एस० नं० 7, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3539/82, राजिस्ट्रोकर्त्ता श्रधिकारी काकीनाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 10-466GI/82

तारीख: 7-1-1983

मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 18 जनवरी 1983

निर्देज सं० ए० पी० नं० 3904—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भिटन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रिकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय भिटन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित के वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री करतार सिंह, मुख्तयार सिंह पुत्र भोला सिंह वासी मुसतानीम्रा रोड भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री कृष्णा गुप्ता परनी हरबंस लाल वासी चौक डी० सी० दफ्तर भटिण्डा विनोद कुमार पुत्र मदन लाल, ग्राटा चक्की सिटकी बाचार, भटिण्डा । सुरिन्द्र कुमार पुत्र देस राज मार्फत एल-2 सिरकी बाजार भटिण्डा । रणजीत कुमार पुत्र तरलोक चंद मार्फत मलहोतरा कलाथ हाउस सिरकी बाजार भटिण्डा । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रभिभोग में सम्पति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, क्तिके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1320 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> त्रे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 18-1-83

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3505--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नकतान 'उन्त प्रजितिसम' कहा गया है), को जारा 269-व के अपान नजम प्राधिकारों का, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिनका उत्ति। पाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पण रूप में विणित है), रिस्जिट्टीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा म रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त उप्पत्ति है उतित बाजार मुख्य में कम के दूरयमान प्रतिक्षल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का हारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उनके दूरमान मितका निकास का पखह प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के मीत ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नितिबार उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से का पाया है।——

- (क) अन्तरण से हुर्द्विकसी आय की आसत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किती आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

बतुः शुव उक्त सिधिनियम की भाग 269-ग के सनूसरण में हैं, उक्त सिधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के बृधील, मिम्निसिसिस स्मितिस्

(1) श्री जोगिन्दर मिंह पुत्र केहर सिंह वासी परस राम नगर नजदीक गत्ता फैक्ट्री।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमरजीत सिंह पुत्र नत्था सिंह गांव लाडू कुमा जिला कुरक्षेत्र।
जुगराज सिंह पुत्र भाग सिंह वासी बारेला मनदीप सिंह पुत्र जोहन वासी भटिन्डा। जेम्स पुत्र श्रमरदास वासी भटिण्डा। सरोज वाला पत्नी हंसराज वासी भटिंडा। धनपत राथ पुत्र राम नरैन वासी भटिण्डा।

(श्रंतरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

सो यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रवं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### मनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जसा कि निलेख न० 1345, दिनांक मई 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 18-1-83

मोहरः

प्ररूप माइ.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 27 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० 3906—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि प्रानुसूची में लिखा है तथा जो गुरुतेग बहादुर नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में प्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर से रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1982

को पूर्वा ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इध्यमान प्रतिफाल से, एसे इध्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क्क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनिमित न्यक्तियों, अधीत्:--

(1) श्री गुरचरन सिंह पुत्र असवंत सिंह वावी 34-गुरु तेग बहादुर नगर ः,लन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह पुत्र खड़क सिंह वासी गांव पलाही तह० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारी से 45 दिन की अविध या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1233 दिनांक मई 1982 को रिजिब्झीकत्ता ध्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 27-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 29 जनवरी 1983

निर्देई स० ए० पी० नं० 3940—यत. मुझे जे०एल० गिरधर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनसूची में लिखा है सथा जो जालन्धर में हिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिहद्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1982।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण स हुई किसी जाय की बाबत, उन्नर बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या खबसें बचने में सुविधा के लिए, और वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आफित्यां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिय;

अतः जब, उक्षतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसरज पी० एस० जे० कनद्रशन प्राईवेट लिमिटेड, 119-120 सन्धाया हाउस, नई विल्ली 110001 द्वाराश्री प्रकाश सी० जैन (डाईरेक्टर)

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री सरदार सिंह सग पुत्र नथा सिंह ग्रौर गुरचरन-जीत संग, श्रमरीक सिंह संग सपत सरदारा सिंह संग ग्रौर श्रीमती सवरन कौर पत्नी मेहगा सिंह संग ग्रौर श्रीमती रमनदीप कौर संग, पत्नी श्री जसपिन्द्र सिंह वागी कपृरथला रोड, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रमिभोग में सम्पति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हित**बद्ध** है

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां जरता हुं।

# उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स' 30 दिन की अविधि, जो भी मसीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति विरुद्धग भोवर पलाट 4 कनाल 2 मरले 186 सदूट जो कि जालन्धर में स्थित है श्रो० व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1210 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज जालन्धर

नारीख 29-1-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्स (निरीक्षण)

## म्रर्जन रेंज जालन्धर

## जालन्धर, विनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० 3798—यतः मुझे एल० गिरधर आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं.

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध में श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, या धन-कर अधिनियमः, या धन-कर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी किगरा तह० जालन्घर।

(म्रन्तरक)

(2) मेजर राबिन्त्र सिंह पुत्र ग्रमरीक सिंह वासी बी-2, भीम रोड, जालन्धर कैंट।

(भ्रन्सरिती)

- (3) जैंसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में घिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

्उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछि करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्तुची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1187 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्री कर्सा ग्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 5-1-83

# प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

प्रायक्तर प्रकितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के ब्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्घर

जालन्धर, विनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० सं० 3799—यतः मझे जे० एल० गिरधर।

बायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-वक्ने बिधिक है

श्रौर जिसक स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के करमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (था) ऐसा िसी घाय या किसी धन या घन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्नरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन मिस्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी किगरा, तह० जालन्धर।.

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री जगजीत सिंह पुत्र ग्रमरीक मिह वासी बी-2 भीम रोड, जालन्धर कैंट। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पृथों क्ल सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में अकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या तत्सन्वश्वी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इत सूजता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के धोनर उक्त स्थायर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रकोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शुक्कों और पदों का, ओ अक्द श्रिष्ठितियम के प्रव्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं अर्च होगा जो उस अञ्चाय में विका गया है।

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1258 दिनांक मई 1982 को रजिट्रीकर्ता ग्रिधकारी ने लिखा है। जालन्धर

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 6-1-83 मोहर: प्रकृप आई० टी॰ एन॰ एस०-----

श्रायकर धविनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 2<mark>69-च (1) के धधीन सूच</mark>ना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी 1983

िनर्देण सं० ए० पी० नं० 3800----यतः मुझे,जे० एल० जिल्ह्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और घन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्यर्शियो) कहीं ज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किस। श्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के श्रश्लीन कर देने कश्रन्तरक के वायित्व में किस करने पा जस्म बनान से सुविधा के किस् भीर/या
- (स) ऐसी किसी गाम या किसी भन या अन्य ग्रास्तियों गो जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधनियम 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीधनियम, या चन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिह व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हरीपाल मिह पुत उषागर सिंद्र गाव किंगरा तह० जालन्धर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र सिष्क् सिध् पुत्र मुरन सिह वासी बुटर कला जिला श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, स्मिके अधिभोग में सम्पति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति 💠 अर्थन ४ लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ **लेप** रूल

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख स 45 दित की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बार में समाप्त होती हो, है भीतर पूर्वोक्त
- (ख) पृथ मूबना के राजवत में एकाशन की तारीख ें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अत्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरी ें पाय निखित में किए जा सकेंगे।

स्पाळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भे दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1281, दिनाँक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालधर ने लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन गेंज, जालन्धर

तारी**ष**ः 5-1-83 मोहरः प्रकार आई० डा० एन० एन० ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधोन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

# ग्रर्जन रेंज, जाग्रन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3801—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका जीवत वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रानुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वेक्ति संपति के अतित बाजार मृहय से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मृहय, उसके वृश्यनान प्रतिफल सं, ऐसं वृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप सं काँभत नहीं किया गया हैं:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किया था। या किसी धन या अन्य धास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बाधन वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में पुत्रिद्वा के निए;

भतः यव, उक्त प्रधिनियम का धारा 269-न के प्रमुखरण में, में, उत्त अक्षितियम को धारा 269-य की उपवारा (1) के अभीन, निकासियित स्परिसरों, अर्थात् 1-- (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजगार सिंह नासी किंगरा तह० आलन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरिदयाल सिंह भिडर पुत्र प्यारा सिंह गाव तलवंडी भिडर जिला गुरदासपुर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे ्रेमें भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह भूवना जारी करक पूर्वोक्त पम्यति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनते सम्पति रुधानेन र जुन्दरेज न कार्र ना माझे

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 किन की प्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-वड किसी घन्य व्यक्ति द्वारा घडोहस्ताक्षरी के पाड जिबित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदां का, जा उकत भीषित्यम के मध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं धर्म होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1282 दिनांक मई 1982 को ,रजिस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारा स**हायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जालस्बर

तारीख 5-1-83] नोहर:

11-466GI/82

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० 3802 व 3805—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिजकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के बायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

जतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिमी, अधीत्:—-  श्री लाभसिंह पुत्र संतासिंह वासी डब्ल्यूत क्यू०-1, बस्ती गेख, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सरबजीत कौर पत्नी बलजीत पाल सिंह वासी गूडा तहर फिलौर जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पैति में रूचि रखता हो । (यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 बिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त बाधिनयमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1212 व 1266 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर नें लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**भागकार अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

न्द्रार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० एस० पी. 3803--यतः मुझे, जे०, एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- एत. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती शेख में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के भार्यालय जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसं रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्बेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) एोसी किसी जाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

न्ह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों,, वर्धात् :--

(1) श्री लाभसिंह पुत्र संता सिंह वासी W-Q 1 बस्ती शेख जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री बलजीत पाल सिंह पुत्र लाल सिंह वासी गुडा तह० फिलीर जिला जालन्धर। (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो । (बहु व्यक्ति जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी सम्पत्ति में हितबद्ध है जानता है कि

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा., अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किये जा सकेंगे।

लाका करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 1236, दिनौक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सद्वायक द्यायकर धायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 6-1-83 मोहर :

# प्रकप नाहाँ.दी. एक. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुख्ता

#### भारत बंदकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० बी० 3804—यतः मुझे जे० एस० गिरधर ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वासार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है"

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची म लिखा है। तथा जो बस्ती शेख में स्थित (श्रीर इससे उचाबद्ध में प्रमुख्ती में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 की 16) के ग्रिधीन तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित। में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वांबत, उक्त जिथिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य केंग्सितंबों को, जिल्हों भारतीय बाव-कर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के सनूतरण भौ, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपेकार्य (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पुरत सिंह पुक्त संता सिंह, वासी वार्ड नयू-1 बस्ती। शोख, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो बलर्जात पाल सिंह पुन्न लाल सिंह वासी। गुढ़ा, तह फिलौर जिला जालन्धर।

(ग्रन्तरित।)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पिल है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति म रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति म हिसबद्ध है

को वेहें सूर्वना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकांगे।

स्वध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया ववा हो।

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि चिलेख नं 1259, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रोकर्ली प्रधिकारो जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** 6-1-83 मोहर: प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को नधीन सूचना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पो० 3806—यतः मुझे जे० एस० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो न्यू विजय नगर में स्थित है और इससे उपाबद में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकार्रः के कार्यालय, गुजालन्धर में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख मई 1982।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्रे लिए;

नतः नवं, उक्त निधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणः मों, नी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मलख राज पुत्र मेला राम, वासः 180 न्यू विजय नगर, जालन्धर।

(बन्तरक)

- (2) श्रो विजय कुमार विनोद कुमार पुत्र संतराम वासा-180, न्यू विजय नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैंडा कि ऊपर नें 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखका हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षर। जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अबोहरताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

सम्पति नथा ध्यमित जैसा कि घिलेख न: 1434, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखाः है।

> र्जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख 6-1-83 मोहर: प्रक्य थाई. टी. एन. एस.--------

जायकर मौभनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्चाना

भारत सरकार

# कार्वालय, सहायक जायकर भावुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर कायलिय

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरा 1983

निर्देश सं० ए० पो० नं० 3807—यतः मझे जै० एल० गिरधर,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसकें बश्चात् 'उसते अधिनियम' कहा नमा हैं), की धारा 269- व की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,€00/- रु. से अधिक है

श्रीर जिपको सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है सथा जो न्यू विजय नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ में श्रनूसूब। में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारों कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारोख मेई 1982।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अम्में यह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स संपरित का उचित वाजार बुन्स, उसके द्वायमान प्रतिफल से, ऐसे क्यामान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उसने बचने में सूबिधा के निए; जीए/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन ना अन्य अस्तियों की, चिन्हें भारतीय आवकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उन्ति अधिनियन, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा जकट नहीं किया जया धा वा किया जाना चाहिन् था, कियाने में सुविधा के निर्देश

नतः। जयः, उपल् विभिनियमं की भाषा 269-म के नयुसरण मं, मं, अवत नीभीनमन की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के मधीन, निस्तिशिक्त कमित्तमों, नर्भात् :--- (1) श्रो मुलख राज पुत्र मेला राम वासा 180 न्यू विजय नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो प्रेम सागर रामण कुमार पुत्र संत राम वासो 180 न्य विजय नगर, जालन्छर।

(ब्रन्तरितो)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में रिच रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिक करता हूं।

उनक सम्मिति के वर्णन के बन्धन्य में कोई भी नामने :---

- (क) इस सूचना की राज्यण में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की नवीय ना तत्सम्बन्धी न्यन्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी नवीध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूजादह व्यक्तियों में से किसी न्यन्ति सुवारहः
- (त) इस ब्रुपना भी राजपम में प्रकाशम की दारीस थे 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति में हिस-भवम कि कि कर्य स्थित ह्वारा पश्चिष्ठस्तादार्ग के पास निविद्य में किए या सकीने।

स्वयक्षिरणः--इसमें प्रवृक्त कन्यों और पर्यों का, श्री उक्त अधितियम के अध्यास 20-क में परिनादिस हाँ, यही वर्ष होना को उस अध्यास में दिया नवा ही।

#### अगराची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1489, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारो जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालस्थर

तारोख: 6-1-83

प्ररूप आईं.टी.एन.एम.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांग 6 जनवर। 1983

निर्वेश सं० ए० प†० नं० 3808⊶-यतः मुझे जे० एल० गिरधर।

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित काजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूच। में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप मर्वाणन है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकार। के कार्यालय जालन्धर म रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान ताराख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वमा प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गायत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्रा सुरिन्द्रपाल जैन पुत्र बाबु राम वासः 229-ग्रादर्शनगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रा मैसर्स ठाकुर द्वास एण्ड कम्पनो बस्ता बाबा खेल, जालन्धर।

(श्रन्तरितो)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग म सम्पति है)
- (4) जो व्यक्तिः सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

सम्पति .था व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 992 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्राकर्त्ता ग्रधिकारो जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

सार।ख 6-1-83 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्थन रोंज जालन्धर

जालन्धर .दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० 3809--यत. मुझे जे० एस० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार नून्व 25,000/- रा. से अधिक है

प्रोर जिन्हें तं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालक्वर में स्थित है (ग्रौर इससे उपापद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकार। के कार्यालय जालन्धर में रजिट्टाकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख मई 1982।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण कै लिखत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुड्ड किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा गुरखंत सिंह पुन भगत सिंह, वासा रमागी, तहिः कपुरथला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा मैं सर्स हस राज महाजन संन्ज प्रा० लि० जो०टा० रोड जालन्धर।

(भ्रन्तरितः)

(3) जैसा कि ऊपर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति जिसके बारे में ग्राधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पस्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### जन्स्ची

सम्पत्ति तथा त्र्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1049 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रो कर्ता ग्रधिकारो जालन्धर ने लिखा कै है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. जालन्धर

तार्खा 6-1-83 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-ष (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, विनाक 6 जनवरी 1983

निर्देश स० ए० पी० 3810--यत. मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० जैमा कि अनुभूष रे विख है तथा जो किगरा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्राकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख मई 1982।

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से., एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्त्रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ए'से किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नितिसित न्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्राः बलबोर सिंह पुत्र मुन्योराम वासो किंगरा हि जलन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा रामपाल पुत्र संत राम वासो 46 ज्योतः नगर जालन्धर (2) कुन्दन लाल पुत्र चरन दाम, वासो मंकरपुट जालन्धर 13 बिवज कुमार विज पुत्र सुरज प्रकाश वासा 313 एल माज्जल टाउन जालन्धर।

(भ्रन्तरतः)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)
- (4) श्रा जो ध्यक्ति सम्पत्ति में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षर जानता है वह सम्पत्ति म हितवस है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी वे पास तिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्होकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 1084, दिनाक मई 1982 को रिजस्ट्रोकर्त्ता ग्रिधिकार। जालन्धर ने लिखा है।

> (जे० एल० गिरधर) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

तारोख 6-1-83 मोहरः प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरो 1983

निर्वेश सं० ए० पी० 3811--यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

श्रायकर अक्षिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अक्षितियम' कहा गरा है), की धारा 209-ख के अभीत मधा प्राधिकारी की यह विश्वाम करों का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिमका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ० से अक्षिक है

श्रौर बिजलो सं० जैसा कि श्रनुसूचो में लिखा है तथा जो दिलबाग नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्व में श्रनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजय्ट्रीकर्त्ता श्रिधकार के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तार ख मई 1983

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार पत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्तन के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) ने बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्वित में वास्तविक हम से किया नहीं विश्वास हम्

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राप की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रदीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या िक्सी धन या अन्य काश्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:--- (1) श्रामती प्रकाश कौर ऊर्फ प्रकाशकौर पत्नी रामस्हि, दुश्रारा जनरल श्राटीना : सरदार सिंह, वासी 101 दिलबाग नगर जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जोगिन्द्र पाल पुत्र हजु राम वासी 234/13, तिहसीलपुर श्रमृतसर।

(ऋन्तरितः)

(3) जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति म र्रोंचे रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे म ग्रधोहस्ताक्षर)
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना नवाति है अर्वेन के पानवा में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबता के राजश्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबता की तासील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद के समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा.
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1164, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रोकर्त्ता, ग्रधिकारो जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एलः० गिरधर नक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेज, जालन्धर

तारीख: 6-1-83

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमलर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेज जानम्धर

जालन्धर, दिना ६ ६ जनवरी 1983

निर्देश स० ए० पं१० 3812—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका स० जैंगा कि अनुसूच में लिखा है। तथा जो दिवाग नगर में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर प्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री निर्मा श्रिधनारी के कार्यालय जानत्थर में रिजस्ट्रानरण श्रिधनियम, 1908 (1908 ता 16) के प्रयान नाराख मई 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतियात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) श्रीमता प्रकाश कौर फर्फ प्रगाश कौर पत्नी राम सिंह बुप्राटा सरदार सिंह, बासी 101, दिलबाग नगर---जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा चन्द्रपाल पुत्र छजु राम, वार्स। 234/13 तहिसील पुरा, श्रमृक्षसर।

(भ्रन्तरितः)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिभोग में सम्पति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (व व्यक्ति, जिनके बार म अधोहस्ताक्षरो (जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्तित व्वारा; अधोहस्ताक्षरी के वास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों की, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1304, दिनांक मई 1982 को रिजस्ट्रं।कर्त्ता ग्रिधिकारी जालन्धर न लिखा है।

(जे० एल० गिरधर)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज गलंधर

तारीख 6-1-83 मोहर

## प्रकृप बाई • टी • एन • एस •----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ए०प्पो०व० 38/3—यतः मुझे जे०एस० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिरयास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० जैसा कि ग्रनुमूचो में लिखा है तथा जो जो फिरोजपुर छावनो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाव ग्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रोकर्ना ग्रधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, नारीख मई 1982

को पृथों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिवक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का जए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृष्धा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित स्पृतित्यों, अर्थातः—

(1) श्री सावल सिंह पुत्र दारो सिंह गांव झोका सरकारा, फिरोजपूर।

(म्रन्तरक)

2. श्रोमतो भगवान कौर पत्नो श्रो माहल सिंह धौर माहल सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासो गलो नं० 10, फिरोजपुर छावना।

(ग्रन्तरिता)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हैं।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरो
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति रा
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकात में किए जा सकोंगे।

स्थव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्मत्ति जैसा कि विलेख नं ० 700 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्राकर्ता ग्रिधकारा फिरोजपुर ने लिखा है]।

> (जो०एल० गिरधंर ) मक्षम मधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

नारी**ख: 7-1-1983** 

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पो०नं० 3814—यतः मुझे जे० एल० गिरधर.

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूर्चा में लिखा है तथा जो जो पीर श्रहमद खान, फिरोजपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूर्चो में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ती श्रधिकारों के कार्याजय फिरोजपुर में रजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम,

्1908 (1908 का 16) के म्रजीन, तारोख मई 1982 को पूर्वोक्त सपित्य के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अम्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरियों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी जाय की वावत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उद्दर्श वचने में सूविधा के जि़्ए; वार्/वा
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवाय प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में कृषिधा के लिए।

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुविधित व्यक्तियमों, अर्थातः ---  श्रो प्यार सिंह पुत श्री खुशाल सिंह गांवपीर महमद खान, फिरोजपूर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती इकबाल कौर पत्नी सुच्चा सिंह वासी पीर श्रहमद खान , फिरोजपुर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा उपरोक्त न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्यो

व्यक्ति तथा सम्पति जैसा कि विलेख न० 793 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रोकर्ती ग्रधिकारी फिरोजपुर ने लिखा।

> (जे०एल०गिरधर) सक्षम ग्रधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, जालन्धर

नारोख: 7-1-1983

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्बर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पो० न० 38/5—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

मायकर म्रिबियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात् 'उस्त प्रिज्ञितयम' कहा गया है), की बारा 269-ख क प्रधीत समान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, (जनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- २० से मधिक है

ग्रौर जिसको सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूचीं में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय फिरोजपुर में रिजस्ट्रें करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारंख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या कियो धन या प्रन्य चास्तियों को,
  जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या छक्त किसिनियम
  या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ धन्तरिती दारा प्रकट नहीं
  किया गया था वा किया जाना चाहिए था,
  छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. प्यारे लाल पुत्र नथू राम वासी गलान० 10 फिरोज-पुर छावनी।

(ग्रन्तरक)

2 श्रो गुरमेल सिंह पुत्र श्रो सरदारा सिंह ग्रौर दया सिंह ग्रौर हरबन्त पुत्रां श्रा नन्द सिंह वासी जी० टी० रोड फिरोजपुर छावनी।

(ग्रन्तरितो)

जैंसा उपरोक्त न० 2 मे लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जित्तके ग्रिधिमोग मे सम्पत्ति है)

 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रबोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध )

को यह नूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त ममाते ह पर्वा के मात्र में का' भा प्राक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
  व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में विमा गया है।

#### अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 930 दिनांक मई 1982 को रिजन्मे तनीर प्रोप्ततारों फिरोजपुर ने लिखा है

> (जे० एल० गिरधर) सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निराक्षण) स्रजैन रेंज, जालन्धर

वारांब: 7-1-1983

प्रारूप आइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्थर, दिलांक 7 जनवरी, 1983

निर्देण म० ए० पी० नं० 38/6—यतः मुझे जे० एन० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिनकी सं० जैया कि अनुपूर्वी में तिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (ग्रोर इनस उपावड अनुसूर्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजम्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख मई 1982

को पूर्वेक्त संपितन के उचित बाजार सूल्य से कम के रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिशत सं, एम रश्यमान प्रतिशत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथल अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्द्द किसी आय की बाबस, उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रो नत्थू राम पुत्र श्री रला राम त्रासी फगवाड़ा। (ग्रन्तरक)
- श्री मोहन सिंह गुन्न कर्न सिंह वासी मनोकी, फगवाडा। (श्रन्तरिनी)
- 3 जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
   (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अपिध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित त्यिक्तयों में में कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा थि विलेख मे न० 537 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

> (जे०एल० गिरधर) सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, जालन्धर

तारोख: 7-1-1983

माहर:

प्ररूप बाह्र .टी. एन्. एस .------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० पी०नं० 3817—यत/ मुझे जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे की श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी केष्कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सूविधा के लिए; अर्डेट्रिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्रीमसी कमला देवी पत्नी श्री बलदेव कृष्ण वासी हरगोबिन्द नगर, फगवाड़ा निर्बेल सिंह पुत्र श्री गुरवचन सिंह

(लन्तरक)

 श्रीमती गुरपाल कौर पत्नी निर्मेल सिंह वासी गांव घहेरू, फगवाड़ा।

(ग्रन्सरिती)

3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पिति में किच रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पित्ति है)

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवानित संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **ड से 45** विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिंभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गुया है।

#### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 382 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> (जे० एल० गिरधर) सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज, जालस्थर

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. --- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृ**ष**ना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश मं० ए० पी० नं० 3818—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुमुची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर ध्मसे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय फगवाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से किथात नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आयं कौ बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में भीविधा के लिए; और/
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 13--466GI/82

 श्री नरिन्द्र जीत सिंह पुत्र नरन्जन सिंह मांडल टाऊन, फगवाडा।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री निखेल सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह श्रौर गुरदयाल कौर पत्नी निर्केल सिंह बासी गांव चहेडू तहसील फगवाडा।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसका है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधा। संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 410 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के फगवाडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नागिख: 7-1-1983

प्रस्प ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत् आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्छर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3819—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रतीन स्थम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मनव 25,000/- कुपये के व्यक्ति है

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने अधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए मन्नरित की गई ह और मुझे गई विश्वास करने का कारण है कि यन(पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उनके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पण्डह प्रविशत से प्रधिक है भीर प्रम्तरक (अन्तरकों) और प्रमारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रस्तरण निविश्व में वास्तविक कम में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरासे हुई कियी पाप को उपना उक्त श्रक्ति-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्यरक के दायिक मैं किसी करने या उसके अपने में सुविधा के निए; ग्रीर/था
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में नृषिष्ठा के लिए;

भता भव, उनत श्राधिनियम की धारा 269-ग के श्रमु-रण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलि<u>चित्</u>त व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री निरन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री नरन्जन सिंह, माङ्ल टाऊन, फगवाडा।

(ग्रन्तरक)

 श्री निर्बेल सिंह पुत्र गुरबचन सिंह ग्रौर गुरपाल कौर पत्नी श्री निर्बेल सिंह वासी गांव तहसील फगवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब किमी मन्य व्यक्ति टारा, शशीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे 1

स्पन्दीकरण !--- इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त झिट-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रम होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

# ननुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 411 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3820—यतः मुझे, जे० एल० गिरघर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मलोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं--  श्री बुल चन्द पुक्र प्रभ दिश्राल खुव व मुख्सार ध्राम श्री ग्रतर क्रिष्ण व सुभाष चन्द्र, रमेश धन्द्र पुत्र बुल चन्द गांव मलोट।

(ग्रन्तरक)

 श्री दर्शन सिंह, गुरचरन सिंह पुत्र बुटा सिंह व हरबंस सिंह, गुरमीत सिंह पुत्र गितन सिंह, गांव मस्रोट।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 392 दिनांक मई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मलोट ने लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1983

मोहरः

प्ररूप आइं.टी.एन.एम.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी० न० 3821—यतः मुझे, जै०एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन मक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० जैया कि अनुमूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री बुल चन्द पुत्र प्रभ दिग्राल खुद व मुख्तार ग्राम ग्रतर कृष्ण, मुभाष चन्द्र, रमेश चन्द्र पुत्र बुल चन्द वासी मलोट।

(अन्तरक)

 श्री गितन सिंह, गुरचरन सिंह पुत्र बुटा सिंह वासी मलोट।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख गें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्**स्ची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 405, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मलोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1983

# प्रथम बाई.टी.एन्.एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### ब्राइस सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश स० ए० पी० नं० 3822—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा पदा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसको मं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मलोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल फल निम्निसित उद्वेदेय से उच्त अस्तरण निम्निसित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिमियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री नानक चन्द्र पुत्र दरबार चन्द्र वासी मलोट। (ग्रन्तरक)
- श्री बलबीर सिंह पुत्र जंग सिंह वासी मलोट।
   (श्रन्तरिर्ता)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयिक्तमें द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 435, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मसोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

श्रायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

भ्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश स० ए० पा० न० 3823—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मलीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपायब ग्रनुसूचा मे ग्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री नन्द लाल पुत्र दरबार चन्द वासी मलोट। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री करतार सिंह पुत्र बचन सिंह वासी मलोट। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा ।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है! (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्र्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 459, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मलोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रेर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-14983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3824—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित है (श्रौर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे सहयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिष्ठिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थातः :--

- 1. श्री कृष्ण लाल पुत्र दरबार चद वासी मलोट। (श्रन्तरक)
- 2. श्रो जलोर सिंह पुत्र बचन सिंह, कासी मलोट। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्तित, जिनके बारे में मधोस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

म्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 460 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मलोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6+1+1983 मोहर: प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, धिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० 3825—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर ग्रायकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित है (श्रौर इसले उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेलोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यनान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वाम करते को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंछार प्रतिशात से श्रीष्ठक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जन्न अन्तरण निखित में वास्तविक रूप के कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छसमे बचने में सविधा के लिए; भौर/मा
- (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिश्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः नग, उन्त अभिनियम की भारा 269-म के बनुभरण में, में उन्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- 1. श्री गिरधारी लाल, ग्रोम प्रकाश, मदन लाल व मुखदेव पुत्र सुदागर चंद वासी श्रबोहर मण्डी, जिला फिरोजपुर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र गुरबखण सिंह वासी मलोट। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवब है)

को यह स्वता जारो करक प्रविकासम्पत्ति के प्रवित के विए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) एम न्वा क राजात मं प्रकारत को तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भा धविध बाद में समाप्त दोती हो, के भीतर प्वींका व्यक्तियों ने में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र गंप्रकाशा को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में दितबड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहरताक्षरी के पप्स लिखित में किए जा सकेंगें।

ध्वव्ही करण: ---इसमें प्रयुक्त अध्याय रिपरों का, जो उक्त यधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिमाणित **हैं, वही** प्रयोदोगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### यनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 501, दिनांक मई---1982 को रजिस्ट्रीकर्तीमधिकारी मलोट ने लिखा है।

> जे० एस० गिरघर सक्षम अधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 6-1-1983

प्रमय आइ<sup>1</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंजग्र जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3826व 3827—यतः मुझे जे० एकः० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संब जैंसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्त-बिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियब के बधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व पो कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; यात /या
- (स) एंसी किसी आय सा किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विक्रा गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विमनिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--14--466GI/81

- 1. श्री भीम सैन वरमा पुत्न दुरगा दास वासी मकान नं० वी-XIII -233, बिजातम नगर — जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री संतोष कुमारी पत्नी श्रमरजीत मिगलानी वासी मकान नं० बी-XIII -233--बिजानम नगर जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित इंशरा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अनुस्थी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1280 व 1311, दिनांक मई — 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3828—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री राम कुमार पुत्न राम लुभाया जी० ए० श्रीमती पूर्णिमा पत्नी राम कुमार वासी मकान नं० ईएन-181, महला किलोवानी जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुदेश रानी पत्नी तिलक राज व जयोती खोसला पत्नी विजय कुमार वासी एन० एम०-126, महला करार खान जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वेक्ति सम्पक्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवान या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किणी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1305, दिनांक मई---1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानन्धर

तारीख: 6-1-1983

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर जावृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3829--यत मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका विश्वा बाजार एल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाइद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

की प्रवेक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से कथिव नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम क्षेत्रभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सूबिभा के निष्; वाँद/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में स्विधा के लिए।

अतः। सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीष निम्नसिवित स्पिक्त्यों, अर्थात् :--- श्री राम कुमार पुत्र राम लुभाया जी० ए० श्रीमती
पूर्णिमा पत्नी राम कुमार वासी ई०एन०-181
महला किलोबानी—जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुदेश रानी पत्नी तिलक राज वासी एन०एम०-126—महला करार खां — आलन्धर। (भ्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पित्त है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में शिच रखता हो।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना चारी करके पृवर्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां शुरू अरता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अरमची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमा कि विलेख नं० 1139, दिनाक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 7-1-1983

# प्ररूप बाई टी एन एस -----

# आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 7 जनवरी, 1983

निर्देश स० ए० पी० न० 3830—यत मुझे,जे० एल० गिरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु संअधिक है

भौर जिसकी स० जैसा कि निम्न श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण म्प से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि, यथापूर्वाक्त सर्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतिरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप म कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिते; द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- शी लाम सिंह पुत्र भोजा राम ग्रौर प्रीतम सिंह पुत्र करतार सिंह वासी मोहल्ला गोपाल नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री कमल किशोर पुत्र रिखी राम वासी प्लाट न० 16/इ ण्डस्ट्रीयल एरिया दादा कालोनी जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि उपरोक्त न० 2 म लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिमोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्याय अक्षेहस्ताक्षरी के एप निस्ति में किए जा सकीगं।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन का अविध , जा मा अविध बाद में समाप्त हाती हैं, में भातर पृचित्त क्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा,

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 1224, दिनाक मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल ० णिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जासन्धर

नारी**ख** 7-1-1983 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अचीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3831, 3832—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि नीचे की श्रनुसुची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ग रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्विक्त गंपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिश्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे असने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री करतार सिंह पुत्र श्रमीर सिंह श्रीर गुरपूर्ण सिंह पुत्र लाभ सिंह वासी मोहल्ला गोपाल नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्री रिखी राम पुत्र सालिग राम वासी प्लाट नं० नं० 16, दादा कालोनी इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर।

(ग्रन्सरिती)

- 3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मर्व्योकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं० 1168 भौर 1302 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-1-1983

मोहरः

# प्रकप बाद् .टी.एन्.एस.-----

भायक्र भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भभीन सूचना

### प्राप्त परकत

# कार्यासम्, तहासक मानकार नायुक्त (निर्माण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3833—यत:, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मति, देवसका उर्जित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 2982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

 श्रीमती दिवन्दर कौर कमलेश पुत्री श्री साधु राम वासी गुरूनानक पुरा, फगवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री तलिबन्दर सिंह राय, भूषिन्दर सिंह राय, बलकार सिंह राय पुत्र श्री साधु सिंह राय गांव मुल्ला राय, फगवाडि।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रिच रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत् सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारील से
  45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशासाः
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी बन्द स्थावत इवारा वधोहस्ताक्षरी को पास सिश्यत में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि धिलेख नं० 397 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-1983

मोहरः

# प्रकृष काहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3834—यतः, मुझे, जे० एल०गिरधर, श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख श्रधीन नजन प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप मे किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती राम्रो कौर विधवा साधु राम वासी गुरू नानक पुरा फगवाड़ा तलविन्दर सिंह राय, भूपिन्व सिंह राय।

(ग्रन्तरक)

 श्री बलकार सिंह राय पुत्र श्री साधू सिंह वासी गांव मुल्ला राय तहसील फगवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में घचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की कित्रीस या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (स) इस सूचना के राजाय में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति न्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे:

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख, नं० 3834, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप बार्षं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-घ (1) के अधीन मुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० 3835—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. में अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिब्द्रीयर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्दर्भ से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथिश स्पर्ध के किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तसे वचने में सूविभा के सिए; बॉर/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मीनियत स्वित्यों नक्ति:--

 श्री देवनन्द , ललीत कुमार पुत्र श्री साधु राम वासी गुरु नानक पुरा, फगवाडा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री तलिबन्दर मिंह राय, भूपिन्द्र सिंह राय और बलकार सिंह राय पुत्र श्री साधु सिंह नासी गाव मुल्ला राय, तहसील फगवाडा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति , जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की टारीड से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं॰ 399 विनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा में लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-1983

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश मं० ए० पी० 3836—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती दानिश मन्ध में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मई, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
15—446 G1/82

 श्री गुरदीप सिंह पुत्र अन्ता सिंह जनरल श्रटोरनी ग्राफ शेर सिंह पुत्र मक्छन सिंह वासी बस्ती गुजां जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शीतल दास पुत्न काबल सिंह वासी गांव समराला तहसील फिलौर, जालन्धर।

(भ्रन्सरिती)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति यांतर
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 364 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप बाहाँ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3837—यतः मुझे जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो अस्ती दानिण मन्ध में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्व दृथ से दृश्य अंतरण विश्वित्त में वास्तिविक कृप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .——

 श्री शेर सिंह पुत्र मखन सिंह जनरल श्रटोरनी श्राफ तरलोचन सिंह पुत्र सन्ता सिंह वासी बस्ती गजा. जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2- श्री शीतल दास, प्रत्न काबल सिंह वासी समराला फिलौर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी ये पास सिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### जन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विशेख नं० 864 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; जालन्धर

नारीख: 11-1-1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एम.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन सृपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-J, नई दिल्ली

जालन्धर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ए० सी०नं०/3838/ यतः मुझे, जे०एल० गिरधर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राक्षिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-स्पए से भविक है

भ्रीर जिसकी सं० जैसाकि अनुसूर्चामें लिखा है तथा जो विरियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोश्य ए अपन अंतरण लिखित में वास्तविक हित्य हाथप्रहा । हिया । या ही ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे अचने में सुनिधा केलिए, और/बा
- (क) एेसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्ति्यों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अभौत् 🛭 💳 मोह्र :

1. श्री मलिकयत सिंह पुत्र सुरत सिंह वासी गाव वरियाना

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स कपूर संदुप्राइजिजा जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा उपरोक्त नं० 2 मे लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में र्राच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्लाक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ज्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- हसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय म दिया गया हा।

### मन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 871 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> ≖जे० एस० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 8-21-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3839—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर ध्रससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्याल जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबर, उक्त जिस्तियम के अधीन कर देने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अभी जगमोहन सरबजीत सिंह पुन्न और श्रीमती जसवन्त कौर विधवा गंगा सिंह वासी डब्ल्यू० जी० 326 श्रहा बस्तियां जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रमरजीत लाल पुत्र बिहारी लाल वासी डब्ल्य्० ई० 127, छोटा श्रली भोहल्ला जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि उपरोक्त लं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति , जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1038 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 11-1-1983

प्ररूप आई<sup>5</sup>.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं. 3840—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी अद्दर्गे या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्ष्मा

 श्री नत्था सिंह पुत्र निधान सिंह, वासी गांव खुरला, जालन्धर ।

(भन्तरक)

 श्रीमती कैलाश पत्नी श्री गुलजारी लाल वासी ई० पी. 13/243, पक्का बाग जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबिक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेखनं 1/27, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर नें लिखा।

> जे. एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 11-1-1983 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी, 1983 निर्धेश सं० ए० पी० नं० 3841—यत: मुझे जे०

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3841—यतः मुझे जे० एल० गिर्धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो लिधरन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ।——  श्री बूटा सिंह पुत्र हजारा छिंह भौर हजारा सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी लिधरन, तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

- मैंसर्स सेंचरी रबड़ इण्डस्ट्रीज बाय सूखाबरूसी रोड, जालन्धर द्वारा श्री हंसराज धवन । (ग्रन्सरिती)
- असा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है ।
   (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- अो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अमृत्**ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1170 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

**तारीख: 11-1-198**3

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3842- यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो शिय नगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोबस सम्पत्ति के उचित बाआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोबत मध्यति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत अधिक है ग्रीर भन्तरक (अन्तरिकों) बीर भन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरिक के बिए तय याया गया प्रतिकल, निम्निविधित उद्देश्य से उस्त भन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित बही किया गया है

- (क) अन्तरण ये हुई किसी प्राय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धरतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसा त्राय या किसी घन या मन्य प्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं प्रन्ति श्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा क लिए;

अतः भव, उका पत्रितियम हा धारा 269-म के भ्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम ही बारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन. निम्नलिखन व्यक्तियों धर्मात्:—  श्री मोहृत लाल कपूर पुत्न कर्म चन्द, वासी 244-ग, दा फ्लेट्स, राजउरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

- 2. श्रीमती ज्ञानकौर पत्नी तेजा सिंह वासी ई०डी० 80, धन मोहल्ला, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा है ।
   (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहण्ता क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति ग्रारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पात लिखिन में किए जा नकेंगे '

स्वक्टीकरण !-- इसमें प्रयुक्त तक्कों भीर वर्षों का, को उनत भविनयम के भव्याय 20-क में परिकाधित है, नहीं भवें तोगा को उप भव्याय में किया गया है ।

# **प्रनुसूची**

व्यक्ति तथा सम्पत्ति, जैमा कि विलेख नं॰ 1277 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-83

प्रारूप आई टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ए० पी० मं. 3843—यतः मुझे, जे० एल० गिरघर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मिठापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीध नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् —

 गुरमख सिंह पुत्र ठाकर सिंह वासी मिठापुर, तह० जालन्धर

(म्रन्तरक)

- 2. श्रीमती मुशील कौर पत्नी तरसेन सिह वासी गांव उरनर, तहसील दसूहाइ होशियारपुर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमे रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

# म्रनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्तिद्व जैसा कि विलेख नं० 1299, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ्ने० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. जालन्धर

तारीख: 11 जनवरी 1983

म्हन आहे टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 11 जनवरी, 1983

निदश स० ए० पी० नं० 3844—ग्रत मुझे जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णिक है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पन्त, निम्नलिखित उद्देष्य में उन्त अन्तरण लिखित में नम्निबक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में संविधा के लिए; और/या
  - (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिषयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती इमारा प्रकट नहीं किया गया था का किया बाना धाहिए था, कियाने में मृविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनसरण मं, मं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सर्वतन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---16--466 GI/82  श्री सुरिन्दर हुमार पुल यणपाल भारतीय टैट हाउस, जालस्थर ।

(ग्रन्तरक)

2 श्री स्रोमप्रकाण पुत्र कन्हैया लाल वासी गांव लिटर, तहसील नकोदर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा उपरोक्त न० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्तिमे रुचि रखना हो।
   (वह व्यक्ति जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि वह सम्पत्तिमे हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए ज सकोंगे।

स्पच्छीक रण: --इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गगा है।

# धनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1380, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख- 11-1-1983 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3845—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाभ करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मंख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया फल, निम्नलिष्टित उद्देश में उक्त अन्तरण लिम्बित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हाई िहासी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के श्लीन कार क्षेत्रे के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने मे सविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अनिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती गुरवचन कौर पत्नी चनर्ना सिह वासी चक्क जिला जालन्ध्रर ।

(भ्रन्तरक)

- 2 श्री प्रवीण कुमार पुत्र रामजी दास, मुख्तयारी . राम जी दास, वासी ई. श्रो० 223, श्रटारी बाजार, जालन्धर। (श्रन्नरिती)
- जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं
  45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर प्वेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण:--ध्रसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### **अम्**स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेखन० 932, दिनांक मई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी जालन्धर में लिखाहै।

> जे० एल० गिरधर/ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रपीन रेंज, जालन्धर

तारीख 11-1-83 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी, 1983

निर्देश स० ए० पी० नं० 3846—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:---

- (वा) अन्तरण सं हुन्दं िकसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बार/या
- (का) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :--

- शंकर दास पुत्र श्रत्तरू
   द्वारा: मुख्तयार-ए-श्राम: जोगिन्द्र सिह
   वासी बुलन्द पुर, तह० जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी मंगत राम,
  - (2) श्रीमती प्रेमलता पत्नी ग्रमरजीत
  - (3) श्रीमती प्रवीनलता पत्नी गुरचरन सतीजा
  - (4) रामगोपाल पाठक पुत्र बुजलाल,
  - (5) धर्म चन्द कटोच पुत्र होशियार सिंह,
  - (6) जोगिन्द्र कौर पत्नी गुरसरन सिंह
  - (7) इन्द्रजीत पुस्न महिन्द्र सिंह व शांती देवी पत्नी सतपाल श्ररोड़ा,

वासी जालन्धर ।

(मन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है।)
  (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रष्टोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1334, दिनाक मई, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे॰ एस॰ गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज. जालन्धर

तारी**ख**: 11-1-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

बासकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ

269-व(1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3847—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रति- शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया ग्या प्रति- फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में मास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरभ संहुई किसी आय की नागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वामित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः वन उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमूलरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मनिका व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री शंकर दास पुत्न ग्रतरा द्वारा : मुख्तयार-ए-ग्राम : जोगिन्द्र सिंह वासी बुलन्द पुर तह, जालन्धर ।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री अवतार सिंह पुत्र मोहन सिंह
  - <sup>!</sup> 2) कुलवन्त कौंर पत्नी सम्पूर्ण सिंह
  - !3) सिकन्दर चौहान पुत्र लजिय्रापाल सिह
  - (4) ऊपा भ्रानन्द परनी एस, पी० श्रानन्द
  - (5) मैसर्स ब्रिस्टल मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी हरबंस नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- 2. जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्धोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह स्थाना जारी करके प्यामित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध मा काई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वान्तर्यों में से एक्सी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यथा हैं:

# बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1387, दिनांक मई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक 11 जनवरी, 1983 मोहर:

# प्ररूप बाइ टी. एन. एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनाक 11 जनवरी 1983

निर्देश म० ए० पी० न० 3848---यत मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर किंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रापए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गाव मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मतिरत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित म वास्तिवक रूप स कारिश नहीं किया गया ही दै—

- (क) अन्तरण संहुई किसी काय की बाबत, उन्सं अधिनियम के अधीर कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिये था, ख्रियाने में सिवधा के लिए,

भत अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अभित् ——

- शकर दास पुत्र अतरा द्वारा मुख्नयार-ए-आम जोन्गिद्र सिंह वासी बुलन्द पुर, तह जालन्धर। (अन्तरक)
- 2 (1) श्री करनैल सिह, जरनैल सिह पुत्र निरन्जन सिह वासी खुनखुन, कला, तह० दसुआ ।
  - (2) विजयकुमार पुत्र हम राज
  - (3) मुदेश कुमार पुत्र चरन दास
  - (4) अभ्विनी कुमार पुत्र सरदारी लाल 160, विक्रमपुरा ।
  - (5) चचल मल्होत्रा, पत्नी सतीश चन्द्र 385, शहीद भगन सिह कालोनी, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- म जा व्यक्ति सम्पिलमे कचि रखता है।

   (बह व्यक्ति जिनके बार मे अधाहस्ताक्षरी
   जानता है कि पह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

मो यह सूचन। जारो अन्य पूर्वाक्त गम्पोत्त क अञ्च क लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सबध में कोई आक्षीप --

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त हाती हा, क भीटर पूर्वीकन व्यक्तिया •
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे;

स्पष्टीकरण'---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जसाकि बिलखन् । 1457, दिनाक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख. 11 1-1983 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - -- -

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की

धारा 26०-घ (1) ६: अधीन सुचना

### भारत सुरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3849—अतः मुझ जॆ० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्राक्सी अधिकार'. के कार्यालय फगवाड़ा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधान दिनांक जन, 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके श्रथमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्त्रको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत जक्त अधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण में, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-ण की ज्यभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---  श्रानस्यूराम पुक्ष रला राम वासो खोरा रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

 श्रो सुरिन्दर कुमार पुत्र श्रा कर्म सिंह वासो मानेकी, फगवाइत।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपरोक्त न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पित्त में इचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिनके नारे में अधाहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उपस्प विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं नर्धहोगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

### यम्ब्र्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेखनं 600, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो फमवाड़ा के कार्यालय में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

नारीख: 12-1-1983

# प्ररूप भाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जागूक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 जनवर। 1983

निर्देश सं० ए० पर० न० 3850---यत. मुझे जे० एल० गिरधर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसका स० जैसा कि श्रनुसूच में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रीर इसरा उपावड श्रनुसूच में ग्रींग जो पूर्ण रूप से विश्वत है) राजस्ट्रीनर्ता प्रधिकार के कार्याक्रय कपूरथला में रिजस्ट्र वरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिबह रूप से किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचन में सुविधा के निए, और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया स्था था या किया जीना बाहिए था छिपान में संविधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, जाक्त प्रिधिनरम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की जीक, जिस्तिविक व्य**क्तियों, अर्थात** —— श्री शाम लाल पुत्र खुशा नाम वासी मोहस्ला नई प्रावादो, नपुरथला ।

(पनगर्क)

 श्री अवतार सिह पुत्र मगल सिंह् वासी नई आबादा, वपूरथला ।

(ग्रह्मस्त्रः)

3 जैसा उपरोक्त नं० 2 में लिखा हैं। (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं० 372, दिनाक मई, 1982 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारः महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-1-1983

मोहर

प्रकृप आडाँ.टी.एन.एग.-- -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

रापानिय सहायक भ्रायकर भ्राय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवर: 1983

निर्देश मं० ए० पी ० नं० 3851--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिल्ला सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरयलाम स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूचों में स्रीण जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरयला में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अतिरती की गई है और म्फेयह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जुल अय. उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 शिमकी शकुन्तला पत्नी श्री शास लाल, वास: नयी ग्राबाद, वपुरथला।

(अन्तरक)

 श्रा मगल सिह पुत्र श्री गंडा सिह वासी हमीरा जिला, वपूरथला।

(ग्रन्नरिता)

3. जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में क्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्त बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 374, दिनांक मई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वपूरथला में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

ना**र**ेख: 11-1-1983

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षीण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० यी०णं०/3852—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन पिम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात :---

अी श्रोमप्रकाश पुत्र कमेन्दीरम, वासी कोट सुरगापुरी कोट कपूरा जिला फरीदकोट।

(भ्रन्तरक)

2. मोहिन्द्र पाल तीरथराम, श्रमृतलाल पुक्त मोहला राम वासी डाली मंहगीश्रा, कोटकपुरा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर मम्पित्त में हिन-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति , जैसा कि विलेख नं . 510, दिनांक मई, 1982 को राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जासन्धर

तारीख: 12-1-83

# प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० एस पी० नं० 3853—- ग्रत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो वरियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) अरेर (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, अधीत्:--- प्रकाश चन्द पुत्र सन्त राम,
 वामी विरियाना तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

- श्री सन्तोध कौर पत्नी गुरबचन सिंह वासी बी.डी० 76, सेन्ट्रल टाऊन, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
   (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति, जैसा कि विलेख न० दि 825, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 13-1-1983

म∤हर :

प्ररूप-आईं. टी. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देण मं० ए० पी० नं० 3854—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो वरियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई 1982

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्री के स्प से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के-दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; श्रीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नील्चित व्यक्तिमों नर्थात् :—

- श्री प्रीतम सिंह पुत्र फतेह सिंह वामी गांव वरियाना, तहसील जालन्धर। (भ्रन्तरक)
- श्री राम लभाया बाहरी पुत्र प्यारा लाल वासी 4 न्या विजय नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**यत है**)

को यह भूचना जारी कारके पूर्विक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्स के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 856, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 13-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

#### धारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3855---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो नया विजय नगर, जालन्धर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्व ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1982

को प्रोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोक्ति सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तरण लिलिश में वास्तियक स्थ से किया श्या हैं:-

- (॰) प्रस्तरण से हुई किसी भाग का वानत, उनन प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण दायिस्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के स्तिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्यारती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म मुजिधा के सिए।

भतः प्रज, उनत प्रक्षिनयम की बारा 269-च के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातु:---  श्री स्रवतार ग्रिंह पुत्र श्रमीर सिंह बी० स्नार० इन्डस्ट्रीज, दादा कालोनी, जालन्धर ।

(भ्रन्सरक)

- श्री स्वर्ण सिंह, पुत्र बसन्द्वा राम श्रीर
  पुष्पा रानी पत्नी बसन्धा राम
  वासी डब्स्य पी० 83, बस्ती शेख, जालन्धर।
  (अन्तरिती)
- जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
  जानता हैकि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निरए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) ६म सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अवधि मा नामध्या ने नामकायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि । आहे भी अवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकरेंगे।

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं ० 829, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3856--यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो न्य् विजय नगर, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया :---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री प्रवतार सिंह पुत्र प्रमीर सिंह बी० प्रार० इन्डस्ट्रीज, दादा कालोनी, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

2. कृष्ण लाल , बलदेव राज पुत्र स वसन्द्धा राम, वासी डब्ल्यु० पी० 83, बस्ती शेख, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि उपरोक्त नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिमोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिया। में से किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव,र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 979 दिनांक मर्थ, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्राकुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख: 13-1-1983

मोहर 🗓

# प्रकर बाई. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3857—यतः मुझे,जे० एल० गिरधर.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो चक हुसैन लामा पिण्ड में स्थित है (और इससे उपांबड अनुसूची में भ्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी आय की राजत, उत्सर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; आर्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना काहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिण्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री श्रमर नाथ पुत्र भागीरथ राम,
 जनरल श्रटानीं श्राफ श्रीमती विमला रानी वासी 326, बस्ती बाना खेल, जालन्धर।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती कुन्दन कौर, पत्नी कृष्ण सिंह, वासी गांव कारी, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनंत अस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्थाब्दीक रणः ---- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1091 दिनांक मई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 13-1-1983

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देण सं० ए० पी० नं० 3859 श्रौर 3860— यसः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो न्या विजय नगर जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रक्षिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री हरीण कुमार पुत्र काणी राम
  जनरल अटार्नी आफ श्रीमती कमलेण कुमारी पत्नी
  श्री मेहर चन्द
  वामी नया विजय नगर, जालन्धर ।
  (अन्तरक)
  - 2. श्रीमती रीता भल्ला, पत्नी सुनील भल्ला, वासी कोठी नं० 54, नया विजय नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुखि रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीदन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

# अनुसुची

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1333, 1338 विनांक मई, 1982 को र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-1-1983

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६९-६ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निदेश मं० ए०पी० नं० 3860-61--यतः मुझे जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो नया विजय नगर, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई. ज्न, 1982

को पृथों नत संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों नत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके एरयमान प्रतिफल के, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किया आय को बाबत, उक्त बिधिनियन, के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए,

अतः अवः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत् ।:—

 श्री हरीस कुमार पुत्र काशी राम जनरल भ्रटार्नी भ्राफ श्रीमती कमलेश कुमारी पत्नी मेहर चन्द वासी 30, नया विजय नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती नरेण कुमारी भल्ला, पत्नी श्री रवी दत्त भल्ला वासी कोठी न० 55, न्या विजय नगर, जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

- जैसा नं० 2 में लिखा है।
   (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हिलबढ़ा है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजाकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पक्ति औसा कि विलेख नं० 1373, दिनांक मई, 1982 श्रौर 1486 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेज, जासन्धर

तारीख: 13-1-1983

प्रकृप • प्राई• टी • एन • एस • -----

ग्रावकर ग्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रमीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3862—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसकें इसकें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्च 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो चक्क हुसैन लामा पिण्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिप्रल के लिए प्रत्यरित की नई है भीर मुझे यह शिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रविश्व बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिप्रल से, ऐसे शृक्यमान प्रतिप्रल का पन्त्रह प्रतिश्वत से भिष्क है भीर शृक्यरक (अक्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच हेते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविष्ठल, निम्मविधित उद्देश्य से उपत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी जाब या किसी धन या अन्य अमिस्तरों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वव उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के वनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभाग (1) के अभीन, निक्तिचित व्यक्तियों, अभीत् :---

 श्री प्रीतम सिंह पुत्र बगेल सिंह भीर भवतार सिंह पुत्र मालिक सिंह बासी चक्क हुसैन लामा पिण्ड तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

चरनजीत नाथ पुत्र राम सरन दास,
 वासी ई० जी० 1035, मोहल्ला गोबिन्द पुरा जालन्धर
 मोर जगदीश लाल पुत्र चमन लाल
 वासी मोहल्ला निजातम नगर, जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति जिनके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह कृष्यना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के निक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत तक्तरित के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी भाकेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीब से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्

स्यक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित इ., शही अर्थ होगा, सो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

भ्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 1376, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम, स्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-1-1983

मोहर:

18 -1663/182

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्बर

जालन्धर, दिनांक 13 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3863—यतः मुझे, जे**० एल०** गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्वान 'उन्त प्रधिनियम' हहा गया है), की धारा 269-ज के अभीत समा पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो चक हुसैन लामा पिण्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपावन श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचत बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मृशे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उनके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अविक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया नया प्रतिफल, निम्नविधित बहुग्य से उका अन्तरण लिखित में कास्तविश्व छप से कृषित वहीं किया स्था है:—

- (क) अन्तरण म हुई किसी आम की बाबत उनत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागिक म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए । और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रविनिक्य की बाच 269-व के व्यक्तरण में, में, उक्त प्रविनिक्य की धारा 269-व की उक्ताच (1) के व्यक्ति, निक्तिविद्यु व्यक्तियों, व्यक्ति हम्म श्री प्रीतम सिंह पुत्र बगेल सिंह भ्रौर
 भवतार सिंह पुत्र मालिक सिंह
 वासी चक हुसैन लामा पिण्ड तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- किदार नाथ पुत्र राम सरन दास बासी ई० जी० 1035, मोहल्ला, गोविन्द गेट सह० जालन्धर,
  - (2) राम लाल पुत्र श्रमृतसरीयामल, वासी मण्डी केन्टस गंज, जालन्धर
  - (3) संजोगता रानी, पत्नी संसारी लाल वासी 935, डीह मोहल्ला रियाज पुरा, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है )।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त प्रक्रांचिक प्रवंत ३ तस्त्रस्य रॅकोई भी आक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में गाणान की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अनिज, जो भी प्रविध कार्य में समाप्त होती हो, हे भी तर पूर्वींकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्तातारों के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यो का, जो उनत प्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयंतान, तो उन प्रध्या है वियागमा है।

# वन्स्ची

अ्यक्ति तथा सम्पत्ति, जैसा विलेख नं० 1324, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० एस०पी० नं० 3864—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरघर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैटा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्णलय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बबः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिबिक व्यक्तियों, कर्धात् :—  श्रीमती श्रजीत कौर पत्नी श्री गुरलाल सिंह,
 वासी मोहल्ला, बनलारिया, नजदीक पुराना थाना भटिंडा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरवीप कौर पत्नी बलराज सिंह श्रौर श्रीमती विवेन्द्र कौर पत्नी श्री विश्वन्त सिंह, द्वारा : श्री बलराज सिंह एडवोकेट, सिविल स्टेशन, भटिंडा ।

(भ्रन्तिकती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिमोग में सम्पत्ति है )

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

्रज्यानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

राक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

व्यंक्ति तथा सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 815 विनीक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीब : 14-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० एस० पी० नं० 3865—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---  श्रीमती भ्रजीत कौर पत्नी गुरलाल सिंह मोहल्ला बनरालिया नजदीक पुराना थाना, भटिंडा ।

(भन्तरंक)

 श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी बलराज सिंह द्वारा : श्री बलराज सिंह एडबोकोट, सिविल स्टेशन, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

जैसानं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो स्थित सम्पत्ति में क्षि रखता है। (वह स्थिति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 816 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जासन्धर

तारीख: 14-1-1983

प्ररूप घाई॰ ही । एव । एस ० -------

# ग्रायकर ध्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ब्रबीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983 निर्देश सं० ए०पी० नं० 3866—यतः मुझे,जे० एल०

गिरधर,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंग्यत में शस्तिक है से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) प्रस्तरण से हुई कियो प्राय की बावत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक्त के दायित्व में कमी करने वा प्रसंपे वचने में मृतिधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी बिसी पाय या बिसी छन या बस्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायक्षण प्रजितियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अजितियम, या छन-कर प्रजितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनाचे प्रश्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए का कियाने में सविद्या के किए:

श्रतः श्रव, तकत श्रविनियम की बारा 269—ग के श्रतुसरण में, में, क्या श्रविनियम की बारा 26% कभी उपधारा (1) डे सभीन निम्नसिवित स्युक्तियों, स्थात् ह—-  श्री शेर सिंह पुत्र इन्द्र सिंह गांव गिल पट्टा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री लखबीर सिंह पुत्र गुरनाम सिंह वासी नेहना भटिंडा ।

(ग्रन्सरिती)

3. जैसा नं ० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें ६चि रखता है। (वह क्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 887, विमांक मई, 1982 की रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-1-1983

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्बर

जालन्धर, घिनांक 14 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3867—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपायक्ष श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कर्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्धात्:— (1) श्री भूप सिंह पुत्र कर्म सिंह बैकसाईड ग्राफ जे० बी० इण्डस्ट्रीज मलौट रोड़ भटिन्डा।

(भन्तरक)

(2) श्रो जितन्द्र कुमार चतर्वेदी पुत्र शाम लाल चनके, दर्शन कुमार पुत्र देस राज, मयुरा दास पुत्र मोघा राम नजदीक जे० बी० इन्डस्ट्रीज, मलौट रोड़, भटिग्डा।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे श्रद्धोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ग्रम सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### अनुसूची

न्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 900 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्यर

यिनांक: 14 जनवरी 1983

प्ररूप आह. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालधर, विनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० न० 3868— श्रत<sup>.</sup> मुझे, जे० एल**०** गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकार्रः के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मल्य में म के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, तस्के दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्री वीर सिंह पुत्र राम विता सिंह भाई द्वारा साजन सिंह गली नं० 2 श्रजीत रोड़, भटिन्डा ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी दियाल सिंह दयाल सिंह पुत्र जोरा सिंह वासी जी० एन० डा० टी० पी० भटिन्डा (ग्रन्तरिसं।)
- (3) जैमा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं )
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्र्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे

स्पत्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 928 विनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 14 जनवरी 1983

मोहर

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3869—यतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भिटन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भिटन्डा में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक महूँ, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतील आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियाँ, अर्थात् .----

(1) श्रो वोर सिंह पुत्न रामिक्ता सिंह द्वारा सजन सिंह वासी गर्ला नं० 2 श्रजीत रोड़, भटिन्डा।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्न ठाकुर सिंह मंगल सिंह पुत्न सोहन सिंह, जोगिन्द्र सिंह पुत्न मान सिंह वासी थर्मल प्लांट भटिन्डा

(भ्रन्तरिती)

(3) जैमा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हरू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख न० 929 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा में सिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 14 जनवरी 1983

**्रिमोहर**ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पो० न० 3870—यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मई 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिता उव्योध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विष्धा के लिए; और/यां
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, भीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री **पोर सिंह पुत्त इद्र सिंह,** वासी भटिन्डा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लखबीर सिंह पुत्र गुरनाम सिंह भटिन्डा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिमके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख न० 930 दिनांक मई 1082 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी भटिन्टा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर भक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-1-1983

मोहर :

19-466 GI/82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3871—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्मौर जिस की सं० जैसा धनुसूची में लिखा है तथा जो भिटन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय भिटन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सूत्रिभा के लिए;

(1) श्री नन्द कुमार पुत्र लक्ष्मण दास, राम दास पुत्र चनन राम मुख्तयारे-श्राम श्रमरनाथ पुत्र लक्ष्मण राम वासी गली सिंघ सभा गुरुद्वारा के पीछे, भटिन्छा।

(मन्तरक)

- (2) (1)श्रीमती ग्रमारदेवी पत्नी साधु राम
  - (2) बुगर सिंह पुत्र गुरबंखश सिंह
  - (3) कृष्णकान्सा पत्नी प्रेम पाल,
  - (4) चेत सिंह पुत्र बखतावर सिंह,
  - (5) मधुरानी परनी जगवीश राम पता वृज लाल बीके और बैंक स्ट्रीट भटिन्छ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है )
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति , जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उकत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 939 विनाक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरघर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्घर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त स्थिनतथों, अर्थात्:—

दिनांक: 14 जनवरी 1983

प्रकप वार्ड. टी. एस. एस. -----

# नायंकर मुभित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मभीन सुबना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, जालम्बर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्वेश नं० ए० पी० नं० 3872—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सब्बम श्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रौर जिस की सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बाक्तिबक्त रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संहुई किसी माय की बाबत, उक्त पश्चिक नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, किया स्विभा के सिए;

नतः नय, उनतः अधिनियन की भारा 269-म के ननुसरक में, में उकत जीधनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात्:—

- (1) श्री जीतपाल सिंह पुत्र नरंजन सिंह भटिन्डा (मन्तरक)
- (2) श्रीमती जसवन्स कौर पस्नी श्री सुरिन्दर सिंह भटिन्डा

(श्रन्तरिती)

- (3) औसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रामोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की वारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवद्रथ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुजुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 1088 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा

> जे० एल० गिरधर सक्षम ध्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 14 जनवरी 1983

# प्रकप आई० टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कार्यालय

जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3873—यतः मुझे जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा श्रनुमुकी में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री राम श्रवतार सिंह श्रीर जगजीत सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह, भटिन्डा

(ग्रन्तरक)

(2) सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री ग्रात्मा सिंह भटिन्डा

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा न० 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे मे भ्रधौहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जाइ के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी काय प्यक्ति द्वारा अधाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यव्यक्तिक्षण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं० 1089 विनाक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14 जनवरी 1983

प्रकप आई. टी एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3874—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिणाने से सृतिथा के सिए;

(1) श्री गुरजन्त सिंह पुत्र छज्जू सिंह मुख्तयारे खास भीर छज्जू सिंह पुत्र दलीप सिंह गांव गोरगड़ प्रीजनर जेल भटिन्डा। (ग्रन्तरक)

- (2) श्री सुरिन्दर कुमार पुत्र हुकमचन्द दीनानाथ पुत्र किशोर चन्द गिरधार लाल पुत्र मणीराम वासी भटिन्छा । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में निखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हैं (वह व्यक्ति , जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 112/7 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्छा ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—--

दिनांक: 14 जनवरी 1983

प्रकम आहुँ, टी. एन. एस. ------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-थ (1) के प्रशीत सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निदेश न० ए० पी० न० 3875---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/— इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यांचय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई 1982

की पूर्वोक्त सम्मिर्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन प्रक्रिक है प्रीर यन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण विवित्त तो वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर वेने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर भिवित्यमः, 1922 (1933 का 11) या उक्त अविवियम, या धन-कर श्रिवित्यम, 1957 (1957 का 47) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट गर्ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उप-भारा (1) के बर्धान, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भात् :--- (1) श्रीमती प्रेमिला एलीयस पम्मी श्रीर पदीण अलियास बच्चे स्वर्गीय श्री बलासा राम द्वारा श्री मंगतराम पता मकान नं० 1057/1 गली बुग्ना नोरद माली वाला देहली-6

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी मदन लाल पता मदन लाल श्रकाऊन्टैंट पी० एम० ई० बी० मकान नं० 369-सी धर्मेल कालोनी, भटिन्डा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख सें 45 दिन की भ्रविध या तत्मम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भा भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण:—इसमे प्रयुक्त सन्यों भीर पर्यों का, जो छक्त प्रविनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

ब्यक्ति तथा सम्पत्ति जसा विलेख नं० 1208 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) र **प्र**र्जन रेंज, जालक्धर

दिनांक : 14 जनवरी 1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्रर्जन** रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश गं० ए० पी० नं० 3876—स्यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनोक मई 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उधित बाजार मूस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उधित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीथ एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे वचने में सुविधा के तिए, अरेर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्री मंगत राम ग्रलीयास मंगत राय पुत्र वलासा राम ग्रपने लिये तथा श्रीमित गायती देवी विश्ववा श्री वलासी राम के ग्राधार पर द्वारा मकान नं० 1057/1 गली हुन्ना नोरद मालीवाला देहली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्राशा रानी पत्नी दर्शन कुमार श्रौर श्री राज कुमार पुत्र कुलबन्त राम द्वारा श्री मदन लाल श्रकाऊटैंट पी० एस० ई० बी० मकान नं० 369-सी, थर्मल कालोनी, भटिन्ड।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पुर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के निए तार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस युवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बदा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंबे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रक्ष्याय 20-क में परिभावित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 1209 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जै० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक: 14 जनवरी 1983

मुक्य नार्षः, टी., एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत तरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3877—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूच। में लिखा है तथा जो भिटंडा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूच। में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय भिटंडा में रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और जंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, ष्टिपाने में सुविधा के निए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राबिन्दर सिंह पुत्र जलौर सिंह वासः गुरू नानक कोल्ड मटोरेज, भटिंडा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा मखन सिंह पुत्र मोहिन्दर सिंह गाँव घालो बलबीर सिंह पुत्र बचन सिंह गाँव बागरी, निहाल सिंह तहसील तलबंडा साबो भटिडा बाबू सिंह और गुरमेल सिंह पुत्र करनैल सिंह गाँव गोबिन्दपुरा तहसील भटिडा ।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग मे सम्पत्ति है')

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है) कि वह सम्पक्ति में हित**बद्ध है**)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **अन्सूची**

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं॰ 1211 दिनांक मई 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भटिंछा मे लिखा है।

> जे॰ एक गिरधर, सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-1-1983 I

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3878--अतः मुझे, जे० एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिमकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूच। में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धर्धान दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- 20—466GI/82

(1) श्री भृषिन्द्रसिंह पुत्र भगवान सिंह कोठी धमरपुरा, यमल कालो नी के प्रीष्टे भटिका।

(ग्रन्सरक)

- (2) (1) श्रो मोहिन्दर सिंह पुत्र जोरा सिंह गांव बीवीवाला भटिंडा (2) गुरवेब सिंह पुत्र निहाल सिंह चन्दसर बस्ती भटिंडा (3) धर्म सिंह जगजीत सिंह ग्रौर नसीब सिंह पुत निहाल विह चन्दसर बस्ता भटिंडा । (श्रन्तरिती)
  - (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्नोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 1228 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्त्रर

दिनांक: 14 -1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पं।० नं० 3879—श्रतः मझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूच। में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच। में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के नार्यालय भटिंडा में, रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वेक्ति संपृत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति को उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) कथामीरी लाल पुत्र कुन्दन लाल रामपुराफूल पी० ए० ग्राफ प्रकाश पुत्र श्री चिरन्जालाल (2) जगरुप सिंह पुत्र जोत सिंह रामपुराफूल (3) सत्या देवी पुत्री श्री द्रोपदी देवी भटिंडा । (श्रन्तरक)
- (2) श्री खेता सिंह बूटा सिंह पुत्र जिवन सिंह भटिंडा। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
- (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यायः;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख मं० 1233 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकार् सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीनरेंज, जालत्थर

दिनांक: 14-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 14 जनवरी। 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3880—-श्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० जैंसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय भटिडा में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथा गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रा मोहिन्दर सिंह पुत्र सोहन सिंह पी० ए० ग्राफ पुत्र कुलदोप सिंह, भटिका ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंह, नाजर सिंह पुत्र श्री बलबीर मिंह, गुरदाप कौर पत्ना साधु सिंह वासी वीर बहमान ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखा है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1246 विनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्बर

दिनांक: 14-1-1983

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3881—-श्रतः मुझो; जे० एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैमा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिल्द्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्द्रांकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) हन्स राज उप्पल पुक्ष श्री कृष्ण दयाल एडवोकेट, डिस्टिक्ट कोर्ट, भटिंडा ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री तेजिन्दर सिंह, कर्मजीत सिंह पुत्र बसदेव सिंह प्रेजीडेंट, एन० सी० वासी सुच्चा सिंह स्ट्रीट, मोहना चौक, भटिंडा श्रीर लखबीर कौर विधवा सुखदेव सिंह, गांव गोबिन्द सिंह, तहसील फरीद-कोट ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मझोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पर्खिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं 1270 दिनांक मई 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भटिंड। ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3882-म्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबझ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक मई 1982

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री कोवू चन्द पुत्र ग्रजमेर सिंह (2) सुरिन्वर कुमार पुत्र हंस राज (3) सरोज पत्नी सुरिन्वर कुमार पार्टनर्ज ग्राफ नेशनल केमीकरूज भटिंडा। (श्रन्तरक)
- (2) श्रांकमल कुमार पुत्र हंस राज द्वारा हनसन इंड-स्ट्रीज, भटिंडा ।

(अन्तरिता)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जाऱी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्ति रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं 1367 विनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी मेटिया ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 14-1-1983

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3883-प्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

घौर जिसकी मं० जैसा अनुसू वी में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूच। में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिडा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमार प्रतिकल के लिए अम्बरित की गई है और मुझ यह विक्याय करन क कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान

प्रीतफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तिश्विमी) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्निलिख उद्देश्य से उसत अन्तरण निज्ञित में बास्तविक रूप में क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिष्ति व्यक्तियों अधीन, ---

(1) श्रा शमणेर सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह वेलडर, गोरियानारोड, भटिंडा।

(भ्रन्सरक)

(2) हान्ता पत्ना सुरिन्दर कुमार (2) वाना पत्ना केवल कुळण (3) मदन लाल पुत्र श्रोराम, वासा भटिडा ।

(भ्रन्नरिता)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(3) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि ग्खता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरः जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिसबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसर्वी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 1372 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, भटिंडा नेलिखा।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक: 14-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** प्रार्जेन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं०ए० पी० न० 3884--श्रस , मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुज से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा अनुसूची मे िखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो सोहन दास चेला जोन दास चेला उत्तम दास गाव कोट शमीर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री बहादर जीत पुत्रश्री संखन मल (2) बनारसी दास पुत्र चृनीलाल बासी भटिंडा। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसानं० 2 में लिखा है। ं (बहुब्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्<del>वोवत</del> सम्पत्ति के अर्जन <mark>के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं 1383 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

चिनाक 14-1-1983। मोहरः प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

# भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269=च (1) के भवीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983 निर्देश सं० ए०पी० नं० 3885—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो मटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृध्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिविति उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित रहीं किया गया है। ---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त बिध-नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष् भीर/गा
- (स) ऐसी किसी माय या किसी बन या मन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धनक्कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना खाहिए या फियाने में स्विद्या के सिए।

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपवादा (1) के अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री नसीय सिंह पुत्र निहाल सिंह चन्द्ररनर वस्ती भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) निर्मल कान्ता पुती जगननाथ (2) विश्राल्य पत्नी राम लाल (3) पूनम पत्नी नरिन्दर कुमार वासी भटिंडा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में लिखा है। (बहुव्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति, के अर्थन के लिए कार्यवाहियां भूरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की प्रविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध्, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बाटा:
- (आ) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की नारीआ से 45 दिन के भीतर उब्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण 1--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त श्रवि-ृतियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, कक्ष श्रवें होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

## वनसर्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 1381 दिनांक मई
1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिंडा में लिखा है। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 14-1-1983 । मोहरः

# प्ररूप बाई, टी. एन. एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश म० ए० पी० न० 3886—अत मुझे, जे० एल० गिरधर

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अन्सूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1982

को पूर्वितत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का बन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से धुर्इ किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अजने में सृविधा के मिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितको को, जिन्हों भारतीय आग-कर जिधिनयम, 1022 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा १६०-ग के अनसरण में, में, उदन विधिनियम की भाग १६०-म की सम्बास (1) के अधीर निक्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---21--466GI/83

- (1) श्री सोहिन्द्र सिंह पुत्न सोहन सिंह मुख्तयारेग्नाम-हरदीप सिंह वासी मुल्तानियां रोड, भटिडा (अन्तरक)
- (2) श्री गुरमेल सिंह गुरटेक सिंह तेबीकर सिंह गुरदास सिंह पुक्ष गंगा सिंह गांव बीर बेहमन (अन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वा क्य संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी माक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अको हस्ताकारी के पास जिलास में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरण — इसमे प्रमुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्षे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुखी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि चिलेख नं० 1500 दिनाक मई, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-1-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस.-----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुमना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं 3887—श्रत: मुझे, जे०एल० गिरधर

आयकर श्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है श्रौर जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

में यूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्निलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित् में बास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के चिए; और/या
- (च) एसी किसी अथ या किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भ्रमरजीत सिंह पुक्ष बचन सिंह वासी नजदींक सेपाल होटल, भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकुन्द सिंह पुत्र भाग सिंह वासी स्ट्रीट तिकोनी, पीछे सेपाल होटल, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है )।

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्तु संस्पत्ति के अर्थनु के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुरुषों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कः में परिभाषित इ<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में विमा गया इ<sup>8</sup>।

# अनुसूची

ध्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि थिलेख नं० 1503 दिनांक मई 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 14-1-1983 मोहरः प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3888---श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन दिनाक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हरममान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजित बाजार प्ल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नलिखित उद्यवस्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक भ्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपस् अधिनियम के अधीन अपर घेने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री गुरदेव सिंह पुत्र मस्तान सिंह वासी गली नं० 12 गुरू तेगबहादुर गली, बीबी वाला रोड, भटिखा।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमित राज रानी पितन ग्रशोक कुमार (2) जसविन्दर कौर पितन राजिन्दर कुमार (3) नन्द किशोर पुत्र नरैन दास पता बचन चाय कम्पनी बैंक बाजार, भटिडा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त क्षिपित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याम कें दिया गया हैं।

# ननस्पी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 1509 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); धर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 14-1-1983 मोहर. प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1983

निर्देश स० ए० पी० नं० 3889—-श्रत: मुझे, जे० एल० गिरधर

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई 1982।

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया ही.——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने जें भ्विधा के लिए;

जत: अब, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्पिक्तयों, अर्थात्:--- (1) श्री काका सिंह पुत्र भाग सिंह पी० मी० जरनैत मिह परम राम नगर (नजदीक गला फैंबटरी) भटिडा।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) प्रेम लता पत्नी शिय लाल (2) राज कुमार पुत्र मोती राम पता बसन्त कुमार ध्राफ बसन्त टी॰ कम्पनी सिरकी बाजार, भटिडा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है । (बह व्यक्ति जिनके नारे भे शक्षोहस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रां क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सूया है।

# वन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं 1511 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी भटिडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर,

दिनांक 14-1-1983 मोहर: प्ररूप आई टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1982

निर्देश स० ए० पी० न० 3890---यत. मुझे जे० एउ० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिक्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी म० जैसा जनुपूची में लिखा हं तथा जो भटिडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1982

का पूर्वाक्त सम्पति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शिधक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतिरितिया) क बीच एंग अंतरण के निए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक हम में किया गया है —

- (क) ातरण संहुई किली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान मा सविधा के लिए,

अत अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियो, अर्थात् —

- (1) श्री नरसिंह पुत्न बोगा सिंह धोबियाना, भटिडा (अन्तरक)
- (2) श्रीमित जसमेत कौर पत्नी सुरजन सिंह वासी कितया बग, राजस्थान ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे एचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे अश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जग के लिए कार्यवाहिया करना हु।

उना सपरित के सम्बन्ध मा कोई आक्षप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवीप या तलाम्बनी त्यिक्ताों पर नूचना की तामील में 30 दिन की अविच, जो भी अवीध बाद या समारा होती हो, को भीनर पूर्णकत क्यित्यों मा से किसी अयिक द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशत की तारीख में 45 दिन को भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहुस्ताक्षणी के पाम निस्तित में किए जा गर्कोंगे।

स्पद्धोकरण:--इसमं प्रयक्त शब्दो और पदों हा, जा उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो पीरभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमाकि विलेख न० 1521 दिनाक मई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मटिडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरबर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 14-1-1983

मोहर

प्ररूप आहें. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983 निर्देश सं०ए० पी०नं० 3891—यतः, मुझे, जे०एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फान निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नलिखन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं इर्ष्ट किसी आय की बाबन, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उसमे अभने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

् अगः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में , डक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

(1) श्री शमशेर सिंह पुन्न गुरदयाल सिंह वासी मोगा मेहल सिंह, मोगा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्न बब्यीम सिंह वासी वोखा मोगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसािक विलेखनं० 835 विनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोगा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनाक: 14-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनाक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3892—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा मेहजा सिंह में स्थित है और इससे उपाबद्ध है अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अजने में सृत्रिका के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अननरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :----

- (1) श्री राम नाथ पुक्ष लाल चन्द वासी मोगा। (अन्तरक)
- (2) श्री करतार सिंह पुत्र दीवान सिंह और पत्नी श्री करतार सिंह वासी मोगा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है. कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना बारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है में 45 दिन की अविधि शा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्य व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# मन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जसा कि विलेख नं० 838 दिनाक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक . 14-1-1983

भोहर:

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 14 जनवरी 1983

निर्देश स० ए०पी० न० 3893—यतः, मुझें, जे० एन० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. रा अधिक है

और जिसकी स० जैंसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा महला सिंह में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से तम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अतरण विखित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धाण 269-म के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपारा (1) के अभीन निम्नितियित व्यक्तियों, अर्थात —

(1) श्री अर्जन सिंह पुद्रा बूटा सिंह वासी गाव जधवाला, मोगा।

(अन्तरक)

(2) कुमारी बलविन्दर कौर पुत्री वीर मिह वासी मगर तहसील, फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा २० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके, बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यवित द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गमा है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख न० 998 दिनाक मर्ड 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा मे लिखा।

> ज० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

दिनाक: 14-1-1983

मोहर .

गिरधर

प्रस्प ग्राई० टी॰ एन॰ एस॰--

शायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वाना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983 निर्देश सं० ए० पी०नं० 3894---श्रतः मुझे,जे० एल०

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'अवत अधिनियम' कहा नमा है), की बारा 26 क व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व∙ से श्रविक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा माहल सिंह में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उणित नाणार मूल्य से कम के स्वयमान प्रित्यक के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से प्रिक्ष के बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अण्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्त अन्तरण किखित में बास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायक, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविभा के ब्लिए; और्या
- (क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त अधिन्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों अर्थात् :— 22—466GI/82

(1) श्री जोरा सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी मोगा मोहला सिंह मोगा ।

(ग्रन्सरक)

(2) गुरमेल सिंह पुत्न उत्तम सिंह वासी डाक्क खाना लाहोकी तहसील मोगा ।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मणीन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविष नाच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा संशहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकती।

स्यष्टीकारणः -- इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का, जो उक्त किया 20 का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिशा गया है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 1178 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी मोगा में लिखा हैं।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-1-1983 ।

प्रसम्ब बाइ<sup>\*</sup>. टी. एन्. एस<sub>.</sub>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3895----- प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन स्थम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा मेहला सिंह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रस्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गमा प्रति-फम, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उत्तमें बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अभिनियस, या भनकार अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अव्यक्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थीत:——

- (1) श्रीमित मोहिन्द्र कौर परिन तरलोचन सिंह वासी 222 माडल टाउन, फतेहाबाद जिला हिसार । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलबीर कौर भोगल पत्नि बलबीर सिंह जी०टी० रोड मोगा।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (बह व्यवित जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं )।

(4) जो व्यक्ति सम्मत्ति में रूपि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन् को नियः कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की सर्वाभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशक की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-बब्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त कटा और पर्वो का, वो उच्का जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

# नमृज्यी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेखनं ० 1142 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रश्चिकारी मोगा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्रक रेंज, जालकार

दिनांक: 14-1-1983 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अप्रथम र औधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्रमयसिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3896—श्रत: मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुभूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह जिद्दास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आम मा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

भतः अब, उत्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण को, भी, उत्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) (1) चिमन लाल पुत्र दुर्गा दास (2) हरबन्स लाल पुत्र तुलसी राम पता नत्था सिंह पुन्न जोगिन्दर सिंह कम्यूनिस्ट सिरकी बाजार भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमित मनजीत कौर पत्नी गुरनैस सिंह (2) काका सिंह पुन्न नन्द सिंह (3) गुरमेल सिंह पुन्न मस सिंह वासी पता नथा सिंह पुन्न जोगिन्दर सिंह सिरकी बाजार, भटिंडा

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
- (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे। उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1497 दिनांक मई 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-1-1983।

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 17 जनवरी 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3897—श्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैंसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुक्त-सर में रजिस्ट्रकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण चिवित में वास्तिबक रूप किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिधित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्री लाभ सिंह पुत्र बहादुर सिंह वासी नजदीक बाय-पास, मुक्तसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुत्न ग्रोम प्रकाश वासी नजदीक न्यूग्रेन मार्कीट, मुक्तसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह ज्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किजी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख 378 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी मुक्तसर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-1-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3898—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पह्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहैर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिष्ठत व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) श्री लाभ सिहं पुत्र बहापुर सिहं वासी नजदीक बाय-पास, मुक्तसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिव कुमार पुन्न ग्रोम प्रकाण नजदीक न्यू ग्रेन मार्कीट, भुक्तसर ।

(भन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रूचि रखता है। (बह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अम्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा विलेख नं० 404 विनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 17-1-1983

# प्रकृष वाह्रं, टी. एम. एस. ----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यांलय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्घर

जालन्धर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं०ए० पी० नं० 3899—दिनांक—श्रतः मुझे, जे० एस० गिरधर

नायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्ससर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबज्ञ में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुक्त-सर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवक हम से कीवत नहीं किया यथा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं कियन गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिसिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रतन लाल पुत्र लभू रोम वासी ग्रस्लामी वाला फिजलका।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमति गुरवीप कीर पत्नी प्रताप सिंह वासी न्यू हवेली स्ट्रीट, गेट हाकिमनवाला श्रमृतसर । . (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखका है। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बह सूचना जारी करके पृशांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पति के अर्धन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति सी में भी किसी व्यक्ति द्वाराः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किला अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

# बन्त्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 414, दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरव्रर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, जालन्धर

**विनांक**: 17-1-1983

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनाक 17 जनवरी 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3900---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

वाय्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रणात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

भीर जिसका सं० जसा अनुसूचा में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से सिए;

जतः जस उक्त अधिनियम की भाग 269-म के जन्सरण में, मैं, उक्त जिधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के जुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जुर्भातः :--- 1. श्री निरन्जन सिंह पुत्र भाग सिंह वासी पट्टी तनभू साहिब, मुक्तसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो बसंत सिंह पुत्र भाग सिंह वासी नजदेश प्लाट मलौट रोड़, मुक्तसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

 जो व्यक्ति संपत्ति मे रुचि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में झघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति मे हितबद्ध है)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्पब्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्वों करि पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममृत्यी

व्यक्ति तथा संपति जैसा कि विलेख नं० 436 दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज, जालंधर

तारीख: 17-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3901---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद के किए अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मृक्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूफे यह निश्नास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के तीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तिविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबल, उक्त जीभीत्यम के बधीन कर दोनें के अंतरक के दायिल्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एंकी किसी आज या किसी अन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, धिपाने में मूरियध के लिए;

अतः अव, उक्त मिश्रीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीतः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ——

1 श्रा निरंजन सिह पुत्र मान सिह वासी पट्टी बिन् साहिब, मुक्तसर। ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जमवन्त मिह पुत्र भाग सिंह वासी नजदीक मलौट रोड़, मुक्तसर।

(भ्रन्तरिर्ता)

जैसा नं० 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

4 जो व्यक्ति संपत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानताः है कि वह संपत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क्षेत्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षरें :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगी।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं० 468, दिनांक मई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मुक्तसर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंघर

तारीख: 17-1-1983

प्रकथ साहै, टी. एग. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुदना

# भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकार आधुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंघर, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3902—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र स्थाधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1982

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रामती श्राणारानी पत्नी लेख राज वासी मकान नं० 515, बैंक रोइ, मुक्तसर।

(म्रन्तरक)

 र्श्रा सुरिन्दर कुमार पुत्र हंस राज वासी गांव महासन्घर, मृक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किसी अस्य व्यक्ति कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पातें का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं० 495 दिनांक मई, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रिष्ठकारी, मुक्तसर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालंघर

तारीख: 17-1-1983

मोहर 🚁

प्ररूप आहें. टी. एन. एस ------

काण्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासंधर

जालंधर, दिनाक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3903— यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकतं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी संव जैसा कि श्रनुंसूचा में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीति श्रिधकारी के बार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, नारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौह/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रा दिवन्दर सिंह पृत्र जोगिन्दर सिंह श्रीर बिरेन्दर सिंह, तूरिपन्दर शिंह पुत्र दिवन्द्र सिंह जासी जिदवाला, मुक्तसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रा मनोहर लाल, विजय कुमार, स्ताम कुमार ग्रीर प्रमोद कुमार पुत्र मदन लाल वार्सा मकान नं० 579 बैंक रोड़, मुक्तसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति, संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हिसबड़ है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्येबाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही की होंगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं० 640 दिनांक मई, 1982 को रिजर्स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-1-1983

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.--

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, जालधर

जालघर, दिनाक 17 जनवर। 1983

निर्देश स० ए० पी० न० 3795—यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

स्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अञ्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अञ्चीत मक्ष शिविकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पर्शि जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिनका म० जैसा वि श्रनुसूच। में लिखा है तथा जो सब्जा मण्डा में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्र हर्ता श्रीधकार के कार्यालय जालन्धर में, र्राजस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तार ख मई, 1982

को पूर्वोक्ति सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और पृझे गर विश्वास करने का कारण है। अपपूर्वास्त नताल के उचित बाजार पूर्वर उसके वृश्यमान श्रीतफल के, ऐस दृष्यमान प्रतिकृत का पन्द्रक प्रतिगत भित्रा और अन्तरिक (अन्तरका) की अन्तिक्ति (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलांकन उद्देश्य से उसन यन्तरण निश्चित में वास्तर्विक कम से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किया अन्य की कावत उपय अधि नियम के मधीन कर देने के श्रम्तरक के वायस्त्र में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए, फ्रीटाश
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '——

- 1 (1) श्रामता रमा रानी पत्ना कुष्ण लाल, (2) ग्रानीता कुमारो, (3) रिवन्दर कुमार (4) ध्रावना कुमार छोटा बेटा श्रीर पुत्र रमा रानी माता पिता (5) प्रवेश रानी पत्नी वनारसा लाल ध्राप श्रीर माता-पिता ने रुद्ध कुमार छोटा श्रीर सुनीता रानी श्रीर नीरा रानी पुत्र बनारसी लाल, ग्राज्य कुमार पुत्र बनारसी लाल वासा एन० एन० 559 गोपाल नगर, जालन्धर।
- 2 श्री कस्तूरी लाल पुत्र राजा राम बास एन० एन० 310, गोपाल नगर, जालन्धर। ।

(श्रन्तर्रिता)

- 3 जैंसा न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सपित्त है)
- 4 जो व्यक्ति सपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिन के बारे मे श्रघीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपव में । काशन की वारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हितंबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबड़्ड् किसी बन्द स्थानर ब्याहरताक्षरी के पास तिस्ति में किए वा सकरें।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुस्ची

व्यक्ति तथा सपत्ति जैसा कि विलेख न० 801, दिनाक मई, 1982 को रजिस्ट्राकर्ती ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जम रेंज, जालन्धर

नार≀ख 17--1-1983 मोहर प्रकृप आई. दी. एन. एस्.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

# भारत सुरकारु

कार्यालयः, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 विसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3305— ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नंबर 148 से 161 तक है, तथा जो ग्राम शंकरगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्रा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख गई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नुलिख्त उद्षदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृष्कि रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आम् की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अहर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सभीन, निस्तिपित्र व्यक्तियों, सभीत :—

- (1.) 1. श्रा रामचन्द्र, 2. बाबूलाल, 3. बालकृष्ण, 4. कैलाश पुत्तगण मंकर लाल गुजर निवास।—22 भवानासागर, देवास। (श्रन्तरक)
- (2.) मेसर्स टाटा एक्सपोर्टस लिमिटेड तरफ जनरल मॅनेजर टाटा एक्सपोर्ट लिमिटेड, ए० बं।० रोड़, देवास। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी ध्यावितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिवत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा मुकेंगे।

स्पस्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपित्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 148 से 161 तक ग्राम शंकरगढ़ में स्थित है। तथा इस पर निर्मित क्षेत्र। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण श्रंतरिती की श्रोर से सस्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1982

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रोंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रजै/—भोपाल यतः

मुझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हु°), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रत. से अधिक ह<sup>\*</sup>

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 216/3 है, तथा जो ग्राम रामगढ़, तहसील रतलाम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रमुखी मे श्रीर पूर्ण रूप स विणित हैं), रजिस्ट्रीवरर्ता श्रधिकार। के कार्यालय, रत्तलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अत: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिशित व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. म० ग्रीन पार्क को० आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड इंदौर शाखा रतलाम क्षारा शांतिलालजी व राजमल घोरड़िया, चांदनी घौक, रतलाम।

(श्रन्तरक)

2. मैं० व्यास एन्ड कं० पार्टनर सोहनलाल बा० कार्या-राम व्यास 1. राजेश पति जगर्दाश चन्द्र तिवारी, 2. श्रंमती कुशल पति सूमकलाल जैन 3. श्रशोक कुमार वा० सूरजमलजी मृणत 4. राजकुमार वा० हरीशचन्द निवासी-बाह्मणीं का वास, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्योक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन को तारीख सें 45 दिन की अविधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

### अनुसूची

भूमि नान एग्रीकल्चरल सर्वे न० 216/3 ,ग्राम रामगढ़ नहु० रनलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 27-12-1982

मोहरः

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. ------आयक<sup>न्</sup>र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3307--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्राँर जिसका सं० प्रस्तावित प्लाट नं० 50 से 55, 63 से 83, 85, 87, 88, 91 में 95, 97, 102 में 105 है, तथा जो न्यू गार्डन, रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्द्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख 18 मई

को पूर्वक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विशास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्ध अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविथा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री मोहन सिंह पिता भेरुसिंह 2. प्रेमसिंह पिता भेरुसिंह ना० बा० स० पिता भेरूमिंह राजपूत नि०-जवाहर-नगर, रतलाम।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो सुरेश चन्द्र पिता बाब्लाल श्रग्नवाल निवासी:---हरीराम दरवाजा, रतलाम।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

### अनुसुची

प्रस्तायित प्लाट नं० 50 से 55, 63 से 83, 85, 87, 88, 91 से 93, 94, 95, 97, 102 से 105, न्य गार्डन रतलाम में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरक्षिण) म्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1982

रक्ष भारत की स्मा स्था ------

ज्ञायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयक्त आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3308----यक्तः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं फाट कमांक 7 व 8 है, तथा जो में ड़की रोड़, देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 5 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त की निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया भवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उक्त जिम्मिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक क दासित्व में कमी करन या उसमें बचने भी माधिका के सिए; जौर/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य व्यास्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उस्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उस्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :--

 प्रीमती कमला देवो गोयल धर्मेपत्नो श्री वीरेन्द्र गोयल निवासी----12 पस्ट ब्यूह बिल्डिंग नं० 3 एस० ह्वी० रोड, शांताकुल, बंबई।

(अन्तरकः)

2 मसर्स दीपक बुलन्स प्राइवेट लिमिटेड देवास पंजीयन। न्नायिलय 1 वो कोर्ट चैम्बर 35 न्यू मैरीन लाइन्स, बम्बई (अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमिल में किए जो सकेंगे।

स्पष्टिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रां का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

प्लाट ऋमांक 7 व 8 मेन्डकी रोड़, देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 विसम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. के अधिक है

मार्ग, माधवनगर, उज्जैन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, तारीख 6 मई 1982 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखत उब्दिश्य से उक्स अन्तरण लिखत में वास्तिक, निम्निलिखत उब्दिश्य से उक्स अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

 वैध गुलजारी लाल जैन ब्रात्मज श्री जानकी प्रसाद जैन निवासो जैन बिल्डिंग माध्यनगर, उज्जैन।

(श्रन्तरक)

2. श्री गुरुवचन मिह श्रात्मज ज्ञानसिंहजी भोगा निवासी मं नं 24, क्षपणक मार्ग, माधव नगर, उज्जैन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूखण्ड क्रमांक 32, दशहरा मदान, क्षपणक माग माधव-नगर, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अस अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ अधीन, जिम्मीनीयत व्यक्तियों, अर्थातु:—

तारोखाः 27-13-1982

प्ररूप आर्व टी क एन ० एस ० ----

त्रायकर **श**धिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ(1) के यत्रीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3310— यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में यक्षिक है

श्रौर जिसकी सं० भवन म्यू० ऋ० 6: 2235 नया नं० पा० नि० ऋ० 71 का भाग हैं, तथा जो दशहरा मैदान, उज्जैन में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का के श्रधान, तारीख 4 मई 1982

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दूश्यसान प्रतिफत सा एन्द्र है प्रतिशत से प्रविक्त है प्रोर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐने अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्बलिखन उद्देश्य ने उवन अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गरा है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रक्षि-'नयम गश्रबीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्तो वचने में सुविधा के लिए, धीर/बा
- (ख) ऐसी किसी नाय पा किसी घन या पत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवित्यम, या धन कर अवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्निति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सुविवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24-466GI/82

 श्री जान ह्वी० संत पुत्री डा० रामकृष्णजी संति निवासी विश्वविद्यालय मार्ग, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रामता सो० प्रेमलता बाई पन्ना श्रा शांतिलालजी 2. श्रा ग्रनिल कुमार पुत्र शांतिलालजी निवासी कलालसेरी उज्जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता नारी करके प्यक्ति सम्पात के प्रजैत के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्यमध्यति के प्रवेश कमस्वन्य में कोई भी ब्राक्षय:--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दा ग्रीर पदी का. जा उक्त ग्रिश्वित्यम के अञ्चाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

भवन म्यू० क० 6: 2235 नया नं० पा० नि० क० 71 का भाग स्थिकत क्षपणक मार्ग पथ क० 1, मोतीलाल नेहरू नगर, दशहरा मैंदान उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-12-1982

# प्ररूप आर्द्ध टी. एन एस.-----

आयकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 27 विसम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० मं।०/श्रर्जन/भोपाल/3311— श्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसका सं० भूमि ख० नं० 251 है, तथा जो ग्राम श्रमोना मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिलस्ट्राकर्ता श्रधिनारी के कार्यालय, देवाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख मई 1982

को पूर्वेक्सि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देषरेयों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क्प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए।

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भों. उक्त अधिनियस की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  (1) श्री वंपालाल 2. रामभाउ, 3. बाबूलाल 4. केदार 5. रामेश्यर 6. भगवानसिंह पिता छोगालाल खार्त सभी निवासी ग्राम श्रमोना तह० व जिला देवास।

(श्रन्तरक)

2. श्रीः सुनाल पिता कैलाभधन्दजी त्रिवेदा निवासा 249. नयापुरा, इंदौर ।

(अन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थिक्तथों में ने किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्ठीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाे अर्थ हाेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि खसरा नं० 251, ग्राम ग्रमोना तह० व जिला देवाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारा पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्राजन रेज, भोपाल

न(र्)ख: 27-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयक्त शायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, अमृतसर

भोपाल, दिनांक 27 विसम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल--3312---श्रतः मुझे, देवश्रिय पन्त,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रः से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं म्यू ने 1 व 2 है, तथा जो मोती बंगला देवास में स्थित (श्रीर इससे उपादक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारो के कार्यालय, केवास में रजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, ताराख नमई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितेफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (वा) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् —— 1. श्रा नितिन पुत्र डा॰ ग्रार॰ सी॰ भोरासाकर निवासी-कृष्णपूरा, देवास (म॰ प्र॰)।

(भ्रन्तरक)

2. म० बादणाह कन्स्ट्रक्शन कपर्नः प्रा० लि० देवास (श्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

### **अमुस्**ची

मकान म्यू० नं० 1 व 2, मोती बंगला, देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारो**ख:** 27-12-1982

मोहरः

# प्रक्यु आई. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोषाल, दिनाक 27 दिसम्बर 1982

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्राम करने का नारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० ख० न० 4 है, तथा जो ग्राम अनवट-पुरा, तह० देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसून। मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय, देवास में रिजर्स्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण सं धुर्ड किसी जाय की शाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिथाने में सुविधा के लिए;

श्री मनोहर लाल पिता रामनारायणजी अप्रवाल निवासी तीनबक्ता, देवास।

(अन्तरक)

2 मसर्स कास्टा एक्सट्जन्स मेहता चेम्बर्स, 34 सियागङ, इंदौर।

(स्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सी भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

भूमि ख० नं० 4, ग्राम श्रनबटपुरा तह० देवास मे स्थित है।

देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारा महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) प्रजैन रज, भोषाल

नतः जन, उन्त अविनियम की भारा 269-ए के अनुसरण मों, मों उन्कत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को सभीन, निम्नीलिकार व्यक्तियों, नर्भात् :----

तार(ख. 27-12-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निदेश सं० चण्डी/23/82-83---अत: मुझे, देवप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं जर्मान खं न न 5 व 6 है, तथा जो श्राम अनवतटपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रावर्ती अधिकार वे कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीवरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16') के श्रधान, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गर्ध हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे खश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तिरती अन्तिरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया हैं.——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः प्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्रा कैलाणचन्द्र पिता रामनारायणजी श्रग्नवाल निवासी तीन बसी, देवाम।

(भ्रन्तरक)

2. मैसमं कास्टा एक्टजन्स प्रा० लि० तरफ डायरेक्टर शिवसिंह मेहता प्रात्मक श्री मञ्जन मिह मेहता निवासी.— 34 सियार्गक, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

जमीन ख॰ नं॰ 5 व 6, ग्रनवटपुरा, तह॰ देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्धण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-12-1982

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3315---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्वा नं 52 है तथा जो नागुखेड़ी तह देवास में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्यः में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमान, तारीख मई 1982

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण संदुर्क किसी आय की बाबत, उक्त औधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आहु/या
- (स) एती किसी आव या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम निम्मिसित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. श्रो अर्जुन सिंह पिता दयाराम निवास --नाग्खेड़ तह० देवास।

(भ्रन्तरक)

2. मससै राहुल स्टाल फोर्जिंग प्रा० लि०, उर्जेन रोड़, देवास, म० प्र० तरफे एकजी० डायरेक्टर जी० एस० **पौध**री पिसा किशन सिंह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-भद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थान्स्ताक्षरी के पास निश्ति में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

भूमि ख॰ नं॰ 52, ग्राम नागुखेड़ी तह॰ देवास में स्थित है।

> वेषप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

नारोख: 27-12-1982

मोहरः

प्रश्रूप काई.टी.एम.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3316---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि खं० नं० 53 है, तथा जो ग्राम नागुंबेई। तह० देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्राकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 मई 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुवाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान श्रीतफल से, एसे क्यमान श्रीतफल का पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया श्रीतफल, निम्निलिखित उद्योग से उचत बन्तरण लिखित में बालाविक स्था से कवित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुइ जिल्ला आय को बाबत उक्त अधि-मियम के अभीन कर देशे के अंतरक के दासिस्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के सिए;

अतः अवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीन ----  श्रा भानधन्द्रराव पिता शंकरराव मार्डेगे नि० 33 वजरंगापुरा, महात्मा गार्था मार्ग, देवास।

(भ्रन्तरक)

2. मसर्स राहुल स्टाल फोर्जिंग प्रा० व्याव तथ्फे एक्जोल डायरेक्टर--गिरिराज सिंह चौधरो, सिंठ देवासा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्या ?,
- (क) इस सूचना के राज्याच में प्रकाशन को तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धास निकात में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिशाधित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

#### **मन्**सूची

भूमि खा० नं० 53, ग्राम नागुखाड़ों तह० देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रज, भोपास

नारोख: 27-12-19832

### प्रख्य साई० श्री० एन० एस०-----

भायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा - १६९-५ (1) के भुधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर <mark>आयुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपांल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल-3317---म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्में इसके पश्चात् 'खक्त अक्रिनियम' कहा गया है),की धारा 269-ख के अबीन सक्तम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्था**व**र सम्प**रि, जि**सका य मुख्य 25, ३००/- नगमे भ्रमिक है वाजार भीर जिगको सं० मकान नं० 12 तथा द्कान नं० 3 है, प्तथा जो पढ़रानाथ पथ, इंदौर में स्थित है (धौर इससे उपाक्षत्व श्रनसूचा में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रा-कर्ता अधिकारः के कार्यालय, इंदौर मे, राजस्ट्राकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, ताराख 18 मई 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत मा वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लियं; और/या
- (स) एसी किसी अाय या किसी अन अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या-उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्रा सरदार प्रतापित राग होलकर पिता शः गल्हार रावजः होलकर नि० 12, पहरानाथ पथ इंदोर तरफ श्रा० मु० स्थामराव कृष्णाराव होलकर नि० रूपराम नगर, इंदौर। (श्रन्तरक)
- 2. श्र) जयभालादास 2. श्रर्जुनदास 3. लालबंद पिता बखत राय निवासी 1/23, बेराठी वालोनी, इदौर। (श्रन्तरिती)

की य**ह सूचना जा**री करके पूर्<del>वीक्त</del> सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए **कार्यवाद्वियों क**रता हूं।

उसन नम्मान के पर्वत है लग्बन्य में होई भी बाले।'---

- (क) इन सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रवित्र एं तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति तारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त रयावर सम्यन्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रस्त व्यक्ति हारा, घरोहस्ताक्षरी के पास
  लिधित में किए जा सकेंद्र ।

स्मण्डीकरमः --इसर्ने प्रवृक्त शब्दां प्रीर पदों का, को उक्त प्रतिनिया के शब्दाः 20-क में परिवाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### मनुसूची

मकान नं० 12, दुकान नं० 3, पढ़रोनाथ पथ, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, भोपाल

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिख व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीखा: 27-12-1982

मोहरः

प्ररूप प्राइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ....७ ५ व रहे मूचना

#### भागत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

प्रजीन रोज, भोषाल

भोगाल, दिनाक 27 दिसम्बर 1982

निर्देश स० प्राई० ए० सं:०/प्रजन/भोषास-3318----भ्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संव म्युव पाव मव नव 12-13, दुनान नव 1 है, तथा जो पहरानाथ पथ, इद्धार में स्थित है (और दमसे उपाबद अनुसूत्र) में और पूर्ण नय से वर्णित है), रिजस्ट्रा-कर्ता अधिकार। के कार्यान्य, इद्धार में, रिजस्ट्रा-दम्ण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, नाराय मई 1982

को पृत्रों बत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अलारिन की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों बत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गगा पति-फल निम्निलित उदृश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवक स्म मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/चा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः भय, उपत भिनियम, को धारा 269 म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 25-466GI/82

1. श्रीमत सरदार प्रतापितह 'राव श्रात्मण श्री मरहारराव होतार तन्फे श्राम गु० श्यामराव मृष्णराव होलकर नि० 85 स्पराम नगर कालोनी, इदौर।

(भ्रन्तरक)

श्री ग्याम पिता श्री नारायणदास नेनानी, निवासी
 प्रेमनगर, इंदौर।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्म.-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में पिकनी अधिन दवार;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन में भीतर उक्त म्थावर मपित्स में फित- सम्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस निस्ति में विए जा एकों।

स्पाक्टीकरण: — इसमी प्रयक्त शब्दा और पदौं का, जो उक्त अधिनियत के नध्याय 20-क मा पीएसोक्ति है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विवा गण है।

# **मन्स्**ची

म्यू० पा० नं० 12-13, दुहान नं० 1, पहरोनाथ पथ, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय भन्त सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारोख: 27-12-1982

प्रकम् आहुरे. टी. एन्. एस..-----

भायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यक्ति स्थान

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-3319---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज म्यूज पाज नंज 12 पलैट नंबर 3 है, तथा जो पढ़रीनाथ पथ, (आडा बाजार) इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; जीड़ा/बा
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तियों, अधीतः :--  श्रीमंत सरदार प्रतापसिंहराव पिता मल्ह्र<sup>(रराय</sup> होलकर तरफे आम मु० श्यामराव कृष्णराव होलकर नि० 85 कृपराम नगर, इंदौर, नि०, मकान नं० 12, आड़ा बाजार, इंदौर।

(अन्सरक)

2. श्री मनोहरलाल पिता कालीदासजी पारेख नि॰ म॰ नं॰ 12/2, स्नेहलता गंज, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गुमा है।

#### अनुसूची

म्य॰ पा० नं० 12, पलैट नं० 3, पढरीनाथ रोड़पथ, १ इंबीर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-12-1982

मोह्रर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

# भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के वभीन सूचना

भारत सुरकार

# भार्वालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1982 निर्देण स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/33120---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसकी स० प्लाट नं० 121 है तथा जो इन्दिरा गांधी नगर, इदौर में स्थित है (और इसमें उपायदा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्मान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृवाँक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया ग्या हैं:---

- (क्क) क्लाइम् चे हुइ किसी नाय की बाबस सकत निध-नियम के न्धीन कर धेने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीग, निम्निजिक्त व्यक्तियों, वर्थात् :---  श्री देवकरण मित्तल पिता श्री चंदूलालजी मित्तल नि०-सिलाबटपुरा मकान नं० 84, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाषचंत्र लुम्बा पिता श्री विलायत राय लुम्बा नि॰ मकान नं॰ 58, पलसीकर, कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

प्लाट नं० 121, केसरबाग रोड़, इन्दिरा गांधी नगर, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्तं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-धु (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3321---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर स्म्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 100 है तथा जो सिन्धू नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंति रत की गई है और स्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल में, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविके रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री रामचन्द्र पिता श्री कृपालवासजी निवासी म० नं० 20, बी० के० सिन्धी कालोनी, इंदौर।

(अन्तरकः)

 श्री भिनतिप्रिया पिता श्री मुरेशचन्द्र जी नि०-पलसीकर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उदत सम्प्रीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र

- (क) इस मूचना को राजपक भी प्रकाशन की तारील से 45 दिन का अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गृह में समाज ताती हो, को भी र पूर्वोदत व्यक्तियों में ने किणी व्यक्तिया द्वारा;
- (ल) इस गूचना के राजपन में प्रकाशन की हानिस से 45 दिन के भीतर उबत रथावर सम्मित में हित-बद्ध बिसी एन्स व्यक्ति दुस्तर ज्योहम्ताकार्य के पास लिखित में अन्य किए जा सकोगे।

रपध्धिकरण .--इसमो प्रयुक्त राज्यो कोर पर्यो का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 100 सिन्धू नगर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 28 दिसम्बर 1982

निर्देण स० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोताल/3322- - प्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिलं हसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिन्यमं कहा ना ो, की जा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निराम यह निराम यह कारण ही कि स्थावर सम्भीता, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. सं जीधक ही

थौर जिसकी स० सदान नवर 564, दुकान न० 3 है, तथा जो महात्मा गाधी मार्ग, इदौर में रियत है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से निर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिन कारी के कार्यालय, इदौर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 27 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उपित बाजार मूल्य में कम के दश्यकान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई ही कीर मुक्ते यह जिए ग करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित राजार मूल्य, उनके दृष्यकान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पण्ड प्रतिकृत में अपिक है और अतरक (अतरको) और अर्जास्ती (अतिरितयो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफला, निम्निलिखित उद्विष्यों से उक्त अंतरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कां) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय मा किसी वन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आगड़र जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

.अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ---

- (1) श्रा मतोग पाटनी विताशी हुकमचद जी पाटनी निवासी-25 पत्रकार कालोनी, इंदौर
  - (ग्रन्तरक)
- (2) धीयती निर्भेता भाह पति श्री गुगतचद भाह निवासो 1/1311, गोपियुरा बन्डाजी, पोल सूरत गुजरात।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेतित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि ताद यो समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति का को किसो व्यक्ति हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) इत सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीगर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### अमुसुची

मकान न० 564, दुकान नबर 3 महात्मा गांधी मार्ग, इदौर मे स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

दिनाक . 28-12-1982 मोहर

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोगाल/3323--भ्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है ग्रीर जिसकी संव म्यु. पाव नंबर 80 तल मंजिल की दुकान है, तथा जो महाराजा तुकोजीराव क्लाथ मार्केट, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 27 मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दर् प्रतिशत से ग्रधिक है भौर प्रन्तरिक (अन्तरकां) ग्रौर प्रन्तरिनी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिन नियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर धिविषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविषम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उपत प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं उकत श्रधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मनोरमाबाई पत्नी भंवरसिंह जी चोरड़िया व साहूकारा निपटारा कमेटी ट्रस्ट फर्म सिरेमल चोरड़िया व भंवर सिंह घोरड़िया तरफे संचालक नायूलाल पिता केशारीमलजी जैन निवासी-महाराजा तुकोजीराव क्लाथ मार्केंट, इंदौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संस्यनारायण अग्नवाल पिता श्री रामचन्द्रजी अग्नवाल निवासी-मालगंज (शहीद मार्ग) इंदौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्मृतित के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के भम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरमंत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रत्रा, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्यष्टीक्ररण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों प्रौर पदों का, जो उका प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्रथ होगा, जो उत्त श्रश्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

म्यु॰ पा॰ नंबर 80, तल मंजिल की दुकान, महाराजा तुकोजीराव क्लाथ मार्केट, इंदौर में स्थित है।

> े देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्र्यर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 27-12-1982

प्ररूप आई. 👪. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश सं. श्राई० ए. सी०/ध्रर्जन/भोपाल/3324—श्रतः भक्षे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तृ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं. प्लाट नंबर 7 है, तथा जो जानकीनगर एक्सटेशन कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिध-कारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18 मई 1982

को पृथों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री बिड़ला बदर्स के भागीदार प्रहलाददास बिड़ला पिता साहेबलालजी बिड़ला, नि०-1/2 मुराई मोहल्ला, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीता त्निपाठी पति श्री विरेन्द्र कुमार त्निपाठी निवासी-पोस्ट ग्राफिसर मधुसुदन गढ़ जिला-गुना

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पृवोंक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट नंबर 7, जानकी नगर एवसटेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 28-12-1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त अग्व्स्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3325- न्य्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 दा 43) (जिसे इससे उसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की पा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थान संपता, जियका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहे. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि ख० नं० 632/2 है, तथा जो गाम बंगरेड़ में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता पिधकारी के कार्यालय, बड़नगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1998 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित दाजार मूल्य में वस के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये यह तिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोदत संपत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोगे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रए प्रतिश्वा से अधिक है और अनतरक (अनरकों) और अनतरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य कारितयों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पर-कर अधिनियम, या पर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाते में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-म को, अनुमरण मो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की जमधारा (1) को अधीन, गिम्निलिनित व्यक्तियो, अर्थात् '--- (1) 1. मांगूजी पिता वीरमज़ी 2. बाबूराम पिता मांगूजी 3. मदनलाल पिता मांगूजी प्रजान तरफे पालनकर्ता पिता वीरमजी नियापी—पाम कंकरान तह० बदनावर जिला धार ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीनारायण पिता उमराथिंगह पटेल निवासी-माणिकवाग रोड, इंदौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोदत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उदत रांपति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो तकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या गत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो गमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति त्वारा:
- (ख) इप स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख गें 45 दिन के भीतर उप्त रथायर संपीतित में हिननद्य दिन्सी अन्य व्यदित द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पञ्जोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

कृषि भूमि खं० नं० 632/2, ग्राम बंगरेड तह् वड़नगर जिला उज्जैन में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंज, भोपाल

दिनाक: 28-12-1982

# प्रकप माई० टी॰ एन॰ एस॰---

आपकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश सं. श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3326—ग्रतः मुझे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख में ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 210 है, तथा जो महाराजा तुकोजी राव क्लाथ मार्केट इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिगा अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक का ने कथित नहीं निया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की नानत, उक्त सकि-नियम के अशीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उसने बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चितियम, या भ्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्विक्तयों, मर्थात् ८——
46—366GI/82

- (1) श्री अयसंद उर्फ जितेंन्द्र कुमार पिता नथमलजी शेखावत निवासी-165, एम॰ टी. क्लाथ मार्केट, इंदौर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रकाणचन्द पिता टोपनदास नि-101, जयरामपुर कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तासील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यपत्त में पकासन की नारीख तें 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यस्त्रीक्रण्ण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों धीर पदों का, जो उका प्रक्रि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है '

### अनुस्ची

मकान नं० 210 महाराजा तुकोजीराव क्लाथ, मार्केट, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 28-12-1982

प्ररूप आड. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3327—-म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 210 है, तथा जो महाराजा तुकोजी राव क्लाथ मार्केट, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, इंदौर में, रेजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19 मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुर्द किसी आय की शावत उक्त अधिनियम के अधीन यहर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उसमें जचने में सुविधा के लिए; क्रिंग/ ११
- (ख) ऐसी कियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण मो, मी, उसन पिथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निक्षित प्यविनयोः, अर्थात् :--- (1) श्री जयचंद उर्फ जितेन्द्र कुमार पिता नथमलजी शेखावत निवासी—165, एम० टी० क्लाथ मार्केट, श्रंवीर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार पिता टोपनदास नि०-101 जय-रामपुर कालोनी इंदौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित को अर्जन को सिए उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही पर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **यम्**स्ची

म० नंबर 210, महाराजा तुकोजी राव क्लाथ मार्केट, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 28-12-1982

मोहरः

प्रकष जाद , टी., एन., एस.,----

जासकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निदश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3328—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नंबर 12, प्लाट नंबर 2 है, तथा जो पंक्रीनाथ पथ, इंदौर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3 मई, 1982।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922, का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुग्ररण में, मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-थ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधित् ः—— (1) श्री सरदार प्रतापसिंह राव हलोकर पिता मल्हारराष होलकर नि०-12 श्राड़ा बाजार इंदौर तरफे श्राम मु० स्थामराव कृष्णराव होलकर नि०-12 श्राड़ा बाजार, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पारसमल पिता मांगीलालजी मोगरा नि०-236/2, जवाहर मार्ग, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युब्तोकर्ण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मकान नंबर 12, प्लाट नंबर 2, पंढ़रीनाथ पथ, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 28-12-1982

# प्ररूप धाई • टी • एन • एस •

भ्रत्यकर **प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3329—म्बतः मझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए ने प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1-ए हैं, तथा जो स्ट्रीट नं० 5, मनोरमागंज, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाहनीक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ित्यम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उदसे बचने में सुविभा के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी शाय या किसी धनुया अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनु कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) 1. सुनीता

2. स्वर्णा ग्रोबर

(श्रन्तरक)

(2) डा॰ गोविन्द पिता सदाशिव वागले

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# वनुसूची

प्लाट नं० 1-ए, स्ट्रीट नं० 5, मनोरमागंज, इंदौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-1-1983

प्ररूप बाइ .टी. यून. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रार्थन/भोपाल/3330—यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नंबर 28 है, तथा जो भोल्ड पलासिया, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता धिषकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1982!

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्चित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिश्चित में बास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के शिष्ट; बरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय झायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए:

अतः अंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री परमानन्द भारमन श्री राभाकिशनश्री चुग निवासी--विवेणी कालोनी, इंदौर

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीचंद म्रात्मज फतेहचंदजी चुग निवासी-3-ए प्रेमनगर कालोनी, इंदौर

(ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितववध् है)

को यह सूचना जा<u>री करके पृत्रों क्ल</u> सुम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यब्दिकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रमुसूची

मकान नंबर 28, एक मंजिला मकान, श्रोल्ड पलासिया इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 3-1-1983

अरूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्वेश सं. श्राई॰ ए॰ सी./श्रर्जन/भोपाल/3331—श्रतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो रेस कोर्स रोड़, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक, 21 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम कें दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीचे एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स हरकचंद रतनचंद तरफे पाटनर हेमचंद शेखावत निवासी-क्लाय मार्केट, इंदौर

(ग्रन्तरक)

(2) भाग्य लक्ष्मी गृह निर्माण सहकारी संस्था इंदौर तरफे भ्रष्ट्यक्ष गोपालवासजी नागोरी, न्यू म० नं० 59 रेस कोर्स रोड़, पंचम की फैल, इंदौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर नम्परित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याश क्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# मनुस्ची

प्लाट नंबर 2, एरिया 10005 वर्गफुट, रेस कोर्स रोड़, इंदौर मैं स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 3-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3332---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 76 है, तथा जो बड़ा सर्राफा, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक, 20 मई, 1982

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मः, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) फर्म जीतमल राजमल के मालिक राजमल पिता श्री जीतमलजी पोरवाल निवासी राजवाडा चौक म. नं० 25, इंदौर

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री विनोद कुमार पिता वल्लभदासजी 2. सुरेश कुमार पिता वल्लभदास लाहोरी, निवासी 72/1 लोधीपुरा, इंदौर

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नंबर 76, एक मंजिला, बड़ा सर्राफा इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 3-1-1983

प्रकृप आहूँ. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आवृक्त (निरीक्षण)

द्यर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3333 अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो टी० एस० 30ए नवलखां स्कीम नंबर 31, इंदौर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 3 मई, 1982

को पूर्वेक्ट् तस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नीसिंबत उद्दोक्ट से उक्त अन्तरण निम्हित् में वास्तविक रूप से कांचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से बुद्ध किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निस्तनि**वित व्यक्तिनों, ज्यांत ड**— (1) श्री नारायणदास पिला गोरधन दामजी नियासी 13/1, साउथ तुकोगंज, इंदौर

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री कन्हैयालाल पिता खानचंदजी 2. भरत कुमार पिता कन्हैयालाल जी 3. रिवर्शकर पिता कन्हैयालाल जी नि०-27 बी० गोपाल बान कालोनीह इंदौह (श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

**उक्त सम्पर्तित के अर्जन के** सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं ने 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि, टी॰ एस॰ 30-ए नैबलखा स्कीम नंबर 31, इंदौर में स्थित है तथा निर्मित क्षेत्र।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

विमांक: 3-1-1983

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1983

निर्देश संब्झाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3334—म्प्रतः मुक्षे, वेवप्रिय पन्त,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० म० नं० 1 (पुराना नं० 9) है, तथा जो सुतार-गली, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्व, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृद्ध निम्नतिस्ति उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिस्क कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनित्रम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अपूयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---27-466GI/82

- (1) श्री नामोमल पिता एंसीमल 2. हरीराम पिता एंसीमल निवासी म० नं० 20 कारजू कालोनी, इंदौर (भ्रन्तरक)
- (2) सौ० गोमतीबाई पति गणपतलालजी शर्मा निवासी म० नं० 30 सुतारगली, इंदौर (भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है न

## मन्स्ची

भ. मं० 1 (पुराना नं० 9) द्वितीय मंजिल, सुतारगली, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी, 1983

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3335—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी स० मकान नं० 1 (पुराना नंबर 9) है, तथा जो सुतार गली, इदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 13 मई, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्री नामोमल पिता एंसीमल 2 हरीराम पिता एंसीमल निवासी म० न० 20 कारजू कालोनी, इदौर (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरीग्रोम पिता रामबाबू शर्मा 2. विजयकुमार पिता रामबाबू शर्मा, निवासी-46, लोबी मोहल्ला, इंदौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षित्यम के प्रद्याप 20-क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भ्रनुसूभी

मकान नंबर 1 (पुराना नंबर 9) तल मंजिल, सुतार गली, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, भोपाल

विनांक: 3-1-1983

# प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रार्जन/भोपाल/3336—म्प्रतः मुक्षे, देवप्रिय पंत,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान नं 1 (पुराना नंबर 9) है, तथा जो सुतार गली, इंबौर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्न्लिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण हिन्बित में बास्तिक रूप से कायत ग्राहीं किया गवा है :—

- (क) जनसरण से हुन्दं किसी आय की बाबत उकत सिध-निवस को क्षीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करूने वा उत्तर ब्यूने में सुरिन्धा के सिए; मीर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन था अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर किभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कुर अधिनियम, या अन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए आ, कियाने में सुविधा के लिए:

कत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री नामोमल पिता एंसीमल 2 श्री, हरीराम पिता एंसीमल निवासी म० नं० 20, काटजू कालोनी, इंदौर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गणपतलाल पिता ऊंकारलालजी शर्मा निवासी म ॰ नं॰ 30, सुतार गली, इंदौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यग्राहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 विन की जवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृभना को राजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति, में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अम्सूची

म० नं० 1 (पुराना नंबर 9) प्रथम मंजिल, सुतार गली, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पंस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 3-1-1983

मो**इर**ः

प्रसम्प आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुभना

#### भाउस बरकार

कार्यालय, सहायक सायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी, 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3337—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पंत,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 6/4 है, तथा जो डोसी गांव तह० रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 14 मई, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (वित्रित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दृष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुखने में सुविधा के सिप्रु बौर्/या
- (क्षं) एसी फिसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के म्थीन, निक्तिसिन्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मोहम्मद श्रमीन पिता महमद हनीफ मुसलमान श्रंसारी निवासी डोसी गांव, रतलाम।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मधुकान्त पिता कल्याणमलजी पुरोहित वकील निवासी श्राह्मणवास, रतलाम ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसुची

भूमि सर्वे नम्बर 6/4, डोसी गांव तह० रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पंत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3338—-अतः, मुझे, देवप्रिय पंत

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 6/3 है तथा जो डोसी गांव, रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 14 मई, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मोहम्मद हनीफ पिता घडवुल गनी मुसलमान (श्रंसारी) निवासी मोहल्ला डोसी गांव, रतलाम (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रहलाद चंद पिता कल्याणमलजी पुरोहित निवासी मोहल्ला जोहाबाग, बखड (रतलाम)। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ हुांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि सर्वे नं ० ६/ ३, डोसी गांव, रतलाम में स्थित हैं।

वेवप्रिय पंत सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 5-1-1983

प्रारूप आहरं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक जायकर वायुक्त (निद्रीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जेन/भोपाल/3339—म्बतः मुझे, देवप्रिय पंत,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि सर्वे न० 6/1 है, तथा जो डोसी गांव, तह० रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 14 मई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिमक इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के आए; और/जा
- (क) ऐसी किसी आम वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के सिए।

अतः अय, उक्त भीशीनयम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) शोरा। त्रात्रा पिता श्रब्दुल खां मुसलमान (श्रंसारी) निवासी डोसी गांव तहसील रसलाम। (श्रन्तरक)
  - (2) श्री हेमन्त कुमार पिता कल्याणमलजी ना० बा० स० भाई प्रहलाद चंद पिता कल्याणमलजी पुरोहित निवासी-जोहा बाग लखड़, रतलाम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कीई भी श्राक्षेप --

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितसबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>1</sup>।

# मन्त्र्यो

भूमि सर्वे नं ० ६/1, डोसी गांव, रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पंत, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज, भोपाल

विनांक: 5-1-1983

प्ररूप धाई• टी• एम० एस०----

# ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269∋ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं ० ग्राई० ए० सी ०/ग्रर्जन/भोपाल/ 3 3 4 0—श्रतः मुझे, देवप्रिय पंत,

प्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम'कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु० मे श्रिष्ठिक है,

श्रीर जिसकी सं भूमि सर्वे नं 6/2 है, तथा जो डोसी गांव, रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 14 मई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ते सिए;

अत: श्रम, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में. में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमती सावरा पत्नी मोहम्मद ह्नीफ मुसलमान (श्रंसारी) निवासी कोसी गाव तह० रतलाम । (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रहलाद चन्द पिता कल्याणमल पुरोहित निवासी-मोहल्ला जोधा बाग बखड, रतलाम। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घनिध, जो
  भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त ग्रिष्ठित्यम के श्रद्ध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वही शर्व होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सर्वे कमांक 6/2, डोसी गांव, रतलाम में स्थित है।

वेवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 5-1-1983

प्ररूप वाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं ० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/ 3 3 4 1—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन है, तथा जो चंगोरा भाठा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31 मई, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कांधित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत , उच्छ। अभिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती फूलकुंवर बाई पित सेवकराम साह निवासी चंगोरा भाठा तह० रायपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) वसुन्धरा गृह् निर्माण सहकारी समिति, चंगोरा भाठा श्रध्यक्ष इधूवदन, चंगोरा भाठा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति भी भर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूभि चेंगोरा भाटा तह० रायपुर में स्थित है। म० न० 105

देवप्रिय पंत, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-1-1983

त्ररूप आइ. टी. एन. एसं. ------

## आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० एस सी०/म्रर्जन/भोपाल/3342— भ्रतः मुझे, देवयिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो चंगौरा भाठा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधींन 31 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अम्बरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 28—466 GI/82

- (1) श्री जूड़ावन घल्द रतेऊ नि० चंगोरा भाठा (ग्रन्सरक)
- (2) श्री वसुन्धरा गृह निर्माण समिति चगोर, भाठा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवंहस्ताक्षरी के पास निक्ति में विष्णु जा सकरि।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गवा है।

## बन्स् भी

भूमि, चंगोरा भाठा में स्तित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन शेत्र, भोपाल

तारीख: 5-1-1983

मोष्टर:

प्रस्य मार्'.टी.एम.एस.,------

**मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के मधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3343— स्रतः मुझे देवप्रिय पन्स

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका जीवत काजार मृल्व 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी मंख्या भूमि है तथां जो चंगोरा भाठा में स्थित है स्रोर इससे उपावत अनूसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 31 मई 1982

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और वंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक का निम्निलिसित उद्देश्य स उन्नत जन्तरण लिसित में धास्तिक रूप से कंपित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी फिसी आब या किसी धन वा अन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बतः वंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बन्हरण मों, मों, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थाल्:—— (1) श्री मातादीन वस्द दसरू वगेरा निवासी चंगोरा भाठा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वसुन्धरा गृह निर्माण समिति चंगोरा भाटा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में त्रकाशन की तारीच है

  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

## वम्ब्दी

भूमि चंगोरा भाठा में स्थित है।

वेवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 5-1-1983

प्रकल भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर चित्रियम, 1961 (1961 का 43) की बांचा 269-व(1) के ब्रोडीन सूचवा

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण) अर्जन क्षेत्र भौपाल

भोपाल दिवाक 5 जनवरी 1983

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल 3344 अतः मुझे देवप्रिय पन्तः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लाएण हो हैं। जार पार्टीन, जिल्ला को स्टार मूल्य 25,000/ रु से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सख्या भूमि है, तथा जो चेंगोरा भाठा में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 31 मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकात का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और वंतरक (बतरकों) और वतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का, निम्नलिखित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुद किसी जाय काँ बाक्त, उक्त जिथिनियम के अधीन कार दोने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के सिए;

बढ: बब, जनत मधिनियम की धारा 269-ग के, अनुबरण में, मैं उनत अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के मधीन निष्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्री नाथू राम बल्द सुखाराम निवासी चगोरा भाठा (धन्सरक)
- (2) श्री वसुन्धरा गह निर्माण समिति चंगोरा भाठा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस तृष्यां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं के 45 पिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यां की मामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्वकाश्वा—-इसमे प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उनका जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मनुसूची

भूमि षंगोरा भाठा में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोस्री बिल्डिंग, भौषी मन्जिल, टी०टी० नगर, भोपाल

तारीख: 5-1-1983 मोहर. प्ररूप बाहाँ, टी., एन. एस.,-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्राई० एसर्ुंसी०/श्रर्जन/भोपाल/3345—श्रत:, मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सँख्या भूमि है, तथा जो चंगोरा भाठा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्त्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देवरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एेकी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अह-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया ज्या भा या किया जाना था, कियाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जुर्धात् :-- (1) श्री काहेतक राम पिता तिजऊस निवासी चंगोरा भारा

(मन्तरक)

(2) श्री वसुन्धरा गृह निर्माण सिमिति चंगोरा भाठा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हाँ।

## अनुसूची

भूमि चंगोरा भाठा में स्थित हैं।

धवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-1-1983

प्रकृष आहे. टी. ए**न. एस**.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्कना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें अभोपाल

भोपाल, दिनांक 5, जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० एस सी०/म्रर्जन/भोपाल/3346---म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त, '

नायकर अधिनिय्न, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या दो मंजिला मकान नं० 647 है, तथा जो चेरीताल वार्ड नया यिवेकानन्द वार्ड, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध रनुसूची में भ्रोर पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, ं रजिस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम। 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3 मई 1982।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित् वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वारिय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसिक्क्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयान्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्यिक्षाके लिए;

(1) श्री देवेन्द्र कुमार 20 निर्मल कुमार 30 लालचंद तीनों भ्रात्मज फूलचंव जै० 40 श्रीमती पुष्पा बेवा बेवा नरेन्द्र कुमार 5. राकेश कुमार नावा० 6. संजय कुमार नाबा नं० 5 व 6 फ्रास्मज स्थ० श्री नरेन्द्र कुमार दानों नाबा० द्वारा वली मां श्रीमती पुष्पा जैन समस्त निवासी 2324, लार्ड गंज, जनलपुर। (अन्तरक)

(2) केशरबाई पत्नी कोमाल चंद जैन निवासी--मौजा बाकल तह० सिहोरा जिला-जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह स्वाना जारी करके पूर्वोचल सम्मारिल के मर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चनाकी तामील से 30 विन की अविधा, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुवार्कितः व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पक्कोकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों **का, यां उपक** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्नी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### वन्स्यो

दो मंजिला मकान मं० 637, चेरीताल वार्ड [नया विवेकानन्द वार्ड जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल, गंगोद्दी बिडिल्ग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोपाल

तारीख्∷ 5-1-1983

मोहर:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप्भारा (1) को अभिनः, 🗗 मनलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् ः---

प्ररूप आर्द्दा. एन. एस. - - - - -

आयकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5, जनवरी 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3347—मतः मुझे,देयप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसको सं ० प्लाट रिपेयिरिंग सं ० नं० 370 है, तथा जो रामसागरपाराः रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय रायपुर में, रस्जिट्रीकरण ग्रिधिनिमय, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन, 3 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिय रूप से किशत नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के जनुबरण हों, मीं उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को जभीन, निम्निमिखित व्यक्तियों,, जर्थात् ः— (1) श्री पंजूमल पुत्र चेमरूमचे निवास धासोक राइस मिला, रासागरपारा, रायपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इंद्र कुमार पिता किशन चंद द्वारा गाँबिन्द बेसन एण्ड दाल मिल, गमसा ग्रारपारा रायपूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

## उक्त बुम्पृतित से वर्षन् से बम्बन्ध में कोई भी बाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### वनुसूची

प्लाट बियरिंग ख नं 370/1, रामसागरपारा बार्ड, रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौषी मंन्जिस टी०टी० नगर, भोपाल

तारीख: 5-1-1983

प्ररूप. गाइं. टी. एन. एस. -----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज. भोपल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/3348--- भ्रत. मुझे, देवियय पन्त,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रत. से अ<mark>धिक ह</mark>ी

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 34/4 है, तथा जो मीजा चांटापारा, बिलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भ्रनसूची में **भ्रौ**र पर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्टीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन 12 मई

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में भास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को धायित्व में कमी करने या उससे बनने में मुविधा को लिए; और/बा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उत्त्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री एस० प्रभाकर राष पिता स्व० श्री एस० व्ही, राव निवासी, कनस्ट्रेकशन कालोनी तार बाहर. विलासपुर नहु० व जिला विलासपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० विश्वकर्मा पिता श्री भैरो प्रसाव उर्फ नन्हेबाल विश्वकर्मा निवासी-एम० पी० ई० बी० कालोनी तिफरा बिलासपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क रता हु

## उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में करोड़ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्**वक्टीकरणः-**-इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशादित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

प्लाट नं० 34/4, शीद नं० 7, मौजा चाटापारा बिलासपर में स्थित हैं।

> वेषप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोपाल

तारीख: 5-1-1983

मोह्नर:

प्ररूप बाहु . टी. एन. एस.-----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भो**पा**ल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं० माई० ए०ं सी० /म्रर्जन/भोपाल/3349---म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

बापकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संभ्रम प्राधिकारी का, यह दिख्यात करि का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उपित बाजार मूच्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या प्लाट खं० नं० 130/13 है, तथा जो जे० ६० रोड़, लखोली, में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रामशनंदर्गाव में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15 मई 1682

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोंने के अन्तरक के दावित्व में कानी करने या उन्हों अधने में सुविधा के निए; और/अ
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आदिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा- 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीकु:---

- (1) 1 हरदेव सिंह पिता हरीसिंह
  - 2. श्रीमती रणजीतकोर विद्यवा सरदार ग्रमर सिंह
  - 3. सरदार जगजीत. सिंह सरदार उजागर सिंह
  - 4. सरवार जगजीत सिंह पिता उजागर सिंह
  - 5. राम सिंह पिता संगड़ा,। ैं
  - 6. धम्मन सिंह पिता संगड़ा सिंह,
     द्वारा ग्रमर बस सर्विस, बस स्टेड, राजनंदगोव।
     (ग्रन्तरक)
  - (2) 1. जयन्ती भाई पिता चन्त्रीलाल भाई
    - मनोज कुमार पिता जयन्ती भाई
    - 3. नावं ब्राल दिनेश कुमार पिता लक्ष्मण भाई बटेल निवासी—कामटी लाइन, राजानंद गांव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोक्त सम्परित के अर्जन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँ कर स्पष्टियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, थी उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ण्लाट, ख० नं० 130/13, जे० ई० रोड़, लखोली गांव तह० व जिला राजनंव गांव में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेन्ज, भोपाल गंगोनी बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 5-1-1983

## प्ररूप बाईं• टी• एम• एस•⊷-

भायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/ 3350—म्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी संख्या भूमि खं नं 101, 107/2,131 है, तथा जो ग्राम बटेरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बालोद में, रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-5-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत का निम्नीलिखत उद्वेश्य में उनत अन्तरण निचित में बास्सविक स्था ने का जिला नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किंदी बाय की बावक बक्त अधि-निवज के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिका के कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय कारकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

वसः अवः, उक्त विधिनियमं कौ भारा 269-गं को, बनुसरणं मो, मो, अवसः विधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) को वभीन, निम्निलिसित व्यक्तिमों, खर्थात् ३—-29---466 GI/82 (1) श्री रिवेका विवि मैनेजर एवमं मू० श्राम वसलियान मेथोडिस्ट मिशन, भारत।

(प्रन्तरक)

(2) श्री डा॰ डी॰ ए॰ पटनायक पिता स्व॰ जेम्स पटनायक जेम्स जोगारा व पटनायक पिता डा॰ डी॰ ए॰ पटनायक श्रीमती हेमा नलिनी पत्नी श्री पी॰ प्रभुदास निवासी—राजनंदगांव।

(भ्रन्तिरिती

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सभ्यत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितयों में से किसी स्वित्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## वनस्वी

भूमि खा० नं० 101, 107/2, 131 तथा भवन एखं निर्मित क्षेत्र, ग्राम छैबटेरा। पी० सी० नं० 77 सेटलमेण्ट नंम्बर 12 में स्थित है। यह तहसील बालसव जिला दुर्ग में स्थित हैं। कुंल क्षेत्रफल 20.80 एकड हैं।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोपाल

तारीख: 6-1-1983

## प्रकृप बाह् . टी. एन. एस.-----

आयकर नियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-य (1) के अभीत स्पना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 6 जनवरी 1983

निर्देश मं० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 3351—ग्रत: मुझे, देवित्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या प्लाट खसरा नं 130/16 है तथा जो जी ०ई० रोड, भारतीय खाद्य निगम के गोड। उन के पास, लखोली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय राजनंदगांव में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 1 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल्प, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कन्तिबक्त क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए; और/या

अतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— (1) श्री संतोष कुमार पिता पूरमचंद कोठारी निवासी कामठी लाईन, राजनंदगांव ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देसाई बदर्म लिमिटेड राजनंदगांव द्वारा मु० ग्राम शांतीलाल ग्रात्मज दादूभाई पटल, कैलाण नगर, राजनदगाव।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पृथांकित सम्बन्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यंक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, के भीतर प्रवेक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण -- प्रयाहणात्तर राज्यों और एकों का जो उपल अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

प्लाट खं० नं० 130/16, जी० ई० रोड़ भारतीय खाध निगम के गोडाउन के पास लखोली राजनैंद गांव में स्थित

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-1-1983

प्रकृप आहे. टा. एन्. एस.--

आपकर प्रिप्तिनान, 1981 (1981 का 43)की घार 289#(1) के सबीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्या नय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश म० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/ 3352—श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्यात् 'इदन अखिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, कि न उचित जा तर मूल्य 25,000 के क में आधिक है और जिसकी संख्या प्लाट न ० 16-ई० 3 है तथा जो राजधानी परियोजना भेगाल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण मय में वॉणन है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भोषाल में, र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम (1908 (1098 का 16) के अधीन 3 मई 1982

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकरा का बन्द्रह प्रतिकृत स अन्तर्भ है और अन्तर्भ (अन्तर्भ) आर कन्द्रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्तित म पास्तिक कप से किथा नहीं किया गया है :---

- (का) जन्तरण से हुई किसी भाग को भावत उक्त बिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बोट्/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घत या अस्य द्वास्तियां का, जिन्हें भारतीय आगकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय दाखरिती क्षारा प्रकट नहीं किया बया या वा किया जाता चाहिए चा, कियामे में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- (1) श्री ज्ञानचंद जैन पिता अभयचंद जैन द्वारा विजय कुमार चौधरी एडवोकेट 116 शांतिनगर भोपल।

(श्रन्तरक)

(2) श्री 1 मूलचंद 2 श्रीमती लतादेवी 3 श्रीमती मीना देवी 4. महेन्द्र सभी निवासी-30 बेतवा श्रपार्टमेंट रोशनपुरी भोपाल।

(स्रन्तरिती)

को यह मुचना गारी करक पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजैन के खिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस यूचना के राजरत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की प्रविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की गामीत प 30 विन का प्रविधि नो मी प्रविधि वाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजरह में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संगत्ति में द्वितंद्वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरू सामरों के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रमुक्त शक्यों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिकियम के प्रध्याय 20-क में परिमाधित है, वही श्रर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं॰ 16 ई॰-I 3, राजधानी पहियोजना भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेन्ज, भोपाल

तारीख . 10-1-1983

प्रकम बाह्रं. टी. एन. एस. ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सुरकाह

# कार्यालय, सहायक कार्यकर कार्युक्त (निर्देशिका)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनाक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/3353—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 74 है, तथा जो पलसीकर कालोनी इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 22 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चृत्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रति- चन्न निक्न लिख त बृह्य के स्थाप से क्या बंदरण कि निक्न निक्त विद्या प्रतिक क्षा विद्या प्रतिक के किए तथ पाया गवा प्रति-

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विध-निष्मा के अभीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए बौर्/का
- (क) होती किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया यूया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से जिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हरभज़न सिंह पिता श्रमरीक सिंह जी भाटिया 2. निहाल देवी पति स्व० श्रमरीक सिंह भाटिया नं० 2 तरफे ग्राम मु० विश्रेता नं० 1 निवासी मं० नं० 74 पलसीकर कालोनो, इंदौर।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा देवी पति रमेशचंद्र निवासी-जूनी कसेरा बाखल, इंदौर।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 74, पर बना हुन्ना मकान, पलसीकर कालोनी इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप आई ॰ टी ॰ एन ॰ एस ॰ ————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/3354---यतः मुझे, वैवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 22 श्रार० है, तथा जो विकास प्राधिकरण की योजना, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूपी में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको और अंतरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आयु या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--  (1) श्री प्रकाशचन्त्र टोंग्या पिता श्री गुलाबचंवजी टोंग्या निवासी 1, जूना पीठा, इदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) डीलक्स श्रर्पाटमेंट का-श्रापरेटिव हाउिंसम सोसायटी लिमिटेड श्रध्यक्ष श्रशोक पिता कुन्दनदास निवास-7, निसया रोड़ इंदीर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील में 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक एणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होरा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यो

प्लाट नं० 22-आर० व उस पर निव तक निर्मित मकान, विकास प्राधिकरण की योजना ऋमाक 44 (खाती वाक्षा टैक), इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

हा**र ख**ा 10-1-1983

अभूप बाइ". टी. एन . एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश म० ग्राई० ए० मी०/.र्जन/भोपान/3355—-श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या खं० नं० 50/4 है, तथा जो मौजा रामपुर जिला-जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इगसे उपबंध ग्रमुसूची में ग्रांर पूर्ण के रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना, ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम (1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 25 मई 1982

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) एती किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री राम मोहन तिवारी वल्द श्री मथुरा प्रमाद तिवारी निवासी-2246 टाईप टू मेक्टर 1, व्हीकल फैक्टरी स्टेट शहर जबलपुर
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वलजेन्द्र सिंह वन्द श्री डा० जगजीतसिंह खन्ना 50 श्रादेश नगर, ग्वारीघाट रोड़, जबलपूर। (श्रन्सरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदाए;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

#### प्रसम्ब

खं० नं० 50/4, मौजा रामपृह नं० बं० 1, जिला जबलपुर में स्थित हैं।

देव प्रिय पन्त सक्षम **प्रधिका**री सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ं टी०टी० नगर भोपाल

तारीख: 10-1-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेंत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 जनवरी 1983

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन भोपाल/3356— ग्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या प्लाट नम्बर 102 है, तथा जो कमानिया गेट, सराफा बाजर, जबलपुर में श्रिथत है (श्रीर इससे उबाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25 मई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याक्तयों, अर्थात् :-- (1) श्रीमतीं इन्द्रानी बहू पत्नी विषम कुमार जैन, निनामी-खररी, जिला-सागर।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती हर्पा सोनी पत्नी हरीलाल योनी 2 कान्ता सोनी पत्नी श्री ग्रात्मराम सोनी, निवासी -585, कोतवाली बाजार, जवलपुर, ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धं में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति मं हितबब्ध किसी अन्य त्यिकत इवारा अधोहरताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकारों।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दा का, जो उक्त अभिनिशमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुर्मजिला मकान, प्लाटन० 102 पर बना हुआ। कमानिया गैट सर्रामा बाजार, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 10-1-1983

## प्रस्प वार्ड. टी. एन्. एस्. ------

आयकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत् सहकार

## कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश) स्राई० ए० सी०/स्रर्जन/पोपाल/3357---स्रतः मृझे, देवप्रिय पन्त्

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुर्माजिली बिल्डिंग है, तथा जो पोस्ट श्राफिस के पास, सिविल लाइन्स, रीवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय विस्ती में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-5-1982

को पूर्वोक्त संपित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के बिए; बार/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के किए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हरभजन सिंह निवासी ए-383, डिफेन्स कालोनी, बिस्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामतो श्रमफी द्वी पत्ना हरकेश सिंह निवासी ग्राम एल० पी० श्री० बलखा जिला बुलन्दशहर ग्रारा शिवकुमार सिंह पिता बन्नो सिंह, नि० पोस्ट श्राफिस, सिविल लाइन्स, रीवा।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित कें अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् द्वारा;
- ं (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **अनुसूची**

दो मंजिली बिल्डिंग, पोस्ट म्नाफिस केपास सिविल लाइन्स रीवा ग्राम कुची में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) टी० टी० नगर, भोपाल

तारोख: 10-1-1983

प्ररूप आदौ. टी. एन्. एस्.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपांल भोपाल, दिनांक 13 जनवरो 1983

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 114 है, तथा जो शाहपुरा भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनूसूर्ण में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारों के कार्यालय भोपाल, में, रजिस्ट्रीरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3 मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित कों वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने भें सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--30-466GI/82

(1) श्रीमती मोहिनी वेबी पत्नी श्री परस लाल निवासी जी-7 क्यू०/5/11-12, बैरागढ़, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० के० राय पिता श्री पी० सी० राय निवासी 4/231, ग्ररेरा कालोनी, भोपाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नग्स्थी

एक भूखंड मंबर 114, जो कि लाला लाजपतराय हाड-सिंग सोंसाइटी, शाहपुरा, भोपाल में स्थित है। यह भोपाल म्यूनिसपल कार्पोरेशन की सीमा में भोपाल शहर, तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंम्बर 37 जी में नीहित हैं।

क्षेत्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोत्रीं बिडिंह्ग चौथीं मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल

तारीख: 13-1-1983

प्ररूप आहे टी एन एस ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोर्पौल

भोपाल, दिनांक 14 जनवर्। 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सः०/अर्जन/भोपाल/3359—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/~ रु. से अधिक है

स्रोर जिसका, संख्या एक किता महान है, तथा जो मोहल्ला नूरमहल, भोधाल में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में स्रोर पूण रूप से वणित है), रिजस्द्रे!कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भोषाल, स. रिजस्ट्रे!करण स्रधिनियम, 1908 (1980 का 16) के स्रधान मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त अधिक है और मंतरिक (मंतरकों) और मंतरिती (मन्तरितिण) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरन से हुई किसी बाद को बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्षण किने में शुविधा के निरुष्, और/बा
- (स) एंसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जयत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, 'छिपान में स्विधा के निए:

बतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के बनुसरण मो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :---

- (1) श्रा करमचंद तववाम. पिता में हवलदास तववान. निवास:---दूर महल गलः नं० 1, भोपाल। (अन्तरक
- (2) परसराम पिता गोविन्द नाम निवासी---गर्ला हनमानगंज, भोषाल ।

(अन्तरिर्ता) 🤾

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति न्यांक्ति देश में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान, दूसरी मंजिल श्रर्थात फर्स्ट फिलोर पक्का छन, मोहल्ला न्रमहल, भोपाल में स्थिन है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गंगीलीं बिल्डिंग **चौथी** मंजिल टों० टीं० नगर, भौपाल

तारं।खाः 14-1-1983

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरा 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3360—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसक। संख्या एक किता महान है, तथा जो मोहल्ला नूरमहल, गल। नं० 1, भोषाल, में स्थित है (भ्रार इसमं उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप मंबणित है), रिजस्ट्रा-कर्त्ता ग्रिधिकार। के कार्यालय, भोषाल में, रिजस्ट्रा-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जन्ह<sup>5</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तृतिवित् न्यक्तियों, सुधीत् :---

- (1) श्रा करमचंघ तनवार्ता पिता महघलदास तनवार्ता निवार्सा---नूर महल गर्ली नं० 1, भोपाल । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा कल्लूमल पिता श्रा गोविन्दराम निवासी नूरमहल गला नं० 1, भोपाल। (श्रन्नरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्थल्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित ह्रै, वहीं अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

एक कितामकान को केवल ग्राऊंड़ फिलोर ग्रथीत नीचे की मंजिल, स्थित नूरमहल गली नं० 1, भोषाल।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) गंगोद्गी बिल्डिंग चौथीं मंजिल टीं० टीं० नगर भोपाल

नारीख: 14-1-1983

मोहर

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. ------

# भाय्कर गृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय् 269-च (1) के ग्यीन स्प्ता

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनक्षेत्र,भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3361---मतः मझे, देवप्रिय पन्त,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मं० नं० 46/645 है, तथा जो लक्कड़ खाना, ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार गूण का में वाणा है), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24 मई 1982

को पूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आया या किसी धन वा बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्तिभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—- (1) श्रो सम्भाजीराव पुत्र श्री रामधन्द्रराव नि० लक्कड़ खाना, लक्कर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलवन्तराव पुत कृष्णराव देशमुख निवासी-एन० 21, ठाटीपुर कालोनी, मुरार

(म्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जाड़ी कड़के पृत्रोंकत सम्पृतित के अर्थन के द्विष्ट् कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधाइस्ताक्षद्धी. के बाद्ध विखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में प्रिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## अनुसूची

मकान नवम्बर 46/645, लक्कड़ खाना, लक्कर में स्थित है।

वेसद्विय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 14-1-1983

प्ररूप आई. टी., एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

स्रीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 1, 5 / 1, है, तथा जो बरखेई। श्रब्दुल्ना तह हजूर में स्थित है (श्रीर इसासे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता स्रविकारी के कार्यालय भोगल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सर्धीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्सिस स्थिनतयों, अर्थात् :---

(1) 1. रहमत उल्ला पुत्र श्री सलामत उल्ला 2. रामचरण पुत्र कालूराम निवासी-बरखेड़ी श्रब्दुलाह नह० हंजूर जिला-भोषाल।

(अन्त रक)

(2) श्री आकीला वी पत्नी फफा उल्ला निवासी-बुध-वारा भाईपुरा, निकट छोटा तालाब, भौपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पास्त्रीकरणः -- इसमे प्रय्कतः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

भूमि खसरानं० 1, 5/1, 7 बरखेड़ो श्रब्दुलाह तह० हुजूर जिला भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक **ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 14-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निर्क्षिण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 14 जनवरो 1983

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3363---ग्रतः महो, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

स्रौर जिसकं। सख्या भूमि खा० न० 1 है, नथा जो साम बरखेडे। अब्दुल्लाह त० हजूर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रीध-कार। के कार्यालय, भोषाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 मई 1982

को पूर्वाक्त सपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंगत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिंगित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के (मए; बौट्र/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना. चाहिए था, डिज्यान में स्विधा के लिए;

जत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियमें, अर्थात्ः— (1) श्रा हरमन उल्ला पिता सलामत उल्ला 2. रामचरण पिता कालूराम निवासी-वरखेडी प्रश्दुल्ला तह्र हजूर, जिला भोषाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामत। नमरान ग्रहमद पर्ता मोहम्मद ग्रहमद निवासी बुधवारा भाईपुरा, छाटे तालाब के पास, भोपाल।

(असरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जात सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुखना कं राजपत्र में पकाशन को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वपुत्रवी

एक किला भूमि ख० नं० 1 में से 20 एकड़, ग्राम बरखेडी ब्रब्दुल्लाह, तहर हजूर, जिला भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-1-1983

मोहर ।

प्ररूप आर्दे टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश मं० श्रार्थ० ए० मो०/श्रर्जन/भोपाल/3364—ग्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या भूमि खं नं 1, 5/1, 7 है, तथा जो ग्राम बरखेड़ी प्रब्वल्लाह, तह हजूर म स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनूस्चा में ग्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्झीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजर्झीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्याग करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) श्री हरमत उल्ला पिता सलामत उल्ला 2.रामचरण् पिता कालूरामजी निवासी बरखेड़ी शब्दल्लाह, तहर हजूर, जिला भोषाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामताः मु० मुमताज बानीं पत्न. शर्फाः उस्ला. निवासी बुधवारा भीःईपुरा, छोटे तालब के पास, भोपाल।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि खसरा नम्बर 1, 5/1,7 बरखेड़े। श्रब्दुस्लाह, तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, राक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारं।**ख** : 1**4-1-**1983

## সক্ত মাৰ্ছ তী০ ছব**০ ছব০**----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 769-व(1) के स्रधीन त्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3365—श्रतः मुझो,देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से धिष्ठ है

धौर जिसको संख्या भूमि ख० नंम्बर 1, 5/2, 7 है, तथा जो बरखेड़ी श्रब्दुल्ला तह० हजूर में स्थित है (धौर इससे उपबद्ध श्रन्सूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रद्धीन मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के अनि ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिफल किल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियन के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कभी करन या उससे बचने में पृतिधा ने लिए भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्यांश के निए।

अत , अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात :---

 रहमत उल्ला पिता सलामत उल्ला
 रामचरण पिता कालूराम
 निवासी— बरखेड़ी भ्रब्दुल्लाह तह० हजूर, जिला भोपाल।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मु० परवीन जहां पुत्री श्री शकी उरूला निवासी-बुधवारा भोईपुरा; निकट छोटा तालाब, भोपाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पढ़ों का, जी सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### **जन्**स्ची

भूमि ख० नं० 1, 5/1,7 बरखेड़ी ग्रब्दुल्लाह तह० हजूर जिला भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौर्था मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल

तारी**च**: 14-1-1983

प्ररूप प्राई० टी॰ एन॰ एस०----

भ्रायक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के अओन मूचता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, धिनांक 15 जनवरो 1983

निर्वेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल 3366 अतः मुझे, देवित्रिय पन्त,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अजिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी का, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द० से ग्राधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 48 है, तथा जो चौक बाजार, जामा मस्जिद के पास भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्राकर्सा श्रधकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्राकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-5-82

को पूर्वों क्त सम्परित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐमे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रक्रिश है और धन्तरक (धन्तरकों) और प्रस्तरितो (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नांसिक्षत उद्देश्य से उश्व धन्तरण विश्वित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसो आय को बाबत उभन श्राधिनियम के मधीन कर के के मण्डरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षीप/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. गिक्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

31-466 G1/82

- (1) श्रामती ग्रनास फातमा पुत्री हाजी मुल्ला कुरवान श्रली साहब बहादुर निवासी—श्रली गंज, भोपाल (अन्तरक)
- (2) दिनेश कुमार अग्रवाल आत्मज श्री रघुनंदन अग्रवाल निवासी—इतवारा, भोपाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूजना कं राजपत्र में पडाइन की तारीख से
  45 दिन की अवधि वा तत्त्व-वाधी व्यक्तियों पर
  सूजना की तामील से 30 दिन की धविष, जो भी
  प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीवर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितक क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान नंम्बर 48 के ग्राउन्ड फिलोर की दुकान में चौक बाजार, जामा मस्जिद के पास भोपाल, में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 15-1-1983

मोहार 🛭

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन क्षेत्र,भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1983

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3367—ग्रतः मझे, देवप्रिय पंत,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

न्नौर जिसकी सख्या मकान म्युनिसपल नम्बर 48 हैं, तथा जो गणेश चौक, जामा मस्जिद के पास भोपाल में स्थित (श्रौर इसमे उपबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-5-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती श्रनीस फातमा पुत्री हाजी मुल्ला कुरबान श्रली साहब निवासी श्रलीगंज, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) विकास कुमार म्रग्नवाल म्रवयस्क नाबालिंग म्नात्मज एव वली संरक्षक श्री रघुनंदन म्रग्नवाल निवासी भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्यब्दीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसू**ची**

एक किता मकान जिसका म्युनिसपल नं० 48, दूवो मंजिला गणेश चौक जामा मस्जिद भोपाल में स्थित हैं। (मकान का एक भाग)

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 15-1-1983

मोहर

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज  $\Pi$ , कलकत्ता

कलकता, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सीं०/रेंज II कल०/1983——यतः, मुझे, एम० द्वाहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी 240/195, एस० एन० राय रोड है तथा जो साहापुर बेहाला, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय डि० श्रार० श्रलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-582

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्यार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

मतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) गनेशका इनभेष्टमेन्ट प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

(2) रक्षा चादा पक्षे हर्ष चादा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदात अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्सुची

श्रेतः 4 कठा, 11 छिटाक 30 वर्गफुट ए इच नं० 240/ 195, एस० एन० राय रोड, साहसपुर थाना बेहाला, कलकत्ता।

> एम० श्राहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज II, कलकसा-16

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज, कलकत्ता

भलकता, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रेज- $\widetilde{IV}/$ कल०/19——यतः मुझे एम. ग्रहमद,

प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का श्वारण है कि स्थावर समाति, जिनका उचित वाचार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 241/196, एस० एन० राय रोड, तथा जो साहापुर बेहाला, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० अलिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-5-82 को पूर्वोक्त सम्मात के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की वई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिश्रत प्रधिक है थीर भन्तरित स्थात का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिश्रत प्रधिक है थीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितमों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया ग्राया प्रतिकल, निम्नलिखित प्रदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से दूई किमी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बाबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाबिनियम, या बन-कर मिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यदा था या किया जाना चाहिए था, छिनान में सुविधा के सिए;

भ्रतः अव, डबत अधिनियम की घारा 269-ग के भन्सरण में, मे, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीम, नक्ति खिंदा व्यक्तिमों अर्थात् :--- (1) श्री श्रोंकार प्रसाद कानइ

(ग्रन्तरक)

(2) पायाज चादा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

**छ**कत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भो आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, औ भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का नारी ख. से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति छारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्विष्टीकरण: --इसम प्रयुक्त गक्ष्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है, वहीं सबं होगा, जो जम अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्षेत्र 4 कठा, एइच नं० 241/196, एस० एन० राय रोड, साहापुर, थाना बेहाला, कलकत्ता ।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी प्रह्रायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 7-1-83

प्रकप आई० टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी०-63/आर- $^{1}$ I-कलकत्ता/82-83—यतः मुझे, एम ० श्रहमद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० 240/195, एस० एन० राय रोड तथा जो साहापुर बेहाला, कलकसा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयेन्ट, एस० श्रार० भ्रलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-5-82

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कथ से किया नहीं किया गया है।——

- (क) वन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, शिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिया के तिए;

मतः जस, उक्त जिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित् व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) गनेशका इनवेस्टमेंट प्रा० सि०

(भन्तरक)

(2) बिश्वेसर नाथ चादा एच० यु० एफ०

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

क्षेत्र 4 कठा 11 छिटाक 30 वगफुट एइच नं० 240/ 195, एस० एन० राय रोड, साहापुर, बेहाला, कलकत्ता।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० एस० सी०-64/आर०-II/कलकत्ता82-83---यतः मुझे, एम० आहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 241/196, एस० एन० राय रोष्ठ है, तथा जो सहापुर बेहाला, कलकत्ता में हिथत है (भौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयेन्ट एस० भ्रार० प्रलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 15-5-82

को पूर्विश्रत् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए जन्त्रित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से सूर्ड किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

जतः भव, जन्म विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रोंकार प्रसाद कानइ

(भन्तरक)

(2) श्री ध्रोका ध्रशोक कुमार चादा

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बन्स्ची

क्षेत्र 4 कठा, 4 छिटाक जमीन के उपर मकान तथा जो 241/196, एस० एन० राय रीड़, साद्पुर, थाना बेहाला कलकत्ता।

> एम० श्राहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 7-1-83 मोहर: प्रहण आहूर. टी. एन एस. -----

भाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० एस० सी०/ग्रार-II/कल०/82-83---यतः मुझे, एम० ग्राहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिल वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 240/195, एस० एन० राय रोड, है तथा जो साहापुर बेहाला, कलकत्ता, में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलिपुर, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एंसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अनरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्शरक के कायित्व में कभी करा या उपसे बचने मा मृतिका के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उत्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तिकों, अर्थात् :--- (1) गनेशका इनभेष्टमन्ट प्रा० लि०

(ग्रन्तरवा)

(2) रक्षा चादा

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथा क्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस त्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दें 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृथों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र यो प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

भोज 4 कठा, 11 छिटाक, 30 बर्गफुट 240/195 एस० एन० राय रोड, थाना बेहाला, कलकत्ता।

> एम० श्राहमद महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II 54, रफीग्रहमद विद्यवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7-1-1983

प्ररूप बाई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-७ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० मो०-57/ब्रार०-II/कल०/87-83---यतः मुझे, एम० ब्राह्मद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं025/सि0, बेचाराम चाटाजि रोड है तथा चाटाजि रोड बेहाला, कलकत्ता-34 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रनूस्ची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय डी० श्रार० श्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-5-82

को प्वांकित संपत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वायत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे कुणने में तृतिभा के सिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :---

- (1) श्रीमती निहरकना देवी श्रीर सन्य
- (भ्रन्तरक)

(2) सोभना सेनगुप्त

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाश;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिस बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्षेत्र:5 कठा 6 छिटाक, 40 बर्गफुट जमीन के मकान तथा जो 25/सि० बेचाराम चाटार्जि रोड, बेहाला, कलकत्ता-34।

> एम० श्राहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, 54, रफीग्रहमद किस्वाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 6-1-83

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस ्-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1983

निर्देश सं० टी॰ श्रार०-93/82-83/SL 697/I.A.C. Acq, R.I/Cal, —यतः मुझे, एम॰ श्राहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट नं० 37 है लथा जो 105, पार्क स्ट्रीट कल० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कल० में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 14-5-82

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→→ 32—466GI/82

- (1) मोसासं ऋंटियर कोल कनमानं फुलराणी देवण, (ग्रनारक)
- (2) मि० कानी्रिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 37 (सात तल्ला में) श्रीर गाडीका घर न० 19 जो 105 नं० पार्क स्ट्रांटमों ग्रवस्थित, श्रीर 14-5-82 तारीख में डीड नं० 4094 श्रनुसार रिजस्ट्रा ग्राफ एससुरेग के दफ्तर में रिजस्ट्री हुग्रा है।

> एम० श्राहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायक्त (निरक्षिण) श्रजन रेज-II 54, रफंश्यहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

**तारीख: 14-1-1983** 

मोहर।

## प्रकृष आहे. टी. एन. एस. .....

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालुय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1983 निर्देश टी॰ ग्रार॰-104/82-83/एस॰एल 696/श्राई ए॰ सी॰ एसीक्यू/आर-<math>1/कल॰-ग्रतः मुझे, एम॰ ग्राहमद श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5 है तथा जो ग्राचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूब। में ग्रीर पुर्णा रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकार। के आर्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन तारोख 4-5-1982

को प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-रिक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत लक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-फर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) दुर्गावती दासी

(मन्तरक)

(2) श्री जावनमुख आन्वालिया जयंत तामा

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गरान्त में डिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अनाहम्बद्ध के पास विखित में किए जा सकेने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याण 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

5 ग्राचार्य जगदाश चन्द्र बोस रोड कल० मे अवस्थित 7200 वर्ग फिट, जमोन पर मकान जो डोड नं० 3788 ग्रनुमार 4-5-82 तार्र ख में सब-राजेस्ट्रार ब्राफ एन्सुटरेन्ण का दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा।

> एम० ग्रहमद सक्षन प्राधिकारी महायक आयन्न आयुन्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I 54, रफ ग्रहमद स्टिद्द टी रोड, जलसत्ता-16

तारीख: 14-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

त्रर्जन रेज बलकत्ता

बलकत्ता, दिनाक 13 जनवर। 1983

निर्देशस० 1213/एस करू०रेज-III /82-83—यतः मुझे, एम० भ्रहमदः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पन्चार उपन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का है कि स्थार प्रधात को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार प्रधात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 233-A है त्या जो एस विहारी एवेन्यू कलकता में स्थित है (श्रोर इमसे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारों के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकर्फ श्रीविनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीविन तारीख 10-5-82

को पूर्वोत्तत संपित के जिल्त बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने जा कारप है कि यथापूर वत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निनास्त उद्शस्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किश्त हो। किया गया हैं:——

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त ्राम्य के अर्थी हुई दोने क बनारक के दायित्व में कमी करन या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या

्रास्त्य विश्व क्षेत्र का आस्तियाँ के तिन्यम, 1922 के न्या का अर्थान्यम, 1922 के न्या अर्थान्यम, 1957 का 27) के न्या आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षः वर्णायायों, अथात (1) श्रामतो साधना देवी चाटाजो,

(अन्तरक)

(2) रिबन्द्र नाथ पाल

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुस्ची

233 ए, राष्ट्रबिहारि एमिन्, कलकत्ता 2 के-1 सीएच-27 Sq. ft. जमोन पर मकान।

एम० ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-III 54, २फं।ग्रहमद किदकाई रोड, कलकत्ता-16

ज्ञाराख 1**3**-1-1983 मोहर प्रस्य आधे. ही. एन. एस. -----

# भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, कलकत्ता बलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1983 निदेंग म० 1214/एस० क्यू० आर० /82-83——यत. मुझे, एम० श्चाहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 115 है तथा जो ग्रारबिन्द सरनी कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पुणें रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन तार ख 11-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्शरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिश्वित उद्वश्य से उक्त बंतरण लिश्वित में वास्तविक स्म से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वरिधनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अणूने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-गु के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती प्रतिमा रानी पालचौधुरी भ्रौर दूसरी
- (2) जदुनाथ पाल भौर दुसरा

(ग्रन्तरिती)

को सहसूचना वारी करके पृत्रावित सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-निमम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **प्रनुसूर्च**।

115, श्री अरबिन्द सरनी, कलकत्ता, 4 के-11 ch-36 Sq. ft जमीन पर मकान।

> एम० स्नाहमद सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), 54, रफोअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारो**ख** 13-1-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 12 जनवरा 1983

निर्देश मं० 1212/म्रर्जन रेज-III/82-83—-यत. मुझे, एम० म्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिमकी स० 62/17 है तथा जो वालिगज सरकुलररोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णा रूप से वणित है), रिजस्ट्र क्त्ती श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता म, रिजस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान तारीख 28-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रा देवराज मारदा

(अन्तरक)

(2) भाषाना प्रोपाटिस लि०

(श्रन्तिंग्नं:)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्तु संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सपित्त के अर्जन के सबंध म कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

62/17, बालिगज मरकुलर रोड, कलगत्ता । 8क० 7च० 26 स्क्वार फीट जमान पर मकान ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रजन रेज, कलकत्ता-16

सारीख: 12-1-1983

मोहर:

# पुरूषु बार्कः ही ्र एम ु एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जनवरं। 1983

निर्देण म० 1210 रे०/III /82-83----यतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रहा से अधिक है

श्रीर जिनका सं० 84/6 है तथा जो चन्डियोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रृनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) र्राजस्ट्रे!कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, र्राजस्ट्रे!जरण श्रीधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्राधन, तार ख 27-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रति-फल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से इ.इ. किसी बाय की बाबत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, जिल्लाखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जगदीश चन्द्र शाहा

(भ्रन्तरक)

(2) गनेश चन्द्र शाहा

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के जि़्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

84/6, चन्डिघोष रोड, कलकत्ता, 2K-8ch-3sq. ft जमोन पर मकान।

> गृम० भ्रत्मद मञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारोख: 13-1-1983

मोहर:

प्ररूप आई. टी एन एस. -----

(1) श्रां विनय चरन चटर्जी

(श्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

(2) नारायन चन्द्र भट्टाचार्जी

(ग्रन्तरितः।)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 जनवरी 1983

निर्देश सं० 1211/द्धर्जन रेज-III/82-83---यतः मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिचन बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक ही

श्रीर जिस्का एक 4 ए है तथा जो देशप्रिय पार्करोड, में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्राँर पुण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रावर्ली अधिकार। के कार्यालय कलकत्ता में रिजर्स्ट्रावरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान तार्र ख 12-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उदत अधिनियम की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिणिस व्यक्तियों, अर्थात :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पार सूचना की तामील में 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

4ए, देशप्रिय पार्करोड, नलकत्ताः 1वः० 10च० 41 स्वारफीट जमीन पर मकान (1/2 णेयर)

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रयकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रेज कलकत्ता-16

तारीख: 13-1-1983

मोहर:

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-III, बम्बई

वम्बई, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० श्रार० 3/2162/82-83—श्रतः, मुझे, एस० एच० अञ्चाग श्रबिदि,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० सर्वे नं० 132, 133 (पीटी) ग्नौर 134 है तथा जो घाटकोपर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूर्चा में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है (रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी) के कार्यालय में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5 मई 1982 डाक्यूनेंट मं० 5447/82

को पूर्वाक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबस्, उन्स्तु अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपानी में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलियित व्यक्तियों के वर्षीन है—

- (1) श्रोम को-श्रापरेटिव हार्ऊासग सोसायटी लिमिटेट (श्रन्तरक)
- (2) श्री रेवा चन्द लाधाराम रामचदानी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्रों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्स, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

### जनसर्ची

अनुसूचि जैसा कि विलेख नं० श्रार० 5447/72 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार श्रम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1982 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रव्यास भ्राबिदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बस्बई

दिनांक: 17-1-1982

मोहर :

# संघ लोक संवा आयोग

### नोटिस

# इंबीनियरी सेवा परोक्षा, 1983

नहीं दिल्ली-110011, विनांक 19 फरवरी 1983

सं. एफ. 2/5/82 प.। (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 19 फरवरी, 1983 रोल मंत्रालय (रोलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/ पर्दो पर भरी के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, अहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, खंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हदराबाव, इम्फाल, इंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मग्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पटिंद्लेबर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्सम में 7 अगस्त, 1983 से एक सम्मिलत प्रतियोगिता परीक्षा ली आयोगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुक्त केन्द्रों तथा सारीकों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पमन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितियश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएंगी (अनुबंध ।, परा 11 विवए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर सेवाओं/पवाँ के निम्निसिस्त वर्गों में भर्ती की जाएगी:—
  - वर्ग I

---सिविल इंजीनियरी

वर्ग II

---योखिक इंजीनियरी

वर्ग III

--वेच्तु वंजीनियरी

वर्ग IV ---वर्शनदुर्गानकी सवा बूर-संवार वंगीनियरी प्रत्यक वर्ग के घल्लांत विभिन्न सेवाओं/पर्वो में लगभग किलनी रिक्तियी यह शीचे वर्षाया गया है:---

# वर्षे I--सिविल वंजीनियरी चूप 'स' की सेवाम/पव

- (i) शंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंबार सेवा \* (सिविल चंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा \*
- (iv) सेना इंजीनियरी सेवा 120 (ध॰ जा॰ के उम्मीदवारों (भवन तथा सङ्क के सिये 18 धौर ध॰ ज॰ जा॰ संवर्ग/निर्माण मर्वोक्षक संवर्ग) के उम्मीदवारों के सिथे 10 धार-क्षित रिक्तियां सम्मिखित हैं)
- (v) केन्द्रीय जल भंजीनियरी \* सेवा (सिविल मंजीनियरी पद)
- (vi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा 10 (मा० जा० के उम्मीववारीं (सड़क) के लिये 1 मीर मा० जा० जा० के उम्मीववारीं के लिये 1 मार्रासित विकास सम्मिष्टित है)

- (vii) सहायक कार्यपालक इंजी-नियर (सिविस) (डाक व तार सिविस इंजी-नियरी स्कंस)
- (viii) भारतीय धायुक कारखाना 2 (ध भा के उम्मीचवारों के सेवा (इंजीनियरी वाखा) मिसे 1 रिक्ति सम्मिलित है) सिवस इंजीनियरी पच

# मुष 'बा' की सेवार्वे/पव

- (ix) सहायक इंजीनियर (सिविल) डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कंब
- (x) सहायक इंजीनियर (सिविल), घाकासवाणी का सिविल निर्वाण स्कंस

# वग-II---यांबिक इंजीनियरी युप 'स' की सेवार्वे/पव

- (i) बांबिक इंजीनियरी की भारतीय रेज सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंबार सेवा \* (योडिक पंजीनियरी पव)
- (iii) केश्वीत जल इंजीनियरी रेवा (यांक्रिक इंजीनियरी पव)
- (iv) केन्द्रीय शक्ति वंजी-नियरी सेवा (गांकिक वंजीनियरी पर)
- (v) भारतीय प्रायुक्त कारचाना 10 (भ्रव् जा० के अम्मीदवारीं भ्रेचा (कंजीनियरी प्राचा) के लिये 1 भीर भ्रव ज० जा० (ग्रांकिक) के उम्मीदवारों के लिये 1 भारतिप रिक्तियां सम्मितित है।
- (vi) बारतीय बीसेना धायुक्त 4 (स॰ व॰ वा॰ के ,उश्मीनवारों सेवा के जिय 1 रिक्ति भारजित है) (योक्ति इंजीनियरी पद)
- (vii) यौष्टिक इंजीनियरी <sup>व</sup> (शनिष्ठ) बारतीय मृ-विद्वान सर्वेजन
- (viii) द्वितिंग इंबीनियर (कनिष्ठ) बारतीय भू-विज्ञान सर्वेजन
  - (ix) सहायक प्रबन्ध (कार- ? (घ० चा० के उप्मीदवारों के बाना) (काक व तार दूर- तिये 1 रिक्ति घारिकत है) संचार कारखाना संगठन)
    - (x) सैन्य इंजीनियरी सेवा 15 (घ० जा० के उम्मीदवारों के (वैधुत् ग्रीर यौद्धिक संवर्ग) लिये 3 बारिक्षत रिक्ति ग्रीर (योद्धिक इंजीनियरी पव) ग्र० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिये 1 ग्रारक्षित रिक्ति)
  - (xi) कर्मशाला मधिकारी (याविक) ६०एम०६० कोर, रक्षा संवालय
  - (xii) केन्द्रीय वैद्युत् मीर यांत्रिक के इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पक्ष)

- (Xiii) सहायक विकास प्रविकारी \*
  (इंजीनियरी) का-पद
  तकनीकी विकास महानिदेणालय (यांद्रिक इंजीनियरी पद)
- (xiv) भारतीय श्रापृति सेवा 2 (भ्र० जा० के नस्मीववारों के (याजिक इंजीनियरी पर्व) लिये । भारिकात रिकित सम्मिलित हैं)

# मूप 'खा' की सेवायें/पद

- (XV) सहायक याधिक शंशीनसर \* मारतीय मुन्यकान सर्वेक्षण
- (XVI) कर्मणाला प्रधिकारी 4 (भ्र० जा० के उम्मीदवारों के (यांत्रिक इंजीनियरी पद) लिये 1 भारकित रिक्ति भीर भ० ६०एम० ६०कोर, रक्षा ज॰ जा० के उम्मीदवारों के लिये भवालय 1 भारकित रिक्ति सहित)

# वर्ग-III---विश्वतः इंजीतियरी

# युप 'क' की सेवा*यें|*पव

- (i) वैद्युत् इंजीनियरों कीं \* भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल मंद्रार तेवा\*
  वयु ्ईजीनयरी पद)
- (iii) केन्द्रीय वधुत और यांतिक \* इंजीनियरी सेवा (केन्द्रीय इंजीनियरी प्रव)
- (1V) भारतीय ध्रायुक्क तरखाना 6 (ध्र० जा० के उम्मीदवारों सवा के लिये 1 धारकित रिक्ति भौर (इंजीनियरी शाखा) घ० ज० जा० के उम्मीदवारों (वधुन इंजीनियरी पद) के लिये 1 धारकित रिक्ति सहित)
- (v) भारतीय नौसेना भायुक्क 6 (भ्र० आ० के उस्मीवधारों के सेवा (बखुत् इंजीनियरी सिये भारतित 1 रिक्ति भौर पव) भ्र० आ० जा० के उस्मीववारों के लिये 1 भारतित रिक्ति सहित)
- (VI) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
- (vii) सहायक कार्यपालक इंजी-नियर (वैज्युन्) (इक व सार निवित्त इंजीनियरी स्कंध)
- (viii) कर्मशाला श्रधिकारी (वैद्युत) ई०एम० ई०कोर, रक्षा मंत्रालय
  - (ix) महायक विकास ग्रीविकारी (कंजीतियरी का पद) तकनीकी विकास महानिवे-शालय (वैद्युत कंजीनियरी पत्र)
  - (x) भारतीय भापूर्ति सेवा (असुत् ईजीनियरी पव)
- (४) तैन्य इंजीनियर सेवा 25 (घ० जा० के उम्मीववारों के (वधत् भीर पालिक संवर्ग) लिये 4 प्रारक्षित रिक्ति भीर (वैद्युत इंजीनियरी पव) ६० ज० जा० के उम्मीववारों के लिये 2 धारक्षित रिक्ति सहित)

# प्रुप **'स**' से**वा** में/पद

- (xii) सहायक इंजीनियरी \* (वैणुत्) (शकाव कार सिविस इंजीनियरी स्कंध)
- (xiii) सहायक इंजीनियर (वैद्युत) \* प्राक्तशवाणी सिविल निर्माण विभाग स्कंध
- (xiv) कर्मशाला घषिकारी (वैद्युत्) ६० एम० ६० कोर, रक्षा मंत्रालय

# वर्ग IV---इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

# पुप 'क सेवार्वे/पद

- (i) सिंगनल इंजीनियरी की \* भारतीय रेल सेवा
- (ii) मारतीय रेल भंडार सेवा \* (दूर संचार/इसेन्ट्रानिक इंजीनियरी पक्ष)
- (iii) भारतीय दूर संचार सेवा 150 \*\*
- (iv) इंजीनियर, बेताए योजना धौर समन्वय स्कन्ध/ अनुष्ठवण संगठन, संचार मंत्रालय
- (v) उप-प्रमारी इंजीनियरी \* समुद्रपार संघार सेवा
- (vi) सहायक स्टेजन इंजी-नियर ब्राकाशवाणी
- (vii) सकनीकी प्रधिकारी. सिवि विमानन विमाग
- (viii) संभार प्रधिकारी 1 (रिविति प्र० ज ० जा० के उम्मीदवारों के सिविल विमानन विभाग लिये भारकित)
  - '(ix) भारतीय भायुद्ध कारखाना 3 सेवा (इंजीनियरी शाखा) (ब्लेक्ट्रानिकी बंजीनियरी पद)
  - (x) भारतीय नौसेना, आयदा 10 (प्रः० जा० के उम्मीदवारों के सेवा (क्लेक्ट्रानिकी लिये 3 प्रारक्षित रिक्सियां सम्मि-कंजीनियरी पद) शित हैं।
- (xi) केन्द्रीय शक्ति इंजी- ' नियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)
- (vii) महायक विकास अधिकारी \* (पंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महा निवेशालय, (प्लेक्ट्रानिकी दूर संचार पंजीनियरी पद)
- (Xili) कर्मवाला अधिकारो 2 (ग्र० जा० के उम्मीदवारों के (इनेक्ट्रानिकी इंजीनियरी लिये 1 अप्यक्षित रिक्ति गहित) पद), ई०एम० ई० कोर, रक्षा मंत्राक्षय
- (ˈxiv) पारतीय प्रापृति सेवा (क्ष्मेक्ट्रानिकी/दूर संचार क्रंजीनियरी पद)

# षुप 'ख' सब। यं/पव

- (XV) सहायक इंजीनियर झाकाशवाणी
- (xvi) सहायक इंजीनियर समुद्रपार संचार सेवा
- (xvii) कर्मशाला झिंछकारी (इलेक्ट्रानिकी) ई० एम० ई० कोर, रखा मंत्रालय
- (Xviii) तकनीकी सहायक (गुप 'ख') भराजपत्रित समृद्धपार संचार सेवा

भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (सिविल, यांत्रिक, वैद्युत अनेर इलेक्ट्रानिकी) के सामने दिखाई गई रिक्तियां स्थायी है।

दूसरी ओर अन्य सेवाओं और पर्वो के सामने दिखाई गई रिक्तियां अस्थायी है।

उपयुक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

\*रिक्तियां सरकार ने सुचित नहीं की है।

\*\*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार बुवारा निधारित की जायेगी।

नोट: — उपयुक्त सेवाओं /पदों पर भती नियमावली के परिशिष्ट-। मे निर्भारित परीक्षा योजना (योज-नाओं) के आधार पर की जाएगी।

3. उम्मीवनार उपर्युक्त परा 2 में उल्लिखित सेवाऑं/ पदों में से सब के लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीवनार एक से अधिक सेवा/पद के वर्ग के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नेंगिटस के पैरा 6 में उल्लिखित शूल्क जो केवल एक बार दोना होगा और प्रत्येक वर्ग के सेवा/पद, जिसके लिए यह आवेदन कर रहा है. के लिए अलग-अलग शल्क नहीं दोना होगा।

ध्यान वं 1:— उम्मीदवारों से यह अपक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं/पर्वों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों, अपने आवेदन पत्रों में उनका वरीयता कम के अनुमार स्पष्ट उल्लेख करों। उन्हों सलाह दी जाती है कि वे जितनी बाहें उतनी वरीयताओं का उल्लेख करों ताकि योग्यताकम में उनके रोक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

उन्हों नोट कर लेना चाहिए कि उन्हों सेवाओं /पदाँ पर नियमित के लिए उन पर विचार किया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी वरीयता का उल्लेख किया है और किमी अन्य सेवा यह के लिए नहीं।

ध्याम व 2:— उम्मीदवारों जिन सेवा/पद से सम्बद्ध वर्ग/ बर्गो अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी तथा दर संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अंतर्गत आने वाली स्वाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों इवारा निर्विष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनराध पर कोई ध्यान तब तक नहीं विया जाएगा जब तक एसे परिवर्तन का अनुसंध आयोग के कार्यान्तय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है। आयोग या रोल मंत्रालय उम्मीदवारों को कोई एसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन पत्र प्रस्तृत कर दोने के बाद विभिन्न संवाजां/पर्यों के लिए परिशोधित धरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए।

भ्यान व 3: जम्मीवनार केंनल उन्हीं सेवाओं और पर्दों के लिए अपनी बरीयता नताएं जिनके लिए वे नियमों, की कार्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियांगी हों। जिन सेवाओं और पर्दों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पर्दों के संबंधित परीक्षाओं में उन्हों प्रवेध नहीं विया जाएगा। अतः नियम 5 (क्ष) के अधीन परीक्षा में प्रवेध विये गये उम्मीदवार केंवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पर्दों के लिए ही प्रतियांगी बननं के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पर्दों के लिए उनकी धरीयता पर कांदें ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेध दिये गये उम्मीदवारों की करियता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पर्दों के लिए ही विया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सिचव, संघ लोक संवा आयाग, धौल-पुर हाउस, नहें विल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण (रु.2/-) दो रुपये दोकर आयोग से हाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नहें विल्ली-110011 को मनीआर्डर व्वारा या सिचव, संघ लोक सेवा आयोग को नहें विल्ली जनरल हाकघर पर दोय भारतीय पोस्टल आर्डर व्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/ पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करोती नोट स्वीकार नहीं किये जायोंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकव भूगतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। (रु.2/-) दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट : - उम्मीववारों को चेतावनी वी जाती है कि वं अपने आवेद-पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1983 के लिए निर्धारित मृद्रित पत्र में ही प्रस्तृत करें। इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1983 के लिए निर्धार्त कारों पत आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तृत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवर्यक प्रलेखों के साथ सिवव, संघ लोक सेवा आयोग, धाँलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 18 अप्रैल, 1983 (18 अप्रैल, 1983 से पहले की किसी तारीक से असम , मेघालय, अराणाचल प्रवेश, मिजारम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिविकम, जम्मू और करमीर राज्य के लव्हास प्रभाग, हिमाबल प्रवेश के लाहाल और स्पीति जिले, अंडमान और निकाशार द्वीप समृह या लक्ष्ववीप और विविधों में रहने वाले और जिनका आवेदन प्रपत्र उपर्यंक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक व्वारा प्राप्त होता है उन उम्मीद-वारों के मामले में 2 मई, 1983 तक या उससे पहले आक व्वारा अवस्य भिजवा विया जाए मा स्वयं अयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए मा स्वयं अयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए । निर्धारित तारील के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

गसम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालैंड, त्रिपूरा, सिविकस, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दास प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौंल और स्पीति जिलों, अंडमान और निकोचार व्यीप समृद्ध या लक्षव्यीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से वायोग यदि चाहै तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तृत करने के लिए कह सकता है कि वह 18 अप्रैल, 1983 से पृहसे की किसी तारीच से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, मागालैंड, त्रिपूरा, सिविकम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दास प्रभाग, हिमा-चल प्रदेश के लाहौंल और स्पीति जिले, अंडमान और निकोनवार व्यीपसमृहु या लक्षव्यीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (१) :— जो उम्मीदबार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले जाबेदन की प्रस्तृती हुतू अतिरिक्त समय के हकदार है उन्हें जाबेदन पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (जर्थात् जसम, मेचालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लव्दाच प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए जन्यथा हो सकता है कि उन्हों अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (।।) :---जम्मीववारों को सलाह वी जाता है कि बें अपने आवेदन पत्रों को स्वयं सं. लो. सें. आ. के काउंडर पत्र जमा कराएं वसवा रिजस्टर डाक व्वारा भेजें। जायोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरवायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहणे वाले उम्मीदवारों को भरें हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को 80.00 (अस्सी रुपये किनुस्चित जातियों और अनुस्चित जनजातियों के उम्मीदवार के मामले में रु. 20.00 (बीस रुपये)] का गुल्क भेजना होगा जा कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान आकचर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टच आईर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट वाक आफ इंग्डिया की मुख्य शांका नई दिल्ली में देय स्टेट वाक आफ इंग्डिया की किसी भी शांवा से जारी किये गये रेखांकित वाक ब्रायर के रूप में हो।

विश्वीतः में दहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित गुल्क भारत के उच्च आयुक्त/राजबात या विश्वीत स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परिक्षा शुल्क" के लेबाबीर्ष में जमा हो जाये और आयोवन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त मपेक्षाएं पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीजे. के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छुट बाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निशंदित शुल्क से खुट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि बावेवक या तो 1 जनवरों, 1964 और 25 गार्च, 1971 में बीच की बविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित ब्यक्ति है या वर्मा से बास्तविक रूप में प्रत्यावितित मृततः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह एक मृततः भारतीय व्यक्ति है

कों अक्त्वर 7, 1964 के भारत-श्रीलंका समभाते के अंतर्गत 1 नवस्थर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आसे बाला है या भूतपूर्व परिकास पाकिस्तान से वास्तियक विस्थापित स्पितत है जो 1 जनवरी 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के दौरान भारत प्रवृजन कर चुका था और निधारित सूलक दोने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रह. 54.00 (चववन रहपये) अनुसूचित चातियों को मामले में रह. 14.00 (चवह रहपये) की राश आपस कर दी जायेगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नाट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्त्रीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयूक्त नाट के उपवन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपयुक्त तथा नीचे के पैरा 9 के उपवन्धों को छोड़कार अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की बापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी बन्य परीक्षा या चयन के लिये आरक्षित रखा जा सकेगा।

- 9. यदि कोई उम्बीदवार, 1982 में ली गई इजीनियरी सेवा परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा के लिये आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफ ल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना ही अपना-अपना आवेदन पत्र अवदय भेज देना चाहिए ताकि वह आयोग के कार्यालय में निर्धारित तारीस तक पहुंच आए। यदि वह 1982 की परीक्षा के परिणाम के आभार पर नियुक्ति होतू अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1983 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रव्द कर दी जाएगी और शुक्त लौटा दिया जाएगा बशतों कि उम्मीदवारी रव्द करने और शुक्त वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1982 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के ''रोजगार समाचार'' में प्रकाशन की तारीस से 30 दिन के अन्दर प्राप्त हो बाता है।
- 10. बाबेबन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारों की बापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. परीक्षा की योजना की नियमावली के परिशिष्ट 1 में सम्मिलित सामन्य योग्यता परीक्षण और सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विव्यूत इंजीनियरी और इलैक्ट्रानिकी और प्रस्तपरक प्रकार के प्रक्-पत्रों में वस्तपरक प्रकार के प्रक्- होंगे। वस्तपरक परीक्षण और नमूने के प्रक्नों के विस्तृत विवरण के लिये उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका के उपा- बन्ध । को बंबिए।

एम. बालाकृष्णन उप सम्बद्ध संभ लोक संबा बायोग

# अनुबन्धः ।

# उम्मीदवारों को अनुवाश

1. उम्मीदवारों की चाहिए कि वे आवेदन प्रपत्र भरते से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देखे लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं निर्धारित शतें में हुट नहीं दी जा सकती हैं।

जावेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिये गए केन्द्रों में से फिसी एक को जहां वह परीक्षा देन का इच्छुक है अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिर्वतन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्त्रीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन बाहता है जो उसने उसत परिक्षा होतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा अधिवत्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों वाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गृणवस्ता के आधार पर विवार किया जाएगा किन्तु 7 जुलाई, 1983 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदबार को आवेदन-पत्र तथा पात्रती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पैन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जाएगा।

उम्मीदिवार यह ध्यान रखे कि आवेबन पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंधर्षिष्ट्रीय पत्रों का ही प्रयोग करना हैं। चाहें माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में धर्ज हैं तो भी उम्मीदिवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवेदन प्रपत्र में प्रविध्टि करते समय इसको भारतीय अंकों में केवल अंसर्षिष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविध्टियों स्पष्ट और स्पाठ्य हों। यिव वे प्रविध्टियों अपाठ्य या भूमिक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली भूमित या सन्वह के लिए उम्मीदिवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनां में हों या गर-सरकारी संस्थाओं में निगुक्त हों अपने आवेदन पत्र आयोग को सीध भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियेक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दरे से पह चा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीस के पहले प्रस्तृत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से हीं सरकारी नौकरी में आकरिमक या विनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैं सियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैं सियत से काम कर रहे हैं, अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हैं, उन्हें यह परिवधन (अंडर टोकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को स्चित कर दिया हैं कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आयेदन किया हैं।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने /परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर विया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रख्द कर वी जाएगी।

- उम्मीदवार को अपने बावेदन पत्र के साथ निम्निलिखित प्रलेख अवदय भेजने चाहिए।
  - (1) निभारित गुरूक के लिए रखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल बार्कर या बैंक डाफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दाव के समर्थन में प्रमाण पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए: नोदिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।
  - (2) काय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (3) वाँक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिनिधि।
  - (4) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जिस पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हाँ।

कोटो की एक प्रति को आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर भौर दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में निर्भारित स्थान प्र विपका वैनी वाहिए।

- (5) लगभग 11.5 से. मी. × 27.5 से. मी. केंद्रों बिना टिकट लगे हुए लिफाफे जिन पर आपका पता लिसा हो।
- (6) जहां लागू हो यहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने का दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की
  अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीजे
  पैरा 4)।
- (7) जहां लागू हो वहां आयु मों छुट के दावे के तमर्थन मों प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिपि (दों खए नीचे पैता 5)।
- (8) उपस्थिति पत्रक (बानेदन पत्र के साथ संसग्न विधिवत भरा हुआ।
- नोट (।) :---उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उप-युक्त मच (2), (3), (6) और (7) में उक्तिसित प्रमाण पत्री की केवल प्रतियां ही त्रस्तृत करनी है जो तरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी व्यास अभिप्रमाणित हो अथवा स्वर्ध-उम्मीदवारों दुवारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार परीक्षाको लिखित भागको परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण होतु साक्षात्कार के लिये अर्हुता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपयुक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तृत करने होंगै। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः विसंबर, 1983 में घोषित किए जाएंगे उन्हें अपने मूल प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तत करने के लिये तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण- पत्र मुल रूप में प्रस्तुत नहीं करोंगे उनकी उपमीषवारी रवद कर जाएगी और उनका आगे विभार किये जाने का वाबा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (।।):---आवंदन पत्रों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणिस प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी देनी होगी।

उपयुंक्त मद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (6) और (7) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिये गये हैं:--

# (1) (क) निर्धारित शुक्त के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रोखांकित होना चाहिए और उस पर "सचिव, संघ लोक सेना आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकधर पर दोय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर दोय पोस्टल बार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायोंगे। विस्तियत हा कटे-फटो पोस्टल सार्डर भी स्वीकार नहीं किये जायोंगे।

सभी पोस्टल आर्डिं पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने बाले डाकधर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि आं भोस्टल आर्कर न तो रेखांकित किये हों और न ही सिचय, संच लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित महीं है।

# (क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक डाफ्ट

बैंक डाप्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सिचन, संघ सोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में दोय बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए वायोंगे।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को अपने आवंदन-पत्र प्रस्तृत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) आयु का प्रमाण पत्र :— आयोग जन्म की वह तारीस स्त्रीकार करता है जो मैदिक लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विद्यविद्यालय द्वारा मैदिक कुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विद्यविद्यालय द्वारा मैदिक कुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विद्यविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैदिक लेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विद्वविद्यालय के समृष्टित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर कुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत कर सकता है।

बायुके सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकं उसी, शपथपत्र, नगर निगम से सेवा अभिलेख से प्राप्त सम्बन्धी उन्दर्भरण, क्षथा अन्य एसे द्वी प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुविशों के इस भाग में आए हुए मेर्टिक लोशन/उच्चतर भाष्त्रमिक परीक्षा प्रमाणपत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्यूक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मितिस हैं। कभी-कभी मीट्रिक नुशेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारिष्ठ नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मीट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक प्रदीक्षा प्रमाण-पत्र की भीभप्रमाणित/प्रमाणिल प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/प्रिसीपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-ममाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मीट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेषा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1—- जिसं उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयू सं संबद्ध प्रक्षिष्ट वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2—उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीद-वार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तृत करने की तारीख को मेंट्रिक लेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज हैं और इसके बाद, उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया आएगा और न उसे स्वीकार किया आएगा।

टिप्पणी 3— उम्मीववार यह भी नोट कर लें कि उनके ब्बारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीस एक बार घोषित कर देने और बायोग ब्वारा उसे अपने अभिलेश में दर्ज कर लेने के बाव उसमें बाव में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमित नहीं दी आएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्रः—उम्मीदवार को एक एसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या किन्द्री परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि एसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबर्ध अपने दावे की पुष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। अधाग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य-महीं होगा।

अयोग को अपना आविवन पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के परा 1 में निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध कालेज / विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल / रिजस्ट्रार/जीन के लिए इस आश्रम की एक प्रमाण-पत्र की प्रतिलिप भेजनी चाहिए कि उसने कहा के परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और जिग्नी प्रकान किए, जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली है।

नोट 1 :— यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उसीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए पीक्षिक रूप से अर्हता प्राप्त हो जाता है पर अभी उसू परीक्षा के परिणाम की सुचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पने के लिए आवदन कर सकता है। ओक्र उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर मकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पान होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमित अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उन्हींण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हाल में 31 अक्तूबर, 1983 तक नीचे निर्धारित प्रपन्न में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमित रहद की जा सकती हैं।

# अर्ह्न परीक्षा उत्तीर्ण दर्शाने वाला प्रमाण-पत्र

\*1 प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/क्मारी\*
सुपुत्र/सुपुत्री\* ने जो इस कालेज के/
की\* छात्र/छात्रा है . परीक्षा उत्तीर्ण कर
ली है और डिग्री प्राप्त करने के/की\* पात्र हो गए/गई\* हैं
तथा . . . श्रेणी मिली है !

\*2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/क्रमारी सप्त्र/सप्ती\* मृत्स, 19 में . परीक्षा में बैठने वाले/वाली है वैठी है और उक्त परीक्षा के परिणाम की 19 तक घोषित हो जाने की संभावना है।

> हस्ताक्षर पदनाम . सस्था का नाम स्थान जहां स्थित है

दिनांक .

\*जा शब्द लागून हों उसे कृपया काट दै।

नोट 2 — नियम 6 के परन्तुक में उल्लिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को सम्बद्ध कालेज/सस्था/विद्वविद्यालय के प्रिन्सिपल/डीन से यह दर्शाने वाले प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विद्योष विषयों में से एक विषय लेकर एम एस सी डिग्री परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/परीक्षा दी हैं।

(4) कांटोग्राफ — उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पास-पोर्ट जाकार (लगभग 5 सं. मी. × 7 सं. मी.) के फोटो की दो एक जैमी प्रतिया भेजनी चाहिए। इनमें सं एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्भारित स्थान पर धिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उत्पर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशोध ध्यान .-- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती हैं कि यदि बावदेन पत्र के साथ उत्पर पैरा 3 (2), 3(3), 3(4), 3(6) और 3(7) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक सलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टी-करण भी नहीं दिया गया होगा तो आवदेन-पत्र अस्वीकार किया जाएगा और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सूनी जाएगी।

5 यदि कोई उम्मीदवार किसी अन्स्चित जाति या अनुस्चित जन जाति का होने का दावा कर तो उसे अपने वार्व के समर्थन मे उस जिले के, जिसमे उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हो, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पन जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप मे नामित किया हो, नीखं दिए फार्म में प्रमाण-पन लेकर नसकी एक अभिप्रमाणित/

प्रमार्गुणत प्रतिलिपि प्रन्स्त करनी चाहिए। यदि उम्मीववार के माता और प्रिता दोनो की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी संलिया जाना चाहिए जहा उम्मीदवार अपनी शिक्षा संभिन्न किसी अन्य प्रयोजन सं जामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदो पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*...
सुपूत्र/सुपूत्री\* श्री... जो गाव/कस्त्रा
जिला/मण्डल\* राज्य/सघ\* राज्य क्षेत्र
जाति/जन जाति\* के/की\* है जिसे निम्न
लिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति\* के रूप
में मान्यता दी गई है:---

सविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\*।
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\*।
सविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,
1951\*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*।

[(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशाधन) आदोश, 1956, बम्बद्दे पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पजाव पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और अनुसूचित जातिया तथा अनुसूचित जातिया तथा अनुसूचित जातियां आदेश (सशाधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथों-संशोधित)]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 राष्ट्री

सिवधान (अंडमान और निकाबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियां आवशे, 1956\* अनुसूचित जातिया और अनु-सूचित जन जातियां आवशे, (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा सन्नोधित\*।

सिवधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातिया आदोष, 1962\*।

सिवधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962\*।

सिवधान (पंडिचरी) अनुसूचित जातिया आदेश, 1964\*। सिवधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)., आदेश 1967\*।

संविधान (गांआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदोश, 1968\*।

सविधान (गोआ, क्यन और वियु) अनुसूचित जन जातियां आवेश, 1968\*।

संविधान (सिविकाम) अमृसूमित जाति अनवेश, 1978\*।

3388	भारत का राजपन	, फरवरी 19,	1983 (
संविधान (सिविका	ा) अनुसृज्ञित	जन जाति	आप श,
1978*1			
संविधान (नागालैंड	) अनुसूचित	जनभातियां	वाद श,
1970*1			
** <del>*</del> *(	र आम तौर से गा इतक म क्षेत्र क्षेर	राज्य/संघ*ः में रहते/रा   र सहित)	राज्य क्षेत्र हती हैं हैं।
स्थान तारीच			
नोट:—यहां प्रयुक्त वहीं होगा जो रिप्नें की भारा 20 में हैं।	(''माम तौर से र	हते / एहती ह	का अर्थ 1950''
**पाति/जनजाति प्र अभिकारी।	भाण-पत्र कारी व	इ <b>रने के ि</b> ला	ए सकान
कलैक्टर शनर/दिप्टी मॅीअस्ट्रेट/रैंग स्ट्रेट/शाल्लुव एक्स्ट्रा मसि	जस्ट्रेट/जातीरका जिल्ही कामिश्नर/ कलैक्टर/प्रथम अटी मैजिस्ट्रेट/कि मैजिस्ट्रेट/एकर्ज स्टॅट कमिशनर। मैकेस्टाइपेंडरी	एडिशनल डिप् श्रेणी का स संघ डिबीजन क्यूटिय श	टी कामि- टाइपेंडरी ल मीज-

**बोह्य का नहीं**) (2) चौफ प्रेसीड न्सी मीजिस्ट्रेट/एउडिशनल चीफ प्रेसीड सी मीजस्ट्रेट/प्रेसीड सी मीजस्ट्रेट।

(3) रवेन्यू अफसर जिसका आहेदा तहसीलदार से कम न हो।

- (4) उस इलाके का सब-डिवीजनल जफतर जहां उम्मीद-**बार और∕वा उसका परिवार जामतौर ते रह**ता हो।
- (5) एक्षिमीनस्ट्रेटर/एक्षिमीनस्ट्रेटर का तीचव/डबलप-में द अफसर, ''लक्षव्यीप''।
- 5. (1) नियम 5 (क्ष) को अंतर्गत जायु-सीमा में छुट के सिये दावा करने वाले सरकारी कर्मचारी को अपने विभाग/कार्यालय के अध्यक्ष से नीचे दिये फार्ममें प्रमाण-पत्र की मूल प्रति प्रस्तृत करनी चाहिए।

उम्मीदबार द्वारा प्रस्तृत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि \*(1) भी/श्रीमती/कुमारी\* . . . . . . . . . कार्यालय/बिभागर्मे . . . के पद पर . . . . से स्थायी हैं।

*(2) श्री/शीमती/कुमारी		कान	द्गीय
सरकार के अभीन नियमित आधार पर अस्थायी रूप			
अकेपदपर से लगातारः	संबा	में ः	ξ <sup>,</sup> ι
<sup>*</sup> जोलागृन हो उन्संकाट द <sup>1</sup> ।			

पदनाम . . . . . . . . . मंत्रालय/कार्यालय . . . . . कार्यालय की मोहर

तारीस .

- (2) नियम 5 (ग) (2) या 5 (ग) (3) को अंतर्गत निर्धारित जागुसीमा में छूट का बाबा करने बाले और गा उक्त नोटिस के पराप्राफ 7 के अधीन शुरूक से छूट का दावा करने बाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित *व्यक्ति को निम्नलिखित प्रा*धिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ। वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 अनवरी, 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृजन पर भारत आया है :---
  - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न ,राज्यों में स्थित राहत विविदों के कीम कमांडटे।
  - (2) उत्त क्षेत्र का जिला मीजस्ट्रेट, वहां वह इस समय निवास कर रहा है।
  - (3) अपने-अपने जिलों में शारणार्थी पुनर्शास के प्रभारी अतिरेक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
  - (4) स्वयं प्रभारित सब डिबीजनल का सब डिबीजनल मफ सर।
  - (5) उन शरणाथीं नुनर्वास आजुक्त, नीसचन नंगाल/ निदशक (पुर्वात) कलकत्ता।
- (3) नियम 5 (ग) (4) अथवा 5 (ग) (5) को अंतर्गत निभारित जायुमें छूट का दावा करने बाले और/या उक्त नॉटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क में 💆 का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित वा प्रत्वावर्तित होने वाले मुलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय ते लिये गए इ.स. आवाद के प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रभाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्त<u>त</u> करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है तो अक्तूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समभौते के अधीन 1 नवस्वर, 1964 को याउसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- (4) नियम 5 (ग) (6) अथवा 5 (ग) (7) को अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ ७ के अधीन शुल्क से छ्राट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजद तावास, रंगून द्वारा दिये गये पहचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत भाया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिये

प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तरिक प्रत्यावर्णित व्यक्ति हैं और 1 जूद, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
(5) नियम 5 (ग) (8) अथवा 5 (ग) (9) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट भाहने वाले एसे उम्मीदवार को, ओ रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिष्देशक पूनःस्थापना, रक्षा मंत्रालय, से निम्निलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विषयेशी शत्र देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिगस्त क्षेत्र में फार्जी कार्यवाई के षारान यिकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुआ।
जम्मीदवार द्वारा प्रस्तूत किया जाने वाला प्रमाण-पत्र का फार्म :—
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक नस्बर श्री
हस्ताक्षर 
विमांक
(6) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अस्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 5 (ग) (14) अथवा 5 (ग) (15) की शर्तों के अधीन आयु सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधिकारियों से निम्निलिखित निर्धारित प्रपत्र में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पत्र की, एक प्रमाणित/अभि-प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए।  (क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त कार्यिकों पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि सं
एक शर्त पूरी करते हैं:  (क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण वर्षास्त या कार्यकाल होने के अलाया अन्य आधार पर कार्यम्वत हुए हैं।
(ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई जारीरिक वर्षणता या अक्षमता के कारण को कार्यम्क्स हुए हुँ।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम मूहर
स्थान

तारीब : . . . . . . . . . . . . . .

34—466GI/82

703 (414 30, 1904) a369
(स) सेवारत/काभिको पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि सं
जिनकी जन्म तिथि
2 उन्हें में कार्यमृक्त/सेवा नियृत्त होना है। जनका पांच वर्ष का कार्यकाल तक समाप्त होने को सम्भावना है।
3. उनके विरुद्ध कोई अन्शासनात्मक मामला लम्बित नहीं है।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पदनाम
मृहर
स्थान :
तारीख :
प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित हैं:
(ক) कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन
प्राप्त अधिकारियों /अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) के मामले में :
सेना - कार्मिक सेवा निद्योशलय, सेना मृख्या- लय, नर्षे दिल्ली।
नौसेना - कार्मिक सेवा निद्येशालय, नौसेना मृख्यालय, नई दिल्ली।
वायु सेना - कार्मिक सेवा निदोशालयः, वायु सेना मूल्यालयः, नद्दं दिल्ली।
(ख) नौ होना तथा वायू सेना को जनियर कमी शन प्राप्त
अधिकारियों / अन्य र को तथा समकक्ष अधिकारियों के
मामले में :
सेना - विभिन्न रोजिमेन्टल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा
नौसेना - नौसेना रिकार्ड बस्बर्दा।
वायुसेना - वाय्सेना रिकार्ड नर्द दिल्ली।
(7) नियम 5 (ग) ( X) या 5 (ग) ( XI ) (7) के अन्त- गीत आयू में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावित  मृलतः भारतीय व्यक्ति की फिलहाल जिस क्षेत्र का बह निवासी  है, इसके जिला मंजिस्ट्रेट से लिए गए प्रक्षाण-पत्र की एक  अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्त्त  करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हाआ वास्तविक प्रत्या-

- करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्या-वर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से ज्लाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (8) नियम 5 (ग) (XIII) या 5 (ग) (XIII) श के अंतर्गत आय में छूट चाहरे वाले कीनिया, उगाडा तथा संयुक्त गण-राज्य मंजानिया भूतपूर्व टांगानिका और अंजीनार से प्रवृजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया मे प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार यो उस क्षेत्र के जिला मीजिस्ट्रेट में जहां यह इस रामग निवास कर रहा है, 'लिए गए प्रमाण-पत की एक अभिश्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि यह दिखलाने के लिए

प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह वास्तव मा तपयुक्त दाका स प्रदेजन क**्षाया** हो।

- (9) नियम 5 (ग) (XVI) या नियम 5 (ग) (XVII) के अन्तर्गत अयु में छुट और/या नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में माफा चाहने वालं भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से विस्भापित प्राधित को निम्नलिखित में से किसी प्राधिकारी से इस आक्षण है प्रमाणपत्र की एक अनप्रमाणित/प्रमाणित पति प्रस्त्त करनी गाहिए कि वह जूतपर्व पित्रचम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थाणिन व्यक्ति है जो 1 जनवर्ग, 1971 और 31 मार्च, 1972 ह बोच की अवधि के दारान भारत प्रवृजन कर चुका था :--
- । विभिन्न राज्यों में ट्राजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के . शिविर कमाडन्ट;
- उस इलाके का जिला मिजिस्ट्रेट जिसमे वह फिलहाल रहता हो:
- 3. अपनं-अपने जिलों में शरणार्थी प्तर्नाम के प्रभारी कति-रिक्त जिला मजिस्ट्रेट;
  - अपनं प्रभारान्तर्गत सब डिबीजन के अन्दर सब डिबीजनल अफसर;
    - (5) शरणार्थी प्नवांस का उपाय्कत.
- 6. जो उम्मीदवार उत्पर पैरा 5 (2), (3), (4) और 5 (9) में में िक्सी भी वर्ग के अतर्गत नोटिस के पैरा 7 के अन्सार श्रुटक में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपित्रत अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुक्क दोने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तन करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रदेश दिया जा सकता है किन्तु उसे निय्कित प्रस्ताव भारत सम्कार के रोल/निर्माण और आवास/रक्षा/ उर्जा/गृपि और मिंचाई/संचार/ट्य्योग और नगर प्रित/प्रित और प्रात्ति प्रति प्रात्ति प्रमार प्रति/प्रति और प्रात्ति प्रमारण/पर्यटन और सान/जहाजरानी और परिवहन/सूचना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय द्वारा आवश्यकता पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।
- 8. उरमीदवारों को बेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-एव भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दो अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना की न छिपाए।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावर्ग दी जाती है कि वे अपन द्वार पस्तत दिए गए किसी प्रलंख अथवा उसकी प्रति की किसी पांचिष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेर-बदल करें और न ही कोई फेर-एदल किए गए/झठे प्रलंख प्रस्तृत करें। यदि एसे दो या उसमें अधिक प्रलंखों या उनकी प्रतियों में कोई अश्विध अथवा विसंगति हो ते विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तत किए जाएं।

9. आवेदन-पत्र दरे से प्रस्तृत किए जान पर देरी के कारण के इए में गह तर्ज स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रण्य ही अण्य गरीख को भेजा गया था। व्यवेदन प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस वात का ग्यव्य न होंगा कि आवेदन प्रपत्र का लाला परीक्षा में बैठने का पाप हो गया है।

10. आयाग क तामानय मा पाप्त प्रत्यक आवदन पत्र जिसमें दोर से प्राप्त आवदन पत्र भी सिम्मिलित ही को पावती ही जाती ही तथा आवदन पत्र को प्राप्त को प्रतीक के रूप मो उम्मीदवार को आवदन पंजीकारण सख्या स्चित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवदन पत्र पाप्त करने के लिए निम्मीरत अंतिम तारीख से एक माम के अन्दर पावती नहीं मिनती है तो उस तन्कार आयोग से पात्रती हो। संपर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण संख्या स्चित कर दी गर्ड है अपने आप यह अर्थ नहीं कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्थीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सचना यथाशीष्ट्र दे दी जाएगी। किन्तु गह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारील से एक महोने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक मेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए इसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।
- 12. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तृपरक परीक्षाओं होतृ उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समृत्य पृस्तिका छापी है। इसका डिजाइन एभा है जिससे सं. लो. सं. आयोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीद-वारों को सहायता भिल सके।

यह प्रितका और पिछली परीक्षाओं की नियमावली तथा पारम्पारिक प्रकार के प्रकान-पत्रों का उल्लेख करने वाले पैम्फ्लटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविन लाइन्स, दोहली-110054 के पास विकी के लिए सूलभ हैं और इन्हें उनसे सीध मेल आई र द्वारा या नकद भगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भगतान पर (।) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, ''सी'' ब्लाक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर और (।।) गवर्नमेन्ट आफ इंडिया बूक डिपो, 8-के. एस राय राइ, कलकता-1 से भी लिया जा सकता है। मैन्बल/पैम्प-फल्ट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफिसल शहरों में स्थित एखंटों से भी उपलब्ध है।

13. आबंदन-पत्रों रे सम्बद्ध पत-व्यवहार—आवंदन पत्रों से गम्बद्ध मनी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलप्र हाउत्तस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें तीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप में दिया

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण न . /रांन नम्बर प्रथवा जन्म की तारीख, यदि आवेदन पंजीकरण सं / रांत नम्बर सचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पुरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आत्रेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

भ्यान वं (1) — जिन पण आदि मा यह ब्यौरा नहीं होता,
सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया आएए।
ध्यान वं (2) — पणीवर नं समाप्त प्रों आरों के बाद यदि
प्रमीदवार से कोई ऐसा पत्र/स्वना प्राप्त
होती हैं जिस पर उसने अपना नाम और
अनुक्रमाक नहीं लिखा है, तो ऐपे पत्रों पर
कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा और न ही उन
पण कोई कार्यवाही की जाएगी।

पटे में परिशान — उम्मीतशर को इस बात की व्यवस्था कर लगी नाहिए कि उस है आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भंजे गए पत्र आदि, आन्ह्यक होने पर, उसको बदने हुए पते पर मिल जाया करें। पते भे किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी स्चना उपर्यक्त पैरा 13 ने जिल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाशीय दी जानी चाहिए। यचिए आयोग एसे परिवर्तनो पर ध्यान उने का पूरा प्रयत्न करता है किन्त इस विषय में यह कोई जिम्मदारी स्थीकार नहीं कर सकता।

## अन्धन्ध--।।

# उम्मीत्यारों को सृष्यनार्थ विवरणिका

# बस्स्परक परीदः ल

नियमावली के परिशिष्ट । में इजीनियरी की प्रत्यक जान विधा (अर्थात् सिविल, यांत्रिक प्रैचूत और इलैक्ट्रानिकी दूर भवार) के अन्तर्गत भाग-1 के प्रश्त-पत्र में आपकी परिक्षा 'विस्तु-पर्य परीक्षण' के नाम में जानी जाएगी। इस प्रकार की परिक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसके याग प्रनाश कहा जाएगा) के तिए कई सुआए गए उत्तर (जिसको आर प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हों। उनमें में प्रत्येक प्रश्नांश के निए आपको एक उत्तर चून लोग हो।

इस बिटाणिका ना उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारों में कुछ जानकारी घना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप में परिचित्त त होने के कारण अध्यक्षी की ही हानि न हो।

# (व) परीक्षण का स्वस्थ

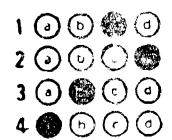
प्रका पत्र ''६ रीक्षण पुस्तिका'' के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में फ्रम सरूथा 1., 2, 3—अदि के फ्रम से प्रकांश होंगे। हर प्रकांश के नीचे a, b, c, d, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रस्यूत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक में अधिक प्रत्यूत्तर मही लगे तो उनमें में सर्वेत्तिम उत्तर का खुनाव करना होगा। (अन्त में दिए गए नमूने के प्रकांश देख लों)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रकांश के लिए आपको एक सही प्रत्यत्तर का चूनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक खुन लेंसे हैं तो आपका प्रत्यत्तर गलत माना जाएगा।

# (ग) जसर की विजिधा

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पश्रक दिया जाएगा जिसकी एक नम्ना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पश्र के साथ भेजी आएगी। आपको अपने प्रत्यूत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण प्रतक में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जायेगे।

उत्तर पत्रक (नियमावली के अंत में नमूना सलग्न) में प्रकांशों की संख्याए 1 में 160 तक चार खड़ों में छापी गई है। प्रत्येव प्रकांश के सामने 2, b, c, d, चिहुन वाले वृत्ताकार स्थान अप होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रकांश को पढ़ लेने शौड़ यह निर्णय करने के बाद कि कान सा प्रस्यूत्तर सही या

सर्वोत्तम है आपका उस प्रत्यूत्तर व उत्तर वाल तत्त व। पीन्सल म पूरी तरह भाषा बना कर उम् श्रीकृत कर देना है, रौमा कि (आपका उपर दर्शाने के लिए) नीभी दिस्साधा गया है। उत्तर पत्रक के ब्ला को काला बनान के लिए स्थाही का प्रयाग नहम करना लाहिए।



# यह अरूरी है कि:--

- प्रक्तांशां के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किरम की एच.
   पेल्सिल (पेल्सिलें) ही लाए और उन्ही का प्रयाप करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे परा मिटासर किर से सही उत्तर पर निशान लगा थे। इसके लिए आप अपन साथ एक रबड़ भी लाए।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कीई ऐसी अगावधानी न हो जिससे वह फट आए या उसके मोड व सिलवट आदि पड़ जाए या यह खराब हो जाए।

# (घ) कुछ महत्वपूर्ण बिनियम

- आपको परीक्षा आरम्भ करमें के लिए निर्धारित समय स बीस मिनट पहले पराक्षा भवन मा पह चना होगा और पह चने ही अपना म्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी की परीक्षण में प्रत्ये नहीं दिया जाएगा।
- 3 परीक्षा शृंग हाने के बाद 45 मिट तक जिसी को परीक्षा भवन छोडने की शनुमति नहीं एमलेगी।
- 4 परीक्षा समाप्त हुंने के बाद, पराक्षण प्रस्तिका और उतर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौप दें। आपको परीक्षण परिकाण परीक्षा भवन सं बाहर ले जाने की अन्त्रीत नहीं हैं। इस निरम्प का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया आएका।
- 5 आपको उत्तर पत्रक पर कछ विवरण पराक्षा भवन भे भरना होगा। आपको काछ विवरण उत्तर पत्रक पर काटबराय भी करने होंगे। इसके बारे में आपके नाम अनुद्रेश प्रवेश प्रमाण-पत्र के याथ भेजे आएगे।
- 6 परीक्षण-पृक्तिका में दिए गए सभी अनुवास कापकी सावधानी से पढ़ाने हीं। इन अनुवारों का रावधानी से पढ़ाने ने करने से आपके नम्बर कम हो सकत हैं। अगर उच्चर पश्चक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध हैं, तो उस प्रश्नाश के प्रत्यूसर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अन्देश का पालन करों। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहाँ तो जनके अनुवारों का तल्काल पालन करों।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाये, आपको अपने साथ एक एव ती. पंन्सिल, एक रबट, एक पंन्सिल दार्पनर आंग नीली या काली स्याही बाली कलम भी लानी होगी। कापको सलाह यो जाती है कि आप अपने साथ एक एक क्लिप दोर्ज या हाई बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पुर कुछ लिखा न हो।

आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्च काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

# (इ) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जान के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पूस्तिका देंगे। परीक्षण पूस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पूस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक एसा करने के लिये न कहां।

# (च) कुछ उपयोगी सुभाव

यद्यपि इस परक्षिण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा भृत्यता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासम्भव दक्षता से उपयोग करें। संतृतन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विधार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें आपके द्वारा अंकित सही प्रत्यूत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जायेंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

# (छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहै, आप लिखना बन्द कर दे। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें, जब तक निरोक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तूए ले जाए और आपको हाल छोड़ने की अनुमित दे। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है।

# नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोड---\*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्पृ की निर्विष्ट करता है)

# ा. सामान्य शहययन

बहुत अंत्राई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नीप्रधित में से किस कारण से रक्त आव होता है ?

- (a) रक्त का दाव वायुमण्डल के वाव से कम होता है।
- $^*(\mathrm{b})$  रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से ग्रधिक होता है।  $_{\scriptscriptstyle I}$
- (c) रक्त बाहिकाओं की भन्दकनी तथा बाहरी शिराओं पर वाश्व समान होता है।
- (d) रक्त का वाब बायुमण्यस्त के वाब के अनुकप बटता बढ़ता है।

# 2. (要年)

भग्हर में, फूलों का शब्ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया था सकता है।

- \*(a) वृद्धि नियंशक हारा छिड्काव
  - (b) दूर दूर पौछ लगाना
  - (०) सही ऋषु में बोबे लगाना
  - (d) बोड़े बोड़े फासले पर बीड़ो लगाया ।

# 3. (रसायन विज्ञान)

Н3 एО4 का एनहाइब्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है

- (2) VO<sub>3</sub>
- (b) VG<sub>4</sub>
- (c)  $V_2G_4$
- $\bullet$ (d)  $V_2O_5$

## 4. (मर्चेशास्त्र)

जम का एकाधिकारी शोषण निम्नेलिखित में से किस स्थिति में द्योता है ?

- (a) सीमान्त राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो।
  - (b) मजदूरी तथा सीमान्स राजस्व उत्पादन दोनो बराबर हो।
  - (०) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से प्रधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

# 5. (**वैध्**त इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को आपेकिस परावैश्वतांक 9 के पैरावैश्वत से सम्यू-रित किया गया है। यदि C मृक्त अन्तराल में संबरण वेग दशीत। है तो लाइन में संबरण का वेग क्या होगा ?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

## в. (मू-विकाम)

बैसाल्ट में ज्लेजियोक्लेस क्या होता है।

- (a) प्रालिगोमलज
- \*(b) लेबोबोराइट
  - (c) एल्बाइट
  - (d) एनाचाईठ

## ७. (गणित)

मूल बिन्धु से गुजरने वाला और  $\frac{d^2y}{dx^2} \to \frac{dy}{dx} \implies \Phi$  समीकरण को संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखिल में से किस से विविद्ध है?

- (a) y=ax+b
- (b) y-ax
- (c)  $y=aex_x+be$
- $\bullet$  (d)  $y=ae_x-a$

### 8. (मौतिकी)

एक मादर्श उज्मा इंजन 400°K, भीर 300°K, तापश्रम के मध्य कार्यं करता है। इसकी खमता निम्नलिखित में से क्या होगी रे

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

# 9. (संख्यिकी)

यवि क्रियंत्र विचर का माध्य 5 है तो असका प्रसरण निम्निसिक्ति में द्रेभया होगा?

- $(a) 4^2$
- \*(b) a
- (c) ∞
- (d) -s

# 10. (भूगोल)

वर्मा के दक्षिणी माग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर सानिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- \*(b) सर्मा को अधिकांश नवियों का बेल्टाई भाग है।
  - (c) यहां श्रेष्ठ संपदा है।
  - (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

# 11. भारतीय इतिहास

काह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बीक धर्म के उत्कर्ष काल में भी काल्पणनाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक की।
- (b) क्राह्मणवात बहुत अधिक कर्मकांड और आध्वर से पूर्ण धर्म था।
- (C) काह्मणवात के अक्युदय के साम, बिल संबंधी यक कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिये धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

# 12. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी वर्शन समृह कौत-सा है?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) अहन, वेदांत, सांख्य, चार्वाक, योग
- \*(d) बौद्ध, सांक्य, मीमांसा, चार्वाक

# 13. (राजनीति विशान)

"बृत्तिगत प्रतिनिद्यान" का अर्थ निम्नलिखित में से क्या 🧗

- \*(a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियो का निर्वाचन।
- (b) किसी समृह या किसी व्यावसाधिक समृदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व:

# 14. (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्मलिखित में में किसको निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि भावात्मक
- \*(b) अन्तर्नीद अवस्था में न्युनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

# 15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है?

- \*(a) प्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचा-रिक प्रतिनिधिस्व प्राप्त हुआ है।
  - (b) छआ। छूत कम धुई है।
  - (C) वंचित वर्गी के लोगों को भुस्वामित्व का लाभ मिला है।
  - (d) अन साधारण में शिका का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :—-उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नभूने के प्रश्नांश (प्रश्न) कीवल उदाहरण के लिए दिए गए हीं और यह जरूरी नहीं हो कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi-110011, the 16th December 1982

No. A. 32014/1/82-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis for the period mentioned against each or until further orders whichever is earlier:—

				Period for which promoted
og .				6-12-82 to 3-3-83
pal .				25-11-82 to 11-2-83
aur .			٠	1-11-82 to 6-3-83
air .				1-10-82 to 3-1-83
ıpta .				1-11-82 to 6-3-83
oy .				1-10-82 to 3-1-83
hgal <sub>.</sub>			•	1-11-82 to 5-12-82 and 7-12-82 to 6-3-83
nar .				1-10-82 to 6-3-83
				3-11-82 to 31-1-83
ora .				3-11-82 to 3-1-83
Behari	•		•	1-11-82 to 5-12-82 and
				7-12-82 to 31-12-82
mnani	•		•	31-10-82 to 30-11-82 and
arma				7-12-82 to 31-12-82 24-10-82 to 30-10-82 and
	ag . apal . aur . air . apta . oy . hgal . ora . Behari	apal	apal	apal

### The 5th January 1983

No. A.32014/2/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. M. L. Chandna, a Grade C Stenographer of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as a temporary Stenographer Grade B in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission on the basis of the Limited Departmental Competitive Examination 1981 (Rank 13) with effect from the forenoon of 15th December, 1982 until further orders. His appointment will, however, be subject to the decision of Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court.

### The 10th January 1983

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri I. N. Shørma, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and ad-hoc basis w.e.f. 27-12-82 to 26-3-83 or until further orders, whichever is earlier.

# The 1st February 1983

No. A. 11016/1/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the U.P.S.C. for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier:

S. No.	Name			Period
S/Sh				# 1 02 4 A 1 02
1. N. K	. Dhingra	•	-	5-1-83 to 4-4-83
2. Jit R	. ma			11-12-82 to 1-2-83
3. N. M	1. L. Bhatnaga	ar		6-12-82 to 1-1-83

The above officers shall draw Special Pay Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74—CS (I) at 11th December, 1975.

### The 18th January 1983

No. P.1569-Admn.II.—Consequent upon his repatriation from the rost of Research Officer in the Office of Indian Council of Historical Research, New Delhi w.e.f., 7-1-83 (A.N.) Shri V. R. Mani, a permanent Junior Research Officer (Language) in the office of Union Public Service Commission reported for duty as Junior Research Officer (L) in the office of Union Public Service Commission on 7-1-83 (A.N.).

### The 20th January 1983

No. A.32014/1/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Sunder Lal (SC) a permanent Personnel Assistent of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. PA (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely temporary and ad-hoc capacity with effect from 10-1-83 to 26-3-83 or until further orders whichever is earlier.

His appointment as Sr. PA (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basic and will not confer on him any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

### ENFORCEMENT DIRECTORATE

### FORFIGN EXCHANGE REGULATION ACT New Delhi-3, the

No. A-11/19/80.—Shri A. K. Roy, Chief Enforcement Officer (ad-hoc) in Headquarters Office of this Directorate, is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in the Jalandhar Zonal Office of this Directorate with effect from 20-12-82 (FN) and until further orders.

R. N. CHOPRA Dy. Director (Admn.)

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 24th January 1983

No. 02 PRS 308.—Consequent on his selection for appointment as Manager (Vigilance) in the National Textiles Corporation (DP&R) Limited on deputation basis, Shri H. S. Rathor, a permanent Section Officer in the Central Vigilance Commission, is hereby relieved of his duties in this Commission with effect from the afternoon of the 24th January, 1983.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

# SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 28th January 1983

No. 15016/83-Estt.—Shri Narpat Singh, Coy. Commander, 5th Bn. R.A.C. Kota (Rajasthan) joined duty as Chief Drill Instructor in the Academy on 27th January, 1983 F.N.

2. Shri Narpat Singh will be on deputation to this Academy as Chief Drill Instructor (Deputv Superintendent of Police) for a period of 3 years in the first instance from 27-1-83 and will draw pay in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus special pay of Rs. 100/- p.m.

P. D. MALAVIYA
Incharge Director
SVP National Policy Academy

# DEPARTMENT OF PFRSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 29th January 1983

No. J-14/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri J. C. Ojha, Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of

Investigation to officiate as Deputy Legal Adviser in C.B.I. on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 13-1-1983 and till 28-2-1983 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

No. K-37/65-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Krishan Kumar, Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officinte as Denuty Legal Adviser in C.B.I. on ad-hoc basis with effect from the foreness of 14-1-1983 and till 28-2-1983 or till the regular appointments are made whichever is earlier.

No. M-57/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Johri, Sr. P. P., Central Bureau of Investigation to officiate as Deputy Legal Adviser in CBI on ad-hoc basis with effect from the forenoun of 13-1-1983 and till 28-2-1983 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

### The 31st January 1983

No. K.12/65-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Cheturvedi, Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as Deputy Legal Adviser on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 13-1-83 and till 28-2-83 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

No. PF-V-8/72-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri V. N. Srivastava. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as St. Public Prosecutor on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14-1-1983 and till 28-2-1983 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

No. S-27/72-ADV.—The President is pleased to appoint Shri S. Bhattachaties. Public Projection, Central Bureau of Investigation to officiate of Sr. Public Prosecutor in CBI, on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 13-1-1983 and till 28-2-1983 or till the regular appointments are made, whichever is earlier.

No. PF/H-10/74-AD.V(Vol II).—The services of Shri H. N. Sambharya, IFS (MH-1968) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU (P) Branch on repatriation were placed at the disposal of the Government of Maharashtra with effect from afternoon of the 20th January 1983.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Dethi-110003, the 20th famory 1983

No. O.H-1461/80-Fstt.—Consequent on the expiry of terms of re-employment in the CPPF Majo B S Shorey relinquished charge to the post of OC AWS I, CRPF, Hyderabad in the afternoon of 31st December 1982.

No. O.H-1771/82-Estt.—The President is pleased to appoint on re-moloyment Major Bhir Singh (Retd.) as Asstt. Comdt. in the CRPF until further orders.

2. Major Bhir Singh took over charge of the post of Asstt. Comat. AWS II, CRPF, Rampur in the afternoon of 31st December 1982.

### The 22nd January 1983

No. O.H-1774/83-Estt.—The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr. Surendra Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad fine basis with effect from the afternoon of the 28th December 1982 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

### The 27th January 1983

No. O.II-1609/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) G. Chellankannu as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1st January 1983, subject to her being medically fit

No. O.II-580/69-Estt —The President is pleased to appoint Shii G. S. Randhawa Assit, Comdt. 45 Bn on promotion as Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders

2. Shri G. S. Randhawa took over charge of the post of Commandant on 31st December 1982 in 42 Bn. CRPF.

### The 29th January 1983

No. O.II-1305/76-Estr.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Raghubir Singh relinquished charge of the post of Dv. S. P. in CRPF on 31st December 1982 (AN).

### The 31st January 1983

No. O.II-1778/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Haribandhu Mahanty as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy, Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13th January 1983, subject to his being declared medically fit.

A K. SURI Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th January 1983

No. 11/57/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri N. G. Shah, an officer of the Government of Gujarat, working as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the circle of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmadri id on deputation basis, with effect from the afternoon of the 10th January 1983.

No 10/16/82-Ad I.—The President is pleased to appoint Shii Charan Singh, Investigator in the office of the Director of Consus Operations, Punjab, Chardigarh, as Research Officer (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New De'hi on a purely temporary and ad-hoc basis for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 10th January 1983, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

The herdquarters of Shri Singh will be at New Delhi.

### The 27 January 1983

No. 11/11/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the offices as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the date(s) as mentioned against the names or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name of the O	fficer						Office in which working	Date of appointment	Prescribed headquarters
1. Shri	i Babu Lal .	•		•			•	RG's Office, New Delhi	November 24, 198? (A.N.)	New Delhi
2. Shri	i R. S. Mecna	•	•	٠	•	-	•	DCO, Rajasthan, Jaipur	December 3, 1982 (F.N.)	Jaipur
3, Shri	R. P. Naula	•	•	•	٠	-	•	DCO, Orissa, Bhubaneswar	December 30, 1982 (F.N.)	Bhubaneswar
4. Shr	i A. G. Bhaskara	n	•	•		٠	•	DCO, Tamil Nadu. Madras	December 30, 1982 (F.N.)	Madras
5. Shri	i H. K. B. Singh	•	•	•	•	•	٠	DCO, Manipur, Imphal	November 26, 1982 (F.N.)	Imphal

1	2					3	4	5
6. Shri A, K, Paul .					•	DCO, Arunachal Pradesh, Shillong.	November 27, 1982 (F.N.)	Shillong
7. Shri V. Gangarajan .		•	•	٠	•	DCO, Tamil Nadu, Madras.	December 27, 1982 (F.N.)	Madras
8. Shri R. P. Bhatnagar		•	•	-	٠	DCO, Haryana, Chandigarh,	November 30, 1982 (F.N.)	Chandigarh
9. Shri Karan Singh .	•			٠		DCO, Punjab, Chandigarh	November 30, 1982 (F.N.)	Chandigarh
10. Shri V. V. S. Sastry	•	•		-	•	RG's Office, New Delhi	December 31, 1982 (F.N.)	New Delhi
11. Shri C. S. Bose .	•		•			DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.	November 27, 1982 (F.N.)	Hyderabad
12. Smt. V. Y. Joshi .	•		٠			DCO, Maharashtra, Bombay	December 8, 1982 (F.N.)	Bombay
3. Shri R. S. Maurya .	•	i		٠	•	DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.	December 1, 1982 (F.N.)	Lucknow
14. Shri K. Gopinathan-I	•	•	•			DCO, Kerala, Trivandrum	November 27, 1982 (F.N.)	Trivandrum

### The 28th January 1983

No. 11/98/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Sagar, Chief Secretary to the Andaman and Nicobar Islands Administration. as Director of Census Operations. Andaman and Nicobar Islands, Port Blair, in an ex-officio capacity, with effect from the 20th December 1982 (afternoon).

2. His headquarters will be at Port Blair.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th January 1983

. No. E-29020/5/82-GA,I.—The President is pleased to appoint Shri A. Chattopadhyay substantively as Assistant Commandant (Fire) in the Central Industrial Security Force with effect from the date to be decided later.

SURENDRA NATH Director General

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 22nd January 1983

No. 285/A.—The undersigned hereby appoints Shri S. G. Malekar, Inspector C.S.D. Class III Non-Gazetted, to officiate as S.S.O. for a period of one month w.e.f. 1st November 1982 and on regular basis w.e.f. 26th November 1982 as Stamp Supply Officer, Central Stamp Depot.

No. 286/A.—The undersigned hereby appoints Shri K. K. Pathak, Inspector Control of India Security Press, Nasik Road, to officiate as Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik Road, for a period of 3 months w.e.f. 10th January 1983, in the first instance.

P. S. SHIVARAM General Manager India Security Press

## SECURITY PAPER MILL

### Hoshangabad-461 005, the 13th January 1983

No C/8/11159.—In continuation to this office Notification No. C/8/7237, dated 1st October 1982, the ad-hoc appointment of Shri V. M. Pardeshi, as Assistant Chief Control Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended for a further period upto

13-5-1983 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

# OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 27th January 1983

No. CA.I/109-79.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shrl V. Natarajan, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow, to retire voluntary from Government service from 6th November 1982 under Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules 1972.

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CFNTRAL REVENUES

New Delhi, the 27th January 1983

No. Admn. I/O.O. No. 531.—Shri G. C. Jain, an officiating Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in the Bharat Heavy Electricals I imited New Delhi, with effect from 2nd July 1982 (FN) on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Government of India conveyed vide C.A.G's letter No. 137-GE II / 1-82 dated 15th January 1983.

# The 29th January 1983

No. Admn. I/O O No. 533.—The Director of Audit, Central Revenues has ordered under 2nd proviso to FR 30 (1), the proforma promotion of the following permanent Section Officer of this office to the grade of Audit Officers in the Time scale of pay of Rs. 840—40—1000 Rs. 40—1200 from the dates shown against each until further orders—

- (1) Shri S. P. Sharma-22-11-1982.
- (2) Shri K. P. Kalra-22-11-1982.

A. S. MOHINDRA Joint Director of Audit (A)

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 27th January 1983

No.  $\Delta N/I/1900/5/Vol.I.$ —Shri J. N. AGARWAL, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 14th May 1983

(his date of birth being 15th May 1925) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31st May 1983 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 31st May 1983 (AN) in terms of FR 56 (a).

No. AN/I/1902/5/Vol. I—Shri P. S. Swaminathan, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 22nd April 1983

(his date of birth being 23rd April 1925) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 30th April 1983 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 30th April 1983 (AN) in terms of FR 56 (a).

R. K. MATHUR Addl. Controller General of Defence Accounts (Adma.)

### New Delhi, the 25th January 1983

No. A.N./II/2606/83-I.—The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. No		e wit	h R. 1	No.	-			Grade	Date from which transferred to pension Establishment	Organisation		
(1)	)	(2)	)			•		(3)	(4)	(5)		
1.	S/Shrł S. K. Soni P/92	•		•		•	•	Pt. Accounts Officer	31-10-82	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.		
2.	Mohan Lal Behl P/327						٠	Do.	31-10-82	Do.		
3.	Raj Kumar Jerath P/34	•		•	•	•	•	Do.	31-8-82	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.		
4.	J. P. Sharma . (O/240)					•		Offg. Accounts Officer	30-9-82	Do.		
5.	S. N. Chadha (O/86)		•		•	•		Do.	31-10-82	Do.		
6,	Krishan Lal Bhand P/258	lati				•		Pt. Accounts Officer	30-11-82	Do.		
7.	Ramji Das Kapur P/96	•	•	٠.				Do.	30-11-82	Do.		
8.	Ajit Singh Bawa (O/426)	•	٠	•	•	•		Offg. Accounts Officer	31-10-82	Controller of Defence Accounts (ORs) Cen- tral Nagpur.		
9,	R. Raghunathan P/18	•		•	•	•		Pt. Accounts Officer	31-10-82	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.		
10.	T. K. Ramanathan (P/144)	٠.				•		Do.	31-10-82			
11.	G. W. Bhave . (O/708)	•	٠	٠	•	٠	•	Offg. Accounts Officer	31-10-82	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.		
12.	V. Subramanian (P/29)	•		•	•	•	•	Pt. Accounts Officer	31-10-82	Controller of Defence Accounts, Southern Command Poons.		
13.	V. S. Gupta . (O/11)							Offg. Accounts Officer	31-10-82			
14.	N. C. Gupta . (P/2)							Pt. Accounts Officer	31-10-82			
15.	G. Natesan . (P/71)						•	Do.	31-10-82	Do.		
16.	K. Panchapagesan (P/21)		•					Do.	30-11-82	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune		
	Kartar Singh . (P/193)	•	•		•	•	•	Do.	30-11-82			
18.	S. Kalyanakrishnan (P/24)	٠.	•					Do.	30-11-82	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.		
	B. K. Parad (O/239)	-	٠	•	•	•	•	Offg. Accounts Officer	31-12-82	Controller of Defence Accounts (Officers) Poons.		
20.	A. Jayaraman . (P/31)							Pt. Accounts Officer	31-12-82			
	Ramesh Chandra N (P/3)	/Iajun	ndar	•				Do.	31-12-82	Do.		
22.	B. P. Bhattacharyys (P/248)	ı	٠					Do.	31-12-82	Do.		
23.	Ramesh Chandra C (O/526)	hatte	rjec		•			Offg. Accounts Officer	31-12-82	Do.		

1	L		2					3	4	5
24.	S/Shri Hari Prasad Singh (O/476)							Offg, Accounts Officer	31-12-82	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meetut.
	S. B. Ghosh (P/231)			•				Pt. Accounts Officer	31-12-82	Controlles of Defence Accounts, Patna.
26.	K. L. Bharadwaj P/319		•	٠	•	•	•	Do.	31-12-82	Controller of Defence Accounts (ORs) Central, Nagpur.
	V. V. George . P/23	•	,	•	•		•	Do.	31-10-82	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradup
28.	Hans Raj Katwaria (O/59)		•	•	•	-	•	Offg. Accounts Officer	31-10-82	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun,
	V. N. Tilak (P·191)	•	٠	•	•	•	•	Pt. Accounts Officer	30-11-82	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
30.	Alfred Jung . (O/192)	٠		•				Offg. Accounts Officer	30-11-82	Do.
31.	Om Prakash Mallk (P/20)			-	•			Pt. Accounts Officer	31-12-82	Do.
32.	*	•	•		•	•	٠	Do.	31-12 82	Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut,

The Controller General of I	Defence Accounts regrets to notify	the death of the un	dermentioned A	ccounts Officer :
SI. Name with Roster Number No	Grade	Organisation		
S Shri  1. N. Subba Rao (0/504)	. Offg. Accounts officer	6-12-82	6-12-82 A.N.	Controller of Defence Accounts (ORs) Cen- tral, Nagpur.

No. AN'II/2606/83 I.—The undermentioned Accounts officers were transferred to Pension Establishment with effect from the dates shown against each on their proceeding on voluntary retirement:—

Sl. No.	Name with Roster Number						Date of voluntary retirement	Date from which transferred to Pension Establishment	Organisation		
S/Shri 1, U. S. M (O/5)		•		•	•	Offg. Accounts Officer	30-6-82	1-7-82 (F.N.)	Controller of Defence Accounts (ORs) Cen- tral, Nagpur.		
2. M. M. (O/346	L. Khanna )	•	•	•	•	Do.	30-11-82	1-12-82 (F.N.)	Controller of Defence Accounts (ORs) Cen- tral, Nagpur.		
3. Kastur (O/516		•	•		•	Do.	30 <b>-11-</b> 82	1-12-82 (F.N.)	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.		
4. Y. P. C (O/5		•		•	-	Do.	30-11-82	1-12-82 (F.N.)	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.		

A. K. GHOSH
Deputy Controller General of Defence Accounts
(Admin.)

# MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 24th January 1983

No. 3/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg, GM/DDG (in SAG-Lev. II) with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri P. S. Mani, GM . . . 29th November, 1982 [in JA (SG)]
- (2) Shri B. L. Khurana, . . . 22nd November, 1982 GM [in JA (SG)]
- (3) Shri N. Pandian, . . . 22nd November, 1982 GM [in JA (SG)]
- (4) Shri A. J. Chandra, . . . 22nd November, 1982 GM [in JA (SG)]
- (5) Shri Ravi Kumar, . . . 29th November, 1982 Director
- (6) Shri M. R. Ghosh, . . . 22nd November, 1982 GM [in JA (SG)]

No. 4/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Director/Jt. GM with effect from the date shown against them:

ate she	own against them :	
(1)	Shri A. Prabhu, Jt. Director	17th November, 1982
(2)		17th November, 1982
(3)	Shri K. M. Balachandran, Dy. GM	17th November, 1982
(4)	Shri S. Dasgupta, Jt. Director	17th November, 1982
(5)	Shri S. Ramaswamy, Dy. GM	17th November, 1982
(6)	Shri B. N. Majumdar, Dy. GM	17th November, 1982
(7)	Shri Samiran Mitra, Dy. GM	17th November, 1982
(8)	Shri Samaresh Roy, Dy. GM	17th November, 1982
(9)	Shri S. K. Das, DY-GM	17th November, 1982
(10)	Jt. Director	17th November, 1982
(11)	Shri M. P. Singh, Jt. Director	17th November, 1982
(12)	Kr. S. Ganesh Babu, Officer-in-Ty. Charge (in JAG Gr.)	17th November, 1982
(13)	Shri K. Sampath, Dy. GM	8th December, 1982
(14)	Shri N. K. Bandopadhyay, Jt. Director	17th November, 1982
(15)	Shri V. Desigamani, Dy. GM	17th November, 1982
(16)	Shri R. N. Mehtani, Dy. GM	17th November, 1982
(17)	Shri M. Venkataraman, Jt. Director	17th November, 1982
(18)	Shri K. L. Tandon, Jt. Director	17th November, 1982
(19)	Shri A. K. Sengupta, Dy. GM	17th November, 1982
(20)	Shri S. K. Mohanty, Dy. GM	17th November, 1982
(21)	Shri A. C. Gupta, Dy. GM	17th November, 1982
(22)	Shri Kalidas Pal, Dy. GM	17th November, 1982
(23)	Shri M. M. Agarwal, Dy. GM	17th November, 1982
(24)	Shri V. S. Tandon, Jt. Director	17th November, 1982
(25)	Shri A. S. Bhattacharjee Jt. Director	17th November, 1982
(26)	Shri V. Sundaramurthy, Dy. GM	17th November, 1982
(27)	Shri S. Krishnamurthy, Dy. GM	17th Novembe, 1982
(28)		17th November, 1982
(29)	Shri P. U. Bhavikatti, Dy. GM	20th November, 1982

No. 5/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Dy. GM/Jt. Director with effect from the date shown against them

OIII ()	ne date shown against them	L	.—
(1)	Shri P. C. Khurana, W.M.		31st August, 1982
(2)	Shrl A. Vinayek, W.M.		31st August, 1982
(3)	Shri B. K. Kar, W.M.		31st August, 1982
(4)	Shri P. K. Chinnadorai,		30th November, 1982

No. 6/G/83.—The President is pleased to appoint the under mentioned officers as Offg. S. O. with effect from the date shown against them :

- (1) Shri Sushil Kumar Das, 17th November, 1982 Offg. ASO
- Shri Narayan Gangopadhyay 16th November, 1982 Offg. ASO

V. K. MEHTA Director

# MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 25th January 1983

No. 12(200)/68-Admn.(G).—Consequent on his deputation to Sri Lauka for a period of three months under the LT.E.C. Programme of the Ministry of External Affairs, New Delhi, Shri A. K. Mitra, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mech.) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi, on the aftrnoon of 6th January 1983.

> C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 27th January 1983

No. A-1/1 (1130).-Shri K. V. Sivaramakrishnan, ciating Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay retired from Government Service with effect from the afternoon of December 1982 after the expiry of 6 months extension in service given to him beyond the age of superannuation w.e.f. 1st July 1982 to 31st December 1982.

No. A-1/1(1203).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. C. Ohri, J.F.O. to officiate on purely local ad hoc basis as Assistant Director (Grade II) in Directorate General of Supplies and Disposals, New July 1982 (ENDOSAL). Delhi, with effect from 20th January 1983 (FN) and until further orders.

2. The ad hoc appointment of Shri S. C. Ohri as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation,

> S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Admn.)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, the 19th January 1983

No. 524D/A-19012(3-KC)/82-19B.—Mrs. Kalpana Chakraborty, STA (Chem.), GSl is appointed on promotion to the

post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26th November 1982, until further orders.

# The 20th January 1983

No. 462B/A-19012(3-SB)/82-19B.—Mrs. Sipra STA (Chem.), GSI is appointed on promotion to the post of Assit. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26th November 1982, until further orders.

### The 22nd January 1983

No. 533B/A-12025(4-RR)/81-19B.—Shri Ramayan Ram, J.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department of Pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th December 1982, until further orders.

No. 546B/A-12025(4-DCP)/82-19B.—Shri Deorao Cheptuji Pillewan, S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department of Pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th December 1982, until further orders.

No. 559B/A-12025(4-Driller)/81-19B.—Shri Baleshwar Rai, S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect the forenoon of the 29th November 1982, until further orders.

### The 28th January 1983

No. 721B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—Shri R. S. Kuka, Sr. Tech. Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the G.S.I. on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th November 1982, until further orders.

No. 752B/A-19012(3-BM)/82-19B.—Shrl Buddhadev Mitra, S.T.A. (Chem.), G.S.I. is appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3rd January 1983, until further orders.

No. 764B/A-19012(3-AKN)/82-19B.—Shri Ajoy Kumar Nandy, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th November 1982, until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 17th January 1983

No. 4(16)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Hareswar Laskar, Field Reporter, All India Radio, Gauhati as a Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity with effect from 19th November 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

### New Delhi, the 25th January 1983

No. 1/2/83-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. C. Naik, Accountant, DDK Cuttack to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Cuttack with effect from 24th December 1982 (F.N.).

S. V. SESHADRI Dy. Director of Administration for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 25th January 1983

No. A-20012/13/75-Est.I.—Consequent on transfer and resumption of duties in the forenoon of 20th December 1982

by Shri H. Nagabhushana Rao, Officiating Maintenance Engineer in Films Division, Bombay, Shri A. Somasundram, Officiating Maintenance Engineer stood reverted to his substantive post of Assistant Maintenance Engineer with effect from the forenoon of 20th December 1982.

### The 27th January 1983

No. 6/15/54-Est.I.—The Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri R. P. Parmar, Officiating Superintendent, in the Films Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer on ad hoc basis in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 20th January 1983 until further orders vice Shri S. K. Roy, Assistant Administrative Officer retired from Government service.

V. R. PESWANI
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th January 1983

No. A-12026/35/79(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Garg to the post of Documentation Officer in the National Medical Library, Directorate General of Health Services, New Delhi, purely on ad-noc basis with effect from the forenoon of the 11th December 1982, and until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Documentation Officer Shri K. C. Garg relinquished charge of the post of Librarian Grade I in the National Medical Library with effect from the 11th December 1982 (forenoon).

No. A-12026/35/79(HQ)Admn-I.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Chaudhury to the post of Senior Documentation Officer in the National Medical Library, Directorate General of Health Services, New Delhi, purely on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 11th December 1982 and until further orders.

Consequent upon the appointment as Senior Documentation Officer, Shri V. P. Chaudhury relinquished charge of the post of Librarian Grade I in the National Medical Library with effect from the 11th December 1982 (forenoon).

No. A-12026/35/79(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Bhatt to the post of Documentation Officer in the National Medical Library, Directorate General of Health Services, New Delhi purely on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 11th December 1982 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Documentation Officer, Shri M. K. Bhatt relinquished charge of the post of Librarian Grade I in the National Medical Library with effect from the 11th December 1982 (forenoon).

T. C. JAIN Dy. Director Administration (O&M)

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-19, the 29th January 1983

No. 29-16/77-Estt.—Shri T. K. Basu, permanent Senior Research Assistant is appointed as Junior Technical Officer in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the afternoon of 31st December 1982, until further orders.

G. K. DUTT Joint Director

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 28th January 1983

Ref. No. DPS/2/1(5)/82-Adm./2751.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated September 20, 1982, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Sadananda, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the Stores Unit (DPS), Kakrapar Atomic Power Project, Kakrapar for a further period upto March 31, 1983 (AN) or until further orders whichever is earlier.

Ref. No. DPS/41/4/83-Adm/3813 —The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jayant Sharma, a temporary Hindi Translator to officiate as an Hindi Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 1st June 1982 (FN) to 31st March 1983 (FN) in the same Directorate

### The 29th January 1983

Ref. No DPS/41/11/83-Adm./3868 —The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Tilak Ram Yadav a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 12th July 1982 (FN) to 13th August 1982, (AN) in the same Directorate vice Shri B. L. Rao, Assistant Stores Officer granted leave

> K. P. JOSEPH Administrative Officer

### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra, the 28th January 1983

No TAPS/1/18(2)/77-R—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri S Thriambaknath, an officiating Assistant Personnel Officer as Administrative Officer-II on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of January 1, 1983 to February 28, 1983 vice Shri D P Kulkarni, Administrative Officer-II promoted as Administrative Officer-III on ad-hoc basis

No TAPS/1/18(3)/77-R—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs 650 30-740-35 880 EB 40-960) on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the iorenoon of January 1, 1983 to February 28, 1983 vice Shri S Thriambaknath, Asstt Personnel Officer promoted as Administrative Officer-II on ad hoc basis.

> D. P. KULKARNI Administrative Officer-III

### Maharashtra, the 1st January 1983

TAPS/1/18(3)/77-R — The Chief Superintendent, No TAPS/1/18(3)/7/-R—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960) on ad hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 6th November 1982 (FN) and upto 17th December 1982 (AN) vice Shri J L Jain, Assistant Personnel Officer proceeded on leave proceeded on leave

> C. SHANKAR, Chief Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE ISRO: SHAR CENTRE

P&GA Division

Sriharikota-524124, the 19th January 1983

No. S.C.F./PGA/Estt./3/1-72.—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Sci/Engg. 'SB' in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders

S. No.	Name	Designation	Date of appoint- ment
S/Shr	l		
1. Amru	thlal Khatpal	Sci /Engmeer SB	1-10-1982
2 B. Sh	amsunder Reddy	Sci /Engineer SB	1-10-1982
3. B. C.	Mudaliar	Sci /Engineer SB	1-10-1982
4. S. Ka	lyanam	Sci./Engineer SB	1-10-1982
5. K. N	arasımha Chary	Sci /Engineer SB	1-10-1982
6. K. Sa	mpath Kumar .	Sci./Engineer SB	1-10-1982

No. S.C.F/P.G.A./Estt/3/1-72,—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Sci./Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further

S. No	Name	Designation	Date of appoint- ment
1. K. S	Venkatesh	Sci./Engineer SB	13-9-1982
2. D. S	Sai Krishna	Sci /Engineer SB	20-9-1982
3. P. S	rinivasa Rao	Sci./Engineer SB	20-9-1982

W. VISWANATHAM Head, Personnel & General Admn. for Director

### ISRO HEADQUARTERS

Bangalore-560 009, the 18th January 1983

No. HO: ADMN: 12.25 -- Member (F&A) ISRO Council is pleased to appoint Shri S Simivasan, Accounts Assistant 'B', ISRO Headquarters as Assistant Accounts Officer in grade Rs. 650-30-740-35-880-EB 40-960 in IMAP Office, ISRO Headquarters, Bangalore of the Department of Space with effect from the forenoon of January 1, 1983 and until further

> M P R, PANICKER Sr. Administrative Officer

### ISRO SATELLITE

Bangalore-560 058, the 10th January 1983

No. 020/3(061)/83.—The Director ISRO Satellite Centre repleased to accept the resignation from the Service of Shri Manjunatha I S Sci/Engineer 'SB' and T Parameswaran, Sci/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon of December 27, 1982 and January 6, 1983 respectively.

P. N. RAJAPPA, Asstt. Administrative Officer

# VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-22, the 12th January 1983

No VSSC/EST/A/83.—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown agreed and provide with basis with effect from the dates shown against each and until further orders :-

Sl. No.	Name		Division	Date of appoint-ment
1. Shri S	Umashankar	,	IPD/PCM	11-10-1982
2. Shri Si Sharm	harad Chandra a		MAC	21-10-1982
3. Shri K	. J. Paul .		PED/PCM	8-11-1982
4. Shri B	hanu Pant	-	MAC	17-11-1982

K. P. R. MENON Admn. Officer-II (Est) for Director, VSSC

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th January 1983

No. A-38013/1/82-EA.—Shri K. V. George, Asstt. Aerodrome Officer, Office of the Controller of Aerodromes Hyderabad, Madras Region, retired from Government services on the 30-11-82 on attaining the age of superannuation.

O. P. JAIN, Asstt. Dir. of Admn. for Dir. Gnl. of Civil Aviation

### New Delhi, the 14th January 1983

No. A.38013/1/82-EA.—Shri A. T. Richard Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras retired from Government services on the 31-12-82 on attaining the age of superannuation.

### The 19th January 1983

No. A.32013/8/81-EI.—The President is pleased to appoint S/Shri M. S. Krishnan and K. Tekchandani, Deputy Directors of Communication at present working on an adhoc basis as Director of Communication to the grade of Director of Communication on regular basis with effect from 23-11-1982.

S. GUPTA, Dy. Dir. of Admn.

### New Delhi, the 30th December, 1982

No. A. 32014/3/81—ES.—S/Shri K. P. Chakraborty, J. S. Sangwan and S. S. Ashta, Administrative Officers (Group 'B' post) relinquished charge of their duties at the following offices on the dates indicated against their names:

S. No.	Name of the Officer/Designation	Name of Office	Date
	hri K. P. Chakraborty dministrative Officer	Office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta.	31-10-82 (A.N.)
2. S	hri J. S. Sangwan, administrative Officer	Office of the Regional Director, Delhi Region, SAP, New Delhi	31-10-82 (A.N.)
3. S	hri S. S. Ashta, Administrative Officer	Office of the Regional Director Delhi.	30-11-1982 (A.N.)

# The 24th January 1983

No. A.12025/3/81-ES.—The President is pleased to absorb the following officers from the Indian Air Force to the post of Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department on transfer basis with effect from 1-1-1983.

- 1. Shri S. S. Rai
- 2. Shri S. Teipal
- 3. Shri M. N. Kutty
- 4. Shri P. Balachandran
- 5. Shri M. S. Rana
- 6. Shri J. S. Kataria

# The 28th January 1983 CORRIGENDUM

No. A.12025/1/81-ES.—In the Notification issued vide No. A.12025/1/81-ES, dated the 1st January, 1983 the name of Shri Tata Lakshmi Narayana Rao, Store Officer may be substituted to read as 'Shri Tata Lakshmi Narayana'.

J. C. GARG, Asstt, Dir. of Admn.

### New Delhi, the 25th January 1983

No. A.32014/3/82-EC(Pt).—In partial modification of this office Notification No. A.32014/3/82-EC(Pt) dated the 8th Dec., 1982 the date of taking over charge in the grade

of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis in respect of Shri T. K. Ghoshal appearing at St. No. 26 may be read as 25-7-1982 (FN).

PREM CHAND, Asstt, Dir. of Admn.

# CUSTOMS, EXCISE AND GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 3rd February 1983

No. 1/CEGAT/83.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 129C of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (1) of section 35D of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and sub-section (1) of section 81B of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal hereby makes the following amendments with immediate effect in the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982, as published in Part III, Section 1 of the Official Gazette dated the 20th November, 1982:—

- (1) In rule 2, in part (ii) of the definition of "authorised representative", for the words "by the Central Government by notification in the Official Gazette", the words "by the Central Government or by an officer duly authorised in this behalf" shall be substituted;
- (2) For the existing sub-rule (2) of rule 43, the following shall be substituted:—
  "(2) The sitting hours of the Tribunal shall ordinarily be from 10.30 A.M. to 1.15 P.M. and from 2 P.M. to 4.15 P.M.", and
- (3) After rule 48, and above the signature of the Registrar, the following words shall be inserted:—
  "By Order of the Appellate Tribunal".

F. S. GILL, President

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bangalore-1, the 19th January 1983

### CENTRAL EXCISE

No. 1/83.—In exercise of the powers conferred on me by Rules 5 of Central Excise Rules, 1944, I hereby empower the Asstt. Collectors of Central Excise incharge of Central Excise Divisions to exercise within their respective jurisdictions the power of Collector under Rule 56AA of Central Excise Rules, 1944.

C. K. GOPALAKRISHNAN, Collector of Central Excise

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st January 1983

No. 1/359/69-ECIX.—Shri R. S. Sharma, Assistant Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-1-1983 (AN).

A. K. NARANG, D. Dir, of Admn.

# FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 27th January 1983

No. 16/399/82-ESTS.I.—The President, F.R.I. & Colleges, Debra Dun has been pleased to appoint Shri Satinder Dev Sharma, R.A.I. to the post of Research Officer, under the Plan Scheme "Environmental Research Stations", F.R.I., with effect from 18-12-1982 (F.N.) until further orders.

RAJAT KUMAR, Registrar F.R.I. & Colleges

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 24th January 1983

No. A-19012/1022/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Gurdas Mukhopadhyay, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engs.) on a purely temporary ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 8-11-1982.

A. BHATTACHARYA, Under Secy. Central Water Commission

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Deccan Films Private Limited

Hyderabad, the 31st January 1983

No. 712/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Deccan Films Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Volatile Oils Private Limited

Hyderabad, the 31st January 1983

No. 1435/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Volatile Oils Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad Ernakulam, the 12th January 1983

Whereas K. Anandaraya Pai and Company Limited having its registered office at Cochin is being wound up;

No. 571/Liq/560(4)/83.—And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the Company have been completely wound up and that Statement of Account (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 560 of the Companies Act. 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration to three months from the date of this notice the name of K. Anandaraya Pai and Company Ltd. will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Kerala

In the matter of Companies Act, 1956, and Magadh Quarries Private Limited

Patna, the 27th January 1983

No. (967)560/82-83/6102.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Magadh Quarries Private Limited unless cause is shown to the Contrary will be struck off the Register and the said companly will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and Industrial Modern Instruments Private Limited.

Patna, the 27th January 1983

No. 1330)560/82-83/6129.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Industrial Modern Instruments Ltd. unless cause is shown to the Contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Campanies, Bihar, Patna.

# FORM ITNS...

(1) Shri Kishin Lalchand Bhatla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kaisar Cosmopolitan Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of

Bombay, the 17 January 1983

the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/3358, 14/82.—Whereas, I, S. H. ABBAS

defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 45, H. No. 5, Plot No. 4 situated at Kaneri village Borivli

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3rd May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Scheduled as mentioned in the registered deed No. Old 650/69 New No. 896/82 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 3rd May, 1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :—

Date: 17-1-1983

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 4th January 1983

C. R. No. 62/35715/82-83/Acq. B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 671, situated at West of chord road, II Stage Bangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 2176/82-83 on 30th August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-466GI/82

(1) Smt. R. P. Shanthini, No. 66, Hutchins Road East, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) (1) A. Sunil Kumar (2) A. Anil Kumar, Both are minors represented by their National Guardian Father S. Shanker Shetty, No. 14, fl Cross, Madhavnagar, Bangalore-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2176/82-83 dated 30-8-1982) All the property hearing No. 671, West of Chord Road, II Stage, Bangalore City.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th January 1983

C. R. No. 62/34309/82-83/Acq-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17-G, situated at industrial suburb, Rajajinagar, Banga-lore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 506/82-83 on 3rd May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-hax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Canara Bright Steel Co.
 represented by Venkataraya Baliga, Azizuddin Road,
 P. B. No. 55, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri P. Venkatachalapathy & 7 others 61/62, Last Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-s may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 506/82-83 dated 3-5-1982) All that property bearing No. 17/G industrial suburbs, Rajajinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15 January 1983

C. R. No. 62/35093/82-83 'Aiq-B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. 11/26 A 11/26 B, 11/26 C situated at Heravonad village Madikari Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mercara under document No. 156/82-83 on 3 May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri R. Ramesh
  - (2) Smt. R. Vasantha
  - (3) Smt, Thayammal
  - (4) Smt. Nirmala

Nos 1 to 3 residing at

6/1A G. D. Naidu Road,

No. 4, at 6/34 Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor's)

- (2) 1. K. D. Midayya
  - 2. K. M. Thimmaiab
  - 3. K. M. Cainappa
  - 4. K. M. Appaiah a family name, Gerubone Estate, Sunticoppa Post.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 156/82-83 Dated 15-1-1983) Sy No. 11/26A of 20.85 collec Sy No. 11/26B of 15.75 Condamam Sy. No. 11/26C of 17.40 candamam situated at Heravaned village Madikeri Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 13 January 1983

C. R. No. 62/35047/83/Acq. B.—Whoreas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-at Mangalore under document No. 160/82-83

and bearing No. T. S. No. 2477A, 48, 242-Bai- R. S. No. 298, A, 48 situated at Kadri Village, Bundoor Ward, S. K. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office on 10 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. J. D. Souza, S/o Mathias D'Souza, Santa Cruz, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri U. T. Moidianabba, U. T.Moosa Kunchi, Sons of Shri Mohd. Haji Pariyal Thadha Punachal Bantwal Tq. D. K. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other pason interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 160-82-83 dated 10-5-1982) All that property beating No. T. S. No. 247-848, 242-BH, R. S. No. 298, A48, Kadri Village, Bundoor Ward, S. K. District.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 15th January 1983

C. R. No. 62 35105/82 83/ Acq-B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and, bearing

No.1/24 A & 1/24 B situated at Battathur village at Bedakdev. Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at Mercara on  $31~{\rm Mer}/(1292)$ 

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afores id property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or tary increes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is ue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shre A Kaveriappa
  - (2) A. Madappa(3) A Muthanna
  - (4) Bheemaiah
  - (5) A. Poonacha
  - (6) A. Somanna
  - (7) A. Ponnappa(8) A. Subbarah

Battathur village, Madikarı Tq.

(Transferor's)

(2) Shri K. K. Joseph S/o Late Shri K. J. Kunjamen Planta Bhuvanahally F-tate.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald paisons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 319 Dated 31-5-1982). Batta-thur village Sy. No. 1/24A & Sy. No. 1/24B Diyland,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalor

Date : 15-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalorc-560001, the 18th January 1983

C R No 62 34911 82-83/Acq B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 172 situated at H A C II stage Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 22 May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons namely—

(1) Col T Jayaram 37/3 Meane Avenue Road, Bangalore

(Transferor)

(2) M Steedevamana & M Sulochavanmana 37, A B M Avenue, Madras 28

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

(Registered Document No 538 Dated 22-5 1982) 172, H A C II stage Indusanagar, Hangilore-38

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalote

Date 1 1 1 1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej TAC Acq /1569.—Whereas, 1, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 30 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 28 May, 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shiv Charan
 S/o Shri Mool Raji Goyal
 R/o Public Park, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Smt. Shashibala W/o Shii Raj Kumai Arora R/o 20 F Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the call immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 30, situated at Gole Bazar, Sriganganagar and more fully described in the sale deed retistered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 884 dated 28-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-1-1983

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th January 1983

Ref. No. Rej/IAC Acq./1565.-Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac', 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Dudy Teh

Agri. land situated at Dudu Teh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registeration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dudu, (Maxemabad) on 7 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kumasi Purnima Surana, D/o Shri Manakchand Sulana D-146, Savitri Path, Bapu Nagar, Jaipur.

(2) M/s Alok Agaiwal Family Trust, Jaipur.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said marnov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening is given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 40 bigha 8 biswa situated at Boraj, Teh. Dudu, Listt. Jaipur, and more fully described in the sale deed resgistered by the S. R. Mozamabad Teh. Dudu, Distt. Jaipur vide No. 221 dated 7-5-1982.

> MOHAN SINGH Competent Auhority, Inspecting Assistant Commissinor of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1983

# FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipui, the 13th January 1983

Ref. No. Rej/IAC Acq./1564.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri land situated at Dudu, Mozamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dudu, Mozamabad on 7 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

. 37-466GI/82

(1) Shrimati Vimal Devi W/o Shri Manakchand Surana, D-146, Savitrupath Bapu Nagar, laipur.

(Transferor)

(2) Rajesh Sharma Family Trust, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land measuring 30 bigha a biswa situated at Boraj Distt. Jaipur, Teh, Dudu and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Mazamabad vide regn. No. 220 dated 7-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th January 1983

Ref. No. Rej/IAC'Acq./1573.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

agri, land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gullo
 S/o Shri Mukna Nai,
 Mahamandir, Jodhpur,

(Transferor)

(2) M/s Rajeev Gandhi Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd, C/o Laxmi Pustak Bhandar, Jalore Gate Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land measuring 10 bigha situated near Bhadwasia, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S R. Jodhpur vide registration No. 1315 dated 29-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th January 1983

Ref. No.: Raj/IAC (Acq.)/1574.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 22nd May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Motilal S/o Shri Papalal Solanki, Falodi, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kishanlal S/o Shri An Raj Mortia C/o State Bank of Bikaner and Jaipur, City Branch, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built house situated at Pratap Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1256 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-1-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th January 1983

Ref.; Raj/IAC (Acq.)/1575.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agri. land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18th May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shrimati Patasi Devi W/o Shri Bana Ram Nai, Manak Lav., Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Amin Khan S/o Shri Gani Khan, Manak Lav., Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 52.5 bigha situated near Manak Lav. Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1212 dated 18-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 17th January 1983

Rcf. No.: Raj/IAC (Acq)/1576.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jodhpur on 24th May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kalyan Singh S/o Shri Jankilal Dargi, Sojataia Ghanchio Ka Bas, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Pama Ram S/o Shri Cholaram Basani Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being agri. land situated in Village Bhakrasani, Teh. Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1291 dated 24-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 17-1-1983 Seal:

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Kalyan Singh, S/o Sh. Jankilal Dargi, Sojataia Ghanchio Ka Bas, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Dholaram, S/o Sh. Cholaram Basani, Jodhpur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jairpur, the 17th January 1983

Ref. No.: Raj/IAC(Acq.)/1577.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being agri. land situated in Village Bhakrasani, Teh. Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1292 dated 24-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17-1-83

as the 'said Act')

### FORM INS-

(1) Sh. Chand Karau S/o Shri Har Charan Lal Garg, Jodhpur.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sh. Amit Jain S/o Sh Sumermal Patwa, R/o 18, Jalam Vilas Scheme, Jodhpur. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jairpur, the 17th January 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Ref. No.: Raj/IAC(Acq.)/1578.--Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the

House situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Jodbpur on 3rd May 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building-ground floor measuring 1021 sq. ft. situated in Paota B-Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the SR. Jodhpur vide registration No. 988 dated 3-5-82.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 17-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Juipur, the 17th January 1983

Ref. No.: Raj/JAC(Acq.) /1579.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 3rd May 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tear under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Sh. Chand Karan S/o Sh. Har Charan Lal Garg, Jodhput.

(Transferor)

(2) Smt. Daya Patwa W. o Sh. Sumermalji Patwa, R/o 18, Jalam Vilas Scheme, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms end expressions. used berein as wre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Built house at Jalam Vilas No. 18 Block-D-Paota B- Road Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Iodhpur vide regn. No. 987 dated 3-5-1982,

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur.

Date: 17-1-83 Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh. Brij Saran Tandon S/o Sh. Keshav Saran Tondon, Station Road, Kota.

(Transferor)

(2) Sh. Laduram S/o Sh. Ramhot Lal, Station Road, Kota.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1580.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereianfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. House property situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Kota on 4-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—466GI/82

# THE SCHEDULE

Firts of the property situated at Station Road & more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota, vide registeration No. 456 dated 4-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-1-83

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1587.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-21 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jaipur on 22-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sayar Kanwai W/o Sh. Mool Singh, 315, Adarsh Nagar Joipur.

(Transferor)

(2) Sh. Ganpat Lal Gupta S/o Sh. Bansidhar, E-21, Amba Bari, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

E-21, Amba Bari, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1095 dated 22-5-1982,

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-1-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acg.)/1588.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

bearing No. Plot No. 55 situated at Tonk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Tonk on 19-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Tara Chand Jain S/o Sh. Bhanwarlal Chief Cashier S.B.B.J. Tilak Marg.-Jaipur. (Transferor)
- (2) Sh. Ram Babu Gupta, S/o Sh. Jagdish Narain Chief Cashier S.B.B.J. Tilak Marg, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 322 (6) Plot No. 55 Tonk, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Tonk vide registration No. 314 dated 19-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1590.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason so believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the School anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jodhpur on 26-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Abdul Rajak S/o Sh. Khuda Bux, Musalman Stadium Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Chandia W/o Sh. Safadia Singhi, Nagori gate, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 10.25 bigha situated near Bhadasia, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 1311 dated 26-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-1-83

### FROM I.T.N.S.--

 Sh. Safi Khan S/o Sh. Akbar Khan Sindhi of Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Guljar Grah Nirman Shakari Samiti, Ltd. Ship House Road, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. and/or

Jaipur, the 19th January 1983

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1591.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULE

Land measuring 28 bigha 12 biswa situated near Bhadasia, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1080 dated 11-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-1-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1592.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur in 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ranjeet Singh S/o Sh. Sala Ram Mali of Panjala, Teh. Jodhpur.

(Transferor)

(2) M/s Guljar Grah Nirman Shakari, Samiti Ltd. Ship House Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 28 bigha 12 biswa situated near Bhadasia, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1081 dated 11-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur.

Date: 19-1-1983

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

### COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jainur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1593.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding

Ra. 25,000/- and bearing

bearing No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jodhpur on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Bajaram S/o Sh. Bhomaramji Mali Pujla, Jodhpur.

(Transferor)

(2) M/s Guljar Giah Nirman Shekari Samiti Ltd. Ship House Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 28 bigha 12 biswa situated near Bhadasia, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1082 dated 11-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur.

Detc: 19-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sh. Shiv Lal S/o Sh. Kanhyalal Jangid, Milk Man Colony, Masuria Plot No. 313 Jodhpur. (Transferor)

(2) Sh. Ramesh Kumar S/o Sh. Champalal Oswal Bhagtawar Ka Bagh, Jodhpur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1594.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Officer at Jodhpur on 3-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 607.7 yds situated near Pal Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registeration No. 975 dated 3-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1983

(1) Sh. Shivlal S/o Sh. Kanheyalal Jangid, Milk Man Colony, Masuria Plat No. 313, Jodhpur (Transferor)

(2) Sh. Mahendra Kumar S/o Sh. Champalal Bhagtawarmal Ka Bagh, Jodhpur.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/14C(Acq.)/1595.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I and situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 243.60 yds. situated near Pal Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registeration No. 1076 dated 11-5-82.

MOHAN SINCH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jodhpur.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

39---466GI/82

Date: 19-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1596.—Whereas, J, MOHAN SINGH,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Shivlal S/o Kanhayalal Jangld, Milk Man Colony, Masuria Plot No. 313, Jodhpur. (Tionsferor)
- (2) Sh. Champalal S/o Sh. Dhurchand Bhagtawarmalji Ka Bag, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land situated near Pal Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the SR Jodhpur vide registeration No. 1077 dated 11-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1597.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 73A situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kota in 4-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sheela K. Joshi, Power of Attroney Shri Tej Bahadur Singh R/o Kotadi Gordhanpur, Kota. (Transferor)
- (2) Smt. Vimla Chhajed, W/o Sb. H. C. Chhajed, R/o Kewalnagar, Kota.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3000 sq. ft bearing plot No. 73A, Talmandi Kota, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota, vide registration No. 452 dated 4-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 17-1-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1598.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 88 situated at Jodhpur

(Doc. No. 1512/82)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur in 13-5-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Kailash Narain S/o Sh. Madan Raj, Pungal Pada Jodhpur,

(Transferor)

(2) Smt. Mohani, 193, C. Shastri Nagar, Jodhnur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 88 situated at Shastii Nagar, Sector  $\Lambda$ —Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1153 dated 13-5-1982.

MOHAN SINGH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 20-1-1983

(1) Shri Λ. Subbarao, S/o Sritamulu, Sajjapuram Tanuku.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shn K. Laxmi, W/o Shii Nageswara Rao, Pippara, Tadepalli Gudem.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD. (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 456/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-17-1A situated at Tadepalligudem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) b, any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property bearing Door No. 4-17-1A Tadepalligudem, area of 336 Sq. yds. registered with SRO, Tadepalli Gudem, vide document No. 2254/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydewbad (A.P.)

Date: 7-1-1983

#### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No. RAC. No. 457/82-83.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-92-62 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Smt. P. Sudarsana, W/o Shri Sridhar. Krishnanagar, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Ongole Venkayya, S/o Shri Nagayya, Lemallapadu, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House Property bearing door No. 5-92-62 situated in Guntur Municipal area, area of 166 sq. yds, registered with SRO, Guntur vide document No. 4987/82.

M. JEGAN MOHAN (
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

# FORM I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 458/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-92-62 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. P. Sudarsana, W/o Shri Sridhar. Krishnanagar, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Ongole Venkayya, S/o Shri Nagayya, Lemallapadu, Guntur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Property bearing door No. 5-92-62 situated in Guntur Municipal area of 325 Sq. yds, registered with SRO Guntur, vide document No. 5009/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.) Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 459/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 13-1-23 situated at Suryaraopeta Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on May, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1)

- 1. Ch. Ramakrishnarao. 2. Ch. Suryanarayanamurty, 3. Ch. Dakshinamurthy,
- 4. Ch. Annapoorna,

5. D. Mahalaxmi, 6. D. Ramachandramma,

(2 to 6 being represented by their general Power of Attorney Holder under 1. Ch. Ramakrishnarao, S/o Ch. Reddi Dikshitulu, Kakinada)
7. Ch. Perayya Sastry, adopted S/o Ch. Suryanarayana, Kakinda.

(Transferor)

(2) 1. Y. Jayalaxmi
W/o Sriramchandra Chowdary, Kakinada,
2. M. V. Subbayya, Chowdary,
S/o Late M. Apparao, Kakinada,
3. Y. Latchanna Chowdary,

S/o Sriramachandra Chowdary, Kakinada. Y. Vimalakumari,

D/o Y. Sriramachandra Chowdary, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as-are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing Door No. 13-1-23, Main Road, Suryaraopeta, Kakinada, 777 Sq. yrds registered with SRO, Kukinada, vide document No. 3756/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hvderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri B. Ratnam, S/o Shri Mukkanti, Venigandla. Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Padamata, Vijayawada.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 460/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 322 situated at Venigandla, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at,

Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: — 40—466GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur, in D. No. 322, area of 1-06 Cents, registered with SRO, Guntur, vide document No. 5145/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Hyderabad, the 7th January 1983

Fcf No RAC: No. 461/82-83.—Whereas, I, M. II GAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 situated at Venigandla, Guntur and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri M. Daniyelu, S/o Shri Ammayya, Shri M. Ch. Narasayya, Shri M. P. Venkayya, Shri M. Yesu

R'o Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Padamata, Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 52 Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur in D. No. 24, area of 1-65 Cents, registered with SRO, Guntur, vide document No. 5144/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the 'said Act', to the followine persons, namely :--

Date: 7-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No RAC. No. 462/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 18 situated at Venigandla Guntui
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act.
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other essets which have not been of which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. mamely:—

(1) 1. Smt. B. Pitchamma, W/o Shri Pedavemayya,

-2. Shri B. Ch. Vemayya.
3. Shti B. Narasayya,
S./o. Shri Kotayya

S/o Shri Kotayya, 4. Shri B. Kotayya, R/o Venigandla. Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Padamata, Vijawada

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur, in D. No 18, area of 0-66 Centrs, registered with SRO, Guntur, vide document No. 5137/82.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

S-21

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 463/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 33 situated at Venigandla Guntur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Ch. Nagayya, S/o Shri Amarayya, Venigandla. Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Vijawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur in D. No. 33, area of 1-31 Cents, registered with SRO Guntur, vide document No. 5095/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC. No. 464/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18 situated at Venigandla Guntur

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Prasada Rao, S/o Shri Nagayya, Venigandla. Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Vijawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur, in D. No. 18, area of 1-50 Centes registered with SRO, Guntur, vide document No. 5089/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No. RAC. No. 465/82-83.—Whereas, I, M. JI GAN MOHAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21 situated at Venigandla Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Bikarinayak, S o Shri Aryanayak,
 Shri B. Kotanayak,
 Shri Gumra Nayak,
 Shri Bikarinayak,
 R/o Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur in D. No. 21 area of 0-62--1/2 Cents. registered with SRO, Guntur, vale document No. 4989/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydetabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Sear

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No RAC No. 466/82-83.--Whereas, I. M JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. 21 situated Venigandla Guntur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri B. Bikarinayak, S/o Shri Alsanayak, 2. Shri K. Nayak, S/o Shri Sahrunayak, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur in D. No. 21, area of 0-62-1/2 Cents registered with vide document No. 4988/82. SRO, Guntur,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Rcf. No. RAC. No. 467/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21 situated at Venigandla, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Ramulu Nayak, S/o Shri Bikari Nayak, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Shri Akkayya, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur in D. No. 21 area of 1-05 Centrs, registered with SRO, Guntur, vide document No. 4982/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 468/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 25-B situated at Venigandla, Guntur,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linklity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—466GI/82

(1) Shri B. Bikari Nayak, S/o Alsa Nayak, Venigandla, Guntur. (Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Akkayya, Vijayawada, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur, in D. No. 25-A, area of 0-67 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 4967/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 469/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 42 situated at Venigandla Guntur,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gantus in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

(1) 1. B. Veerayya, S/o Kotayya.

 B. Balananandarao, S/o Kotayya, residents of Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) P. Parwati, D/o Venkata Krishna Rao, Nallapadu, Laxminarasimhapuram, Guntur Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur, in D. No. 42 area of 0.89 Cents, registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 5090/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 470/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 31 situated at Venigandla, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) B. Sambayya, S/o China Subbayya, Venigandla, Guntur. (Transferor)
- (2) Shrimati P. Parwati, D/o Venkata Krishna Rao, Nallapadu, Laxminarasimhapuram, Guntur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Gun'ur, in D. No. 31 area of 0-54 Cents, registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 5093/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderahad (A.P.)

Date . 7-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri K. Kota Nayak S/o Reddamma Nayak, Venigandla, Guntur. (Transferor)

(2) Shri P. Parwati, D/o Venkata Krishua Rao, Nalla-Padu, Laxminarasimhapuram, Guntur. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 471/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33 situated at Venigandla Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla village of Guntur, in D. No. 33, area of 1-44 Cents, registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 5285/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of section 269G of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1983

(1) Shri B. Nagayya, S/o Porovya, Venigandla, Guntur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii P. Paiwati, D/o Venkata Kiishna Rao, Nallapadu, Laxminarasimhapmam, Guotur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC 472/82-83.--Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

302 situated at Venigandla Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, Village of Guntur in D. No. 302 area of 0.54 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5287/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inceme-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date · 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDI RABAD (A P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref No RAC No 473/82-83 —Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No

37 situated at Venigandla Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntui in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facil taking the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii L Hanumanayak, S/o Bheechakayin, Venigandla, Guntur.

  (Transferor)
- (2) Shiimati P Parwati, D/o Venkata Krishnarao, Nallapadu, Laxminarasimhapuram, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla village of Guntur, in D No. 37 area of 1.35 Cents, registered with SRO, Guntur, vide document No. 5288/82

M IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renne, Hydenabad (AP)

Date 7-1-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 474/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41 situated at Venigandla Guntur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gruntur in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shaik Mohd, Saheb S/o Mastan Saheb, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Parwati, D/o Venkata Krishna Rao, Nallapadu, Laxminarasimhapuram, Gyntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur, in D. No. 41 area of Ac. 1-10 Cents, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 5293/82.

•M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 475/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 20-4-1/4 situated at Ramachandrapura, Guntur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the ebiect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Ch Adiseshagiranma, W/o Balakoteswararao, Kamachandrapula Agiaharam, Guntur. (Transferor)

(2) 1. Manak Chand, S/o Makanchand,2. Pukh Raj, S/o Pradipir, Residents, of R. Agraha-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ram. Guntur

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing door No. 20.4.1/4, Ramachandrapura Agraharam, Block No. 22 T.S. No. 834 Guntur, area of 2937/9 Sq. yds. registered with SR.O., Guntur vide document No. 5351/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri T. Kotanayak S/o Seetanayak, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Akkayya, Padamata, Vijayawada.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 476/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25/A situated at Venigandla, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village of Guntur, in D. No. 25/A, area of 1-50 Cents, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 5284/82.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—42—466GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 477/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 31/1 situated at Venigandia, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometer Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) Shri K. Sudarsanam, S/o Venkayya, Venigandla, Guntur.

(Transferor)

 Shii P. Anparao, S/o Akkavva, Padomata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandla, village near Guntur in R.S. No. 31/1/area of Ac. 1-33 Cents, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 5298/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 478/82-83.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN.

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25/B situated at Venigandla, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfet;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 1. K. Laxmi Ramnayak, S/o K. Reddemma Nayak Venigandia, Guntur.
 2. K. N. Nayak, S/o Laxminarayana,

2. K. N. Nayak, S/o Laxminarayana residents of Venigandla, Guntur,

(Transferor)

(2) Shri P. Apparao, S/o Akkayya, Padamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land at Venigandia, village of Guntur, in R. S. No. 25/B, area of Ac. 1-00 registered with S.R.O., Guntur vide document No. 4965/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

### FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 479/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 3-677 situated at Perala Chirala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati P. Ramayamma, D/o Late Venkata Narasimbarao, Perala, Chirala, P.O., 523155. (Transferor)
- (2) Shri S. Narasimharao, Pr. in Mps. Sri Venkateswara Traders, Perala Chirala.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property 3-677 Perala, Chirala P.O., Municipal Ward No. 4, Valuation Ward No. 2-4, part, T.S. Ward No. 2, Block No. 2, T.S. No. 27, area of 1500 Sq. ft, and 1200 Sq mtrs., registered with S.R.O., Chirala, vide document No. 1489/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 480/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

T. S. No. 542 situated at Powerpeta, Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Eluru in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) G. Bhaskara Rao, S/o Appalaswami, Eluru.
  (Transferor)
- (2) J. Satyanarayanarao, S/o Seetharamarao, Eluru. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

RCC roofed building and tiled roofed godown situated in present 14th Ward, with T. S. No. 542 door No. 22B-12.6 Power Peta, Eluru 526.6.7-1/2 Sq. yds., registered with S.R.O., Eluru vide document No. 3568/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC/No. 481/82-83,--Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ks. 25,000/- and bearing

No. 280-C, 280D, & 282 Gundimeda sittuated at Managalagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mangalagiri in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Eluru Tq., West M. Anjanychowdary, Kovvali, Godavari Dt.

(Transferor)

(2) K. Laxmayya, S/o Nara yana Managing Trustee of Koneru Laxmaiah, Foundation Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in Gundimeda, S. No. 280-C, 280-D, 282 Ac., 3-65 registered with S.R.O., Mangalagiri, Guntur Dt., vide document No. 2009/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (Λ.P.)

Date: 7-1-83 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC/No. 482/82-83.—Whereus, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 282 situated at Gundimeda Mangalagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer

at Mangalagiri in May, 1982

PART III—SEC. 1]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Sakti Engineering Co., Managing Partner Sri K. Laxmayya, S/o Narayya, Vijayawada.
  (Transferor)
- (2) M/s. Koneru Laxmayya Foundation represented by managing Trustee Sri Koneru Laxmayya, S/o Narayya, Vijayawada.

  (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land Ac. 10.53 Cents in R.S. No. 282 og Gundimeda in Mangalagiri Tq., Guntur dt., registered with S.R.O. Guntur vide document No. 2001/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

Ref. No. RAC No. 483/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 7 situated at Ramanayyapeta, Kakinada (1974) the competited in the Schedule approved.

R.S. No. 7 situated at Ramanayyapeta, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri J. Venkatarao, S/o Appalaju, Timmapuram, Kakinada,

(Transferor)

(2) Doctor Baba Saheb Ambedkar, National Service Society, Regd. No. 46 of 1979 by president Sri B. Suryananayana Murthy, S/o Subayya, Elwinpeta, Kakinada.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land of 2-00 Acrs., at Ramanayyapeta, village of Kakinada, in R.S. No. 7 registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 3619/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th January 1983

R f. No. RAC-No. 484/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing' No.

R.S. No. 7 situated at Ramanayyapete situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—46GI/82

(1) Shri J. Venkattarao, S/o Apalaraju, Timmapuram Kakinada.

(Transferor)

(2) Doctor Baba Saheb Ambedkar, National Service Society, Regd. No. 46, of 1979 by President Sri B, Suryunarayanamurthy, S/o Subbayya, Elwinpeta, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land of 2-00 Acrs., at Ramanayyapeta, village of Kakinada in R.S. No. 7 registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 2539/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-83

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

LOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3904.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beteinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) the control for an under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatanda in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

to the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:~

- (1) Shri Kurtar Singh, Mukhtiar Singh, Ss/o Shri Bhola Singh, R/o Multania Road, Bhatinda.

  (Transferor)
- (2) Shri Krishna Gupta W/o Harbans Lal, R/o Chowk D.C. Office, Bhatında. 2. Vinod Kumar S/o Madaa Lal, Atta Chakki Sirki Bazar, Bhatinda. 3. Surinder Kumar S/o Des Raj, C/o Sirki Bazar, Bhatinda. 4. Ranjit Kumar S/o Tarlok Chand C/o Malhotra Cloth House, Sirki Bazar, Bhatinda. (Transferee)

\*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1320 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhan

Date: 18-1-1983

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 18th January 1983

Rcf. No. A. P. No. 3505.—Whereas, f, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per scheduled situated

at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Joginder Singh S/o Kehar Singh R/o Paras Ram Nagar Near Gatta Factory, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Amarjit Singh S/o Notha Singh V. Ladu Kuma Dist. Kurukshetra. 2. Jugraj Singh S/o Bhag Singh, Barrelta. 3. Mandeep Singh. S/o John, Bhatinda. 4. James S/o Amar Dass, Bhatinda. 5. Saroj Bala W/o Hans Raj, Bhatinda, 6. Dhanpat Rai S/o Ram Narain R/o Bhatinda.

(Transferec)

- \*(3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1345 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 18-1-1983

ಹಾರ್ಷ. ಕಟ್ಟಡಿಕ ಹಾ

#### FORM I.T.N.S.--

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3906.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Guru Teg Bahadur Negar, Julandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurcharan Singh S/o Jaswant Singh r/o 34, Gur Teg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Jasvir Singh S/o Kharak Singh r/o V. Phallai Teh. Phagwara.

(Transfer**c**e)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned by

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons 1/5th Kothi situated in Gur Teg Bahadur Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1233 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3940.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated

at G. T. Road, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. P.S.J. Construction Pvt. Ltd. 119-120, Scindhia House, New Delhi-110001 through Sh. Parphash C. Jain (Director).

(Transferor)

(2) Sardara Singh Saggu S/o Notha Singh and Gurcharanjit Singh Saggu, Amrik Singh Saggu S/o Sardara Singh Saggu and Smt. Sawaran Kaur W/o Mchanga Singh Saggu and Smt. Ramandip Kaur Saggu W/o Sh. Jaspinder Singh Saggu R/o Kapurthala Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Building over a plot of land measuring 4 Kis. 2 Mls. 186 Sq. ft. situated at Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1210 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date :29-1-1983

#### FORM JT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th January 1983

Rcf. No. A. P. No. 3798.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or watch ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this motice under cubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Havipal Singh S/o Ujagar Şingh, R/o V. Kingra Tehsil Jalandhar.
  - (Transferor)
- (2) Major Ravinder Singh, S/o Amrik Singh, R/o B-2, Bhim Road, Jalandhar Cantt,
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferec)

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 43 Mls. 104 Sq. ft. situated in Village Kingra Tehsil Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1187 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I., GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-1-1983

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3799.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1)Shri Haripal Singh S/o Ujagar Singh, R/o V. Kingra Tehsil Jalandhar.
  - (Transferor)
- (2) Jagjit Singh, S/o Amrik Singh R/o B-2, Bhim Road, Jalandhar Cantt.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. 3 Mls. 104 S. ft. situated in V. Kingto & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1258 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalanthar

Dute: 5-1-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3800.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Haripal Singh S/o Ujagar Singh, R/o V. Kingra Tehsil Jalandhar.
- (2) Mohinder Singh Sadhu, S/o Surat Singh R/o V. Butter Kala, Distt, Amritsar. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 15 Mls. 76 S.ft. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1281 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3801.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44-466GI/82

- (1) Shri Haripal Singh s/o Ujagar Singh, V. Kingra Teh. Jalandhar.
- 2) Shri Gurdial Singh Bhinder s/o Piara Singh r/o V. Talwandi Bhinder, Distt Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land measuring 15 Mls. 76 S. ft. situated in V. Kingra & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1282 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

I. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 5-1-83.

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3802 & 3805.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property baying a fair market walks

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule

situate at Basti Sheikh, Jalandhar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Labh Singh s/o Santa Singh r/o W.Q.1, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(1) Shrimati Sarbjit Kaur w/o Baljit Pal Singh r/o V. Gurha Teh. Phillaur, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (d) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1/4th share (each deed) No. BX/1453/4 (1657) situated in Basti Sheikh, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 1212 & 1266 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3803.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Labh Singh s/o Santa Singh r/o W.Q.1, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Baljit Paul Singh s/o Lal Singh r/o V. Gurha, Tch. Phillaur, Distt. Jalandhar.
- (3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/4th share B-X-1453/4 (1657) situated in Basti Sheikh, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1236 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83.

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3804,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Puran Singh s/o Santa Singh r/o W.Q. 1, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Baljit Paul Singh s/o Lal Singh r/o V. Gurha, Teh. Phillaur, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/4th share B-X-1453/4 (1657) situated in Basti Sheikh, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1259 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3806.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at New Vijay Nagar, Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mulkh Raj s/o Mela Ram, r/o 180, New Vijay Nagar, Jalandhar.
- (2) Shri Vijay Kumar, Vinod Kumar Ss/o Sant Ram r/o 180, New Vjay Nagar, Jalandhar.
  - (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/2 House No. 180 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1434 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3807.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at New Vijay Nagar, Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

New Delhi in May 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property by the issue of this notice under tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Mulkh Raj s/o Mela Ram, r/o 180, New Vijay Nagar, Jalandhar.
- (Transferor) (2) Shri Prem Sagar, Romesh Kumar ss/o r/o 180-New Vijay Nagar ,Jalandhar. Sant Ram

(Transferec ) (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/2 House No. 180, New Vijay Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1489 of June. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83. Seal:

(Transferce)

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3808.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedulc situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Surrinder Pal Jain s/o Babu Ram r/o 229, Adarsh Nagar, Jalandhar.
- (2) M/s. Thaker Dass & Co. Basti Baba Khel, Jalandhar.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property building situated at Kapurthala Road, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 992 of May, 82 of the Registering Ruthority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 6-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3809.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shri Gurbant Singh s/o Bhagat Singh r/o V. Ramidi Tch. Kapurthala.
- (Transferor) (2) M/s. Hans Raj Mahajan & Sons, Pvt. Ltd., G. T. Road, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property 1/8th Bldg, No. 135 situated at G.T. Road, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1049 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3810.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per Schedule situated at Kingra Teh. Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
45—466GI/82

- (1) Shri Balbir Singh s/o Munshi Ram, s/o V. Kingra Teh, Jalandhar.
- (2) Shri Ram Pal s/o Sant Ram 1/o 46, Joti Nagar, Jalandhar, 2. Kundan Lul s/o Charan Dass r/o 13, Shankerpura, Jalandhar, (3) Vijay Kumar Vij s/o Suraj Parkash r/o 313-L. Model Town, Jalandhar
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows

rson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property House situated at V. Kingra & Persons as mentioned in the registering sale deed No. 1084 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3811.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Dilbagh Nagar, Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 190b) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, a weely:—

- Shrimati Parkash Kaur 'Uff' Pargash Kaur w/o Ram Singh through General Attorney Sardar Singh r/o 101, Dilbagh Nagar, Jalandhar.
- (2) Shri Joginder Paul s/o Chaju Ram, r/o 234/13: Tehsil Pura, Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/2 House No. 101 situnted in Dilbagh Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1164 of May, 82 of the Registering Authority, Jalanndhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3812 .-- Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. es per Schedule situated at Dilbagh Nagar, Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandbar on May, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shrimati Parkash Kaur 'Urf' Pargash Kaur w/o Ram Singh through General Attorney Sardar Singh r/o 101, Dilbagh Nagar, Jalandhar.
- (2) Chander Pal s/o Chaju Ram, r/o 234/13, Tehsil Pura, Amritsar.

(Transferec) (3) As S. No. 2 above.

to be interested in the property)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property House 1/2 situated in Dilbagh Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1304 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ret. No. A.P. No. 3813.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sawal Singh S/o Dhara Singh, Vill. Jhoke Sarkari Tch. Faridkot.
  - ( I ransteror
- (2) Shrimati Bhagwant Kaur w/o Mehal Singh and Mehal Singh s/o Shri Harnam Singh, r/o Street No. 10, Ferozepur Cantt. (Transferee)
- (3) As per So No. 2 ebove.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 700 of May 1982, of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax A equisition Range, Jalandhar.

Date: 7-1-83. Seal:

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3814.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Peer Ahmad Khan Teh. Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ferozepur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Piar Singh S/o Khushal Singh, Viil, Peer Ahmad Khan, Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shrimati Iqbal Kaur W/o Sucha Singh, R/o Peer Ahmad Kahan, Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 793 of May, 1982 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

#### Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3815.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at

Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Piare Lal S/o Nathu Ram, R/o Gali No. 10, Ferozepur Cantt.

(Transferor)

- (2) Shri Gurmail Singh S/o Sh. Sardara Singh, and Deya Singh & Harbans Ss/o Sh. Nand Singh R/o GT. Road, Ferozepur Cantt.
  - (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
   (Person in occupation of the property)

   (4) Any other person interested in the property.
   (Person whom the undersigned knows to be
   interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 930 of May, 1982 of the Registering Authority, Ferozepur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3816.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nathu Ram S/o Sh. Rala Ram R/o Phag,vara.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh S/o Karam Singh, R/o Bhanoki Teh. Phagwara.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 537 of May, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date: 7-1-1983

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3817.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Kamla Devi W/o Baldev Krishan, R/o Hargobind Nagar, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Nirbail Singh S/o Sh. Gurbachan Singh, and Gurpal Kaur W/o Nirbail Singh, R/o V. Chaheru Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 382 of May, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1983

Scal

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3818.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May, 1982

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—
46—466°GI/82

(1) Shri Narinderjit Singh S/o Sh. Naranjan Singh, Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Nirbail Singh S/o Sh. Gurbachan Singh, and Gurpal Kaur W/o Nirbail Singh, R/o V. Chaheru Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 410 of May, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3819.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at

Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phagwara on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Narinderjit Singh S/o Sh. Naranjan Singh, Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Nirbail Singh S/o Sh. Gurbachan Singh, and Gurpal Kaur W/o Nirbail Singh, R/o V. Chaheru Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 411 of May, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3820.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at

V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Malout on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ghul Chand S/o Prabhu Dval Selg & Mukhtiar-ai-am of Uttar Krishan und Subash Chander Romesh Chander Ss/o Bhul Chand, R/O Village Malout.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh Gurcharan Singh Ss/o Buta Singh and Harbans Singh, Gurmit Singh Ss/o Gittan Singh R/O V. Malout.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 392 of May, 82 of the Aegistering Authority, Malout.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1983

## I. T. N. S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3821.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at

V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely.—

- Shri Bhul Chand S/o Prabhu Dyal
   Selg & Mukhtiar-ai-am of Uttar Krishan and Subash Chander Romesh Chander Se/o Bhul Chand, R/O Village Malout.
- (2) Shri Gittan Singh Gurcharan Singh Ss/o Buta Singh R/o V. Malout.

(Transfer**c**e)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 405 of May, 82 of the Registering Authority Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3822.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Malout on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nanak Chand S/O Darbar Chand r/o V. Malout.

(Transferor)

(2) Shri Balvir Singh S/O Jang Singh, R/O V. Malout.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 435 of May, 82 of the Registering Authority, Malout.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Seal:

Date: 6-1-1983

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely :-

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3823.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Majout on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nand Lal S/O Darbar Chand, R/O V. Malout.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/O Bachan Singh, r/o V, Malout.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 459 of May, 82 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1983

Scal:

## FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3824.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at

V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Malout on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Kılshan Lal S/O Darbar Chand r/o V. Malout.

(Transferor).

(2) Shri Jalour Singh S/O Bachan Singh, r/o V. Malout.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 460 of May, 82 of the Registering Authority, Malout

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date ; 6-1-1983

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th January 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and baring No. as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Girdhari Lal, Om Parkash Madan Lal & Sukhdev Ss/o Saudagar Chand R/o Abohar Mandi, Distt. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh S/o Gurbax Singh, r/o V. Malout.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 501 of May, 1982 of the Registring Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3826 & 3827.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—466GI/82

Shri Bhim Sain Verma
 S/o Durga Dass
 R/o House No. B-XIII-233, Nijatam Nagar,
 Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Santosh Kumari W/o Amarjit Miglani R/o House No. B-XIII-233 Opposite Shanstri Model School, Nijatam Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. B-XIII-233 situated in Mohalla Nijatam Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration deed Nos. 1280 and 1311 of May, 1982 (1/2 share vide each deed) of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-83

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3828.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Ram Kumar
  S/o Ram Labhaya
  General Attorney of Smt. Purnima
  W/o Ram Kumar
  R/o House No. F. N-181 Mohalla Kilowani,
  Jalandhar.

  (Transferor)
- (2) Shrimati Sudesh Rani W/o Tilak Raj and Smt. Joli Khosla W/o Vljay Kumar R/o N. M. 126, Mohalla Qarar Khan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. 48 (portion) situated at Satnagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1305 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3829.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Ram Kumar S/o Ram Labhaya General Attorney of Smt. Purnima W/o Ram Kumar R/o House No. E. N-181 Moballa Kilowani, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sudesh Rani W/o Tilak Raj and Smt. Joti Khosla W/o Vijay Kumar R/o N. M. 126, Mohalla Qarar Khan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein \*\* are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. 48 (portion) situated at Satnagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1305 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3830.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. as per schedule situated at Dada Colony, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Labh Singh S/o Bhoja Ram and Pritam Singh S/o Kartar Singh R/o Mohalla Gopal Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kishore S/o Rikhi Ram R/o Plot No. 16/IA, Dada Colony, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House (portion) situated in Dada Colony, Industrial Area, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1224 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3831 & 3832,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dada Colony IA,

Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kartar Singh S/o Amir Singh & Gursharan Singh S/o Labh Singh R/o Mohalla Gopal Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Rikhi Ram S/o Salig Ram R/o Plot No. 16, Dada Colony, Industrial Area, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House (portion) situated in Dada Colony, IA, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed Nos.1168 & 1302 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pussuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under selection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A. P. No. 8333.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shrimati Davinder Kaur, Kamlesh Ds/o Sh. Sadhu Ram R/o Guru Nanak Pura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh Rai Bhupinder Singh Rai Balkar Singh Rai Ss/o Shri Sadhu Singh Vill. Bhulla Rai Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 397 of May, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Jalandhar

Date: 11-1-1983

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3834.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Rao Kaur Wd/Sadhu Ram R/o Guru Nanak Pura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Talwinder Singh Rai Bhupinder Singh Rai Balkar Singh Rai Ss/o Shri Sadhu Singh R/o Vill. Bhulla Rao Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 398 of May, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. AP. No./3835.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dev Nand, Lalit Kumar Sa/o Shri Sadhu Ram R/o Guru Nanak Pura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Talwinder Singh Rai Bhupinder Singh Rai Balkar Singh Rai Ss/o Shri Sadhu Singh R/o Vill. Bhulla Rai Teh. Phagwara.

(Transferee.)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale. deed No. 399 of May, 1982 of the Registering Authority. Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ialandhar

Date: 11-1-1983

THE RESERVE OF THE PERSON OF T

## FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4? OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3836,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situatd at Basti Danishmandan, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
48—466GI/82

(1) Shri Gurdip Singh
S/o Santa Singh
General Attorney of Sher Singh
S/o Makhan Singh
R/o Basti Guzan,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sital Dass S/o Kabal Singh R/o V. Samrala Teh. Phillaur Distt. Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Land measuring 2 Kls. situated in Barti Danishmandan, Jalandhar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 864 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-1-1983

Scal:

## FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3837.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereintafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Basati Danishmandan, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sher Singh S/o Makhan Singh General Attorney of Tarlochan Singh S/o Santa Singh R/o Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sital Dass S/o Kabal Singh R/o V. Samrala feh. Phillaur Distt, Jalandhar,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of posice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in he Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULP

Property land measuring 2 Kls. situated in Basti Danishmandan Jalandhar & Persons as mentioned in the Registration sale ded No. 865 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jelandhar

Date: 11-1-1983

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3838.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tactlitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said-Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Malkiat Singh S/o Surat Singh R/o V. Wariana Teh, Jalandhar.

(Transferor)

3503

(2) M/s. Kapoor Enterprises, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 3-0 Kanal situated in V. Wariana Teh. Jalandhar & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 871 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th January 1983

Ref.No. AP. No./3839.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-und bearing

No. as per schedule situated at

Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagmohan Singh Sarbjit Singh & Smt. Jaswant Kaur Wd/o Ganga Singh R/o W. G. 326, Adda Bastian Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Amarjeet Lal S/o Behari Lal R/o W. E. 127, Chhota Ali Mohalla Jalandhar.

(Transferor)

- (3) As no. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot No. 9 Min. situated at Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1038 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date · 7-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3840.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at V. Khurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Natha Singh S/O Nidhan Singh R/O V. Khurla, Tehsil Jalandhar.
- (Transferor)
- (2) Shrimati Kailash W/O Gulzari Lal R/O E.P. 13/243, Pacca Bagh, Jalandhar. (Transferce)
- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land 20 Mls. situated in V. Khurla & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1127 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar.

Date: 11-1-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3841.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at V. Lidhran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Buta Singh S/O Hazara Singh and Hazara Singh S/O Sunder Singh R/O V. Lidhran, Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Century Rubber Industries, By-pass Suranussi Road, Jalandhar through Sh. Hans Raj Dhawan,

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 7 Kls. & 1 Mls. situated in V. Lidhran & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1170 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3842.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. as per schedule situated at Shiv Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1708 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought t be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Lal Kapoor S/O Karam Chand r/o 244A-DDA flats, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shrimati Gian Kaur W/O Teja Singh R/O ED-80, Dhan Mohalla, Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot No. 168 situated in Shiv Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1277 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 11-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3843.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Mithapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:

 Shri Gurmukh Singh S/O Thaker Singh R/O Mithapur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sushil Kaur W/O Tarsem Singh R/O V. Urmar, Hoshiarpur, Distt, Teh. Dasuya. (Transferee)

THE SCHEDULE

(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 1 Kl. 3 Mls. situated in V. Mithapur & persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1299 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83,

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3844,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—466GI/82

(1) Shri Surinder Kumar S/O Yash Pal, C/O Bhartiya Tent House, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Kanhiya Lal r/o V. Litran, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar. (Transferee)

(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)

 Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House situated in Dashmesh Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1380 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83.

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No./3845.Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at V. MaqsoodPur (tend more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Gurbachan Kaur W/O Chanan Singh R/O Chak Jinda Teh, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Parveen Kumar S/O Ramji Dass, Mukhtiar-al-Khas Ramji Dass R/O EO-223, Attari Bazar, Jalandhar.

(Transferec)

- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the
- property)
  (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. 13 Mls. situated in V. Maq-soodpur Teh. Jalandhar & Person as mentioned in the Registeration sale deed No. 932 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-1-83,

Scal:

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. 'No. A.P. No./3846.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shanker Dass S/O Attra through Mukhtiar-al-am Joginder Singh r/o V. Balandpur Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sumitra Devi W/O Mangat Ram, Prem Lata w/o Amarfit, Parveen Lata w/O Gurcharan Setia, Ram Gopal Pathak S/O Brij Lal, Dharam Chand Katoch S/O Hoshiar Singh, Joginder Kaur W/O Gursaran Singh, Inder Jit Singh S/O Mohinder Singh & Shanti Devi W/O Sat Pal Arora, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. 8 Mls. situated in V. Maksoodpur & Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1334 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No./3847.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Maksudpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shanker Dass S/O Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Singh r/o V. Balandpur Teh. Jalandhar,

(Transferor)

 Shri Avtar Singh S/O Mohan Singh
 Kalwant Kaur W/O Sampuran Singh
 Sikander Chauhan E/O Lajya Pal Singh
 Usha Anand W/o S. P. Anand
 M/S Bristol Manufacturing Coy. Harbans Nagar, Jalandhar,

(Transferee)

- As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. 8 Mls situated in V. Maksoodpur & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1307 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No./3848.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shanker Dass S/O Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Singh r/o V. Balandpur Teh. Jalandhar.

Jalandhar.

(Transferor)
(2) Karnail Singh, Jarnail Singh Ss/o Naranjan Singh r/o V. KhunKun Kalaa, Tch. Dasuya.
2. Vijay Kumar S/O Hans Raj
3. Sudesh Kumar S/O Charan Dass,
4. Ashwini Kumar S/O Sardari Lal,
160, Bikrampura,
5. Chanchal Malhotra W/O Ravish Chander,
385, Shahced Bhagat Singh Colony,

(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. 18 Mls. situated in V. Maksoodpur & Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1457 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83 Seal:

#### FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No./3489.—Wheeras, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Phagwara on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nathu Ram S/o Rala Ram R/o Khera Road, Phagwara.
- (2) Shri Surinder Kumar S/o Sh. Karam Singh R/o Bhanoki Teh. Phagwara.
- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; ----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the, publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 600 of June, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No./3850.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the schedule nnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Kapurthala on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shah Lei S/o Khushi Ram R/o Mohalla Nai Abadi, Kapurthala. (Transferor)

(2) Avtar Singh S/o Mangal Singh R/o Nai Abadi, Kapurthala.

(Transferce)

 As s, no. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, n any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 372 of May, 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JÁLANDHAR

Jalandhar, the 11th January 1983

Ref. No. A.P. No./3851.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed herete). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on May, 1982

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shrimati Shakuntla W/o Sh. Sham Lal R/o Nai Abadi, Kapurthala,

(Transferor)

(2) Shri Mangal Singh S/o Sh. Ganda Singh R/o Hamira Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 372 of May, 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 11-1-83

Seal;

## FORM I.T.N.S .-

......

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3852.--Whereas. f, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely ; -50-466GI/82

(1) Shri Om Parkash S/o Shri Kamandi Ram r/o KOT Surga Puri, Kotkapura Dist. Faridkot.

(Liansferor)

(2) S.Shri Mohinder Pal Tirath Ram, Amrit I al Ss/o Shri Mahla Ram r/o Gali Mehangian, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. 15 Mls. situated in Kotkapura & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 510 of May, 82 of the Registering Authority, Farid-

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3853.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Shri Parkash Chand
 Sho Shri Sant Razn,
 R/o V. Wariana, Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kaur W/o Shri Gurbachan Singh r/o BD-76, Central Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned

knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 9 Kls. 17 Mls. situated in V. Wariana & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. \$25 of May, \$2 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-1-83

Stal:

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3854.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per scheduled at Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Jalandhar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Pritam Singh
 S/o Shri Fateh Singh
 R/o V. Wariana Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Labhaya Bahari S/o Shri Piara Lal r/o 4-New Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 4 Kls. 9 Mis. situated in V. Wariana & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 856 of May, 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-1-1983

### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3855.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at New Vijay Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Avtar Singh S/o Shri Amir Singh C/o B. R. Industries, Dada Colony, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh S/o Shri Wasandha Ram & Smt. Pushpa Rani W/o Shri Wasandha Rani R/o W.P. 83, Basti Sheikh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot situated in New Vijay Nagar. Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 829 of May, 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-1-83.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3856.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'-and bearing

No. as per schedule situated at New Vijay Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registerion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Avtar Singh
 S/o Shri Amir Singh
 C/o B. R. Industries,
 Dada Colony Jalandhar.

(Transferor)

(2) S/Shri Krishan Lal, Baldev Raj Ss/o Shri Wasandha Ram R/o W.P. 83, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property plot situated in New Vijay Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 979 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3857.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Chak Hussain Lama Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amar Nath Soo Shri Bagirath Ram General Attorney of Smt. Bimla Rani r/o 326, Basti Bawa Khel, Jalandhar.

Kundan Kaur (Transferor)

Smt. Kundan Kaur
 W/o Shri Krishan Singh
 R/o V. Karri, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land measuring 1 Kl. 15 Mls situated in V. Chak Hussain Lama Pind & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1091 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-1-1983

(Transferces)

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A P. No/3858 and 3859.—Whereas, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

at New Vijay Nagar, situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harish Kumar S/o Kanshi Ram General attorney of Smt. Kamlesh Kumari W/o Mehar Chand r/o 30-New Vijay Nagar, Jalandhar.
- (2) Shrimati Rita Bhalla W/o Sunil Bhalla ro Kothi No. 54, New Vijay Nagar, Jalandhar (Transferor)
- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the Property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 54 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed Nos. 1333 & 1338 of May, 1982 (1/2 share each deed) of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-1-1983.

Scal:

#### FORM I.T.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3860 and 3861.—Wheeras, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta:: Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at New Vijay Nagar Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Harish Kumar S/o Kanshi Ram General attorney of Smt. Kamlesh Kumari W/o.Mehar Chand R. o 30-New Vijay Nagar, Jalandhar, (Transferor)
- (2) Shrimati Naresh Kumari Bhalla W/o Ravi Datt Bhalla r/o Kothi No. 55, New Vijay Nagar, Jalandhar.
- (3) As S. No. 2 above.

(Transferec)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the Property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 55 situated in New Vijay Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registeration sale deed Nos. 1373 of May. 82 and 1486 of June, 1982 (1/2 share vide each deed) of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-1-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A. P. No./3862.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Chak Hussain Lama Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51-466GI|82

- Shri Pritam Singh S/o Baghel Singh & Avtar Singh S/o Malik Singh r/o V. Chak Hussain Lama Pind, Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Charanjit Nath S/o Ram Saran Dass r/o E. G. 1035, Mohalla Gobind Pura, Jalandhar and Jagdish Lal S/o Chaman Lal r/o Mohalla Nijatam Nagar, Jalandhar. (Transferees)
- (3) As S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property land measuring 40 Mls. situated in V. Chak Hussain Lama Pind & Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1376 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-1-1983.

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th January 1983

Ref. No. A. P. No./3863.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Chak Hussain Lama Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh S/o Baghel Singh & Avtar Singh S/o Malik Singh r/o V. Chak Hussain Lama Pind, Teh. Jalandhar. (Transferor)
- 1. Kidar Nath S/o Ramseran Dass R/o E. G. 1035, Mohalla Gobind Garh, Jalandhar
   2. Sham Lal S/o Amritsaria Mal r/o Mandi Fanton Ganj, Jalandhar.
   3. Sanjogta Rani W/o Sansari Lal, R/o 935-D, Mihalla Riaz Pura, Jalandhar.
- (3) As S. No. 2 above.
- (4) Any other person in occupation of the property)
  (4) Any other person interested in the Property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land measuring 40 Mls. situated in V. Chak Hussain Lama Pind & Pesons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1324 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangé, Jalandhar.

Date: 13-1-1983.

Scal:

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No/3864.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Ajit Kauf W/o Sh. Gurlal Singh R/o Mohalla Balaria Near Purana Thana, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdip Kaur W/o Balraj Singh and Smt. Devinder Kaur W/o Beant Singh C/o Sh. Balraj Singh, Advocate, Civil Station, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the Property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons of in indicated in the Registration sale deed No. 815 of May 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No./3865.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shrimati Ajit Kaur W/o Sh. Gurlal Singh R/o Mohalla Bularia Near Purana Thana, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdip Kaur W/o Balraj Singh and C/o Sh. Balraj Singh, Advocate, Civil Station, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 815 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ΛCQUISITION RANGE JALANDHΛR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3866.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sher Singh S/o Inder Singh Vill. Gill Patti.

(Transferor)

(2) Shri Lakhbir Singh S/o Gurnam Singh R/o Mehna, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 887 of May 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ΛCQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3867.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhoop Singh S/o Karam Singh Backside of J. B. Industries, Malout Road, Bhatinda.

(2) (1) Shri Jatinder Kumar Chatinvedi S/o Sham Lai Chanke,

 (2) Shri Darshan Kumar S/o Des Raj
 (3) Mathra Dass S/o Modha Ram Near J. B. Industries, Malout Road, Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 900 of May, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3868.—Whereas, J. —. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda in May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Vir Singh S/o Ram Ditta Singh Brother & C/o Sh. Saffiffian Singh Gali No. 2, Ajit Road, Bhatinda,

(Transferor)

(2) (1) Shri Harnam Kaur W/o Dial Singh
 (2) Shri Dial Singh S/o Jora Singh
 R/o G. N. D. T. P. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 928 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 298D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3869.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda Green Avenue, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shr. Vir Singh S/o Ram Ditta Singh C/o his Brother Sh. Sajjan Sugh R/o Gali No. 2, Ajit Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh S/o Thakar Singh,
2. Mangal Singh S/o Sohan Singh,
3. Joginder Singh S/o Bhan Singh
R/o Thermal Plant, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 929 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3870,—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52--466GI/82

(1) Shri Sher Singh S/o Inder Singh R/o Bhatinda.

(Transferor)
(2) Shri Lakhbir Singh S/o Gurnam Singh, Bhatinda.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 930 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 14-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3871.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Ram (1) Shri Nand Kumar S/o Lachhman Dass, Dass S/o Chanan Ram Mukhtiara-am of Amar Nath S/o Lachhman Ram, R/o Street Behind Singh Sabha Gurdwara, Bhatinda.
- (2) 1. Shrimati Anar Devi W/o Sadhu Ram.
  - Buggar Singh S/o Gurbux Singh,
     Krishan Kanta W/o Prem Paul,

  - 4. Chet Singh S/o Bakhtaur Singh, 5. Madhu Rani W/o Jagdish Ram
  - C/o Brij Lal, BKO, Bank Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 939 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 14-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3872.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule, situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys er other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jit Pal Singh S/o Naranjan Singh, Bhatinda.
- (2) Smt. Jaswant Kaur W/o Sh. Surinder Singh, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1088 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 14-1-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th anuary 1983

Rcf. No. A.P. No. 3873.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Bhatinda

3536

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Avtar Singh & Jagjit Singh Ss/o Sh. Niranjan Singh, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Singh S/o Sh. Atma Singh, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1089 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 14-1-1983

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3874.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. as per Schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Gurjant Singh S/o Sh. Chhajju Singh Mukhtiare-Khas Sh. Chhajju Singh S/o Dalip Singh, Shergarh (Prisoner Jail Bhatinda). (Transferor)
- (2) 1. Shri Surinder Kumar S/o Hukam Chand, 2. Dina Nath S/o Kishore Chand, 3. Girdhari Lal S/o Magni Ram R/o Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1127 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3875.—Whereas I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shrimati Promilla alias Pammi & Parveen alias children of (Late) Sh. Balasa Ram through Sh. Mangat Ram, C/o H. No. 1057/1, Gali Hua Nord, Maliwala, Delhi-6.
 Shrimati Santosh Kumari W/o Madan Lal

C/o Madan Lal, Accountant P.S.E.B. H. No. 369-C, Tharmal Colony, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1208 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1983

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No./3876.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mangat Ram alias Mangat Rai S/o Balasa Ram for himself and on behalf of Mrs. Gaitari Devi Wd/o Sh. Balasa Ram C/o H. No. 1057/1 Gali Hun Nord, Maliwala, Delhi-6.

 Shrimati Asha Rani W/o Darshan Kumar and Sh. Raj Kumar S/o Kulwant Rai C/o Sh. Madan Lal, Accountant, P.S.E.B. H. No. 369-C, Tharmal Colony, Bhatinda.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1209 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

# FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3877.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Binder Singh S/o Jollour Singh C/o Gurunanak Cold Storage, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Makhan Singh S/o Mohinder Singh V. Ghalloo, 2. Balbir Singh S/o Bachan Singh, V. Bangi Nihal Singh Tch. Talwandi Sabo, Bhatinda, 3. Baboo Singh and Gurmel Singh S/o Karnail Singh Vill. Gobindpura Teh. Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1211 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3878.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

53-466GI/82

(1) Shri Bhupinder Singh S/o Bhagwan Singh, Kothi Amarpura, Backside of Thermal Colony, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Mohinder Singh S/o Jora Singh V. Bibiwala (Bhatinda)
  - 2. Gurdev Singh S/o Nihal Singh,
  - Chandsar Basti, Bhatinda.
    Dharam Singh, Jagjit Singh and Nasib Singh Ss/o Nihal, Chand Sar, Basti, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1228 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3879.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Shri Kashmiri Lal S/o Kundan Lal, Rampura Phool, P/A of Parkash S/o Chiranji Lal,
  - 2. Jagroop Singh S/o Jit Singh, Rampura Phool
    3. Sutya Devi D/o Dropti Devi, Bhatinda.
    - (Transferor)
- (2) Shri Kheta Singh, Boota Singh Ss/o Jeon Singh, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1233 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3880.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sohinder Singh S/o Sohan Singh P/A of Kuldip Singh his son, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh, Nazar Singh Ss/o Sh. Balbir Singh, Gurdip Kaur W/o Sadhu Singh R/o Bir Behman.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1246 of May, 1982 of the Registering Authroity, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3881.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. as per schedulc situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hans Raj Uppal S/o Sh. Krishan Dyal, Advocate, Distt. Court, Bhatinda.
  - (Transferor)
- (2) Shri Tejinder Singh, Karamjit Singh, Ss/o Sh. Baldev Singh, President, M. C. R/o Sucha Singh Street, Mehna Chowk, Bhatinda. and Lakhvir Kaur Wd/o Sukhdev Singh V. Gobind Garh, Teh. Faridkot.
  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1270 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3882.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kaur Chand, S/o Ajmer Singh,
  - Surinder Kumar S/o Hans Raj
     Saroj W/o Surinder Kumar

Partners of National Chemicals, Bhatinda. (Transferor)

(2) Shri Kamal Kumar S/o Hans Raj C/o Hanson Industries, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1367 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

Soal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3884.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exercing Rs. 25.000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shamsher Ungh S/o Sh. Gurmukh Singh, Welder, Guriana Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Kanta W.o Sminder Kumar,

 Veena W/o Kewat Krishan,
 Madan La! S/o Siri Ram R/o Bhatinda.

(Transferec)

interested in the property)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 13/2 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ja'andhar

Date: 14-1-1983.

Scal:

# FORM I.T.N.S.--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3884.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Autholity under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), here reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri So'ran Dass Chela Jeon Dass Chela Uttam Dass Vill. Kotshamir.

(Transferor)

Shri Bahadarjit S/o Sh. Sarwan Mal
 Banarsi Dass S/o Chuni Lal
 R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1383 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No./3885.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nasib Singh S/o Nihal Singh Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shrimati Niimal Kanta D/o Jagau Nath,
  - Trishla W/o Ram Lal
     Poonam W/o Narinder Kumar R/o Bhatinda.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1387 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3886.—Whereas I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54-466GI/82

 Shri Sohinder Singh S/o Shri Sohan Singh Mukhtiara Aam Hardeep Singh R/o Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurmel Singh, Gurtek Singh, Bikkar Singh, Gurdas Singh Ss/o Shri Ganga Singh R/o Vill. Bir Behman.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1500 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authoria
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3887.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Bhatinda

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amarjit Singh S/o Shri Bachan Singh R/o Near Sepal Hotel, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Mukand Singh S/o Shri Bhag Singh R/o Chakki Street, Tikoni Back side of Sepal Hotel, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1503 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Date: 14-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3888.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurdev Singh S/o Shri Mastan Singh R/o Street No. 12, Guru Tegh Bahadar Street, Bibiwala Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Smt, Raj Rani W/o Shri Ashok Kumar

2. Shri Jaswinder Kaur

W/o Shri Rajinder Kumar, 3. Shri Nand Kishore

S/o Shri Narain Dass C/o Bachan Tea Company, Bank Bazar, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1509 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Jalandhar

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3889.—Whereas I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the esaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kaka Singh S/o Shri Bhag Singh P/A of his son Jarnail Singh, Paras Ram Nagar, (Near Gatta Factory), Bhatinda.

(Transferor)

(Transferce)

(2) Smt. Prem Lata
W/o Shri Shiv Lal
Shri Raj Kumar
S/o Shri Moti Ram
C/o Basant Kumar of Basant Tea Company,
Sikri Bazar, Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above,

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned

knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1511 of May, 1982 of Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Rei. No. A.P. No. 3890.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nar Singh S/o Shri Boga Singh R/o Dobiana, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Jasmail Kaur W/o Shri Surjan Singh R/o Kalia Banga, Rajasthan.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1521 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

#### FORM I.T.N.S.----

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3891.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/toold bearing

No. as per schedule situated at Moga Mohla Singh Moga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shamsher Singh
 S/o Shri Gurdial Singh
 R/o Moga Mehal Singh Moga.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh S/o Shri Bakshish Singh R/o V. Bokha Teh. Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned

knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. 9 Mls. situated in V. Moga Mehla Singh & persons as mentioned in registration sale deed No. 835 of May, 82 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Rcf. No. A.P. No. 3892.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per schedule situated at Moga Mehla Singh, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath S/o Shri Lal Chand R/o Moga.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Shri Dewan Singh and W/o Shri Kartar Singh R/o Moga.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land measuring 1 K. 5 Ml. 5 S. situated in Moga & persons as mentioned in the registration sale deed No. 838 of May, 1982 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

FORM I. T. N. S .-

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3893.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Moga Mehla Singh, Moga annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Moga on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Arjan Singh
 Sho Shri Buta Singh
 R/o V. Jhandwala Teh., Moga,

(Transferor)

(2) Smt. Balvinder Kaur D/o Shri Vir Singh R/o V. Bhanger Teh. Ferozepur.

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. 14 Mls. situated in Moga Mehla Singh & persons as mentioned in the Registration sale deed No. 998 of May, 1982 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannely:—

Date: 14-1-1983

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3894.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

as per schedule situated at Moga Mehla Singh, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55-466GI/82

Shri Jora Bingh
 S/o Shri Sunder Singh
 R/o Moga Mehla Singh Moga.

(Transferor)

(2) Shri Gurmail Singh S/o Shri Uttam Singh R/o V. & P.O. Ladheki, Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given

## THE SCHEDULE

Property land measuring 19 Kls. 6 Mls. situated in V. Moga Mehla & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1178 of May, 1982 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistmat Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3895.—Whereas I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Moga, Mehla Singh, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Tarlochan Singh R/o 222 Model Town, Fateh Abad Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Smt, Balbir Kaur Bhogal W/o Shri Balbir Singh, R/o G.T. Road, Moga.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property 1/2 House situated at Moga Mehla Singh & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1142 of May, 82 of the Registering Authority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-1-1983

## FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3896.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chiman Lal S/o Durga Dass
 Shri Harbans Lal S/o Tulsi Ram C/o Natha Singh S/o Joginder Singh, Communist Stt. Sirki Bazar, Bhtinda.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o Gurnaib Singh, 2. Kaka Singh S/o Nand Singh, Gurmal Singh S/o Mal Singh, R/o C/o Natha Singh S/o Mal Singh, Communist Stt. Sirki Bazar, Bhtinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period o. 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1497 of May, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 14-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3897.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fulr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Labh Singh S/o Bahdur Singh R/o Near Bye-Pass, Muktsar,

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar S/o Om Parkash R/o Near New Grain Market, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot 5 Mals. situated in Muktsar and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 378 of May, rity, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3898.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per Schedule situated at Muktear (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Labh Singh 8/0 Bahadur Singh R70 Near Bye-Pags, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Kumar S/o Om Parkash, R/o Near New Grain Market, Muktsar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot situated at Muktsar and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 404 of May, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-1-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3899.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratten Lal S/o Labhu Ram R/o V.' Aslami Wala Teh. Fazilka, '

(Transferor)

(2) Smt. Gurdip Kaur W/o Partap Singh R/o New Haveli Street, Gate Hakiman Wala, Amritsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Shop No. 120 situated in New Grain Market, Muktser and Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 414 of May, 1982 of the Registering Authority, Muktser.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-1-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ΛCQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3900:—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule şituated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Niranjan Singh S/o Bhan Singh, R/o Patti Tanbhu Sahib, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Basant Singh S/o Bhag Singh, R/o Near Malout Road, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot 5 Marlas situated in Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 436 of May, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-1-1983

#### FORM I.T.N.S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. R.P. No. 3901.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Niranjan Singh S/o Bhan Singh, R/o Patti Tanbhu Sahib, Mukhar.

(Transferor)

 Shri Jaswant Singh S/o Bhag Singh R/o Near Malout Road, Muktsar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property plot 5 Marias situated in Muktaar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 468 of May, 1982 of the Registering Authority, Muktaar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3902.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-466GI/82

 Smt. Asha Rani W/o Lekh Raj R/o H. No. 515, Bank Road, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Surrinder Kumar S/o Hans Raj R/o V. Mahasander Teh. Muktsar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Plot No. 52 situated in New Grain Market, Muktsar and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 495 of May, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-1-1983

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3903.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar at Mouza Khanda Babakerpur P.O., Danapur, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tachtating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devinder Singh S/o Joginder Singh and Bitender Singh, Nurpinder Singh S/o Devinder Singh, R/o V. and P.O. Jhindwala Teh Muktsar.
- (Transferor)
  (2) S/Shri Manohar Lal, Vijay Kumar, Satish Kumar & Parmod Kumar Ss/o Madan Lal
  R/o H. No. 579, Bank Road,
  Muktsar.

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property plot No. 45 situated in New Grain Market Muktsar and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 640 of May, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Date: 17-1-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3795.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Subzi Mandi Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Raman Rani W/o Krishan Lal 2. Anita Kumar

  - 3. Ravinder Kumar
  - 4. Ashwani Kumar minors daughters and Ss/o Raman Rani Guardian 5. Parvesh Rani W/o Benarsi Lal
  - self and guardian of
    6. Neeraj Kumar minor and
    7. Sunita Rani and
    8. Nira Rani

  - Ds/o Benarsi Lal
  - Ajay Kumar S/o Benarsi Lal R/o N. N. 559, Gopal Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kasturi I.al S/o Raja Ram R/o N.N. 310, Gopal Nagar, Jálandhar

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 801 of May, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref., No. IAC/Acqn/Bpl/3305.--Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey Number 148 to 161 situated at Village Shankargarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1, Shri Ramchandra.
  - 2. Babulal.
  - 3. Balkrishna,
  - Shri Kailash All sons of Shankarlal Gujar.
     R/o 22, Bhawanisagar, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Tata Exports Limited through General Manager Tata Exports Ltd., A.B. Road, Dewas (M.P.).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 148 to 161 situated at village Shankargarh and constructed area. This is the immovable property described in the form Number 37-G Verified on behalf of the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3306,—Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land Survey No. 216/3 situated at village Ramgarh Teh. Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 13-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sale Act, to the following persons, namely :-

(1) Green Park Co-operative Housing Society Ltd., Indore Branch Ratlam through Shantilal & Rajmal Chauradia, Chandni Chauk. Ratlam.

(Transferor)

(2) Vyas & Co. Partner-Shri Sohanlal

Yyas & Co. Partner—Shri Sohanlal
S/o Kashiram Vyas.
1. Shri Rajesh W/o lagdishchand Tiwari,
2. Smt. Kushal W/o Jhamaklal Jain,
3. Shri Ashok Kumar S/o Shri Surajmal Munat,
4. Shri Rajkumar S/o Harishchand,
R/o Brahimno ka was, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land non-agricultural Survey No. 216/3, Gram Ramgarh Teh. Ratlam.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC'Acqn./BPL/3307.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Proposed plot No. 50 to 55 63 to 83, 85, 87, 88, 91 to 95 97, 102 to 105 situated at New Garden Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 18-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mohansingh S/o Bhairusingh,
 Premsingh S/o Bhairusingh,
 Minors Father Bhairusingh Rajput,
 R/o Jawaharnagar, Ratlam, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchandra S/o Babulal Agrawal, R/o Hariram Darwaia, Ratlam, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Proposed plot Number 50 to 55, 63 to 83, 85, 87, 88, 91 to 93 94, 95 97, 102 to 105 situated at New Garden Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3308.---Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Plot No. 7 and 8 situated at Mendki Road, Dewas, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 5-5-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla Devi Goyal W/o Virendra Goyal, R/o 12 West view Building No. 3, S. V. Road, Shantakrij Bombay West.

(Transferor)

(2) M/s Deepak Woolen Pvt. Ltd. Dewas, Regd. Office 12 Court Chamber, 35 New Marine Lines Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7 & 8 Mandki Road, Dewas (M.P.).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3309.--Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 32 situated at Kshapnak Marg, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 6-5-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- Shri Baidya Guljarilal Jain S/o Janakiprasad Jain, R/o Jain Boarding, Madhava Nagar, Ujjain, (Transferor)
- (2) Shri Gurubachan Singh S/o Gyanslnghji Bhoga, R/o house No. 24, Kshapnak Marg, Madhavanagar, Ujjain, M.P.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 32, Dashahara maidan, Kshapanak Marg, Madhavanagar, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3310.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Mun. No. 6: 2235 New Mun. No. 71 (Part) situated at Chapnak Marg Path No. 1, Motilal Nehru Nagar, Dushera Maidan, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 4-5-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57-466GI/82

(1) Dr. Jaanvi Sant D/o Shri Ramkrishana Sant, R/o Vishva Vidhyalaya Marg, Ujjain.

(Transferor)

1. Smt. Premlata Bai W/o Shri Shantilal,
 2. Shri Anil Kumar S/o Shantilal,
 both R/o Kalalseri, Ujiain (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mun. House No. 6: 2235 New Mun. No. 71 (Part) situated at Chapnak Marg No. 1 at Motilal Nehru Nagar, Dushehara Medan. Ujiain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

#### FORM LT.N.S.--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3311.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. I and Khasra Number 251 situated at village Amona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1, Shri Champalal.
  - 2. Shai Rambhau,
  - Shri Babulal.
     Shri Kedar,
  - 5. Shri Rameshwar.
  - 6. Shri Bhagwan s/o Chhogalal Khati All R/o Village Amona Tehsil and Distt. Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Sunil S/o Kailashchandra Trivedi, R/o 249, Nayapura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra Number 251 at village Amona Tehsil and Distr. Dewas.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Nitin S/o Dr. R. C. Bhoraskar, R/o Krishnapura Dewas.

(Transferor)

(2) Badshah Construction Company Private Limited, Dewas, M.P. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3312.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Municipal Number 1 and 2 situated at Moti Bunglow Dewas,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Municipal Number 1 and 2 situated at Moti Bunglow Dewas, M.P.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 27-12-1982

 Shri Manoharlal S/o Ramnarayan Agrawal, R/o Teenbatti, Dewas, M.P.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Kasta Extrusions Mehta Chambers, 34, Siyaganj, Indore, M.P.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3313.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Khasra Number 4 situated at village Anawatpura Tehsil Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra Number, 4 at villago Anawatpura Tehsil Dewas

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-12-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3314.--Whereas I,

D. P. PANTA,

transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Khasra Number 5 and 6 situated at Village Anawatpura.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Kailashehandra S/o Ramnarayan Agrawal, R/o Teenbatti, Dewas, M.P.
- (Transferor) (2) Shri Kasta Extrusions Private Limited through Director Shivsingh Mehte S/o Saijansingh Mehta, R/o 34, Siyagani, Indow, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra Number 5 and 6 at village Anwatpura Tchsil Dewas, M.P.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquidilla kange sti boso Gotzaci Building L. Acabar, 2002AL

Date: 27-12-1982

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3315.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 52 situated at Nagukheri, Teh. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjun Singh S/o Dayaram R/o Nagukheri, Teh. Dewas.

(Transferor)

(2) M/s. Rahul Steel Forging Pvt. Ltd. Ujjain Road, Dewas M.P. through Executive Director, Shrl G. S. Chaudhry S/o Kishan Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 52, at Village Nagukheri, Teh. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 27-12-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3316.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Khasra No. 53 situated at Village Nagukheri, Teh. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhalchandra Rao S/o Shankerrao Ghadge R/o 33 Bajiangpura, Mahatma Gandhi Marg, Dewas.
  - (Transferor)
- (2) M/s, Rahui Steel Forging Pvt. Ltd. through Executive Director—Giri Raj Singh Chaudhri R/o Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 53 at village Nagukheri, Teh. Dewas (M.P.)

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 27-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3317.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 12 shop No. 3 situated at Pandarinath path, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sardar Pratap Singh Rao Holkar s/o Malhar Rao Holkar R/o 12, Pandarinath path Indore, through Attorney Shyamrao Krishnarao Holkar R/o Roopramnagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Jaipaldas

 Arjundas
 Lalchand S/o Bakhatrai, R/o 1/23, Bairathi Colony, Indore.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 12 Shop No. 3 situated at Pandarinath path Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 27-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3318.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 12-13 Shop No. 1 situated at Pandarinath Path Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58-466GI/82

- Shri Shrimant Sardar Prafapsinghrao s/o Malharrao Holkar through Attorney Shyamrao Krishnarao Holkar, R/o 85 Roopramnagar colony Indore.
- (2) Shri Shyam S/o Narayandas Nainani, R/o 46, Premnagar, Indore.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal No. 12-13 Shop No. 1 situated at Pandarinath path Indore M.P.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 27-12-1982

Scal 4

#### FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3319.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovabaproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Municipal No. 12 flat No. 3 situated at Pandarinath path (Ada Bazar), Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Indore on 6-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1-) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- Shri Shrimant Sardar Pentapsingh Rao s/o Malhar Rao Holkar through Attorney Shyamrao Krishnarao Holkar, R/o 85, Roopramnagar, House No. 12, Ada Bazar, Indore.
- (2) Shri Manoharlal S/o Kalidasji Parekh, R/o 12/2, Snehlataganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal No. 12-Flat No. 3 situated at Pandarinath path Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 28-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3320.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Number 121 situated at Indira Gandhi Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devkaran Mittal S/o Chandulal Mittal R/o Silawarpura House Number 84, Indore.

  (Transferor)
- (2) Shri Subhashchandra Lumba S/o Bilayat Rai Lumba, R/o House No. 58, Palsikar Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 121 situated at Kesharbagh, Indira Gandhi Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 28-12-1982.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3321.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 100 situated at Sindhunagar Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sale Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramchandra S/o Kripaldas, R/o House No. 20, B. K. Sindhi Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Km. Bhaktipriya D/o Sureshchandraji, R/o Palsikar Colony Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisitnon of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot Number 100 situated at Sindhunagur Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 28-12-1982.

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3322.—Wherens, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
House No. 564 shop Number 3 situated at Mahatma Gandhi

Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proof the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

- (1) Shri Satish Patni S/o Hukumchand Patni, R/o 25, Patrakar Colony, Indore.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Nirmala Shah W/o Suganchand Shah, R/o 1/1311, Govindpura, Bandaji pole, Surat, (Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Number 564, Shop Number 3, situated at Mahtama Gandhi Marg, Indore,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 28-12-1982,

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th December 1982

Rcf. No. IAC/Acqn/Bpl/3323.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000% and bearing No.

Mun. No. 80 (Ground Floor) situated at Maharaja Tukoji Rao Cloth Market, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Indore on 27-5-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manoramabai W/o Bhanwarsinghji Chauradia & Sahukara Niptara Committee Trust Firm— Siremal Chauradia & Bhanwar Singh Chauradia Through Director Shri Nathulal S/o Kesharimal Jain R/o Maharaja Tukojirao Cloth Market, Indore.
- (Transferor)
  (2) Shri Satyanarain Agarwal S/o Ramchandraji
  Agarwal R/o Malganj (Sahid Bhagat Singh Marg)
  Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Municipal No. 80, (Ground Floor) Shop, situated Maharaja Tukojirao Cloth Market, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 27-12-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/ Bpl/3324.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Plot No. 7 situated at Jankinagar Extention Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Indore on 18-5-1982.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- Shri Birla Brother's partners Prahlad Das Birla S/o Sahiblal Birla R/o 1/2 Murani Mohalla, Indore.
- (2) Smt. Neeta Tripathi W/o Virendra Kumar Tripathi R/o Post Office Madhusudangarh, Distt. Guna. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7, Janki Nagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 28-12-1982.

Seal;

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3325.--Wherens, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural Land Kh. No. 632/2 situated at Vill. Bengred (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at Bednagar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

 Manguji S.'o Viramji (2) Babulal S/o Manguji (3) Madanlal S/o Manguji-Minor through Guardian, Father Viramji, R/o Vill, Kankran, Teh. Bednawar, Dhar.

(Transferor)

 Laxminurayan S/o Umraosingh Patel, R/o Manikbagh Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 632/2, at Vill. Bengred, Teh. Bednagar, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-12-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3326.--Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 210 situated at Maharaja Tukoji Rao Cloth Market, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

59 -466 GI/82

- (1) Jaichand-alias-Jitendra Kumar S/o Nathmalji-Shekhawat, R. o 165 M. T. Cloth Market, Indore. (Transferor)
- (2) Prakashchand S/o Topandas, R/o 101, Jairampur Colony, Indore.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 210 at Maharaja Tukojirao Cloth Market, Indore.

D. P. PANTA
Compeatent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inome-tax
Acquisition Range
4th Flour, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3327.—Whereas I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 210 situated at Maharaja Tukojirao Cloth Market. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 19-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jaichand alias Jitendrakumar S/o Nathmalli Shekhawath, R/o 165, M. T. Cloth Market, Indore. (Transferor)
- (2) Sureshkumar, S/o Topandas, T/o 101, Jairampur Colony, Indore.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 210 at Maharaja Tukojirao Cloth Market, Indore,

D. P. PANTA
Compeatent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3328.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing

House No. 12, Plot No. 2 situated at Pandarinath Path, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 3-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Pratapsingh Rao Holkar S/o Malharrao Holkar, R/o 12-Ada Bazar, Indore, through Attorney Shyamrao Krishnarao Holkar, R/o Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Parasmal S/o Mangilal Mongra, R/o 236/2, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 12 Plot No. 2 situated at Pandarinath path, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-12-1982

- (1) Smt. Sunita, (2) Swarna Grover.
- (Transferor)
- (2) Dr. Govind S/o Sadashiv Bagley.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3329.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1-A situated at Street No. 5, Manormaganj, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions use herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1-A, Street No. 5, situated at Manoramgani, Indore.

D. P. PANTA
Compeatent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 6-1-1983

FORM I. T. N. S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3330.-Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 28 situated at Old Palasia, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the inste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Peramanand S/o Radhakishan Chug, R/o Triveni Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Shrichand S/o Fatehchandji Chug, R/o 3-A Premnagar Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 28 Single storeyed situated at Old Palasia, Indore,

D. P. PANTA Compeatent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-1-1983

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp/3331.--Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2 situated at Race Course Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Harakchand Ratauchand through Partner Hemchand Shekhawat, R/o Cloth Market, Indore.
  (Transferor)
- (2) mt. Bhagyalaxmi Grih Nirman Sahkari Sanstha Indore, through President Shri Gopaldas Nagori, Municipal House No. 59, Race Course Road, Pancham ki Phel, Indore, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, area 10005 S.feet, situated at Race Course Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3332.—Whereas, I, D, P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 76 situated at Bada Sarafa Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 20th May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Jitmal Rajmal S/o Shri Jitmalji Porwal, R/o Rajbada Chowk, House No. 25, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar, S/o Vallabhdasji, Shri Suresh Kumar S/o Vallabhdas I.ahori R/o 72/1, Lodhipura, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 76, One story, Bada Sarafa Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX..

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3333.—Whereas, 1, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land T. S. 30-A, Navlakha Scheme No. 31 situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 3-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Narayundas S/o Gordhandasji, R/o 13/1, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Kanhaiyalal S/o Khanchandji
 (3) Ravishankar S/o Kunhaiyalalji
 R/o 27-B,
 Gopalbag Colony, Indorc.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land T.S. 30-A, Navlakha Scheme Number 31 situated at Indore and constructed area.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3334.—Whereas, 1, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nnd bearing

House No. 1 (Old No. 9) situeted at Sutargali, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay test under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—
60—466GI/82

- (1) Shri Namomal S/o Ansimal (2) Hariram S/o Ansimal, R/o House No. 20, Katja Colony, Indore.
  (Transferor)
- (2) Smt. Sau. Gomatibai W/o Ganpatlal Sharma, R/o House No. 30, Sutargali, Indore.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1 (old number 9) situated at Sutargali, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd January 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3335.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 1 (Old No. 9) situated at Sutargali, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Namomal s/o Ansimal 2. Hariram s/o Ansimal R/o House No. 20, Katju Colony Indore.

  (Transferor)
- Hariom s/o Rambabu Sharma
   Vijal Kumar s/o Rambabu Sharma,
   R/o 46 Lodhi Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1 (Old No. 9) ground floor, situated at Sutar Gali Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-1-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT: COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd January 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3336.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fear market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

House No. 1 (Old No. 9) situated at Sutar gali, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shr@ Namomal s/o Ansimal 2. Hariram s/o Ansimal R/o House No. 20, Katju Colony, Indore.

  (Transferor)
- (2) Ganpatlal s/o Onkarlalji Sharma, R/o house No. 30, Sutargali, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1 (Old No. 9) first floor situated at Sutargali, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3337.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey Number 6/4 situated at Village Dosigaon Tehsil Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohammad Amin s/o Ahmad Hanif, R/o Dosigaon Tehsil Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Madhukant s/o Kalyanmal Purohit, R/o Brahminyas, Ratlam, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land survey No. 6/4 situated at village Dosigaon Tebsil Ratlam, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-1-1983

## FORM ITNE

## (1) Shri Mohd. Hanif s/o Abdul Gani. R/o Mohalla Doshigaon, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prahlad Chand S/o Shri Kalyanmal Purohit, R/o Mohalla Johabad Bakhhad, Ratlam. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

♦FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 5th January 1983

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3338.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Survey No. 6/3 situated at Doshigaon, Teh. Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Ast. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any in any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weskth-tax

Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Scotion 369C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 6/3, situated at village Doshigaon, Teh.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-1-1983

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3339.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 ×43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land survey No. 6/1 situated at Doshi Gaon, Teh. Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 14-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sont. Ajijan D/o Shri Abdul Khan, R/o Doshigaon, Teh. Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Hemant Kumar S/o Kalyanmalji Minor's Guardian Prahlad Chand S/o Kalyanmal Purohit, R/o Johabaag Lakhad, Ratlam.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 6/1 situated at village Doshigaon Teh. Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the enid Act, I hereby initiate presculings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-1-1983

## FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3340.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Survey No. 6/2 situated at Village Dosigaon, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed herato), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 14-5-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sawara w/o Mohammad Hanif, R/o Dosigaon, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Prahlad Chand s/o Kalyanmal Purohit, R/o Jodhabag Bakhad, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 6/2 situated at Dosigaon, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-1-1983

Scal

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3341.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Changora Bhata (and more fully described in the Schedule according to the Schedule acc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 31-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269Es of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Phoolkunwarbai w/o Sewakram Sahu, R/o Changora Bhata, Tehsil, Ralpur.

(Transferor)

(2) Vasundhara Grih Nirman Sahkari Samiti, Changora Bhata, President Idyuwadan, Changora Bhata.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Changora Bhata Tehsil Raipur, H. No. 105.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitlon Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-1-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3342.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Changora Bhata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 31-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61-466GI/82

(1) Shri Judawan a/o Rateu, R/o Changora Bhata.

(Transferor)

(2) Vasundhara Grih Nirman Samiti, Changora Bhata.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Changora Bhata.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-1-1983

(1) Shri Matadin s/o Dasaru Bagera, R/o Changora Bhata.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Vasundhara Grih Nirman Samiti, Changora Bhata,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3343.—Whereas 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

Land situated at Changora Bhata

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 31-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Changora Bhata,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Nathuram s/o Sukhram, R/o Changora Bhata.

(Transferor)

(2) Vasundhara Grih Nitman Samiti, Changora Bhata.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th January 1983

Rcf. No. IAC/Acqn/Bpl/3344.—Whereas 1, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Changora Bhata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 31-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Changora Bhata.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kartikram S/o Tijus R/o Changorabhata.

(Transferor)

(2) Vasundhara Grith Nirman Samiti Changora Bhata.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3345.—Whereas, 1, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Changora Bhata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the V/velth-tax Act 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Changora Bhata.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal.

New, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1983

## FORM IINS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3346.—Where, 1, D. P. PANTA

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two Storeyed House No. 637 situated at Cherital Ward New Vivekanand Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 3 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Devendrakumar 2. Nirmalkumar 3. Lalchand S/o Shri Phoolchand Jain, 4. Smt. Pushpa Wd/o Narendrakumar 5. Rokeshkumar Sabha, 6. Sanjaykumar Naba, No. 5 & 6 S/o Late Shri Narendrakumar Naba, C/o Vali Maa, Smt. Pushpa Jain, R/o 2324—Lardganj Jabalpur.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Kesharbai W/o Komalchand Jain, R/o Mouja—Bakal Tah.—Sehora Dist.—Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two Storeyed House No. 637, Cherital ward Naya Vivekanand ward Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3347.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot bearing Khasra No. 3701/1 situated at Ramsagarpara, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 3 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Panjumal S/o Amrumal R/o Ashok Rice Mill, Ramsagarpara, Raipur (Transferor)
- (2) Shri Indrakumar S/o Kishanchand, through Govind Beshan and Dal Mills, Ramsagarpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot Bearing khasra No. 370/1 situated at Ramsagarpara, Reinur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-1-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3348.--Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 34/4 situated at Chantapara, Bilaspur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 12th May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Prabhakar Rao S/o Late Shri S. V. Rao, Construction colony, Tarbahar, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri N. Vishwakarma S o Shri Bhairo prasad Alias Nanhelal Vishwakarma, R, o M.P.E.B. Colony, Tifta, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 34/4 Sheet No. 7 situated at Chantapara, Bilaspur, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th January 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3349.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot Kh. No. 130/13 situated at J. E. Road Lakhori (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at

Rajnandga, on 15 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of .ine said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Hardevsingh S/o Harisingh 2, Smt, Ranjeet Shri Hardevanigh 3/6 Harishigh 2. Sank, Ranject Kaur Wd/o Sardar Amarsingh 3. Sardar Jagjitsingh Sardar Ujagarsingh 4. Sardar Jagjeetsingh S/o Ujagarsingh 5. Ramsingh S/o Saganda Singh 6. Dhamman Singh S/o Sangda Singh C/o Amar Bus Service, Bus Stand Rajnandgao.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jayanti Bhai S/o Chunnilalbhai 2. Shri Manojkumar S/o Jayantibhai 3. Na. Ba. Dineshkumar S/o Laxanmanbhai Patel R/o Kameti Line, Rajnandgao.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 130/13, J. E. Road Lakholi Gao Tah. & Dist.—Rajnandgao.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 6th January 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3350,—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land khasra No. 101, 107/2 & 131 situated at village Batera

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balod on 19 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62-466GI/82

(1) Rezecca Bibbee, Manager & Attorney for the Weseleyan Methodist Mission in India.

(Transferor)

1. Dr. D. A. Patnaik S/o Late James Patnaik
 2. Mr. James Jogarao Patnaik S/o Dr. D. A. Patnaik
 3. Mrs. P. Hema Nalini W/o Shri P. Prabhudas
 R/o Rajnandgaon (M.P)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and premises situate at Batera Village P. C. No. 77 settlement No. 12 in vicinity of DONDI LOHARA in Tahsil Balod Distt. Drug. M. P. Containing in area 20.80 acres of land bearing Kh. Nos. 101, 107/2 & 131.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3351.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Khasra No. 130/16 situated at G. E. Road near Food Corporation of India Godown, LAKHOLI (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgao on 1 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Santosh Kumar S/o Punamchand Kothari R/o Kamthi Lines, Rajnandgaon (Transferor)
- (2) Desai Bros. Ltd. Rajnandgaon through Attorney Shantilal S/o Dadubhai Patel Kailash Nagar, Rajnandgaon (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of land Khasra No. 130/16 situated at village Lakholi, Teh. & Distt. Rajnandgaon.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 6-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 10th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3352.--Wherea, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16-E. 3 situated at Capital Project, Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gyanchand Jain S/o Abhai chand Jain through Vijaikumar Chodhari, R/o 116 Shantinagar, Bhopal. (Transferor)
- Shri Moolchand 2. Smt. Leeladevi
   Smt. Meena devi 4. Mahendra,
   R/o 30, Betwa Apartment
   Roshanpura, Bhopal, M. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 16-E-3, Capital Project, Bhoral,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3353.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 84 situated at Palsikar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Harbhajansingh S/o Amriksingh Bhatia
  (2) Smt. Nihaldevi W/o Late Shri Amriksingh
  Bhatia Through Attorney for Seller No. I
  R/o House No. 74, Palsikar Colony, Indore.
  (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Devi W/o Rameshchand R/o Juni Kasera Bhakhal, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 84 and house constructed thereon situated Palsikar Colony, Indore.

D. P. PANTA

Competent Authority

Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

4th Floor, Gangorri Building

T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-1-1983

Shri Prakash Chandra Togya S/o Gulagchand Tongya R/o 1, Juna Petha, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Defux Apartment Co-operative Housing Society Limited through President Ashok S/o Kundandas. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-R/o 7, Nasia Road, Indore.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3354.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 22 R situated at Indore Development scheme, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 26 May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 22 R and house constructed upto plinth situated at Indore development scheme No. 44 (Khatiwala)

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3355.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-und bearing

Khasra No. 50/4 situated at Mauza Rampur Distt. Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Mohan Tiwari S/o Mathuraprasad Tiwari, R/o 2246, Type II Sector I, Vehicle Factory Estate, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Baljendrasingh S/o Dr. Jagjitsingh Khanna, R/o 50, Adarsh Nagar Gwarighat Road, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 50/4 at Rampur B. 1 distt. Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor
Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal.

Date: 10-1-1983

FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt. Indrani Babu, R/o Khurai, Distt. Sagar, M.P.

(Transferor)

1. Smt. Harsha Soni w/o Hari Lal Soni
 2. Kanta Soni w/o Atmaram Soni
 R/o 585 Kotwali Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3356,—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 102 situated at Kamania Gate, Sarafa Bazar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 102 Double storeyed—situated at Kamania Gate, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor
Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal,

Date: 10-1-1983

Scal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

R/o A-383, Defeuce Colony, Delhi.

(1) Shri Harbhajansingh Julka,

(Transferor)

(2) Smt. Asharfidevi w/o Harkeshsingh, R/o village and P. O. Balka, Distt. Bulandshahar (U.P.),

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3357.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land and built property situated at village Kutchi Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 19-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and built property 6000 sq. feet situated at Civh Lines village Kutchi, Rewa.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor
Gangotrl Building, T. T. Nagar
Bhopal.

Date: 10-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3358.—Whereas, I, D. P PANTA.

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No.114 situated at Shahpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 3-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
63—466GI/82

 Smt. Mohinidevi w/o Shri Paraslal, R/o G-7/Q/5/11-12, Bairagarh, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Roy s/o P. C. Roy, R/o E-4/231, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 114 situated at Lala Lajpatral Housing Society, Shahpura, Bhopal within the limits of Bhopal Municipal Corporation. Bhopal City Tehsil Huzur, District Bhopal. This is the immovable property described in the form No. 37G verified by the transferce.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor
Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal.

Late: 13-1-1983

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3359.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

House situated at Mohalla Noormahal, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the uteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karanichand Tanwani s/o Mchwaldas Tanwani, R/o Nooimahal Gali No. 1, Bhopal, M.P. (Transferor)
- (2) Shri Pərasıam s/o Govindram, R/o Gali Hanumangani, Ehopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House first floor situated at Mohalla Noormahal, Bhopal M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor
Gangotri Building, T. T. Nagar
Bhopal

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3360.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Mohalla Noormahal Gali No. 1, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Bhopal on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karamchand Tanwani s/o Mehywaldas Tanwani, R/o Noormahal Gali No. 1, Bhopal, M.P.
  (Transferor)
- (2) Shri Kallumal s/o Shri Govindram, R/o Noormahal, Gall No. 1, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor of the house situated at Noormahal Gali No. 1, Bhopal.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor,
Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal.

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Shri Shambharao S/c Shri Ramchandrao, R/o Lakkadkhana Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Balyantrao S/o Krishnarao Deshmukh, R/o N. 21 Thatipur Colony, Morar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3361.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 46/645 situated at Lakkadk hana, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 24 May 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 46/645, situated at Lakkhadkhana Lashkar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nager, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3362.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Khasra No. 1, 5/1 and 7 situated at Barkhedi Abdullah, Tehsil Huzur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rahmatulla s/o Salamatulla
   Ramcharan s/o Kaluram,
   R/o Barkhedi Abdullah Tehsil Huzur,
   distt. Bhopal, M.P.
- (2) Smt. Akila Bee w/o Shafiulla, R/o Budhwara Bhoipura, Near Chhota Talab, Bhopal, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 1, 5/1 and 7 situated at Barkhedi Tehsil Huzur, distt. Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3363.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Khasra No. 1 situated at Village Barkhedi Abdullah Tehsil Ruzur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rahamtulla s/o Salamatulla
 Ramcharan s/o Kaluram
 R/o Barkhedi Abdullah Tehsil Huzur,
 Distt. Bhopal, M.P.

(Transferor)

(2) Smt. Nasrin Ahmed w/o Mohammad Ahmad, R/o Budhwara Bhoipura, Near Chhota Talab, Bhopal, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 1 situated at village Barkhedi Abdullah, Tehsil Huzur, Distt, Bhopal, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-1-1983

FROM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th January 1983

Rcf. No. IAC/Acqu/Bpl/3364.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ter, Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Khasra No. 1, 5/1 and 7 situated at village Barkhedi Abdullah, Vehsil Huzur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Rahamtulla s/o Salamatulla
   Shri Ramcharan s/o Kaluramji
   R/o Barkhedi Abdullah, Tehsil Huzur,
   Distt. Bhopal, M.P.

  (Transferor)
- (2) Mumtaz Bano w/o Shafiulla, R/o Budhwara, Bhoipura, Near Chhota Talab, Bhopal.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 1, 5/1 and 7 situated at Barkhedi Abdullah, Tehsil Huzur, Distt, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITNON RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3365.-Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land Khasra No. 1, 5/1 and 7 situated at Barkhedi Abdullah, Tehsil Huzur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Rahmatullah s/o Shri Salamatulla, Shri Ramcharan s/o Shri, Kaluram, R/o Barkhedi Abdullah, Tehsil Huzur,

Distt-Bhopal, M.P.

(Transferor)

(2) Kumari Parween Jahan D/o Shri Shafiullah, R/o Budhwara Bhoipura near Chhota Talab, Bhopal, M.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used herein EXPLANATION:—The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 1, 5/1, 7 situated at Barkhedi Abdullah, Tehsil Huzur, Distt. Bhopal, M.P.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-1-1983

#### FORM ITNS----

\_\_:-:- <u>--</u>:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3366.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 48,

situated at Chowk Bazar, Near Jama Masjid, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 5-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

64--466GI/82

- (1) Shrimati Anis Fatima D/o Shri Hazi Mulla Kurban Ali Saheb Bahadur, R/o Ali Ganj, Bhopal, M.P.

  (Transferor)
- (2) Shri Dinesh Kumar Agrawal s/o Shri Raghunandan Agrawal, R/o Itwara, Bhopal, M.P.

(Transferce)

(3) Saiffuddin,
House No. 48, Chowk Bazar, Bhopal, M.P.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 48 (Ground floor shop) situated at Chowk Bazar, Near Jama Masjid, Bhopal, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-1-1983

Scal:

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./3367.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. House Municipal No. 48, situated at Ganesh Chowk, Jama Masjid, Bhopal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 5-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shrimati Anis Fatima D/o
 Shri Hazi Mulla Kurban Ali Saheb Bahadur,
 R/o Ali Ganj, Bhopal, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Vikas Kumar Agrawal Minor, Father and Guardian Shri Raghunandan Agrawal, R/o Bhopal, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House Municipal No. 48 (Double storyed) situated at Ganesh Chowk, Jama Masjid, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopa

Date: 15-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1983

Ref. No. AC-58/R-II/Cal./82-83.---Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 25,000/- and

bearing No. 240/195, S. N. Roy Rd., situated at Sahapur, P. S. Behala, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of \$908) in the Office of the Registering

Officer at D. R. Alipore, on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ganeshka Investment Pvt. Ltd., 20, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta.

 Shri Raksha Chadha, on behalf of Harsh Chadha,
 Russel Street, Calcutta. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area:—4k. 11ch. 30 sq. ft., being H/No. 240/195, S. N. Roy Road, Sahapur, P. S. Behala, Calcutta. More particularly described in deed No. 6391 of D. R. Alipore of 1982.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1983

Ref. No. AC-60/R-II/Cal./82-83.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 241/196, S. N. Roy Road,

situated at Sahapur, P. S. Behala, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Alipore on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Onkar Prasad Kanoi, R/o Block-'H', New-Alipore, Calcutta.

(Transferor)

(2) Miss. Payaz Chadha, R/o J-215, New-Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area.—4k, 4ch, at H/No. 241/196, S. N. Roy Road, Sahapur, P. S. Behala, Calcutta, More particularly described in deed No. 2253 of S. R. Alipore of 1982.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54 Rafi Alimed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 7-1-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1983

Ref. No. AC-63/R-II/Cal./82-83.—Whereas I, M. AHMED.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

240/195, S. N. Roy Rd.,

situated at Sahapur, P. S. Behala, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S. R. Alipore at Behala on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ganeshka Investment Pvt. Ltd., 20, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Visheswar Nath Chadha, H.U.F.2, Russel Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area:—4k, 11ch. 30 sq. ft. being H/No. 240/195, S. N. Roy Road, Sahapur, P. S. Behala. Calcutta. More particularly described in deed No. 1374 of Jt. S. R. Alipore at Behala of 1982.

M. AHMED

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 7-1-1983

# FORM ITNS --

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1983

Ref. No. AC-64/R-11/Cal./82-83.—Whereas I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

241/196, S. N. Roy Road,

situated at Sahapur, P. S. Behala, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jt. S. R. Alipore at Behala on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay wax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, I therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa ad property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons

(1) Shri Onkar Prasad Kanoi, Block-7'H', New Alipore, Calcutta

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Chadha, J-125, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Area:—4k.4ch. (with bldg.) at H/No. 241/196, S. No. Roy Road, Sahapur, P. S. Behala, Calcutta. More particularly described in deed No. 1383 of J. S. R. Alipore at Behala of 1982.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1983

Ref. No. AC-59/R-II/Cal./82-83.---Whereas J, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 240/195, S. N. Roy Road, situated at Sahapur, P. S. Behala, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at S. R. Alipore on 15-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ganeshka Investment Pvt. Ltd., 20, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

Mrs. Raksha Chadha,
 W/o Dr. V. N. Chadha,
 Russel Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area.—4k 11ch. 30 sq. ft. at 240/195, S. N. Roy Road P. S. Behala, Calcutta. More particularly described in deed No. 2236 of S. R. Alipore of 1982.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 7-1-1983

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1983

Ref. No. AC-57/R-II/Cal./82-83.—Whereas I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

25/C, Becharam Chatterjee Rd. situated at Behala, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R. Alipore on 21-5-82

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt.Niharkana Devi &
 Sakti Nath Chattapadhaya
 Becharam Chatterjee Road, Calcutta-34.

(Transferor)

 Smt. Sovana Sengupta, 25/C, Becharam Chatterjee Road, Calcutta-34.

(Transferee)

(3) 1. Bhaskar Roy Chowdhury (Tenant)
 2. Manabendra Nath Dasgupta (Tenant)
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area:—5k, 6ch, 40 sq, ft, (with bldg.) at 25/C, Becharam Chatterjee Rd, Behala, Cal-34. More particularly described in deed No. 6547 of D.R. Alipore of 1982,

M. AHMFD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 6-1-1983

Scal:

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA Calcutta, the 14th January 1983

Ref. No. TR-93/82-83/Sl. 697 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 37 situated at 105, Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—466GI/82

(1) M/s. Frontier Coal Concern.

(Transferor)

(2) Phulrani Dewan.

(Transferee)

(3) Mr. Kanoria.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 37 on the 7th floor and garrage space being No. 19 on the basement of premises No. 105, Park Street, Calcutta known as 'Kohinoor Building' registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 4094 dated 14-5-82.

M. AHMED
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700017

Date: 14-1-1983.

Scal;

# FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1983

Ref. No. TR-104/82-83/Sl. 696/IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-5-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sent. Durgabati Dassi.

(Transferor)

(2) Sri Jewanmul Anchalia.

(Transferee)

(3) Jayatri Tamang.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Premise No. 5, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta with land measuring 7200 sq. ft. registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 3788 dated 4-5-82.

M. AHMAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-16,

Date: 14-1-1983,

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Sadhana Debi (Chatterjee).

(2) Sri Rabindra Nath Pal.

(Transferor)
(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OME-

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1983

Ref. No. 1213/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 233A situated at Rash Behari Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (17 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 10-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 1Ch 27 aft. with building being premises No. 233A, Rash Behari Avenue, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road : Calcutta-16.

Date: 13-1-1983.

## FORM ITNS-

(1) Smt. Prativa Rani Paul Chowdhury & ors.

(Transferor)

(2) Sri Jadunath Paul, Sri Dilip Kumar Paul, Sri Sudip Kumar Paul, Sri Pradip Kumar Paul.

(Transferees)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 14th January 1983

Ref. No. 1214/Acq. R-JII/82-83.—Wheeras, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 115 situated at Sri Aurobinda Sarani, Calcutta

No. 115 situated at Sri Aurobinda Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4K 11Ch 36 sft. with building being premises No. 115, Sri Aurobinda Sarani, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-1-1983.

#### FORM ITNS

- (1) Sri Debraj Marda.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M.s. Bhavana Properties Private Ltd.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 12th January 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1212/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62/17 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Calcutta on 28-5-82

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 8K 7Ch 26 sft. with building being premises No. 62/17, Ballygunge Circular Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road : Calcutta-16.

Date: 12-1-1983.

#### FORM ITNS ...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1983

Ref. No. 1210/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

84/6 situated at Chandi Ghosh Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Srì Jagadish Chandra Saha.
- (2) Sri Ganesh Chandra Saha.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 8Ch 3 aft. with building being premises No. 84/6, Chandi Ghosh Road, Calcutta,

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road : Calcutta-16.

Date: 13-1-1983,

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th January 1983

Ref. No. 1211/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4A situated at Deshapriya Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Benoy Charan Chatterjee.

(Trensferor)

(2) Sri Narayan Chandra Bhattacharya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that divided and demarcated half share in the land and two storied building having an area 1K 10Ch 41 aft being premises No. 4A, Deshapriya Park Road, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road : Calcutta-16.

Dated: 13-1-1983,

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 17th January 1983

Ref. No. AR-III/2162/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey Nos. 132, 133 (pt) & 134 situated at Ghatkopar, and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5th May, 1982, Document No. R-5447/72

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Om Co-op. Housing Society Limited.

(Transferor)

(2) Shri Rewachand Ladharam Ramchandani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 5447/72 and registered on 5-5-1982 with the Sub-registrar, Bombay.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 17-1-1983

Scal:

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

### ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1983

New Delhi, the 19th February 1983

No. F. 2/5/82-EI(B).—A combined competitive examination for recruitment in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHBAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 7th August, 1983 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 19th February, 1983. No. F. 2/5/82-EI(B).—A combined competitive examina-

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EYAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories-

Category I-Civil Engineering

Category II-Mechanical Engineering

Category III-Electrical Engineering

Category IV-Electronics and Telecommunication Englneering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below:-

#### Category I--CIVIL ENGINEERING

# Group A—Services/posts

- Indian Railway Service of **(1)** Engineers.
- Indian Railway Stores Sci-(Civil Engineering
- Central Engineering Service. (iii)
- Military Engineer Services (Building and Roads Cadre/ Surveyor of Works Cadre)

120 (includes 18 vacancies reserved for S.C. and 10 reserved for S.T. candidates.

- Central Water Engineering (Civil Engineering Service posts).
- Central Engineering Service (Roads).

10 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 for S.T. candidates),

Assistant Executive Engineer (Civil) (P & T Civil Engineering Wing). Assistant

(viii) Indian Ordnance Factories 2 (includes 1 vac ancy Service (Engineering Branch) reserved for S.C. Civil Engineering Posts. candidates).

#### Group B-Services/Posts

- Engineer (Civil) il Engineering Assistant (ix) P&T Civil Wing.
- Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

#### Category II—MECHANICAL ENGINEERING (Group A--Services/Posts)

- Indian Railway Service of Mechanical Engineer.
- (i) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts).
- Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iv) Contral Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- Indian Ordnance Factories 10 (includes 1 vacancy Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts).

reserved for S.C. and 1 reserved for S.T. candidates).

- Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts).

  4 (includes 1 vacancy reserved for S T. candidates).
  - Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.
- (viil) Drilling Engineer (Junior) in the Geological Survey of

(vii)

Assistant Manager (Factories) (P & T Telecom. Factories Organisation).

7 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates).

Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadre) (Mechanical Engineering Posts).

15 (includes 3 vacancies reserved for S.C. and 1 vacancy reserved for S.T. candidates).

- Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, (xi) Ministry of Defence.
- Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).

66-466GI/82

1

3646

- (xiii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Post).
- (xiv) Indian Supply Service (Me- 2 (includes 1 vacancy chanical Engineering Posts). reserved for S.C. candidates)

#### Group B-Services/Posts

- (xv) Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India.
- (xvi) Workshop Officer (Mechani- 4 (includes 1 vacancy cal Engineering posts) in reserved for S.C and the Corps of EME, Minis- 1 for S.T. candidates.) try of Defence.

## Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

for S.T candidates)

1

#### Group A-Services/Posts

- Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (iii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (iv) Indian Ordnance Facto- 6 (includes 1 vacancy ries Service (Engineering reserved for S.C and Branch) (Electrical Engi- 1 for S.T candidates) neering Posts).
- Armament 6 (includes 1 vancancy (v) Indian Naval (Electrical Engi- reserved for S.C. and Service neering Posts).
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts).
- (vil) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).
- (viii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps EME, Ministry of Defence.
- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post).
- (x) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts)
- (xi) Military Engineer Service 25 (includes 4 vacancies (Electrical and Mechanical reserved for S.C. and cadre) (Electrical Engineer- 2 for S.T. candidates).

#### Group B-Services/Posts

- (xii) Assistant Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).
- (xiii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio.
- (xiv) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

#### Category IV—ELECTRONICS AND TELE COMMUNI-CATION ENGINEERING

### Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/ Electronics Engineering Posts).
- (iii) Indian Telecommunication 150\*\* Sorvice.
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications.
- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service.
- (vi) Assistant Station Engineer in All India Radio.
- Technical Officer in Civil (vii) Aviation Department.
- (viii) Communication Officer in 1 (vacancy reserved for Civil Aviation Department. S.T. candidates).
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts).
- (x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts).
- Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts).
- (xii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering
- Workshop Officer (Electronics Engineering Post) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

10 (includes 3 vacancies reserved for S.C. candidates).

2 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates).

### Group B-Services/Posis

- (xv) Assistant Engineer in the All India Radio.
- (xvi) Assistant Engineer in Overseas Communications Service.
- (xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of BME, Ministry of Defence.
- (xviii) Technical Assistant (Group B.
  Non-Gazetted) in Overseas
  Communication Service.

The vacancies shown against Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) are permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

NOTE:—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in Appendix I to the Rules.

- 3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.
- N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

They should note that they will be considered for appointment to those services/posts only for which they express their preference and for no other service/post.

N.B. 2.—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS, COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (CF. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN

EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

- N.B. 3.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the engineering services examination, 1983. Application on forms other than the one prescribed for the engineering services examination, 1983 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 18th April, 1983 (2nd May, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunchal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 18th April, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti district of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 18th April, 1983.

NOTE (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rupees eighty only) Rs. 20.00 (Rupees twenty only in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application,

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective

repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rupees fifty four only) [Rs. 14.00 (Rupees fourteen only) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will other wise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1982 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 Examination, his candidature, for the 1983 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of 1982 examination in the Employment News.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in General Ability Test and two papers each in Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to Candidates Information Manual at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN,
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE 1

#### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desire a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 7th July, 1983 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own hand writing in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the

examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:--
  - CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested/certified copy of Certificate of age
  - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational Oualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm, × 7 cm. approx) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (Sce para 5 below).
- (viii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- Note (i) Candidates are requested to submit along with their applications only copies of certificates mentioned at items (ii), (iii), (vi) and (vii) above attested by a gazetted officer of government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify for interview for the personality test on the results of the written part of the examination will be required to submit the originals of the certificates mentioned above. The results of the written examination are likely to be declared in the month of december, 1983. They should keep the originals of the certificates in readiness for submission at the time of interview. The candidature of candidates who fail to surmit the required certificates in original at that time will be cancelled and the candidates will have no claim for further consideration.

NOTE (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent alongwith application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee:-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows-

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the Issuing Post Master and a clear stamp of the Issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted, Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

#### (ii) Certificate of Age :--

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above. Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age 25 recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/ CERTIFIED COPY OF THE PAGE CON-TAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECOND-DARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR, AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind-themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

Note 1:—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examinations, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted

Order, 1951\*

to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 31st October, 1983.

Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

Signature

Designation

Name of Institution

Where situated

Date----

\*Strike out whichever is not applicable.

Note 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in provise to Rule 6, must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

- (iv) Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. ×7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance-Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N. B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(ii), 3(iv), 3(vi) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate whe claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India.

[ns amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966. the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castee Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*	*(11) Shri/Shrimati Kumati
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*	the Central Government in the post of in the with effect from
•	*Strike out whichever is not applicable.
2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*	Signature
of District/Division* of the State/Union Territory* of	Designation
	-
Signature	Ministry/Office
**Designation	Office stamp
	Date
(with seal of office)	Place
PlaceState/Union Territory*	
Date	(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Baugladesh) claiming age concession under Rule 5(c)(ii) or 5(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7
*Please delete the words which are not applicable.	of the Notice, should produce an attested /certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the
Note—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Repre- sentation of the People Act, 1950.	period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:-
**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates:	<ol> <li>Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States;</li> </ol>
(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipen- diary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magis- trate/Extra Assistant Commissioner.	(2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;
†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).	<ol> <li>Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;</li> </ol>
•	
<ul> <li>(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate</li> <li>Magistrate/Presidency Magistrate.</li> </ul>	(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
(1ii) Revenue Officers not below the rank of Tehsilder	(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
<ul> <li>(iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;</li> </ul>	(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule
<ul><li>(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.</li></ul>	5(c)(iv) or 5(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to
5. (i) A Government Servant claiming age concession under rule 5(b) should submit a certificate in Original from the Head of the Department/Office in the following form:—	migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
The form of certificate to be produced by the candidate. Certified that	(iv) A reputriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c)(vi) or 5(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show
*(1) Shri/Shrimati/Kumari holds a permanent post of hithe Office/Department of with effect from	that he is an indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he

may be resident to show that he is a bona hid-repairiate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.	3. No disciplinary case is pending against him.
	Station
(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.	Date  Name and Designation of the  Competent Authority
	SEAL
The form of certificate to be produced by the candidate:-	
Certified that Rank No	Authorities who are competent to issue certificates are as follows:—
Signature	(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.
Designation	
Date	Annua Discount of Bosses & C.
*Strike out whichever is not applicable.	Army—Directorate of Personnel Services, Army Hqrs., New Delhi.
(vi) Ex-servicemen and Commissioned Officers including BCO4/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(c)(xiv) or 5(c)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.	Navy—Directorate of Personnel Services, Naval Hqrs., New Delhi.
(A) Applicable for Released/Retired Personnel.	Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs., New Delhi.
has rendered service from to to has rendered service from to has rendered service from to to has conditions:—	(b) In case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.
<ul> <li>(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.</li> <li>(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment</li> </ul>	Army—By various Regimental Record Offices.  Navy—Naval Records, Bombay.  Air Force—Air Force Records, New Delhi.
on———.	
Station	(vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Victnam claiming age concession under Rule $S(c)(x)$ or
Name and Designation of the Competent Authority	5(c) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
SEAL	Total Vision and Vision Court Vision
(B) Applicable for Serving Personnel.	
It is certified that No Rank Name whose date of birth is is serving in the Army/Navy/Air Force from	(viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika,
2. He is due for release/retirement w.c.f.	and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xii) or 5(c)(xiii) should produce and attested/certified copy of a certificate from the District
67-466GI/82	

Manistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

- (ix) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(c)(xvi) or 5(c)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
  - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
  - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
  - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii), (iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Agriculture and Irrigation/Communication/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation.
- Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered /fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination

Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. It a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, lpso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12 The Union Public Service: Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations" This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block. Baba Kharag Singh Marg. New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 KS Roy Road, Calcutta-1. The Manual /pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications regarding application.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS
  - (i) NAME OF EXAMINATION.
  - (II) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (III) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NO.
    OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF
    THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER /
    ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (IV) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINA-TION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IG-NORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN 1 HERE-ON.

14. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE II

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination in the papers in Section I under each Engineering discipline (viz. Civil, Mechanical, Electrical and Electronics & Telecommunication) in Appendix I to the Rules will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) reversed suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

#### B. NATURE OF THE TEST

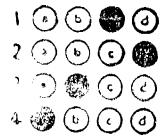
The question paper will be in the torm of a IES1 BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,.... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample ltems" at the end) In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) number of items from 1 to 160 have been printed in four Parts. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the test, you have to mark the circle containing the letter of

the selected answer by blackening it completely with pench as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circle on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, crase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an craser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination half twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Notody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have chapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to till in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instruction meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner and a pen containing blue or black ink You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not

needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

# SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :- \*denotes the correct/best answer-option)

# 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

#### 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- \*(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

### 4. (Chemistry)

The anhydride of H. VO. is

- (a) VO.
- (b) VO.
- (c) V,O
- \*(d) V\*O\*

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal.
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

#### 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

#### 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt to

- (a) Oligoclaso
- \*(b) Labradorite
- (c) Albito
- (d) Anorthite

## 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y ax
- (c) y = aex + be-x
- \*(d) y aox -a

### 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be a

- (a) 4<sup>2</sup>
- \*(b) 3
- $(c) \propto (d) 5$

11. (Geography)
The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

#### 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

#### 13. (Phllosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvākā Mimāmsa.
- (b) Njaya Vaisesipa Jainesh and Buddksic Carvaka.

- (c) Advaita, Vedānta, Samknya, Cārvāka Yoga.
- \*(d) Ruddhısm, Samkhya, Mimamsa, Carvaka.
- 14. (Political Science)

#### 'Functional representation' means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Union

#### 15. (Psychology)

#### Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

#### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government
  - (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note: —Candidates should note that the above sample items (Questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

